Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

66
986

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

66
१४६

20122

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय
कृपया पुस्तक के ऊपर कोई निशान आदि
न लगायें।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri


# पुस्तकालय

गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार 20022

वर्ग संख्या 66 / 986    आगत संख्या ..........

पुस्तक-विवरण की तिथि नीचे अंकित है। इस तिथि सहित ३० वे दिन तक यह पुस्तक पुस्तकालय में वापिस आ जानी चाहिए। अन्यथा ५० पैसे प्रति दिन के हिसाब से विलम्ब-दण्ड लगेगा।

18 DEC 2025

TS131


CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

॥ ओ३म् ॥

# पाठविधि

नवम तथा दशम श्रेणी

पुस्तकालय
गुरुकुल कांगड़ी

66
९८६

हरिद्वारीय-गुरुकुल-विश्वविद्यालय

STOCK
2023-25
Central Library, GKV, Haridwar

2002
2-9-2009

66

संवत् २०००

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CHE... 1973
Initial

# ९म तथा १०म श्रेणी

की

# पाठविधि

STOCK VERIFI...
2023-25
Cen...
STOCK VERIFY
2019-20
GKV Library

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सं०

१
२
३
४
५
६
७
८
९
१०
११
१२
१३
१४
१५
१६

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

# विद्यालय पाठविधि

## विषय सूची



| सं० | विषय | श्रेणी | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|---|
| १ | व्याकरण | ६ | २ |
| २ | ,, | १० | १० |
| ३ | संस्कृत | ६ | २ |
| ४ | ,, | १० | ११ |
| ५ | आंगल भाषा | ६ | ४ |
| ६ | ,, | १० | १२ |
| ७ | गणित | ६ | ५ |
| ८ | ,, | १० | १३ |
| ९ | विज्ञान | ६ | ८,१७ |
| १० | ,, | १० | १४,१६ |
| ११ | इतिहास | ६ | ७ |
| १२ | ,, | १० | १२ |
| १३ | आर्य भाषा | ६ | ६ |
| १४ | ,, | १० | १५ |
| १५ | धर्म शिक्षा | ६ | १० |
| १६ | ,, | | १६ |



पुस्तकालय गुरुकुल कांगड़ी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

# नवम श्रेणी

## १. वेदाङ्ग ( व्याकरण )

पत्र (क) ३ घण्टे १०० अङ्क

१. अष्टाध्यायी १ से ४ अध्याय काशिका के अनुसार पढ़ाई जावे।

२. नामिक

सूचना — १. फक्किकाएँ, कारिकाएँ बिलकुल छोड़ दी जावें।

२. वार्तिक केवल आवश्यक ही पढ़ाये जावें।

३. सूत्रों के गणों में से साधारण दृष्टि से विद्यार्थियों को गुजारा जावेगा परन्तु इनकी परीक्षा नहीं होगी।

४. स्वर तथा वैदिक प्रकरण नहीं पढ़ाया जावेगा।

५. तद्धित प्रकरण छोड़ दिया जावे।

पत्र (ख) ३ घण्टे १०० अङ्क

इसी वर्ष के पढ़े व्याकरण के साहित्योपयोगी क्रियात्मक ज्ञान की योग्यता के सम्बन्ध का होगा जिसमें शुद्धि-अशुद्धि, विग्रह, प्रकृति, प्रत्यय, विश्लेषादि सम्बन्धी प्रश्न पूछे जायेंगे। सूत्रांश नहीं पूछा जायगा।

## २. संस्कृत साहित्य

पत्र (क) ३ घण्टे १०० अङ्क

१. मुद्राराक्ष (सम्पूर्ण)

२. साहित्य-सुधासंग्रह २य बिन्दु निम्नलिखित स्थल—

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri


(i) दूतवाक्यम् — २२ पृष्ठ
(ii) वसन्त सेना — ६ पृष्ठ
(iii) कादम्बरी — १२० पृष्ठ तक ( ६० पृष्ठ )
कुल ८८ पृष्ठ

पत्र ( ख ) ३ घण्टे ७५ अङ्क

अनुवाद, प्रत्यनुवाद; प्रस्ताव, व्याख्या, वाक्य रचना आदि अलङ्कार-साहित्य दर्पण १०म परिच्छेद के आधार पर नीचे लिखे अलङ्कार —

## अलङ्कार सूची

१. अनुप्रासः २. यमकम् ३. श्लेषः ( शब्दः ) ४. स्वभावोक्तिः ५. उपमा ६. रूपकम ७. उत्प्रेक्षा ८. अतिशयोक्तिः ९. व्यतिरेकः १०. प्रति वस्तूपमा ११. निदर्शन १२. दृष्टान्तः १३. अर्थान्तर-न्यासः, १४. तुल्ययोगिता १५. दीपकम् १६. सन्देहः १७. भ्रान्ति-मान् १८. अपह्नुति १९. समासोक्ति २०. अप्रस्तुत प्रशंसा।

सूचना—ये अलंकार श्री पं० परमेश्वरानन्द शास्त्री कृत काव्यदीपिका पुस्तक से भी पढ़ाये जा सकते हैं।

पत्र (ग) मौखिक (सम्भाषण, पठन, कण्ठस्थ श्लोकादि) २५ अङ्क

१. प्रत्येक विद्यार्थी को १४ प्रस्ताव तथा २६ अनुवाद वर्ष भर में लिखने आवश्यक होंगे। प्रस्ताव साधारण कापी के २॥, ३॥ पृष्ठ का होना चाहिये। अनुवाद साधारण कापी के एक एक पृष्ठ का होना चाहिये।

२. अध्यापक महोदय अनुवाद कराते समय अनुवाद प्रभा, अनुवाद सौरभ आदि पुस्तकों से सहायता लें।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri


## ३. आंगल भाषा

पत्र ( क ) ३ घण्टे ६० अंक

1. Simple Chapters on English Life by Wyatt ( Selections )

निम्नलिखित स्थल :—

( i ) English customs. ( ii ) Christianday. ( ii ) An English Village. ( iv ) The Sea Coast of England. ( v ) The Game of Foot-ball. ( vi ) The Modern Steam Ship. ( vii ) The Holidays on an English Farm. ( viii ) London. ( ix ) Coal. ( x ) Invitation. ( xi ) Ship. ( xii ) Aden and Port-said.

2. Tales From Far and Near–Diwanchand Sharma ( omitting the Lion's Share )

3. Parkinson's Selections of English Verse. ( New Edition ) Poems 1 to 11 Pages 1-23

पत्र ( ख ) ३ घण्टे ६५ अंक

High School English Grammar—Wren

१८१ पृष्ठ तक Adverb Finished.

वाक्य रचना, अनुवाद, प्रत्यनुवाद, पत्र लेखन।

पत्र ( ग ) मौखिक सम्भाषण २५ अंक

टिप्पणी–पत्र ( ख ) में उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri


## ४ गणित या व्यापार

पत्र ( क ) ३ घण्टे ७५ अंक

१. अंक गणित—तेजराम कृत ३५ अंक निम्नलिखित नियम—

१. अंकन और संकेत। २. प्रारम्भिक चार नियम। ३. खंड और रूढ़ संख्याएँ। ४. महत्तम समापवर्तक तथा लघुतम समापवर्त्य। ५. भिन्न। ६. दशमलव भिन्न ( आवर्त तथा अनावर्त ) ७. अनुपात समानुपात। ८. औसत। ९. प्रतिशतक।

२. नवीन हाई स्कूल बीज गणित—आनन्दस्वरूप सिन्हा।

उदाहरणमाला—१ से ७२ ( पृष्ठ १ से ३९६ तक )

१ बीज गणित। अंक गणित से एकता तथा भिन्नता, चिह्नों का प्रयोग, गुणक, मान, पद।

२. संकलन ( जोड़ ) तथा व्यकलन ( बाकी )

३. धनात्मक, ऋणात्मक संख्याएँ ( कोष्ठ )

४. गुणन तथा भागहार

५. कुछ आवश्यक सिद्धान्त ( Formulae )

६. सरल समीकरण

७. अक्षरों का प्रयोग तथा गणित के सूत्र

८. सरल समीकरण सम्बन्धी प्रश्न ( Problems )

९. समकालिक समीकरण तथा इनके सम्बन्ध के इबारती प्रश्न ( केवल दो अक्षरों के )

१०. ग्राफ का प्रयोग। सरल समीकरणों के ग्राफ।

११. गुणन खंड, अवशिष्ट साध्य।

१२. महत्तम समापवर्तक तथा लघुतम समापवर्त्य।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri


प्रश्न पत्र (ख) ३ घण्टे ७५ अङ्क

१. अङ्कगणित—तेजराम कृत १५ अङ्क

१. सरल व्याज। २. समानुपाती भागों में विभाग।

३. वर्गमूल। ४. व्यवहारगणित (सरल व मिश्र)

२. डिमान्स्ट्रेटिव ज्यौमेट्री—जी. एन. चैटर्जी ६० अङ्क

1. Theorems—Props. 1 to 29

2. Problems—Props. 51 to 62

गणित के साथ व्यापारिक विषय (कॉमर्स) का विकल्प होगा, जिसमें निम्न विषयों का समावेश होगा :—

सूचना ९म तथा १०म दोनों श्रेणियों में दो दो पत्र हुआ करेंगे।

## १. बहीखाता (Book-keeping)

बहीखाता, रोकड़ बही, नकल बही, खाताबही का लिखना, रोजनामचा तैयार करना, खाता खताना, कच्चा और पक्का आंकड़ा तय्यार करना, बीजक बनाना और उसका जमा खर्च, बैङ्क का हिसाब रखना, बैङ्क, हुण्डी आदि का जमा ख़र्च करना, रोकड़ बही में बैङ्क का हिसाब रखना, खानेदार बहियां रखना, अंग्रेज़ी तथा देशी बहीखाता पद्धति का परिचय, साझा व कम्पनी के मामूली हिसाब, व्यय फैलाना, आढ़तियों का हिसाब तैयार करना।

पाठ्य पुस्तक—हिन्दी बहीखाता—कस्तूरमल बांठिया।

सहायक पुस्तक नामा लेखा और मुनीमी-कस्तूरमल बांठिया

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



2. Business Method.

Office routine, Drafting simple business and official letters, Preparations of telegrams and cablegrams, including a knowledge of simple codes; Docketing, filing, copying and despatch of letters, Ordinary postal registration, and insurance forms, Post office saving bank account, Telephone. Simple duplicating and other labour saving appliances, Meaning of ordinary commercial terms and abbreviations, Preparation of simple commercial documents such as, indents, invoices, bills of exchange, promissory notes, statement of accounts; Nature and use of bills of landing and railway receipts, Simple banking transactions involving the nature and use of cheque deposit slips and pass-books.

Books recommended

1. Method and Correspondence, by Arthur Fieldhouse.
2. Commercial Practice, Part I by Govil and Gupta ( Bros. Cawnpore ).

3. Typewriting.

[i] Typing a letter with carbon copies.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



[ii] Typing a simple tabular statement,

[iii] Typing from a rough and unarranged draft in manuscript containing common abbreviations. A knowledge of mechanism of a type-writing machine is expected of all candidates in Typewriting.

1. Pitman's or remington's Typewriting.
2. "Touch Typewriting", published by Frank Bros and Co., Chandani Chowk Delhi.

4. Commercial Arithmetic.

## ५. विज्ञान

पत्र (क) ३ घण्टे ७५ अङ्क

Class book of Science Part I.

1. Mechanics 2. Heat तथा 3. Light (सम्पूर्ण)

क्रियात्मक २५ अङ्क

## ६. इतिहास

पत्र (क) घण्टे ७५ अङ्क

१. इतिहास प्रवेश—जयचन्द्र विद्यालङ्कार—सन् १५०८ ई०तक।

पत्र (ख) ३ घण्टे ७५ अङ्क

(i) भूगोल—रायसाहब सोहनलाल — २० अंक

१. प्राकृतिक भूगोल—सम्पूर्ण — १० अंक

२. आस्ट्रेलिया तथा अफ्रीका

(ii) रामनारायण मिश्र—भारतवर्ष का भूगोल ४५ अंक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



गृहकार्य के रूप में इतिहास के भिन्न भिन्न कालों के १० मानचित्र तथा भूगोल के ५ मानचित्र बनाना आवश्यक होगा।

## ७. आर्यभाषा

पत्र (क) ३ घण्टे ५० अङ्क

पद्य—१. रामचरित मानस (अयोध्याकाण्ड पूर्वार्द्ध)

२. आधुनिक पद्यावली—कपूर

गद्य—३. गद्य चयनिका—कैलाशनाथ भटनागर

नाटक-४. अशोक—चन्द्रगुप्त

समालोचना-५. साहित्य-समालोचना—रामकुमार वर्मा

पत्र (ख) ३ घण्टे ५० अङ्क

१. व्याकरण—कृष्णचन्द्र विद्यालङ्कार, १४२ पृष्ठ तक

२. अलङ्कार प्रवेशिका—राजाराम

३. निबन्ध-रचना

नोट—कम से कम १० निबन्ध कापी के चार चार पृष्ठों के साल भर में लिखना आवश्यक होंगे।

स्वयं पठनार्थ :—

१. नाट्य निर्झरी

२. सप्तसरोज—प्रेमचन्द

३. लोकोक्ति तथा मुहावरे

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## ८. धर्मशिक्षा

(i) दोनों श्रेणिओं में धर्मशिक्षा का ३ घण्टे और १०० अङ्कों का एक ही प्रश्न पत्र हुआ करेगा।

(ii) सत्यार्थ प्रकाश के प्रथम पांच समुल्लास अष्टम श्रेणी में पढ़ाए जावें।

एक पत्र ३ घण्टे १०० अङ्क

सत्यार्थप्रकाश—६ से १० समुल्लास

गीता—१ से ६ अध्याय तक

(१) गीता के ६० श्लोक स्मरण करना आवश्यक होगा। इनके १० अङ्क होंगे। स्मरण करने योग्य श्लोक—

| अध्याय | श्लोक क्रम संख्या |
|---|---|
| २ | २२ से २६, ४७ से ५०, ५४ से ७२ |
| ३ | ४ से २१ |
| ४ | २८ |
| ५ | १८ से २० |
| ६ | १६ से २३, ३५ से ३६ |
| ६ | १० |

# दशम श्रेणी

## १. वेदांग ( व्याकरण )

पत्र (क) ३ घण्टे १०० अङ्क

१. काशिका ( उत्तरार्द्ध )

२. आख्यातिक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri


पत्र (ख) ३ घण्टे १०० अङ्क

इसी वर्ष के पठित व्याकरण के साहित्योपयोगी क्रियात्मक ज्ञान की योग्यता के सम्बन्ध का होगा जिसमें शुद्धि, अशुद्धि, विग्रह, प्रकृति, प्रत्यय, विश्लेषादि सम्बन्धी प्रश्न पूछे जावेंगे। सूत्रांश नहीं पूछा जावेगा।

सूचनाएं नवम श्रेणी के समान।

## २. संस्कृत साहित्य

१. साहित्य सुधा संग्रह २य बिन्दु निम्न लिखित स्थल—

(i) वासवदत्ता—१० पृष्ठ

(ii) हर्षचरितम्—१० ,,

(iii) कादम्बरी—शेष ६४ पृष्ठ

२. चम्पूरामायण—प्रथम तीन खण्ड

पत्र (ख) ३ घण्टे ७५ अङ्क

(१) अनुवाद, प्रत्यनुवाद, प्रस्ताव, व्याख्यान तथा वाक्य रचना आदि।

(२) अलंकार—साहित्य दर्पण दशम परिच्छेद के आधार पर—

### अलंकार सूची

१. व्याज स्तुति २. प्रतीपम् ३. श्लेषः (अर्थः) ४. सहोक्ति
५. काव्य लिङ्गम् ६. विभावना ७. विशेषोक्तिः ८. विरोधः
९. विषमम् १० असङ्गतिः ११. कारणमाला १२. सारः
१३. एकावली १४. अर्थापत्तिः १५. स्मरणम् १६. परिकरः

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri


१७. अधिकम् १८. विशेषः १९. परिवृत्तिः २०. पर्यायः
२१. परिसंख्या २२. तद्गुणः २३. उदात्तम् २४. सूक्ष्मम्
२५. भाविकम् २६. विनोक्तिः २७. पर्यायोक्तम् २८ व्याजोक्तिः
२९. वक्रोक्तिः ३०. आक्षेपः ।

सूचना—ये अलङ्कार पं० परमेश्वरानन्द शास्त्रि कृत काव्यदीपिका पुस्तक से भी पढ़ाए जा सकते हैं।

पत्र (ग) २५ अङ्क

मौखिक—सम्भाषण, पठन, कण्ठस्थ श्लोकादि

सूचना—गृह निबन्ध नवम के समान ।

## ३. आंगलभाषा

पत्र (क) ३ घण्टे ६० अङ्क

1. Winners of Freedom, by F. Martin.
(Omitting William Te'l, William Silent, and William III)

2. Parkinson's Selections– New Edition Pages 24-53 (Poems 15 to 33).

पत्र (ख) ३ घण्टे ७५ अङ्क

Wren—High School English Grammer.
१८२ पृष्ठ से अन्त तक।

वाक्यरचना, अनुवाद, प्रत्यनुवाद, प्रस्ताव तथा पत्र लेखन

पत्र (ग) २५ अङ्क

मौखिक—सम्भाषण आदि

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पत्र (ग) के लिए सहायक पुस्तक English Dialogues, by F. Martin है।

सूचना—(ख) पत्र में उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा।

## ४. गणित या व्यापार

प्रश्न पत्र (क) ३ घण्टे ७५ अङ्क

१. अङ्कगणित—तेजराम कृत ३५ अङ्क

निम्नलिखित नियम—

१. हानि लाभ। २. स्टाक तथा हिस्से। ३. क्षेत्रफल। ४. कैलेण्डर। ५. कार्य सम्बन्धी प्रश्न। ६. समय तथा दूरी सम्बंधी प्रश्न। ७. दौड़ खेल। ८. मिश्रगणित।

२. नवीन हाईस्कूल बीजगणित—आनन्द स्वरूप सिन्हा उदाहरणमाला ७३ से ९२ तथा १०५ से ११५ (पृष्ठ २९७ से ३८९ तथा ४६१ से ५१०)

१. भिन्न
२. अनुरूपताएं
३. भिन्न सम्बन्धी सरल समीकरण
४. तीन अक्षरों वाले समकालिक समीकरण
५. आक्षरिक गुणक वाले कठिन समीकरण
६. समीकरण सम्बन्धी कठिन प्रश्न (Problems)
७. वर्गमूल
८. निष्पत्ति तथा अनुपात
९. घात सम्बन्धी सिद्धान्त
१०. करणी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पत्र ( ख )　　३ घंटे ७५ अंक

१. अंकगणित—तेजरामकृत　　१५ अंक

१. चक्रवृद्धि ब्याज।　　२. तत्कालधन मितिकाटा।

३. व्यापारिक बट्टा।

२. डिमोन्स्ट्रेटिव ज्यौमेट्री—जी. एन. चटर्जी　　६० अंक

1. Theorems—Prop. 30 to 50　　३० अंक

II. Problems—Prop. 63 to 81　　३० अंक

गणित के साथ व्यापार का विकल्प होगा। पाठविधि दोनों श्रेणियों की नवम के पाठ में छपी है।

## ५. विज्ञान

पत्र ( क )　　३ घण्टे ७५ अंक

Class book of Science Part I　　२० अंक

1 Electricity ( frictional and current )

2. Magnetism.

Class Book of Science Part II (सम्पूर्ण)—५५ अंक

क्रियात्मक　　२५ अंक

## ६. इतिहास

पत्र ( क )　　३ घण्टे ७५ अंक

इतिहास प्रवेश—जयचन्द्र विद्यालंकार—१५०८ के बाद

पत्र ( ख )　　३ घण्टे ७५ अंक

१. भारतीय शासन—भगवानदास केला　　२० अंक

२. भूगोल—ला० सोहनलाल, युरोप तथा अमरीका　　५५ अंक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



सूचना—गृह कार्य के रूप में इतिहास के १० तथा भूगोल के ५ मानचित्र बनना आवश्यक होगा।

## ७. आर्यभाषा

पत्र ( क ) — ३ घंटे ५० अंक

पद्य — १. रामचरितमानस ( अयोध्याकाण्ड उत्तरार्द्ध )

२. तरंगिणी शुचिव्रत—चुने हुए स्थल

गद्य — ३. कुछ विचार ( प्रथम भाग )—प्रेमचन्द

नाटक — ४. अजात शत्रु—प्रसाद

समालोचना ५. विवेचनात्मक निबन्ध—साधुराम

पत्र ( ख ) — ३ घंटे ५० अंक

१. हिन्दी व्याकरण — कृष्णचन्द्र—१४३ पृष्ठ से अन्त तक।

२. नखदर्पण में हिन्दी कविता — हजारीप्रसाद द्विवेदी।

३. गद्य का क्रमिक विकास — धर्मेन्द्रनाथ।

४. निबन्ध रचना

स्वयं पठनार्थ — १. सप्त सरिता—कालेलकर। २. मन्दिर—हरिकृष्ण प्रेमी। ३. लेखनकला—किशोरीदास बाजपेयी।

सूचना—कम से कम १० निबन्ध कापी के ४-४ पृष्ठों के लिखने आवश्यक होंगे।

## ८. धर्म-शिक्षा

पत्र ( क ) — ३ घण्टे १०० अंक

सत्यार्थप्रकाश—११ से १४ समुल्लास

( १३, १४ समुल्लासों में से अधिक से अधिक १५ अंकों के प्रश्न पूछे जा सकेंगे )

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

२. गीता—१२ से १८ अध्याय

सूचना—१. गीता के ६० श्लोक स्मरण करना आवश्यक होगा।

२. गीता के साथ मनुस्मृति अथवा तर्क भाषा का विकल्प होगा।

स्मरण करने योग्य

## श्लोकों की सूची

| अध्याय— | श्लोक क्रम संख्या |
|---|---|
| १२— | १३ से १६ |
| १३— | ७ से ११ |
| १४— | ५ से ६ |
| १५— | १ से ५ |
| १६— | १ से ४, ७ से ६, २१ |
| १७— | ५ से २२ |
| १८— | २ से ६, २३ से २८, ४१ से ४६, ६१, ६२ |

१. (क) व्याकरण तथा संस्कृत साहित्य को एक विषय समझा जावेगा। साहित्य में ३३% अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। व्याकरण में कम से कम २०% अंक लेना आवश्यक होगा।

(ख) यदि कोई विद्यार्थी व्याकरण तथा संस्कृत के योग में अनुत्तीर्ण हो परन्तु किसी एक विषय में ३३% अंक लेकर उत्तीर्ण हो; तो उसकी उसी विषय में दोबारा परीक्षा होगी जिसमें कि वह अनुत्तीर्ण है। दोबारा परीक्षा में उसे कम

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri


से कम इतने अंक लेने आवश्यक होंगे जितने अंकों से वह दोनों विषयों के योग में उत्तीर्ण हो सके।

२. नवम दशम दोनों श्रेणियों की परीक्षा शिक्षा पटल लेगा और नवम में पढ़े पाठ की परीक्षा दशम में न होगी।

३. यदि कोई विद्यार्थी आंगल भाषा के (ख) पत्र में अनुत्तीर्ण हो जावे परन्तु योग में उत्तीर्ण हो तो उसकी दोबारा परीक्षा केवल (ख) पत्र में होगी।

४. सब विषयों में उत्तीर्णतांक ३३% होंगे।

# विज्ञान की विस्तृत पाठविधि

## ९म श्रेणी

**भौतिकी—**

परीक्षणात्मक भागों और दैनिक जीवन में आने वाले आधारभूत सिद्धान्तों के प्रयोग पर अधिक बल दिया जाना चाहिए। देश, काल और प्रकृति। निरीक्षण की विधियां। परीक्षणोल्लेखन। माप। अङ्गरेज़ी और फ्रांसीसी (Metric) विधियों से लम्बाई, क्षेत्रफल, आयतन द्रव्यमान (Mass) और घनता का साधारण माप। कमानीदार और साधारण तुला का प्रयोग। पदार्थ की तीन अवस्था और उनके विशेष गुण। ब्रामा प्रेस; द्रवों का दबाव; आर्शीमीडस (Archimedes) का सिद्धान्त। ठोस और द्रवों की आपेक्षिक घनता तथा उनका (Hydrostatic Balance) द्वारा निश्चत करना; तैरने

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

वाले पिण्ड, हाइड्रामीटर। बैलून। वायव्य दबाव। साधारण भारमापक, जल पम्प, और वक्रा व पनचोर।

वेग (Velocity) के विषय में साधारण ज्ञान, गत्यन्तर। Graphic Representation जड़ता के विषय में प्रारम्भिक ज्ञान, गतिशक्ति, शक्ति। गति (Motion) सम्बन्धी तीन नियम। द्रव्यमान और भार। गुरुताकर्षण के नियम। गुरुता केन्द्र। दो शक्तियों की समतुलितावस्था, एक पिण्ड की तीन प्रकार की समतुलितावस्थाएं।

Moment of a force, लीवर (lever) का सिद्धान्त; साधारण पुली (Pulley)।

ताप का उद्गम और उसके प्रभाव; ताप और ताप परिमाण। पारदीय तापमापक; अधिकतम न्यूनतम तापमापक;

ताप की इकाई, आपेक्षिक ताप, तापधारणा, जलीय तथा वाष्पीय विलीन ताप। मिश्रण द्वारा ठोस पदार्थ के आपेक्षिक ताप और जलीय विलीन ताप का मापना।

अवस्था परिवर्तन। पिघलाव। द्रावण बिन्दु का जानना। जमाने वाले मेल। वाष्पी भवन और खौलाव। खौलाव बिन्दु का जानना। दबाव के साथ खौलाव बिन्दु का परिवर्तन दिखाने वाले परीक्षण। वायवीय आर्द्रता जल वाष्प का घनीकरण। ओस बिन्दु। बादल, वर्षा, बर्फ़।

ताप का वाहन, सुवाहक और दुर्वाहक, परिवाहन; वेन्टिलेशन, व्यावहारिक वायुवें। ताप का प्रसरण। ताप की किरणों के सप्रसारक, सुविलायक और सुप्रतिक्षेपक। ओस निर्माण के लिये उचित अवस्थायें।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



प्रकाश के स्रोत; प्रकाश सीधी रेखाओं में चलता है, बिन्दु प्रतिमाएं ( Pin-hole Images ) छायायें, ग्रहण।

प्रकाश का प्रतिक्षेप; प्रकाश के प्रतिक्षेप के नियम; साधारण दर्पण से प्रतिक्षेप द्वारा बनी हुई वस्तु की प्रतिमा।

प्रकाश का विचलन; प्रकाश के विचलन के नियम के साधारण प्रयोग द्वारा गिलास में पड़े हुए पानी की विचलन सूचि ( Index ) का परीक्षणात्मक निश्चय। परशुक में से विचलन। परशुक से किरणों का विश्लेषण। पिण्डों के रङ्ग।

उन्नतोदर ताल; उन्नतोदर ताल द्वारा बनी हुई वास्तविक प्रतिमाएं; उन्नतोदर ताल की फोकल-लैङ्गथ का परीक्षणात्मक ज्ञान। गुरुकारी कांच ( Magnifying glass ) की दृष्टि से उन्नतोदर ताल का प्रयोग। फोटोग्राफी का कैमरा, मैजिक लैन्टर्न, ज्योतिष सम्बन्धी दूरवीक्षण और अणुवीक्षण यन्त्र के सिद्धान्त।

क्रियात्मक—साधारण लंबाइयों, क्षेत्रों और आयतनों को मापने में गज, फुट और इञ्च; मीटर, सेन्टीमीटर और मिलीमीटर का ज्ञान; साधारण तुला पर ग्राम डैसीग्राम सेन्टीग्रामों से तोलना; ठोसों की घनता निकालने के लिये आर्शीमीडस के सिद्धान्त का सामान्य प्रयोग। साधारण भारमापक ( Vernier के बिना ) का पढ़ना, शतांश या फार्नहाईट थर्मामीटर का पढ़ना। उन्नतोदर ताल द्वारा प्रतिमाएं बनाना।

## १०म श्रेणी

बुनने की सुई को चुंबकित करना; अलक्करोभाल को अलक्करस्ताविष्ट करना, लीडन जार को अलक्करस्ताविष्ट करना, आर्स्टेड का परीक्षण।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



पिण्डों को अलक्करस्ताविष्ट करना। धन तथा ऋण विद्युत। सुवर्णपत्रीय अलक्करोभाल। वाहक और अवाहक (Insulators), रगड़ तथा वाहन से अलक्करोभाल को प्रभावित करना। आलक्करिक स्थाली।

साधारण वोल्टिक घट; स्थानीय क्रिया और ध्रुवी भवन ( Local action and Polorization ); बुन्सन घट का वर्णन, डेनियल घट, लेकलैन्स ( Leclanche ) घट; दो या दो से ज्यादा घटों की वैद्युतिक धारा से ताप तथा प्रकाश की उत्पत्ति। औरस्टेड का परीक्षण, गलवनोमीटर का सिद्धान्त। आलक्करिक चुम्बक। विद्युत् घन्टी। विद्युद्विश्लेषण और Electroplating.

चुम्बक के गुण, चुम्बक बनाना; नाविक दिग्भाल-यन्त्र।

रसायन—

भौतिक और रासायनिक परिवर्तन। तत्व, समास और मिश्रण, धातु और अधातु। रासायनिक संश्लेषण और विश्लेषण।

घोल, नितारण, छारण, वाष्पीभवन, तिर्यक पातन। परिपूर्ण घोल। स्फटिक, स्फटिकीकरण, ऊर्ध्वपातन। वायु की बनावट। अम्लजन। नत्रजन। वायु की मलिनताएं। वायु में द्रवीभूत होनेवाले ( Deliquescient ) पदार्थ। वायु एक मिश्रण है।

रासायनिक स्नेह, अम्लजन का निर्माण, इसके गुण तथा उपयोग। उपचय, अपचय ज्वलन। मोमबत्ती की ज्वाला के भाग।

उद्रजन, उद्रजन का निर्माण और उसके गुण।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

66/986

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



पानी, पानी के गुण और विद्युद्विश्लेषण द्वारा रचना। वर्षा, झरने, खनिज तथा समुद्रीय जल; कठोर और कोमल जल। कठोर जल को कोमल करना।

ऐन्द्रियक और अनैन्द्रियिक समास। कर्बन के एलोट्रापिक रूप। कोयला, श्वसन। बत्ती का जलना। कओ₂ पर पौदों की क्रिया।

कर्बन द्वयोषित, कर्बन द्वयोषित का निर्माण, गुण और उपयोग। चूने का पत्थर। चूना और बुझा हुवा चूना। खटिक के कर्बनित और गन्धित रूप।

उद्रहरिकाम्ल गैस— इसका निर्माण तथा गुण। हरिद, गन्धक। इस के भेद, खुली हवा और बन्द बर्तन में इस पर ताप का प्रभाव। गन्धक का द्वयम्लजिद् और उसके गुण। गन्धकाम्ल, इसके गुण और धातुवों पर क्रिया। गन्धित; लाल और पीला प्रस्फुरक। दियासलाई।

नत्रिकाम्ल— इस का निर्माण गुण तथा उपयोग। नत्रित। उद्रहरिकाम्ल, गन्धकाम्ल तथा नत्रिकाम्ल की पहचान। अमोनिया और उसके गुण।

कच्ची धातुएं और धातुएं। धातु संकर या मिलावट Alloy और पारद मेल। सोडियम, पोटाशियम के मुख्य लक्षण।

## निम्न धातुओं के गुण—

ताम्र, पारद, रजत, जस्त, सीसा, वंग, लोह और एलुमीनियम।

---

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



**क्रियात्मक—**

घुलनशील तथा अघुलनशील ठोस पदार्थ। नितारण। छारण। तिर्यक् पातन। अम्लों में पदार्थों की घुलनशीलता। बत्ती का जलना और ज्वाला के भाग। अम्लजन के मिश्रणों से अम्लजन का पृथक् करना और इसके भौतिक तथा रासायनिक गुणों का ज्ञान। हलके गन्धकाम्ल पर जस्ते की क्रिया द्वारा उद्रजन का निर्माण और इसके भौतिक तथा रासायनिक गुणों का ज्ञान। कर्बनिकाम्ल गैस (कर्बन द्वयम्लजिद) का निर्माण और उसके भौतिक तथा रासायनिक गुणों का ज्ञान। जलाना और सांस लेना। अम्ल, लवण, क्षार में भेद करना। तीन मुख्य अम्लों के पहचानने की विधियां।

**निर्दिष्ट पुस्तकें—**

Lessons in Science, Grégory and Simmons, Indian Edition (Macmillan) अथवा

A Class Book of Science ( Vol I Physics, and Vol. II Chemistry ) स० प्रेमसिंह, एम. एस. सी. तथा ला० रामभेजामल, एम. एस. सी.

टिप्पणि—क्रियात्मक विज्ञान के लिए निम्नलिखित पुस्तकों में से कोई एक भी काम में ला सकते हैं—

1. Practical Physics and Chemistry and laboratory note books—रायसाहब प्रो० रुचिराम साहनी
2. A Manual of Practical Science—
ला० गिरधारीलाल B. Sc.
3. Practical Physics and Chemistry.
रामभेजामल सेठ, M. Sc. तथा राजा धनराजसिंह B.A.B.T.
4. A Book on Practical Science for M.S.L.C. Candidates—ला० मुकन्दलाल भाटिया M. SC.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

Arjun Press, Delhi.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

❀ ओ३म् ❀

# पाठविधि

वेद तथा साधारण महाविद्यालय

हरद्वारीय-गुरुकुल-विश्वविद्यालय

66 / 96

20022 / 2-9-2001

संवत् २०००

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

# पाठविधि

## वेद तथा साधारण महाविद्यालय

संवत् २०००

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

# वेद तथा साधारण महाविद्यालय

## ❀ विषय सूची ❀


| संख्या | विषय | श्रेणी | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|---|
| १ | वेद | ११ | १ |
| २ | ,, | १२ | २ |
| ३ | ,, | १३ | ३ |
| ४ | ,, | १४ | ४ |
| ५ | दर्शन | ११ | ४० |
| ६ | ,, | १२ | ४५ |
| ७ | ,, | १३ | ५ |
| ८ | ,, | १४ | ६ |
| ९ | संस्कृत साहित्य | ११ | ६ |
| १० | ,, | १२ | ८ |
| ११ | ,, | १३ | ८ |
| १२ | ,, | १४ | ९ |
| १३ | व्याकरण | ११ | १० |
| १४ | ,, | १२ | १० |
| १५ | ,, | १३ | ११ |
| १६ | ,, | १४ | ११ |
| १७ | आंगल भाषा | ११ | ११ |
| १८ | ,, | १२ | १२ |
| १९ | ,, | १३ | १३ |
| २० | ,, | १४ | १५ |


CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri




| सं० | विषय | श्रेणी | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|---|
| २१ | इतिहास | ११ | १६ |
| २२ | " | १२ | १६ |
| २३ | " | १३ | १७ |
| २४ | " | १४ | १७ |
| २५ | पाश्चात्य दर्शन | ११ | १६ |
| २६ | " | १२ | १६ |
| २७ | " | १३ | २० |
| २८ | " | १४ | २० |
| २६ | अर्थशास्त्र | ११ | २१ |
| ३० | " | १२ | २२ |
| ३१ | " | १३ | २४ |
| ३२ | " | १४ | २५ |
| ३३ | रसायन | ११ | २७ |
| ३४ | " | १२ | २६ |
| ३५ | " | १३ | ३० |
| ३६ | " | १४ | ३१ |
| ३७ | आर्य सिद्धान्त | ११ | ३३ |
| ३८ | " | १२ | ३३ |
| ३६ | " | १३ | ३४ |
| ४० | " | १४ | ३५ |
| ४१ | आर्य भाषा | ११ | ३५ |
| ४२ | " | १२ | ३७ |
| ४३ | " | १३ | ३८ |
| ४४ | " | १४ | ३६ |


CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

❀ ओ३म् ❀

# भूमिका

## वेद महाविद्यालय

१. वेदों के प्रचारक तथा तद्विषयक सुलेखक विद्वान् उत्पन्न करने के लिये इस महाविद्यालय की स्थापना की गई है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये पाठ्यक्रम इस प्रकार बनाया गया है।

(क) साधारण महाविद्यालय में जो वैदिक साहित्य का भाग रखा गया है; उसके अतिरिक्त वैदिक प्रक्रिया, प्रातिशाख्य, भाषाविज्ञान, ज्योतिष आदि इसमें और रखे गये हैं।

दोनों महाविद्यालयों में वैशेषिक, न्याय, सांख्य, योग, वेदान्त आदि दर्शनों के अतिरिक्त कुसुमाञ्जलि पढ़ाई जाती है तथा निम्न सात दर्शनों का साधारण ज्ञान भी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri


करवाया जाता है:— चार्वाक, बौद्ध, अर्हत, पूर्णप्रज्ञ, पाशुपत, शैव, प्रत्यभिज्ञा।

(ख) दोनों महाविद्यालयों में तीसरा विषय संस्कृत साहित्य रखा गया है। संस्कृत भाषा में व्याख्यान देने की शक्ति को विकसित करने के लिए विशेष ध्यान दिया जाता है। इस विषय के साथ दूसरा विकल्प संस्कृत व्याकरण है। (यह विकल्प केवल वेद महाविद्यालय में ही है।) इन दोनों विषयों में से विद्यार्थी को कोई एक विषय लेना होता है। व्याकरण विषय में महाभाष्य रखा गया है।

(ग) इस महाविद्यालय में भी अंग्रेजी साहित्य पृथक् विषय रखा गया है।

(घ) इस महाविद्यालय में विशेष रूप से आर्यसिद्धान्त पढ़ाया जाता है। इससे विद्यार्थियों को संसार के भिन्न २ धर्मों के विषय में तुलनात्मक ज्ञान हो जाता है। साथ ही ईश्वरवाद के समर्थन तथा अनीश्वरवाद के खण्डन सम्बन्धी पुस्तकें और विभिन्न धार्मिक अनुभव सम्बन्धी साहित्य भी पढ़ाया जाता है।

(ङ) उपर्युक्त विषयों के अतिरिक्त निम्नलिखित चार विकल्प विषय हैं, जिनमें से कोई सा एक विषय विद्यार्थी चुन सकते हैं।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



( १ ) इतिहास ( २ ) पाश्चात्यदर्शन ( ३ ) अर्थशास्त्र ( ४ ) रसायन।

इस प्रकार प्रत्येक विद्यार्थी को ६ विषय पढ़ने आवश्यक हैं। ( १ ) वैदिक साहित्य ( २ ) दर्शन ( ३ ) संस्कृत साहित्य या व्याकरण ( ४ ) आर्यसिद्धान्त ( ५ ) आंगल भाषा ( ६ ) इतिहास, पाश्चात्यदर्शन, अर्थशास्त्र और रसायन, — इन में से कोई सा एक।

२. शिक्षा के प्रबन्ध की दृष्टि से संस्कृत साहित्य, आंगल-भाषा, रसायन, पाश्चात्यदर्शन, अर्थशास्त्र और इतिहास ये छः विषय साधारण महाविद्यालय के अन्तर्गत हैं अतः इनके शिक्षण का उत्तरदायित्व साधारण महाविद्यालय के अध्यक्ष पर है।

## साधारण महाविद्यालय

१. इस महाविद्यालय में वैदिक साहित्य ( १ ) दर्शन ( २ ) संस्कृत ( ३ ) आर्य भाषा ( ४ ) और आंग्ल भाषा ( ५ ) ये पांच विषय सबको पढ़ने आवश्यक हैं। इनके अतिरिक्त चार विकल्प विषय हैं, जिनमें से कोई एक विषय विद्यार्थी चुन सकते हैं; ( १ ) इतिहास ( २ ) पाश्चात्यदर्शन ( ३ ) अर्थशास्त्र ( ४ ) रसायन।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



२. शिक्षा के प्रबन्ध की दृष्टि से वैदिक साहित्य और दर्शन, ये दो विषय वेद महाविद्यालय के अन्तर्गत समझे जाते हैं। इनके शिक्षण का उत्तरदायित्व वेद महाविद्यालय के अध्यक्ष पर है।

३. वेद तथा साधारण महाविद्यालय में शेष सब विषय समान हैं, अन्तर केवल इतना है—

१. वेद महाविद्यालय में वेद (ग) पत्र अधिक है जो साधारण महाविद्यालय में नहीं है।

२. वेद महाविद्यालय में संस्कृत साहित्य के साथ व्याकरण का विकल्प है जो साधारण महाविद्यालय में नहीं है।

३. वेद महाविद्यालय में आर्यसिद्धान्त विषय पढ़ाया जाता है, साधारण महाविद्यालय में उसके स्थान में आर्यभाषा विषय पढ़ाया जाता है।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

❀ ओ३म् ❀

## वेद तथा साधारण महाविद्यालय की

# पाठविधि

## १ वेद तथा वेदांग.

### ❀ प्रथम वर्ष ❀

पत्र ( क ) — ३ घण्टे ७६ अङ्क

निरुक्त ( पूर्वार्ध )

पत्र ( ख ) — ३ घण्टे ७६ अङ्क

१. ऋग्वेद, ३०० मंत्र

२. केन—संपूर्ण

कठ—प्रथम अध्याय प्रथम वल्ली तक। अवशिष्ट अंश पुस्तक से अक्षरशः न पढ़ाया जाए। भावार्थ बता दिये जाएं जिसमें कि प्रथम वल्ली के ३य प्रश्न का उत्तर आ जाए।

प्रश्न—संपूर्ण

मुण्डक—३य मुण्डक का प्रथम खण्ड मात्र, माण्डूक्य संपूर्ण

तैतिरीय—शिक्षावल्ली का ११वां अनुवाक। भृगुवल्ली के अनुवाक १ से ६ तक।

ऐतरेय—प्रथम अध्याय खण्ड १, २

पत्र ( ग ) — २ घण्टे ३८ अङ्क

वैदिक व्याकरण ( सिद्धान्त कौमुदी से )

i. वैदिकी प्रक्रिया — २५ अङ्क

ii. स्वर प्रक्रिया का साधारण स्वर प्रकरण — ७ अङ्क

iii अवशिष्ट स्वर प्रकरण — ६ अङ्क

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



| | |
|---|---|
| षाणमासिक परीक्षा ( क+ख ) | ४८ अङ्क |
| ,, ,, ( ग ) | १२ अङ्क |

## * द्वितीय वर्ष *

पत्र ( क ) — ३ घण्टे ७६ अङ्क

१. निरुक्त ( उत्तरार्ध )

पत्र ( ख )

१. ऋग्वेद—३०० मन्त्र

२. छान्दोग्य तथा बृहदारण्यक उपनिषद् (कठिन स्थलों को छोड़कर)

३. श्वेताश्वतर—केवल एक अध्याय मात्र

पत्र (ग) — २ घण्टे ३८ अङ्क

ऋक्प्रातिशाख्य के शिक्षा तथा छन्द प्रकरण के निम्न स्थल

१. प्रथम पटल—२२वें श्लोक तक

२. अष्टम पटल—२१ से ३०वें श्लोक तक

३. १३ ,, —सम्पूर्ण

४. १४ ,, ,,

५. १६ ,, ,,

६. १७ ,, ,,

७. १८ ,, ,,

| | |
|---|---|
| षाणमासिक परीक्षा ( क+ख ) | ४८ अङ्क |
| ,, ,, ( ग ) | १२ अङ्क |

---

टिप्पणी—१. निरुक्त पढ़ाते हुए स्पष्ट करने के लिये प्रतीक वाले मन्त्र पूरे पढ़ाये जायेंगे किन्तु परीक्षा में केवल प्रतीक पर्याप्त समझी जायगी।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## * तृतीय वर्ष *

पत्र ( क ) ३ घण्टे ५७ अङ्क

१. ऋग्वेदादि भाष्यभूमिका— २९ अङ्क

२. सामवेद, १०० मन्त्र— २८ अङ्क

पत्र ( ख ) ३ घण्टे ६५ अङ्क

यजुर्वेद १ से १६ अध्याय तक

( या )

अथर्व वेद १ से १० काण्ड तक ( ६०० मन्त्र )

पत्र ( ग ) २ घण्टे ३८ अङ्क

भाषाविज्ञान—डा० मङ्गलदेव कृत

षाण्मासिक परीक्षा ( क+ख ) ४८ अङ्क

" " ( ग ) १२ अङ्क

---

२. छान्दोग्योपनिषद् के प्रथम दो तथा अन्तिम प्रपाठक और कठिन प्रकरण एवं बृहदारण्यक के कठिन प्रकरण छोड़ दिये जायेंगे।

३. प्रातिशाख्य का केवल विषय ही पूछा जायगा, और विषय समझाने के लिये परीक्षार्थी प्रातिशाख्य के सूत्र लिखें अथवा पाणिनि के दोनों एक से प्रामाणिक समझे जायेंगे।

टिप्पणि—१. वेद पढ़ाते हुए उपाध्याय महोदय वेद मन्त्र का विस्तृत अर्थ लिखते रहेंगे और परीक्षक महोदय उसी कापी के आधार पर अर्थों की परीक्षा लिया करेंगे।

२. वेद महाविद्यालय में वेद के ( ग ) पत्र में ३३% अङ्कों से उत्तीर्ण होना होगा और ( क ) ( ख ) तथा ( ग ) पत्रों के योग में ४०% अङ्क लेने

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



### ❋ चतुर्थ वर्ष ❋

पत्र ( क ) — ३ घण्टे ५७ अङ्क

१. अथर्ववेद ६०० मन्त्र

( या )

१. यजुर्वेद के ३०० मन्त्र—३७ अङ्क

२. वैदिक साहित्य का इतिहास—२० अङ्क

पत्र ( ख ) — ३ घण्टे ६५ अङ्क

१. यजुर्वेद १७वें अध्याय से ४०वें अध्याय तक।

( या )

अथर्ववेद ११ से २० काण्ड तक ( ६०० मंत्र )

पत्र (ग) — २ घण्टे ३८ अङ्क

ज्योतिर्विनोद—संपूर्णानन्द

षाण्मासिक परीक्षा ( क+ख ) — ४८ अङ्क

„ „ ( ग ) — १२ अङ्क

---

आवश्यक होंगे। परन्तु वेद ( ग ) में अनुत्तीर्ण होने की अवस्था में केवल इसी पत्र में पुनः परीक्षा होगी।

३. वेद का ( ग ) पत्र साधारण महाविद्यालय में नहीं पढ़ाया जाता। यह केवल वेदमहाविद्यालय का ही पाठ्य विषय है।

## २. उपांग ( दर्शन शास्त्र )

### ❋ प्रथम वर्ष ❋

एक पत्र — ३ घण्टे ७६ अङ्क

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



विभाग ( क ) १॥ घंटा ३८ अंक

१. प्रशस्त पाद भाष्य निम्नलिखित प्रकरण आकाश, आत्मा, पाकज, संख्या, संयोग, विभाग, परत्त्वापरत्त्व, बुद्धि, उत्क्षेपणादि कर्म, गमन, सत्प्रत्ययकर्म, अप्रत्ययकर्म, विशेष, समवाय प्रकरण।

२. तर्क भाषा

विभाग ( ख ) १॥ घंटा ३८ अंक

१. सांख्य तत्त्व कौमुदी

षाण्मासिक परीक्षा २४ अंक

## * द्वितीय वर्ष *

एक पत्र ३ घंटे ७६ अंक

विभाग ( क ) १॥ घंटा ३८ अंक

न्याय दर्शन वात्स्यायन भाष्य, १म तथा २य अध्याय

विभाग ( ख ) १॥ घंटा ३८ अंक

न्याय दर्शन वात्स्यायन भाष्य, ३य तथा ५म अध्याय, तथा ४र्थ अध्याय केवल सूत्रार्थ

षाणमासिक परीक्षा २४ अंक

## * तृतीय वर्ष *

एक पत्र ३ घंटे ७६ अंक

विभाग ( क ) १॥ घंटा ३८ अंक

१. योगदर्शन व्यास भाष्य ( विभूति पाद छोड़ कर )

२. सर्वदर्शन संग्रह से निम्न दर्शनः—

( i ) (१) चार्वाक (२) बौद्ध (३) अर्हत (४) पूर्णप्रज्ञ

( ii) पाशुपत, शैव, प्रत्यभिज्ञा दर्शनों पर व्याख्या पंक्ति नहीं पूछी जाएगी।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



विभाग ( ख ) १॥ घंटा ३८ अंक

कुसुमाञ्जलि हरिदास कृत टीका सहित

षाण्मासिक परीक्षा २४ अंक

## चतुर्थ वर्ष

एक पत्र ३ घंटे ७६ अंक

विभाग ( क ) १॥ घंटा ३८ अंक

१. वेदान्त दर्शन शंकर भाष्य—चतुःसूत्री
२. रामानुज—वेदार्थ संग्रह
३. सर्वदर्शन संग्रह-पूर्णप्रज्ञ दर्शन ( मध्व ) भेदवाद निरूपण प्रकरण तक

विभाग ( ख ) १॥ घंटा ३८ अंक

वेदान्त दर्शन शाङ्करभाष्य—स्मृति तर्कपाद ( अद्वैत स्थलों में द्वैत दृष्टि से समाधान सहित )

षाण्मासिक परीक्षा २४ अंक

# ३ संस्कृत साहित्य

## * प्रथम वर्ष *

पत्र ( क ) ३ घंटे ३८ अंक

१. रघुवंश, ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९, १० और १५ तथा १६ सर्ग।

शृङ्गार सम्बन्धी निम्न स्थल छोड़कर—

३य सर्ग—श्लोक ३, ८
४र्थ ,, — ,, ४५, ५१, ५२
५म ,, — ,, ६४, ६७
६ष्ठ ,, —११ से १९ तक २७, ५०, ८४
७म ,, —९, २२, २३, ५१, ५३, ६३

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



८म ,, —७, १४, ४१, ४२, ४६ से ६६ तक, ७१,७२,६२
९म ,, —२८ से ४७ तक ५८, ६८
१६ ,, —४०, ४५, ४८, ५०, ५२, ५६ से १०० तक

२. किरातार्जुनीयम् १ से ३ तथा ११ से १५ सर्ग।

३. निम्नलिखित ५० छन्द (छन्दोंके अंक ८ से अधिक नहीं होंगे)

१. विद्युन्माला २. समानिका ३. प्रमाणिका ४. मत्ता ५. इन्द्रवज्रा ६. उपेन्द्रवज्रा ७. उपजाति ८. दोधक ९. शालिनी १०. रथोद्धता ११. स्वागता १२. चन्द्रवर्त्म १३. वंशस्थ १४. इन्द्रवंश १५. तोटक १६. द्रुतविलम्बित १७. कुसुमविचित्रा १८. जलोद्धत गति १९. मौक्तिकदाम २० भुजंगप्रयात २१. स्रग्विणी २२. मणिमाला २३. प्रमिताक्षरा २४. पंचचामर २५. प्रहर्षिणी २६. रुचिरा २७. मत्तमयूर २८. मंजुभाषिणी २९. प्रहरण कलिका ३०. वसंत तिलका ३१. मणि गुणनिकर ३२. मालिनी ३३. शिखरिणी ३४. पृथ्वी ३५. हरिणी ३६. मन्दाक्रान्ता ३७. स्रग्धरा ३८. चण्ड-वृष्टिप्रपातदण्डक ३९. द्रुतमध्वा ४०. हरिणप्लुता ४१. पुष्पिताग्रा ४२. उद्गता ४३. दोहा ४४. रोला ४५. कुण्डलिया ४६. सोरठा-सौराष्ट्रा ४७. आर्या ४८. औपच्छन्दसिक ४९. अनुष्टुप ५०. पादाकुलक

पत्र ( ख ) — ३ घंटे ३८ अंक

१. साहित्य दर्पण—१, २, ३ परिच्छेद—१९ अंक
२. निबन्ध—लेख—१९ अंक

| | |
|---|---|
| पत्र ( ग ) व्याख्यान | १० अंक |
| पत्र ( घ ) संभाषण | १० अंक |
| पत्र ( ङ ) गृह निबन्ध | २० अंक |
| ( च ) सभाओं की उपस्थिति तथा भाग के लिए | १० अंक |
| षाणमासिक परीक्षा | २४ अंक |

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri


## * द्वितीय वर्ष *

पत्र ( क ) — ३ घंटे ३८ अंक

१. साहित्य सुधासंग्रह ३य बिन्दु--२३ अंक
उत्तर रामचरित, भर्तृहरि निर्वेद, प्रबोध चन्द्रोदय, संधिच्छेद

२. प्राकृत प्रकाश १५ अंक

पत्र ( ख ) — ३ घंटे ३८ अंक

१. साहित्य दर्पण—४, ५ परिच्छेद, १६ अंक

२. निबन्ध तथा लेख १६ अंक

पत्र ( ग ) संस्कृत व्याख्यान — १० अंक

( घ ) „ संभाषण — १० अंक

पत्र ( घ ) गृह निबन्ध — २० अंक

( ङ ) सभाओं की उपस्थिति तथा भाग — १० अंक

षाण्मासिक परीक्षा — २४ अंक

## * तृतीय वर्ष *

पत्र ( क ) — ३ घंटे ३८ अंक

चम्पू भारत ३, ४, ५, ७ स्तबक (निम्नलिखित श्रृंगार सम्बन्धी स्थल छोड़ कर )

३य स्तबक—श्लोक २२ से २६ तक, ४०, ४३, श्लोक से अगले गद्य की पहिली ३ पंक्तियां, ५२, ६४—६८ तक, ७३, ७४, ७५, ९३ श्लोक से लेकर १०१ तक, अगले गद्य की प्रारम्भ की पांच पंक्तियां, ११५।

४र्थ स्तबक—श्लोक ५६

७म स्तबक—श्लोक ४

२. कौटिलीय अर्थशास्त्र

i. प्रथम अधिकरण प्रकरण १, २, ३, ४, ११, १२, १६, १७, १८

ii. २य अधिकरण प्रकरण—२०, २२, २३, २४, २७, २८, २९

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



पत्र (ख) — ३ घण्टे ३८ अंक

१. साहित्य दर्पण—७, ८, ९ परिच्छेद २० अंक
२. पाली प्रबोध—८ अंक
३. निबन्ध—लेख १० अंक

| | |
|---|---|
| पत्र ( ग ) संस्कृत व्याख्यान | १० अंक |
| पत्र ( घ ) मौखिक संभाषण | १० अंक |
| पत्र ( ङ ) सभाओं में भाग लेने के लिए | १० अंक |
| पत्र ( च ) गृह निबन्ध १० | १० अंक |
| षाण्मासिक परीक्षा | २४ अंक |

## * चतुर्थ वर्ष *

पत्र ( क ) — ३ घण्टे ३८ अंक

१. शिशुपाल वध—प्रथम दो सर्ग
२. हर्षचरित—४र्थ तथा सप्तम उच्छ्वास
३. कौटिलीय अर्थशास्त्र—२य अधिकरण प्रकरण ३३ से ५६ तक

पत्र ( ख ) — ३ घण्टे ३८ अंक

१. साहित्य दर्पण १०म परिच्छेद २० अंक
२. संस्कृत साहित्य के इतिहास पर व्याख्यान ८ अंक
३. निबन्ध तथा लेख १० अंक

सूचना—संस्कृत साहित्य के इतिहास के व्याख्यानों का आधार कीथ-कृत हिस्ट्री आफ क्लासिकल संस्कृत लिट्रेचर होगा।

| | |
|---|---|
| पत्र ( ग ) संस्कृत व्याख्यान | १० अंक |
| ( घ ) " मौखिक संभाषण | १० अंक |
| पत्र ( ङ ) गृह निबन्ध १० | २० अंक |
| ( च ) सभाओं में उपस्थित होने तथा भाग लेने के लिए | १० अंक |
| षाण्मासिक परीक्षा | २४ अंक |

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



टिप्पणी—१. वर्ष में १० निबन्ध लिखने होंगे जिनमें से प्रत्येक फुलस्केप साइज के ढाई पृष्ठ का होगा।

२. व्याख्यान का विषय साधारणतया धार्मिक या दार्शनिक होगा; इसके विषय की सूचना परीक्षा से ७ दिन पूर्व विद्यार्थियों को दे दी जावेगी।

३. वार्षिक परीक्षा के प्रश्न पत्र तथा षाण्मासिक के योग में ३३% अंक लेकर तथा विषय के संपूर्ण योग में ४०% अंक लेकर उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

वेद महाविद्यालय में संस्कृत के साथ व्याकरण विषय का विकल्प होगा।

# व्याकरण

## ※ प्रथम वर्ष ※

पत्र ( क ) समय ३ घण्टा ५७ अङ्क

महाभाष्य नवाह्निक —१ से ४ आह्निक पर्यन्त

पत्र ( ख ) समय ३ घण्टे ५७ अंक

महाभाष्य नवाह्निक—५ से ६ आह्निक पर्यन्त

षाण्मासिक परीक्षा ३६ अंक

## २य वर्ष

पत्र ( क ) ३ घण्टे ५७ अंक

महाभाष्य—प्रथम अध्याय का २य तथा ३य पाद

पत्र ( ख ) ३ घण्टा ५७ अंक

महाभाष्य प्रथम अध्याय ४र्थ पाद तथा २य अध्याय प्रथम पाद

षाण्मासिक परीक्षा— ३६ अंक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



### * तृतीय वर्ष *

पत्र ( क ) ३ घण्टे ५७ अंक

महाभाष्य २य अध्याय का २य, ३य तथा चतुर्थपाद

पत्र ( ख ) ३ घण्टे ५७ अंक

महाभाष्य ३य अध्याय सम्पूर्ण

षाण्मासिक परीक्षा— ३६ अंक

### * चतुर्थ वर्ष *

पत्र ( क ) ३ घण्टे ५७ अंक

महाभाष्य—अंगाधिकार षष्ठ अध्याय के चतुर्थ पाद के आरम्भ से ७म अध्याय के १म पादके प्रथम आह्निक तक

पत्र ( ख ) ३ घण्टे ५७ अंक

महाभाष्य—अंगाधिकार ७म अध्याय १म पाद २य आह्निक से ७म अध्याय के चतुर्थ पाद तक

षाण्मासिक परीक्षा ३६ अंक

## ४. आंग्लभाषा

### * प्रथम वर्ष *

*Paper A* *3 Hours, Marks 38*

Prose—

1. Quiller Couch-Roll Call of Honour (any five Biographies).
2. Diwan Chand Sharma—Modern Short Stories 2 )0 pages.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



'Poetry'

3. Bridges of Song—(any fifty pages) Poems nos. 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 12, 15, 16, 18, 22.

*Paper B* — 3 Hours, Marks 38

1. Nesfield-Oral Exercises in English Composition
2. Essay and Translation must carry 19 marks.
3. A question of five marks to be set from the book recommended for self study.

   Stories from European History by Lucy Dale.

*Paper C* Viva Voce Examination — Marks 10

Lecture — „ 10

*Paper D* 16 Essays to be written throughout the the year. — Marks. 20

10 Marks are reserved for the impression of the professor and taking part in weekly debates.

House Examination — Marks 24

## * द्वितीय वर्ष *

*Paper A* — 3 Hours, Mark 38

Prose

1. Rawlinson—A Book of English Prose (any nine essays to be selected every year).
2. Scott-Ivanhoe (Macmillan abridged Edition)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



Poetry

3. Bridges of Song (Selections any fifty pages)
Poems nos.—25, 30, 35, 37, 40, 42, 46, 49, 50, 51, 52, 55, 57, 58, 59, 61, 65, 67, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76.

*Paper B* 3 Hours, Marks 38

1. Nesfieild—Junior Course of English Composition.
2. Essay and Translation must carry 19 marks.
3. A question of five marks to be set from the book recommended for self study.

*Paper C* Viva Voce Examination Marks 10
Lecture ,, 10

*Paper D*

16 essays to be written throughout the year. 20 M.

Ten marks are reserved for the impression of the professor for presence and taking part in the weekly debates.

House examination. Marks 24

## ※ तृतीय वर्ष ※

*Paper A* 3 Hours, Marks 38

Prose

1. Macaulay—Johnson and Goldsmith.
2. Carlyle-Heroes and Hero Worship (one lecture)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



3. One Act Plays of To-day IV series (any five plays)

Poetry

4. Selections from Golden Treasury (any 50 pages)

*Paper B* — 3 Hours, Marks 38

1. Rowe and Webb—Hints on the Study of English.

   Chap. II Synonyms, homonyms, antonyms, doublets, confused words.

   Chap. III—Articles, Verbs.

   Chap. IV and X.

2. Essay and translation must carry 19 marks.
3. A question of five marks to be set from the book recommended for self study.

*Paper C* Viva Voce Examination — Marks 10

Lecture „ 10

*Paper D* — Marks 20

16 Essays to be written throughout the year

Ten marks reserved for the impression of the professor for presence and taking part in the weekly debates.

House examination. — 24 Marks.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## ❊ चतुर्थ वर्ष ❊

*Paper A* 3 Hours Marks 38

Prose

1. Froude—Short Studies on Great Subjects 2nd volume (Every man's librabry series-any three lectures).
2. Modern Essays— Trevos Booth (any nine essays).
3. Dickens—A Tale of Two Cities (abridged).

Poetry

4. Palgrave Golden Treasury (any fifty pages).

*Paper B* 3 Hours Marks 38

1. Rowe and Webb-Hints on the Study of English Chapters VI, VII, VIII.
2. Essay and translation must carry 19 marks.
3. A question of five marks to be set from the book recommended for self study.

*Paper C* Viva Voce Examination Marks 10

Lecture „ 10

Ten marks are reserved for the impression of the professor for presence and taking part in the weekly debates.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



*Paper D* *Marks 20*

16 Essays to be written throughout the year.

House examination Marks 24

Reference Book for essay writing 'Simple Essays by Macmillan B.A.

सूचना—वार्षिक प्रश्न पत्रों तथा षाण्मासिक के योग में ३३% अंक लेकर तथा विषय के सर्वयोग में ४०% अंक लेकर उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा।

# ५. ऐच्छिक विषय

## इतिहास, पाश्चात्य-दर्शन, अर्थशास्त्र या रसायन

## इतिहास

### * प्रथम वर्ष *

प्रश्न पत्र ( क ) ३ घण्टे ५७ अंक

युरोप का आधुनिक इतिहास ( फ्रांस की राज्यक्रान्ति से )

१. रोबिन्सन–औट लाईन्स औफ युरोपियन हिस्ट्री २य वाल्यूम

प्रश्न पत्र ( ख ) ३ घण्टे ५७ अंक

अर्थशास्त्र का प्रारम्भिक ज्ञान

१. क्ले–इकानोमिक्स फोर जैनरल रीडर

षाण्मासिक परीक्षा ३६ अंक

### * द्वितीय वर्ष *

पत्र ( क ) ३ घण्टे ५७ अंक

१. वी० ए० स्मिथ—अर्ली हिस्ट्री आफ इण्डिया

२. आर० सी० मोजूमदार–एन्शियेन्ट इण्डियन हिस्ट्री एण्ड सिविलिज़ेशन।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri


पत्र ( ख ) ३ घण्टे ५७ अङ्क

भारतवर्ष का मध्यकालीन इतिहास

१. लेनपूल—मिडीवल इण्डिया
२. रानाडे—मराठों का उत्कर्ष
३. किनकेड एण्ड पारसनीज़—हिस्ट्री ऑफ दि मराठा—पीपल्स २य वाल्यूम।

षाण्मासिक परीक्षा ३६ अङ्क

## * तृतीय वर्ष *

भारतवर्ष का आधुनिक इतिहास तथा ब्रिटिश साम्राज्य के विस्तार का इतिहास।

१. रोबिन्सन—डिवैलपमैण्ट आफ ब्रिटिश एम्पायर।
२. रोबर्ट्स—ब्रिटिश इण्डिया।
३. बी. डी. वसु—रूईन ऑफ इण्डियन ट्रेड एण्ड इण्डस्ट्रीज।

पत्र ( ख ) ३ घण्टे ५७ अङ्क

राजनीतिशास्त्र

१. गारनर—पोलिटिकल सायन्स एण्ड गवर्नमैण्ट

षाण्मासिक परीक्षा ३६ अक

## * चतुर्थ वर्ष *

पत्र ( क ) ३ घण्टे ५७ अंक

प्राचीन भारतीय इतिहास के विशेष विषयों का अध्ययन

१. इण्डो युरोपियन लोगों का आदिम निवास स्थान
२. प्रागैतिहासिक काल के अवशेष—मोहन जो दाडो, हरप्पा।
३. भारतीय तिथिक्रम
४. प्राचीन भारतीय राजनीतिः—
   ( क ) गणराज्यों का इतिहास और शासन।
   ( ख ) राजतन्त्र राज्यों का शासन।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



( ग ) भारतीयों के राजनीतिक सिद्धान्त।

५. मैगस्थनीज़ और कौटिलीय अर्थशास्त्र के आधार पर मौर्य-कालीन भारत की सभ्यता।

६. भारतीय सभ्यता का विदेशों में विस्तार।

७. भारत के उपनिवेश।

८. भारत के प्राचीन विश्वविद्यालय।

सहायक पुस्तकें:—

१. नारायण शास्त्री—दि एज आफ शंकर ( एपैण्डिक्स )
२. रामदेव—भारतवर्ष का इतिहास ३य खण्ड १म भाग।
३. जायसवाल—हिन्दु पॉलिटी।
४. आर० सी० मजूमदार—कॉरपोरेट लाइफ इन एन्शियन्ट इण्डिया अध्याय १ तथा ५
५. बी० के० सरकार—पोलिटिकल थिअरीज़ एण्ड इन्स्टि-ट्यूशन्स ऑफ एन्शियेन्ट हिन्दूज़—पार्ट २य
६. सत्यकेतु विद्यालङ्कार—मौर्यसाम्राज्य का इतिहास अध्याय ७—१३
७. रामदेव—भारतवर्ष का इतिहास—२य खण्ड चतुर्थ भाग।
८. समादार—दि ग्लोरीज़ ऑफ़ मगध, अन्तिम दो अध्याय।

पत्र ( ख ) ३ घण्टे ५७ अङ्क

संसार का सामान्य इतिहास और विवेचन.

१. एच० जी० वेल्स—आउटलाइन्स ऑफ हिस्ट्री ११ अध्याय से।
२. सैलिग्मैन—इकानोमिक इन्टरप्रिटेशन ऑफ हिस्ट्री।
३. बी० के० सरकार— सायन्स ऑफ हिस्ट्री एण्ड होप ऑफ मैनकाइण्ड।

षाण्मासिक परीक्षा अङ्क ३६

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



# पाश्चात्य दर्शन

सूचनाः—( १ ) वार्षिक परीक्षा में पत्र ( ख ) में सभी श्रेणियों में स्वयं पठनार्थ पुस्तकों के १० अंक होंगे।

( २ ) पाश्चात्यदर्शन पढ़ाते समय यथासंभव भारतीय दर्शन के साथ तुलनात्मक दृष्टि को ध्यान में रखा जाएगा।

## * प्रथम वर्ष *

पत्र ( क ) — ३ घण्टे ५७ अङ्क

### तर्क शास्त्र

दीवानचन्द—लॉजिक डिडक्टिव ऐण्ड इण्डक्टिव

अथवा

एच० एस० मैलन—एलिमेण्ट्स ऑफ़ मॉडर्न लॉजिक

पत्र ( ख ) — ३ घण्टे ५७ अङ्क

### मनोविज्ञान

करामतहुसैन—एलिमैण्ट्स ऑफ साइकॉलोजी

**स्वयं पठनार्थ—**

पाण्मासिक परीक्षा — ३६ अङ्क

## द्वितीय वर्ष

पत्र ( क ) — मनोविज्ञान — ३ घण्टे ५७ अंक

वुडवर्थ—साइकॉलोजी

पत्र ( ख ) — मनोविज्ञान तथा अध्यात्म — ३ घण्टे ५७ अंक

१. दि क्राउड—जी० ल० बौन

२. पुनर्जन्म मीमांसा—नन्दलाल

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



स्वयं पठनार्थ—शिक्षामनोविज्ञान, बी० एन० झा

षाण्मासिक परीक्षा ३६ अंक

## * तृतीय वर्ष

पत्र ( क ) आचार शास्त्र ३ घण्टे ५७ अङ्क

मैकेन्जी—मैनुअल ऑफ एथिक्स

पत्र ( ख ) ईश्वरवाद ३ घण्टे ५७ अंक

१. बोन—थीइज्म

२. नन्दलाल—आत्ममीमांसा

स्वयं पठनार्थ—बर्नार्ड हार्ट—साइकोलीजी ऑफ इन्सैनिटी

षाण्मासिक परीक्षा ३६ अंक

## चतुर्थ वर्ष

पत्र (क) दर्शन शास्त्र का इतिहास ३ घण्टे ५७ अङ्क

रोजर्स—हिस्ट्री ऑफ फिलॉसफी

पत्र (ख) दर्शन शास्त्र की विचारधाराएं ३ घण्टे ५७ अङ्क

होकिंग—टाइप्स ऑफ फिलासोफी

स्वयं पठनार्थ—प्लेटो—रिपब्लिक

षाण्मासिक परीक्षा ३६ अंक

## गान्धी भारतीय अर्थशास्त्र

इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को सिद्धान्तों के ज्ञान से पूर्व विषय का क्रियात्मक ज्ञान कराना है। इसके पश्चात् भारतीय अर्थशास्त्र के सिद्धान्तों का ज्ञान और तदनन्तर भिन्न भिन्न देशों के अर्थशास्त्र का तुलनात्मक दृष्टि से अध्ययन कराना है:—

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## * प्रथम वर्ष *

उपाध्याय महोदय विद्यार्थियों को पास के ग्राम या ग्रामों में ले जाकर उनको अन्वेषण करने में सहायता देंगे। विद्यार्थियों से आशा की जाती है कि वे श्रेणी-कार्य के रूप में प्रतिदिन ग्राम में जाया करेंगे। अन्वेषण के लिए निम्न विषय हैं—

१. ग्राम का भूगोल
२. ग्राम की जनसंख्या—इसमें उनके पेशे तथा अन्य आबादी सम्बन्धी समस्याओं का वर्णन
३. पारिवारिक बजट
४. निवास, सफाई और स्वास्थ्य की दशा
५. विवाह और अन्य सामाजिक रीतिरिवाज और कार्य
६. सम्मिलित परिवार पद्धति और तत्सम्बन्धी आर्थिक ज्ञान
७. पंचायत तथा ग्राम की अन्य रीति से स्थानीय शासन प्रणाली
८. भूमि का स्वामित्व, भूमिकर तथा भूमि का लगान इत्यादि
९. पशुओं की समस्या
१०. शिक्षा की सुविधायें और शिक्षित वर्ग की संख्या
११. कताई, बुनाई और अन्य गृह व्यवसायों का विस्तार से अध्ययन करना [ यदि सम्भव हो तो इनका क्रियात्मक अनुभव भी प्राप्त करना ]
१२. ग्राम के लेन-देन का विवरण, हिसाब रखने की विधि, सहोद्योग बैंक
१३. ग्राम का व्यापारिक जीवन
१४. ग्राम का नगर से पारस्परिक सम्बन्ध

पुस्तकालय गुरुकुल कांगड़ी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



१५. नगर और ग्रामनिवासियों के आर्थिक विनिमय का तुलनात्मक दृष्टि से अध्ययन [ विद्यार्थियों को फैक्टरी देखने और स्थानीय तथा अन्यत्र काम करने वाले श्रम-जीवियों के जीवन का अध्ययन करने के लिए, प्रबन्ध किया जायगा ]

**पाठ्य पुस्तकें—**

१. रस्किन—अन् टु दिस लास्ट
२. महात्मा गान्धी—सर्वोदय
३. एलीमैण्ट्स ऑफ़ स्टेटिस्टिक्स—बौले [ आवश्यक प्रकरण ]
४. कुछ पुस्तकें और क्रियात्मिक कार्य—
   i हिसाब रखने पर [ पाश्चात्य प्रकार ]
   ii ग्रामों में प्रचलित हिसाब रखने के प्रकार पर

व्याख्यानों का आधार निम्न पुस्तकें होंगी—

**सहायक पुस्तकें—**

१. डा० मान—लाइफ एण्ड लेबर इन ए डैकन विलेज
२. डार्लिङ्ग—दि पंजाब पेज़ेन्ट
३. आर. के. मुकर्जी—i फ़ाउन्डेशन्स ऑफ इण्डियन इकॉनोमिक्स
   ii ग्राउण्ड वर्क ऑफ इकॉनोमिक्स
४. बी० पौवेल—इण्डियन विलेज कम्यूनिटी
५. बी० रसल—प्रोस्पैक्ट्स ऑफ इण्डस्ट्रियल सिविलिज़ेशन

## * द्वितीय वर्ष *

निम्न पाठविधि तब तक के लिए है जब तक कि भारतीय अर्थशास्त्र के सिद्धान्तों का विकास और रचना पूरी न हो जावे। भारतीय अवस्थाओं पर पाश्चात्य अर्थशास्त्र के सिद्धान्त

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



कहां तक लागू हैं यह दिखाने के लिये विद्यार्थियों को अपने प्रथम वर्ष के अन्वेषणों को यथावसर अधिक ज्ञान प्राप्ति से परिवर्धित करना चाहिए।

सारी पाठविधि में इस सिद्धान्त का अनुसरण किया जायगा कि सिद्धान्त परिचय से पूर्व उसी विषय का क्रियात्मक ज्ञान आवश्यक है।

पत्र (क) ३ घण्टे ५७ अङ्क

१. प्रिन्सिपल्स् ऑफ इकॉनोमिक्स—सेलिगमैन १ से ३५१ पृष्ठ तक
२. जाथार एण्ड बेरी—इण्डियन इकॉनोमिक्स—प्रथम भाग

पत्र (ख) ३ घण्टे ५७ अङ्क

१. प्रिन्सिपल्स ऑफ इकॉनोमिक्स—सेलिगमैन पृष्ठ ३५२ से अंत तक
२. इन्ट्रोडक्शन टु कोऑपरेशन—स्ट्रिकलैण्ड

## सहायक पुस्तकें—

१. एग्रीकल्चरल प्रॉग्रेस इन इण्डिया—कीटिंग
२. स्टडीज़ इन यूरोपियन कोऑपरेशन—डार्लिंग
३. लेबर इन इण्डियन इण्डस्ट्रीज—ब्रौटन
४. फैक्टरी लेजिस्लेशन इन इण्डिया—आर. के. दास

षाण्मासिक परीक्षा ३६ अङ्क

---

नोट—विद्यार्थी किसी ऐसे गृहव्यवसाय का भी, जिसका प्रबन्ध अधिकारी कर सकेंगे, क्रियात्मक ज्ञान प्राप्त करेंगे।

सूचना—प्रथम वर्ष के अर्थशास्त्र के विद्यार्थी साधारण विश्वविद्यालय परीक्षा से मुक्त रहेंगे उनको सारे वर्ष के श्रेणी कार्य और गृहकार्य के अनुसार अङ्क दिये जायेंगे।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## * तृतीय वर्ष *

पत्र (क) भारतीय अर्थशास्त्र — ३ घण्टे ५७ अंक

१. जाथर एण्ड बेरी—इण्डियन इकॉनोमिक्स—२य भाग
करैन्सी, बैंकिंग और फाइनान्स को छोड़कर

२. हाथ की कताई बुनाई ( अखिल भारतीय चरखा संघ का पारितोषिक निबन्ध )

पत्र (ख) राजनैतिक सिद्धान्त — ३ घंटे ५७ अंक

( आधुनिक शासन व्यवस्थाओं सहित )

१. गार्नर—पोलिटिकल सायन्स एण्ड गवर्नमेण्ट

२. फोर्ड—रिप्रेजेन्टेटिव गवर्नमेंट (ऑरिजिन प्रकरण छोड़कर)

षाण्मासिक परीक्षा — ३६ अंक

---

नोट—अहमदाबाद या किसी अन्य मिलव्यवसाय के केन्द्र में श्रम सम्बन्धी समस्याओं के अध्ययन के लिए विद्यार्थियों के ले जाने का प्रबन्ध किया जायगा तथा ग्रामों और नगरों के कुछ बाजारों का अवलोकन करके आवश्यक रिपोर्ट विद्यार्थियों से तय्यार कराने का भी प्रबन्ध किया जायगा।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## * चतुर्थ वर्ष *

पत्र ( क ) भारतीय राजनीति — ३ घण्टे ५० अङ्क

पाठ्य पुस्तकें—

१. आर. के. झा—भारतीय शासन पद्धति ।
२. बी. के. सरकार—पोलिटिकल थिअरीज़ एण्ड इन्स्टिट्यूशन्स औफ एन्शिएन्ट हिन्दूज़
३. इण्डिया एक्ट १९३५
४. प्रोविन्शियल विलेज सैल्फ गवर्नमेंट एक्ट

स्वयं पठनार्थ—

१. आर. के. मुकर्जी—डिमोक्रेसीज़ औफ दि ईस्ट (२, ३ भाग)

पत्र ( ख ) — ३ घण्टे ५० अङ्क

भारतीय मुद्रा पद्धति, बैंक पद्धति और आय व्यय,

पाठ्य पुस्तकें—

---

नोट—ऐसा प्रबन्ध किया जायगा कि विद्यार्थी कुछ बैंकों ( जब कि उन में काम चल रहा हो) में जाकर उनका अनुशीलन कर सकें और उनके कार्यों तथा कार्य प्रणालियों को साक्षात् रूप में समझने का यत्न करें। उन्हें इस बात का भी अवसर यिया जायगा कि जब किसी गांव में कोई पंचायत लग रही हो तो वे उसे देख सकें। इसके अतिरिक्त उनको प्रान्तीय धारा सभा तथा ज़िला बोर्डों के अधिवेशनों के अनुशीलन का अवसर भी दिया जायगा।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



१. जथार एण्ड बेरी-इण्डियन इकोनमिक्स २य वाल्यूम-करेन्सी बैंकिंग और फाइनेन्स सम्बन्धी अध्याय

२. राबर्टसन—मनी

स्वयं पठनार्थः—

१. जेवन्स—मनी क्रैडिट एण्ड एक्सचेञ्ज

२. शिराास—दि साइन्स आफ पब्लिक फाइनेन्स

३. अ बेडकर—ईवोल्यूशन ओफ प्रोविंशल फाइनेन्स

४. दि इण्डियन टैक्सेशन इंक्वारी कमेटी की रिपोर्ट

## निबन्ध—२० अङ्क

विद्यार्थियों को समीपस्थ ग्रामों में स्वयं विहित सामाजिक तथा आर्थिक अन्वेषणों के आधार पर निबन्ध लिखना होगा। निर्वाचित क्षेत्रों में विद्यार्थियों को अपनी रुचि के अनुकूल किसी एक विषय पर खोज करनी होगी। स्नातक परीक्षा से कम से कम तीन मास पूर्व यह निबन्ध दे देना होगा। निबन्ध के लिये विद्यार्थी निम्न विषयों में से किसी एक को चुन सकता है—

१. ग्राम की सामाजिक तथा आर्थिक जांच

*२ किसी एक गृह व्यवसाय या ग्राम व्यवसाय की विस्तृत जांच

३. चरखे को आर्थिक उपयोगिता

---

नोट—Punjab Board of Economic Enquiry द्वारा प्रकाशित प्रश्नावलि के अनुसार अन्वेषण किया जाय।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



४. कृषि तथा व्यवसाय सम्बन्धी श्रम समस्या का अध्ययन
५. निर्धनों और फिरंगियों की अवस्थाओं का अध्ययन
६. स्थानीय आय व्यय ७. पशुओं की आर्थिक उपयोगिता
८. नहरें तथा जलीय मार्ग ९. कृषि संबन्धी व्यय और ऋण
षाण्मासिक परीक्षा ३० अङ्क

# रसायन

## * प्रथम वर्ष *

पत्र ( क ) ३ घण्टे ३८ अंक

भौतिक रसायन—तत्व और समास, अणु और मात्रा, आण्विक भार, मात्रिक भार, समर्थक भार, बलांश, आपेक्षिक ताप और वाष्प य घंनता, और उनके परस्पर सम्बन्ध। ठोसों, द्रवों और गैसों के सामान्य गुण । वौयल चार्ल्स और ग्राहम के नियम। एवोगैड्रो का सिद्धान्त। मात्राओं की गति सम्बन्धी अवस्था का सिद्धान्त और इससे गैस सम्बन्धी अन्य नियमों की सिद्धि। घोल, गैसों और घोलों में विघटन। रासायनिक सम-तोलन। समर्थक भारों का रासायनिक गुण, आयनिक समासों के रासायनिक गुण। आण्विक भार, मात्रिक भार और समर्थक भार निकालने की विधिएं। विद्युद्विश्लेषण, अमभिसारक दबाव।

पत्र ( ख ) ३ घंटे ३८ अंक

वर्णनात्मक रसायन—निम्नलिखित की निर्माण विधिएं तथा गुणः—उद्रजन; ओषजन; ओज़ोन; जल; उद्जन परोषित; हैलोजन्स ( प्लव, हरिन, ब्रम, और नैल ) इनके अम्ल और ओषाम्ल, हरित, परहरित, नैलित, पर नैलित आदि।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



नत्रजन, नत्रजन के ओषित, न $उ_2$, $न_2$ $उ_4$, $न_3$ उ, आदि नत्रजन और उद्जन के समास। प्रकृति में नत्रजन का चक्र; नत्रजन का स्थिरीकरण;, वायुमण्डल, हीलियन समूह। नत्रजन के ओषाम्ल। प्रस्फुरक और इसकी प्राप्ति, उद्जन और ओषजन के साथ इसके समास; प्रस्फुरक के ओषाम्ल। गन्धक, उसकी प्राप्ति और शोधन, उसके उद्जन और ओषजन के साथ समास; गन्धक के उदाम्ल और ओषाम्ल; गन्धक के फेज। कर्बन की बहुरूपता; कर्बन के ओषित। मार्श गैस; ऐसिटिलीन इथाइलीन, मद्यसार, ईथर्स, अम्ल, उद्कर्बनित इत्यादि।

## क्रियात्मक रसायन

पत्र ( ग ) ३८ अंक

(i) गुणात्मक विश्लेषण—दो भस्मों और दो अम्लों के मिश्रणों का पूर्ण गुणात्मक विश्लेषण, अम्लों में, उ ह, उ न $ओ_3$, $उ_2$ ग $ओ_4$, उ ब्र, उ नै, उ क न, उ न $ओ_2$. $उ_2$ ग $ओ_3$, उ टं $ओ_3$ सिरकाम्ल, कर्बनिकाम्ल, उ प्ल, $उ_2$ ग और $उ_3$ प्र $ओ_4$ होंगे।

(ii) अम्लों के साथ धातुओं, भस्मों, ओषितों और कर्बनितों की क्रिया और द्विधाविघटन से उत्पन्न लवणों की निर्माण विधि।

| | | | |
|---|---|---|---|
| पाण्मासिक परीक्षा | | लिखित— | २४ अंक |
| ,, | ,, | क्रियात्मक— | १२ अंक |

---

सूचना—व्याख्यानों का आधार प्रधानतः मैलर की इण्ट्रोडक्शन टु इनार्गैनिक कैमिस्ट्री होगा।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## द्वितीय वर्ष

पत्र ( क ) ३ घण्टे ३८ अंक

भौतिक रसायन—ज्वलन, ज्वाला, विद्युत् रसायन, ताप रसायन, सान्द्रत्व का नियम, स्फटिक विज्ञान, रासायनिक दृष्टि से रेडियम की ओजस्विता, रेडियो एक्टिविटी। उत्प्रेरण (catalysis)। तत्त्वों का आवर्तिक वर्गीकरण स्पैक्ट्रोस्कोपी। भौतिक रसायन सम्बन्धी सरल प्रश्न।

वर्णनात्मक रसायन—निम्नलिखित धातुओं का निःसारण और शोधन, उनके ओषित, उदिद्, उदित नत्रिद, नत्राइत, नत्रित, हैलिद, गंधिद गन्धित गंधाइत, कर्बनित और प्रस्फुरित आदि आवश्यक समासः—क्षारीय धातुवें, क्षारित उपधातु, ताम्र, रजत, स्वर्ण, ग्लूसिनम, मैग्नीशियम, जस्त, कादमियम, पारद, स्फट, अन्य उपधातु टिन, सीसक, सखिया, अञ्जन, विस्मथ, क्रोमियम समूह, रेडियम, मांगल, लोह, कोवल्ट, निकल, प्लाटिनम धातुवें।

सूचनाः—व्याख्यानों का आधार प्रधानतः मैलर की इण्ट्रोडक्शन टु इनार्गैनिक कैमिस्ट्री होगा। न्यूथ से धातुओं के निस्सारण पर व्याख्यान दिये जायेंगे।

पत्र ( ख ) ३ घंटे ३८ अंक

ऐन्द्रियिक रसायन—पैराफीन और उसके हैलिद मद्यसार, ईथर लवण, ईथर, ऐल्डिहाईड और कीटोन, चर्विकाम्ल, अम्लहरिद, एविद, एमीन, गंधक समास और सायनोजन आदि समासों की उत्पत्ति, निर्माण विधि और उनका विशेष और सामान्य सूत्र।

जे. बी. कोहन की ऐन्द्रियिक रसायन के आदि के २३० पृष्ठ

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



पत्र ( ग ) क्रियात्मक रसायन ३८ अंक

१. गुणात्मक विश्लेषण। २. निम्नलिखित का [ उनके सरल समासों में ] भार सम्बन्धी विश्लेषण—लोह, ताम्र उद्हरिकाम्ल, गंधकाम्ल, निकल, स्फट, खट और मांगल। ३. आयतनात्मक विश्लेषण का साधारण कार्य। ४. हरित, लोहस्-अमोनियम गंधित, परमैन्गनित और निरुद हरिद बनाना। ५. ( क ) निरञ्जन चूर्ण (Bleaching Powder) की परीक्षा-प्राप्य (Available) हरिन की मात्रा जानना।

(ख) जल परीक्षा—कठोरता (स्थायी और अस्थायी) हरिद् के रूप में उपस्थित हरिन तथा नत्राइत की मात्रा ज्ञात करना।

षाण्मासिक परीक्षा लिखित २४ अंक

" " क्रियात्मिक १२ अंक

## तृतीय वर्ष

पत्र (क) ३ घण्टे ३८ अंक

ऐन्द्रियिक रसायन—ऐन्द्रियिक धात्वीय समास, मद्यसारीय समूह के प्रस्फुरक, संखिया और सिलिकनके साथ समास। ओलिफीन और एसिटिलीन। द्विबंधनात्मक सिद्धान्त। कर्बोदित यूरिया, यूरिकाम्ल, उदोषाम्ल, बहूदित मद्यसार, द्विभास्मिक अम्ल जैसे—औगजैलिकाम्ल मैलोनिकाम्ल, सक्सिनिकाम्ल, तार्तरिकाम्ल, फ्युमेरिक और मेलेयिकाम्ल, सित्रिकाम्ल। पारदर्शनी ओजस्विता, टोटोमरिज्म डेज्मोट्रोपिज्म।

सुगन्धित श्रेणी के उत्कर्बन उनके हैलोजन, नत्रजन, एमिना और गन्धनिक समास। एल्डिहाइड, किटोन, क्विनेन, फिनोल, द्वयुदित और त्र्युदित फिनोल, द्विनत्र समास, नत्रीय वर्ण सुगन्धित श्रेणी के मद्यसार और अम्ल।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



सूचना—जे. वी. कोहन की ऐन्द्रियिक रसायन, २३० पृष्ठ से आगे

पत्र (ख) ३ घंटे ३८ अङ्क

कूटना, पीसना, छारण, ऊर्ध्व पातन, तिर्यक पातन, कुचलना और जारण आदि क्रियाओं की व्यापारिक विधियों का साधारण ज्ञान, साबुन की व्यापारिक निर्माण विधि।

पत्र (ग) क्रियात्मक रसायन— ३८ अंक

"क" निम्न की निर्माण विधिएं:—

[१] पोटाशियम इथाइल गन्धित [२] इथाइलीन [३] इथाइलीन द्विब्रमिद [४] ईथर [५] इथेन [६] ईथाइल सिरकित [७] ईथाइल ब्रमिद [८] ऐसिटैल्डि हाइड [९] क्लोरोफार्म [१०] एसिटेमाइड [११] मिथाइल अमीन [१२] ओक्ज़ालिकाम्ल [१३] नत्रोबेन्जीन [१४] एनिलीन [१५] द्विनत्रोबेन्ज़ीन [१६] फिनोल [१७] बेनजोइकाम्ल।

"ख" साबुन को व्यापारिक निर्माण विधि से रस क्रिया भवन में क्रियात्मक तौर पर निर्माण करना।

"ग" कच्ची धातुओं वा सामान का पूर्ण विश्लेषण।

षाण्मासिक परीक्षा लिखित— २४ अंक

" " क्रियात्मक १२ अंक

## * चतुर्थ वर्ष *

पत्र (क) ३ घण्टे ३४ अंक

निम्न की व्यापारिक निर्माण विधि तथा उनके सहोत्पन्न पदार्थों का पूर्ण ज्ञान—

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri


[१] मीनाकारी, इसके लिए आवश्यक पदार्थ; करने की व्यापारिक विधि ( विशेषतया साईनबोर्ड अनैमलिंग ) [२] बीजों के तेल और उनके समास [३] खांड [४] रंगों का वर्गीकरण; प्रयोग—सूती, ऊनी तथा रेशमी कपड़ों तथा सूत का रंगना और इनका रंग उड़ाना [५] दूध के पदार्थ ( Condensed milk, milk powder, butter, cheese, और caseine )

पत्र (ख) ३ घण्टे ३४ अंक

पत्र (क) में निर्दिष्ट इन्डस्ट्रीज में से किसी एक का विस्तृत ज्ञान।

पत्र (ग) २२ अंक

क्रियात्मक ज्ञान—(१) विस्तृत ज्ञान से पठित इन्डस्ट्री की व्यापारिक विधि का रसशाला में क्रियात्मक ज्ञान और यान्त्रिक निर्माण।

(२) इसी इन्डस्ट्री के विशेष गुण वा क्रिया के विस्तृत क्रियात्मक ज्ञान पर निबन्ध ३० अंक

पाण्मासिक परीक्षा लिखित २२ अंक

पाण्मासिक परीक्षा कियात्मक ८ अंक

---

सूचना—व्याख्यान प्रधानत: थार्प की व्यापारिक रसायन और मार्टिन की ऐन्द्रियक व्यापारिक रसायन पर निर्भर होंगे और विशेष ज्ञान के लिये विशेष पुस्तकें होंगी।

टिप्पणी—तृतीय तथा चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों को सत्रान्तावकाश में रसायन सम्बन्धी विशुद्ध ज्ञान के लिए आर्थिक अवस्थानुसार बाहर के कारखाने दिखाने का प्रबन्ध किया जायेगा।

१. निबंध परीक्षा से एक मास पूर्व कार्यालय में पहुंच जाना चाहिए।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



# ६. आर्यसिद्धान्त

## ✻ प्रथम वर्ष ✻

पत्र (क) ३ घण्टे ७६ अङ्क

पारसी मत

१. एस्सेज़ औन लैंग्वेज, राइटिंग्स ऐण्ड रिलिजन ऑफ दि पार्सीज़—मार्टिन हॉग

२. धर्म का आदिस्रोत—गङ्गाप्रसाद एम. ए.

पत्र (ख) ३ घण्टे ७६ अङ्क

थीइज़्म

१. थीइज़्म—फ्लिण्ट ४ से ८ अध्याय तक तथा ९म अध्याय का केवल सारांश

षाण्मासिक परीक्षा ४८ अङ्क

## ✻ द्वितीय वर्ष ✻

पत्र (क) ३ घण्टे ७६ अङ्क

बौद्ध धर्म, टौइज़्म और ईसाइयत का विषय ज्ञान (समालोचना रहित)

१. बुद्धचर्या—राहुलसांकृत्यायन

२. टैक्स्ट्स ऑफ टॉइज़्म ( लुटूज़े की पुस्तक टौ टेह किंग )

३. ओल्ड टैस्टामैण्ट, पैण्टाट्यूक। न्यू टैस्टामैण्ट—प्रथम चार गॉस्पल्स का विषय ज्ञान ( समालोचना रहित )

---

सूचना—यह केवल वेद महाविद्यालय का विषय है। गुरुकुल महाविद्यालय में इसके स्थान में आर्यभाषा रखा गया है।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



पत्र (ख) ३ घंटे ७६ अङ्क

एथिट थीइज़्म

१. एथिट थीइस्टिक थिअरीज़—फ्लिण्ट

अध्याय १, ४, ५वें का प्रथम भाग, ६ केवल २य भाग, ७ तथा १०वां अध्याय केवल १म भाग

## ※ तृतीय वर्ष ※

पत्र (क) ३ घण्टे ७६ अङ्क

ईसाइयत की समालोचाना और मिश्र के धर्म

१. क्रीड ऑफ क्रिस्टेनडम—ग्रेग

२. इजिप्शन रिलिजन—बज

३. कन्फ्लिक्ट बिट्वीन रिलिजन ऐण्ड सायन्स—ड्रेपर

पत्र (ख) ३ घण्टे ७६ अङ्क

धार्मिक अनुभवों की भिन्नता

१. वेराइटीज़ ऑफ रिलिजस एक्सपीरियन्स—जेम्स

१ से २५८ पृष्ठ तक

षाण्मासिक परीक्षा ४८ अंक

---

सूचना—आर्यसिद्धान्त के (ख) पत्र के थीइज़्म आदि ग्रन्थों पर विषय की दृष्टि से व्याख्यान दे दिये जायेंगे। इस पत्र के प्रश्नों का उत्तर आर्यभाषा में ही देना होगा।

सूचना—आर्यसिद्धान्त ( ख ) पत्र के प्रश्न पत्र में यह ध्यान रखा जायेगा कि विद्यार्थियों से इस विषय के सामान्य ज्ञान की आशा की जाती है। पुस्तक के अन्तर्गत सूक्ष्म दार्शनिक तथा वैज्ञानिक समस्यायें जिनका विषय के सामान्य प्रतिपादन से विशेष सम्बन्ध नहीं, विद्यार्थियों को नहीं पढ़ाई जायेंगी।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## * चतुर्थ वर्ष *

पत्र (क) — ३ घण्टे ७६ अङ्क

इस्लाम, पुनर्जन्म और आर्यसमाज के इतिहास पर व्याख्यान

१. नोट्स ऑन मुहम्मडनिज़्म—ह्यूगस
२. सिलैक्शन्स फ्रॉम दि कुरान
३. री-इन्कार्नेशन—वाकर
४. आर्यसमाज के इतिहास पर व्याख्यान

पत्र (ख) — ३ घण्टे ७६ अङ्क

धार्मिक अनुभवों की भिन्नता

१. वैराइटीज ऑफ़ रिलिजियस एक्सपीरियन्स—जेम्स
२५६ पृष्ठ से अन्त तक

षाण्मासिक परीक्षा — ४८ अङ्क

# आर्यभाषा

## * प्रथम वर्ष *

प्रश्न पत्र (क) — ३ घंटे ५० अङ्क

प्राचीन पद्य
१. सुदामा चरित—नरोत्तम
२. रामचरितमानस—बालकाण्ड

नवीन पद्य
३. पथिक—रामनरेश
४. वीर सतसई—वियोगी हरि

गद्य
५. भाषा और साहित्य—श्यामसुन्दर
६. प्रबंध प्रभाकर—गुलाबराय

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



७. प्राचीन साहित्य—रवीन्द्रनाथ ठाकुर
८. लोकोक्तियां और मुहाहरे—बहादुरचन्द
९. नागरी अंक और अक्षर—गौरीशंकर
हीराचन्द ओझा

३ घंटे ५० अङ्क

पत्र (ख)

i स्वयं पठनार्थ—१० अङ्क

१. जयद्रथ वध—मैथिलीशरण गुप्त
२. वंकिम निबंधावली
३. जनमेजय का नागयज्ञ—'प्रसाद'

ii. अपठित—१० अङ्क

iii. छन्दः प्रभाकर— मुख्य १०० छन्द — १० अंक

१. तोमर २. नित्त ३. उल्लाला ४. सखी ५. विजात ६. हाकलि ७. मधुमालती ८. सुलक्षण ९. मनमोहन १०. चौपई ११. गोपाल १२. पद्धरि १३. अरिल्ल १४. पज्झटिका १५ डिल्ला १६. शक्ति १७. पीयूष वर्ष १८. सुमेरु १९. सगुण २०. शास्त्र २१. हंसगीत २२. संत २३. रास २४. राधिका २५. कुँडल २६. उपमान २७. हरि २८. अवता[र] २९. सुजान ३०. रोला ३१. दिगपाल ३२. रूपमाला ३३. मुक्तामणि ३४. सुगीतिका ३५. नाग ३६. विष्णुपद ३७. कामरूप ३८. झूलना ३९. गीतिका ४०. गीता ४१. सरसी ४२. शुभगीता ४३. शुद्धगीता ४४. हरिगीतिका ४५. सार ४६. विधाता ४७. चवपैया ४८. तोट[क] ४९. ककुभ ५०. रुचिरा ( मात्रिक ) ५१. शोकहर ५२. क[...] ५३. वीर ५४. त्रिभंगी ५५. दुर्मिल ५६. मत्त सवैया ५७. कर[...] ५८. झूलना ( दण्डक ) ५९. हरिप्रिया ६०. बरवै ६१. अति ब[...] ६२. दोहा ६३. सोरठा ६४. दोही ६५. हरिपद ६६. रुचिरा ( मात्रिक ) ६७. अमृतध्वनि ६८. कुण्डलिया ६९. छप्पय ७[०...] क्रीड़ा ७१. हारी ७२. यशोदा ७३. विमोहा ७४. तिलका ७५. [...]

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri


७६. ईश ७७. नाराचिका ७८. चित्रपदा ७९. रलका ८०. वर्ष ८१. भुजंगी ८२. अनुकूला ८३. गिरिधारी ८४. माया ८५. विलासी ८६. राग ८७. तारक ८८. मंगल ८९. कुंज ९०. मंजारी ९१. मणिमाला ९२. मदिरा सवैया ९३. मत्तगयन्द ९४. चकोर ९५. दुर्मिल ९६. सुन्दरी ९७. लवंगलता ९८. मनहरण ९९. चौपाई

iv. निबन्ध तथा लेख—२० अंक

गृह निबन्ध—६— २० अंक

षाण्मासिक परीक्षा ३० अंक

## * द्वितीय वर्ष *

पत्र ( क ) ३ घण्टे ५० अंक

प्राचीन पद्य १. कवितावली तुलसी—लंका काण्ड तक
२. संक्षिप्त पद्मावत—१, ६, ७ काण्ड (श्यामसुन्दर)

नवीन पद्य ३. मेघनाद वध—प्रथम तीन सर्ग छोड़ कर
४. प्रिय प्रवास—१० सर्ग तक (४ तथा ६ छोड़कर)

नाटक ५. राजारानी—रवीन्द्र नाथ
६. स्कन्द गुप्त—जयशंकर प्रसाद
७. शाहजहां—द्विजेन्द्र लाल

गद्य ८. विचार दर्शन—काली प्रसन्न घोष
९. साहित्य समीक्षा—कालीदास कपूर
१०. हिन्दी में नाट्य साहित्य का विकास—विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
११. आलोचनादर्श—रमाशंकर शुक्ल रसाल

पत्र ( ख ) ३ घंटे ५० अंक

१. स्वयं पठनार्थ १५ अंक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri


१. जीवन साहित्य—कालेलकर
२. समाज—रवीन्द्रनाथ ठाकुर
३. अन्तर्नाद—वियोगी हरि
४. भारत दुर्दशा—हरिश्चन्द्र
५. सत्य हरिश्चन्द्र—हरिश्चन्द्र

२. अपठित—१५ अंक
३. निबन्ध तथा प्रस्ताव २० अंक

गृह निबन्ध ६— २० अंक
षाण्मासिक परीक्षा ३० अंक

## * तृतीय वर्ष *

पत्र (क) ३ घण्टे ५० अंक

प्राचीन पद्य १. सूर सूक्ति सुधा—वियोगी हरि
२. भूषण ग्रन्थावली (हि० सा० स०) ३१४ पृष्ठ (अलंकारों के उदाहरणों को कण्ठ करना आवश्यक नहीं होगा)

नवीन पद्य ३. यशोधरा—मैथिली शरण

गद्य ४. साहित्यालोचन—श्याम सुन्दर
५. विश्वसाहित्य—पदुमलाल पुन्नालाल बख़्शी
६. काव्य मीमांसा—रामचन्द्र शुक्ल 'सरस'
७. साधना—रायकृष्णदास
८. भाषा विज्ञान—मङ्गलदेव

पत्र (ख) ३ घण्टे ५० अंक

१. स्वयं पठनार्थ—१० अंक
१. कबीर वचनावली—अयोध्यासिंह उपाध्याय

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



२. हिन्दी नवरत्न (सूर, तुलसी, भूषण, चन्द, हरिश्चन्द्र, उदाहरण छोड़कर)

२. अपठित—१० अंक

३. अलंकार मंजूषा—भगवानदीन—१० अंक

४. निबन्ध लेख—२० अंक

गृह निबन्ध ६— २० अंक

षाण्मासिक परीक्षा ३० अंक

## चतुर्थ वर्ष

पत्र (क) ३ घंटे ५० अंक

प्राचीन पद्य १. रामचरितमानस—उत्तर काण्ड

२. सूर पञ्चरत्न—भगवानदीन—बालकृष्ण

नवीन पद्य ३. गीताञ्जलि—काशीनाथ कृत अनुवाद

४. साकेत—मैथिलीशरण १म तथा ६म सर्ग छोड़कर

नाटक ५. चन्द्रगुप्त—द्विजेन्द्रलाल

६. चन्द्रगुप्त—जयशंकर प्रसाद

७. जयाजयन्त—न्हानालाल दलपतराम

गद्य ८. हिंदी साहित्य का इतिहास—रामचन्द्र शुक्ल

९. हिंदी साहित्य विमर्श—पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

१०. काव्य में रहस्यवाद—रामचन्द्र शुक्ल

(ख) ३ घण्टे ५० अंक

१. स्वयं पठनार्थ। १५ अंक

१. तुलसीदास—रामचन्द्र शुक्ल

• बोल चाल—अयोध्यासिंह

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



३. कबीर का रहस्यवाद—रामकुमार
४. सुकवि संकीर्तन—महावीर प्रसाद
५. भारतीय इतिहास पर हिन्दी का प्रभाव—
शुकदेव बिहारी मिश्र

२. अपठित—१५ अंक
३. निबन्ध २० अंक
गृह निबन्ध ६—
षाण्मासिक परीक्षा ३० अंक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अंक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

Arjun Press, Delhi.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

❀ ओ३म् ❀

# नियमावली

तथा

# पाठविधि

## छात्र-परीक्षा विभाग

66/986

20022
2.1.

सम्वत् २००० विक्रमी

---

मूल्य डेढ़ आना

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



❀ ओ३म् ❀

# गुरुकुल विश्वविद्यालय कांगड़ी की छात्र-परीक्षाओं की नियमावली तथा पाठविधि

## सामान्य नियम

**प्राक्कथन तथा उद्देश्यः**—स्वनामधन्य श्री स्वामी श्रद्धानन्द जी महाराज द्वारा स्थापित गुरुकुल विश्वविद्यालय कांगड़ी ही ऐसी संस्था है, जिसे सब अर्वाचीन तथा प्राचीन विषयों की शिक्षा हिन्दी माध्यम द्वारा प्रारम्भ करने का श्रेय प्राप्त है। विद्वान् आश्चर्य करते थे कि रसायन-शास्त्र जैसे पाश्चात्य विषयों की हिन्दी परिभाषाओं द्वारा शिक्षा कैसे दी जा सकती है। परन्तु अब इसमें कोई सन्देह नहीं रहा कि गुरुकुल द्वारा किया गया यह परीक्षण पूर्ण सफल सिद्ध हुआ है। हिन्दी-साहित्य सम्मेलन एवं अन्य हिन्दी विद्यापीठों ने भी इसका अनुकरण करके प्रशंसनीय कार्य किया है। इसी का परिणाम

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri


है कि हिन्दी भाषा और उसके साहित्य के प्रचार से आज हिन्दी को ही यह अधिकार प्राप्त है कि वह राष्ट्र की भाषा बन सके।

परन्तु अभी तक गुरुकुल में नियमानुसार प्रविष्ट ब्रह्मचारियों को ही छात्रावास में निवास करते हुए गुरुकुल की शिक्षा-प्रणाली से लाभ उठाने का सुअवसर प्राप्त था, इस लाभ से अन्य छात्र वञ्चित रहते थे। इस शिक्षा-पद्धति का अधिक व्यापक क्षेत्र में प्रचार करने के लिए, जिससे अन्य बाहर के छात्र एवं छात्राएं भी लाभ उठा सकें, इस परीक्षा का आयोजन किया गया है। इन उपाधि-परीक्षाओं का मान (Standard) गुरुकुल विश्वविद्यालय कांगड़ी की द्वादश श्रेणी के उस उस विषय के समकक्ष होगा।

१. **उपक्रमः**—आर्य प्रतिनिधि सभा पञ्जाब की विद्या सभा ने अपने शनिवार १४ कार्तिक संवत् १९९३ के अधिवेशन में यह प्रस्ताव स्वीकृत किया था कि गुरुकुल से बाहिर के छात्रों के लिए भी हिन्दी माध्यम द्वारा कतिपय विषयों की परीक्षा का प्रबन्ध करना चाहिए। इस प्रस्ताव को कार्यान्वित करने के लिए विद्या सभा के ६ कार्तिक सं० १९९६ के अधिवेशन में हुए निश्चय के अनुसार इस परीक्षा का आयोजन किया गया है।

२. **परिभाषाः**—इस परीक्षा का नाम 'गुरुकुलीय छात्र परीक्षा' होगा।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



३. **प्रबन्धः**—विद्या सभा के निश्चयानुसार शिक्षापटल के तत्वावधान में निर्मित छात्र-परीक्षा समिति द्वारा ही इस परीक्षा का सब प्रबन्ध किया जायगा।

क. **समिति का संगठनः**—तिथि ५-६-१९९९ वि० को शिक्षा-पटल ने अपने अधिवेशन में उपर्युक्त समिति का संगठन निम्न प्रकार से स्वीकृत किया है :—

१—गुरुकुल विश्वविद्यालय के मुख्याधिष्ठाता ( प्रधान )
२—गुरुकुल के आचार्य
३—गुरुकुल के प्रस्तोता
४—छात्र-परीक्षा-समिति के उपप्रस्तोता ( मन्त्री )
५—शिक्षा पटल द्वारा निर्वाचित तीन अन्य विद्वान्।

इनके अतिरिक्त छात्र-परीक्षा समिति द्वारा दो अन्य सदस्य अनुबद्ध ( Co-opt ) किए जायंगे। इस प्रकार समिति के कुल सदस्यों की सँख्या ९ ( नौ ) होगी। उपप्रस्तोता की नियुक्ति विद्या-सभा द्वारा होगी। मुख्याधिष्ठाता ही इस समिति के प्रधान होंगे। उनकी अनुपस्थिति में समिति अपना सभापति निर्वाचित करेगी।

ख. **न्यूनतम उपस्थिति (कोरम)ः**—इस समिति के अधिवेशन के लिए आवश्यक उपस्थिति कम से कम तीन समझी जायगी। सम्मतियों के समान होने पर सभापति को दो सम्मतियां देने का अधिकार होगा।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri


ग. **छात्र परीक्षा समिति का कालः**—शिक्षा-पटल के तिथि ५-९-६६ के निश्चयानुसार, प्रति तीन वर्ष के पश्चात्, शिक्षा-पटल के निर्वाचन के पश्चात् उसके प्रथम अधिवेशन में ही, इस समिति के सदस्यों का शिक्षा-पटल द्वारा चुनाव होकर समिति का निर्माण होगा।

घ. **कार्यालयः**—छात्र परीक्षा समिति का प्रधान कार्यालय गुरुकुल विश्वविद्यालय कांगड़ी (जिला सहारनपुर) में होगा और इसके अधिवेशन भी यथासम्भव आवश्यकतानुसार यहीं हुआ करेंगे।

४. सभी देश, धर्म और अवस्थाओं के छात्र तथा छात्राएँ इस परीक्षा में सम्मिलित हो सकेंगे।

५. छात्र-परीक्षा में केवल हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि का ही व्यवहार होगा।

६. प्रत्येक विषय की परीक्षा में धर्मशिक्षा की परीक्षा आवश्यक होगी, जिसकी पाठविधि सब के लिए समान रूप से पृथक होगी।

७. प्रत्येक विषय की उपाधि-परीक्षा का नाम उस उस विषय के नाम के अन्त में प्रवीण शब्द लगाने से पूर्ण होगा। उन उन विषयों की उपाधि-परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थी ही उस नाम को अपने नाम के पीछे लगा सकेंगे। जैसे इतिहास-प्रवीण।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



# परीक्षा-सम्बन्धी नियम

८. छात्र-परीक्षा समिति ने अभी तक निम्न विषयों की परीक्षा का प्रबन्ध किया है। आवश्यकता पड़ने पर अन्य विषयों का भी समावेश कर लिया जायगा। १. धर्मशास्त्र २. इतिहास ३. वेद ४. संस्कृत साहित्य ५. सम्पादनकला ६. संगीत ७. गृहशास्त्र ८. हिन्दी साहित्य।

९. प्रत्येक विषय की परीक्षा के लिए तीन खंड होंगे १ प्रथमा, २ मध्यमा, ३ उत्तमा।

१०. प्रवीण उपाधि प्राप्त करने के लिए तीनों खंडों में उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा।

११. यदि परीक्षार्थी चाहे तो एक या दो या तीन खंडों की परीक्षाएं एक ही वर्ष में भी दे सकता है और पृथक् पृथक् वर्ष में भी।

१२. यदि किसी परीक्षार्थी ने दो या तीन खंडों की एक ही वर्ष में परीक्षा दी है और वह निम्न खंड में अनुत्तीर्ण है तो वह उससे उच्च खंड में भी अनुत्तीर्ण समझा जायगा।

१३. अनुत्तीर्ण विद्यार्थी के परीक्षा-फल के अंक प्रकाशित नहीं किए जायंगे।

१४. उत्तीर्ण विद्यार्थियों का सम्पूर्ण खंड के सर्वयोग से ही सूचित किया जायगा। परन्तु यदि कोई उत्तीर्ण या अनुत्तीर्ण परीक्षार्थी अपने प्रत्येक उत्तरपत्र के प्राप्तांक जानना चाहे तो वह परीक्षा-फल प्रकाशित होने एक के वर्ष के अन्दर-

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri


अन्दर प्रति पत्र आठ आना तथा एक वर्ष के बाद प्रति पत्र दो रुपया अतिरिक्त शुल्क आवेदनपत्र सहित भेजकर अपने अंक प्राप्त कर सकता है।

१५. यदि कोई अनुत्तीर्ण परीक्षार्थी अपने उत्तरपत्रों का पुनः निरीक्षण कराना चाहता है तो वह परीक्षा-फल प्रकाशित होने के एक मास के भीतर एक रुपया प्रति पत्र छात्र परीक्षा समिति के कार्यालय में भेजकर पुनः निरीक्षण करा सकता है।

१६. यदि कोई परीक्षार्थी आवेदनपत्र और नियत शुल्क भेजने के पश्चात् बीमार होने के कारण परीक्षा में बैठने में असमर्थ है तो उसे किसी प्रामाणिक ( सरकार द्वारा स्वीकृत या गुरुकुल द्वारा आयुर्वेद की उपाधि-प्राप्त ) चिकित्सक के प्रमाण-पत्र सहित समिति के कार्यालय में अपना प्रार्थनापत्र भेजना चाहिए। यह प्रार्थनापत्र परीक्षा समाप्त होने से पूर्व समिति के कार्यालय में आ जाना चाहिए। ऐसी अवस्था में उसे आगामी वर्ष उससे आधा शुल्क लेकर परीक्षा में बैठने दिया जायगा। किसी अवस्था में भी शुल्क लौटाया नहीं जायगा।

१७. जो परीक्षार्थी किसी नियम के उल्लंघन के कारण परीक्षा-भवन से निकाल दिया जायगा वह उस वर्ष के शेष पत्रों में परीक्षा नहीं दे सकेगा। समिति ही इसका भी निर्णय करेगी कि वह आगे भी परीक्षा में कब तक न बैठे।

१८. प्रत्येक खंड में चार प्रश्नपत्र होंगे। एक पत्र धर्म-शिक्षा का, जोकि सभी विषयों के लिए समान है, तथा तीन पत्र उस विषय के होंगे।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



१९. प्रत्येक खंड में उत्तीर्ण होने के लिए चारों पत्रों में उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

२०. धर्मशिक्षा के पत्र में २० प्रतिशतक तथा अन्य तीन पत्रों में ४० प्रतिशतक अंकों से उत्तीर्ण समझा जायगा।

२१. सर्वयोग में न्यून से न्यून ७० प्रतिशतक अंक लेने पर प्रथम विभाग, ५० प्रतिशतक लेने पर द्वितीय विभाग और इससे नीचे तृतीय विभाग समझा जायगा।

२२. धर्मशिक्षा के पत्र के १०० तथा अन्य तीन पत्रों के प्रति पत्र १५० अंक होंगे। इस प्रकार कुल ५५० अंकों में से कम से कम २०० प्राप्त करने पर परीक्षार्थी उत्तीर्ण हो सकेगा।

२३. परीक्षा सदा विजयादशमी (दशहरा) तथा दीपावली के बीच के दिनों में होगी। उसकी निश्चित तिथियों की सूचना मई मास में प्रकाशित करा दी जाया करेगी।

२४. आवेदन-पत्र छपे हुए फार्म पर जोकि छात्र परीक्षा समिति के कार्यालय से मिल सकते हैं, लिखकर नियत शुल्क सहित १ जुलाई तक समिति के कार्यालय में अवश्य आ जाने चाहियें। इसके पश्चात् १५ जुलाई तक एक रुपया विलम्ब-शुल्क देना होगा। तदन्तर आवेदन-पत्र स्वीकृत नहीं किये जांयगे।

२५. परीक्षार्थी को अपने आवेदनपत्र पर जिस केन्द्र से वह परीक्षा देना चाहता है, उसके व्यवस्थापक, अथवा किसी विश्वस्त संस्था के उच्च अधिकारी के सामने ही हस्ताक्षर करने चाहिएं और उनके हस्ताक्षरों से यह प्रमाणित

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



कराना चाहिए कि इस परीक्षार्थी ने मेरे सामने हस्ताक्षर किये हैं और इसके अध्ययन-प्रबन्ध तथा चरित्र से मुझे सन्तोष है।

२६. आवेदनपत्र स्वीकृत हो जाने पर समिति के कार्यालय से प्रत्येक विद्यार्थी का प्रवेश-पत्र परीक्षार्थी के पास भेज दिया जाया करेगा। उसी प्रवेश-पत्र को दिखा कर परीक्षार्थी परीक्षा-भवन में प्रविष्ट हो सकता है।

२७. नियत शुल्क निम्न प्रकार से है:—

क—प्रवेश-शुल्क:—यह शुल्क एक रुपया होगा जो कि प्रारम्भ में परीक्षार्थी को एक वार देना होगा। उसके बाद अन्य खण्डों की परीक्षा देने के लिए इस शुल्क की आवश्यकता नहीं होगी।

ख—परीक्षा शुल्क निम्न हैं:—

| | |
|---|---|
| प्रथमा परीक्षा | ४) (चार रुपया) |
| मध्यमा परीक्षा | ६) (छः रुपया) |
| उत्तमा उपाधि-परीक्षा | १०) (दस रुपया) |

२८. प्रथमा तथा मध्यमा में उत्तीर्ण परीक्षार्थी को प्रमाण-पत्र तथा उत्तमा-परीक्षोत्तीर्ण परीक्षार्थी को समिति की ओर से उपाधि-पत्र दिया जायगा।

**१. केन्द्र-व्यवस्थापक:**—प्रत्येक केन्द्र में हमारी ओर से परीक्षाओं की व्यवस्था के लिए एक प्रबन्धक होगा। वह केन्द्र-व्यवस्थापक कहलायेगा।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



२. विश्वस्त संस्था के उच्च अधिकारी:—

१—स्थानीय शिक्षा संस्थाओं के मुख्याध्यापक

२—आर्यसमाज के प्रधान और मन्त्री

३—गुरुकुल विश्वविद्यालय कांगड़ी के स्नातक तथा स्नातिकाएं

४—हिन्दी-प्रचार संस्थाओं के प्रधान या मन्त्री

२९. छात्र-परीक्षाओं का परीक्षा-फल नियत परीक्षा-तिथि से यथासम्भव ३ मास के भीतर प्रकाशित कर दिया जायगा।

३०. क—उपाधि-पत्र पदक तथा पारितोषक आदि ईस्टर की छुट्टियों में गुरुकुल विश्वविद्यालय कांगड़ी के उत्सव पर समारोह में वितरण किए जाएंगे । उत्सव में उपाधि-पत्र लेते समय परीक्षोत्तीर्ण विद्यार्थी को नियत वेश में उपस्थित होना चाहिए । वह वेश निम्न है:—श्वेत धोती, श्वेत कमीज तथा गले में सफेद दुपट्टा।

ख—जो परीक्षार्थी उपाधिपत्र लेने के लिए उत्सव पर किसी अनिवार्य कारणवश उपस्थित नहीं हो सकेंगे उनके उपाधिपत्र तथा प्रथम दो खण्डों में उत्तीर्ण विद्यार्थियों के प्रमाणपत्र गुरुकुल कांगड़ी के उत्सव के पश्चात् यथासम्भव एक मास तक उनके पास भेज दिए जायंगे।

३१. प्रमाणपत्र एवं उपाधिपत्र खो जाने पर उसकी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



प्रतिलिपि प्राप्त करने के लिए क्रमशः १) और २) अतिरिक्त शुल्क समिति के कार्यालय में भेजना चाहिए।

३२. प्रधान परीक्षा-केन्द्र गुरुकुल कांगड़ी ही रहेगा। परन्तु नवीन केन्द्र भी प्रथम वार कम से कम आठ परीक्षार्थियों के सशुल्क आवेदनपत्र १ जुलाई तक छात्र-परीक्षा समिति के कार्यालय में आने पर स्थापित किये जा सकते हैं।

३३. यदि किसी पुराने केन्द्र से किसी वर्ष कम से कम पांच परीक्षार्थियों का सशुल्क आवेदनपत्र भी न आया तो वह केन्द्र तोड़ दिया जायगा।

३४. परीक्षा-केन्द्र उन्हीं स्थानों में हो सकेंगे जहां डाकघर हों और रेलवे स्टेशन वहुत दूर न हों।

३५. परीक्षाकाल में छात्र-परीक्षा समिति द्वारा निर्धारित कोई व्यक्ति गुप्त रूप से या पूर्व-सूचनानुसार किसी भी केन्द्र का निरीक्षण कर सकता है और उसकी आज्ञा केन्द्र-व्यवस्थापक को माननी होगी।

३६. परीक्षार्थियों को परीक्षा-भवन में समिति की ओर से केवल स्याहीचूस तथा रिक्त कापी उत्तर लिखने के लिए दी जायगी। कलम तथा दावात अपनी ओर से लानी होगी।

---

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

# पाठविधि

## धर्मशास्त्र

### प्रथमा ५५० पूर्णाङ्क

प्रथम पत्र [ १५० पूर्णाङ्क ]

१. वैदिक आचार शास्त्र, पं० धर्मदेव जी वि० वा०, ७५

२. नीति विज्ञान, गोवर्धनलाल हिन्दी ग्रन्थ रत्नागार बम्बई, ७५

द्वितीय पत्र [ १५० पूर्णाङ्क ]

१. गीता रहस्य, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक १००

२. त्रिदेव निर्णय, पं० शिवशंकर जी ५०

तृतीय पत्र [ १५० पूर्णांक ]

१. ईश, केन, कठ उपनिषद, भीमसेन जी ६०

२. वैदिक इतिहासार्थ निर्णय, पं० शिवशंकर जी ६०

चतुर्थ पत्र [ १०० पूर्णाङ्क ]

१. धर्मशिक्षा १००

### मध्यमा ५५० पूर्णाङ्क

प्रथम पत्र [ १५० पूर्णाङ्क ]

१. आस्तिकवाद, पं० गंगाप्रसाद जी ६०

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



२. पुनर्जन्म मीमांसा, प्रो० नन्दलाल जी एम० ए० ६०

३. याज्ञवल्क्य स्मृति (आचार कांड) ३०

द्वितीय पत्र [ १५० पूर्णाङ्क ]

१. योग दर्शन (व्यास भाष्य), हिन्दी ऐतरेय, तैतरेय, श्वेताश्वर उपनिषद् ७५

२. प्रश्न, मुंडक, मांडूक्य, उपनिषद, भीमसेन जी ७५

तृतीय पत्र [ १५० पूर्णाङ्क ]

१. मनुस्मृति ७०

२. Laws of manu, डा० भगवानदास ४०

३. पारस्कर गृह्यसूत्र तथा आपस्तम्ब धर्मसूत्र ४०

चतुर्थ पत्र [ १०० पूर्णाङ्क ]

१. धर्मशिक्षा १००

## उत्तमा ५५० पूर्णाङ्क

प्रथम पत्र [ १५० पूर्णाङ्क ]

१. वैदिक सम्पत्ति १००

२. वैदिक वाङ्मय का इतिहास ५०

द्वितीय पत्र [ १५० पूर्णाङ्क ]

१. कौटिलीय अर्थशास्त्र १००

२. याज्ञवल्क्य स्मृति व्यवहाराध्याय ५०

तृतीय पत्र [ १५० पूर्णाङ्क ]

१. छान्दोग्य तथा बृहदारण्यक उपनिषद, पं० शिवशंकर जी का भाष्य १००

२. षड्दर्शन समुच्चय ५०

चतुर्थ पत्र [ १०० पूर्णाङ्क ]

१. धर्मशिक्षा १००

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



# संस्कृत

## प्रथमा ५५० पूर्णाङ्क

प्रथम पत्र [ १५० पूर्णाङ्क ]

व्याकरण पाणिनीय प्रवेशिका, श्री पं० बुद्धदेव जी कृत ७५

शब्द-रूप तथा धातुरूप। मुख्य मुख्य नमूने २०, २०। २५,२५

धातुरूप—पठ, एध, कूर्द, डुकृञ्, ग्रह, अस्, भुज, घ्रा, दा, अधि+इङ्, जागृ, ज्ञा, दरिद्रा, धूञ् कम्पने, ओहाक्, ब्रूञ्, ञिभी, ञिष्वप्, वह, शक्लृ।

शब्दरूप—बालक, हरि, वारि, पितृ, गो, नदी, कन्या, चतुर्, द्वि, तद्, अस्मद्, युष्मद्, राजन्, अहन्, वाच्, महत्, विद्वस, षष्, अष्टन्, युवन्।

छन्द—१५ मुख्य छन्द जिनकी सूचि संलग्न है। २५

छन्द—अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, दोधक, शालिनी, रथोद्धता, वंशस्थ, द्रुतविलम्बित, वसन्ततिलका, मालिनी, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, शार्दूलविक्रीडित, आर्या, हरिणी।

द्वितीय पत्र [ १५० पूर्णाङ्क ]

गद्य, पञ्चतन्त्र पूर्वार्ध, गुरुकुल मुद्रित

प्रताप चरित

पद्य—नीतिशतक, केनोपनिषत्

साहित्य सुधा संग्रह प्रथम भाग

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



तृतीय पत्र [ १५० पूर्णाङ्क ]

अनुवाद, प्रत्यनुवाद, सरल वर्णनात्मक लेख १००

मनुस्मृति के अध्याय १ से ६ तक ५०

चतुर्थ पत्र [ १०० पूर्णाङ्क ]

धर्मशिक्षा १००

### मध्यमा ५५० अङ्क

प्रथम पत्र [ १५० पूर्णाङ्क ]

व्याकरण, मध्य कौमुदी की योग्यता तक, रूप-सिद्धि को छोड़ कर। सन्धि-विषय, नामिक, कारक, आख्यातिक, स्त्री प्रत्यय, समास, आत्मनेपद परस्मैपद का विषय गुरुकुल-मुद्रित पुस्तकों के आधार पर अथवा इसी योग्यता की किसी अन्य पुस्तक के आधार पर। १२५

अलंकार, २५ मुख्य मुख्य अलंकार। सूची साथ संलग्न है २५

अलंकार—अनुप्रास, वक्रोक्ति, श्लेष, यमक, उपमान, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, समासोक्ति, अप्रस्तुतप्रशंसा, व्यतिरेक, अपन्हुति, निदर्शना, प्रतिवस्तूपमा, दृष्टान्त, तुल्ययोगिता, दीपक, विरोध, अर्थान्तरन्यास, तद्गुण, विभावना, विशेषोक्ति, विषम, एकावली, कारणमाला।

द्वितीय पत्र [ १५० पूर्णाङ्क ]

गद्य, जातकमाला

नाटक, पंचरात्र, ऊरु-भंग, वेणीसंहार

पद्य, साहित्यसुधासंग्रह प्रथम भाग, कठोपनिषत

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



तृतीय पत्र [ १५० पूर्णाङ्क ]

अनुवाद प्रत्यनुवाद, वर्णनात्मक लेख — १००

गीता के अध्याय १ से ६ तक — ५०

चतुर्थ पत्र [ १०० पूर्णाङ्क ]

धर्मशिक्षा — १००

## उत्तमा — ५५० अङ्क

प्रथम पत्र [ १५० पूर्णाङ्क ]

व्याकरण क्रियात्मक ज्ञान अथवा अष्टाध्यायी — ५०

साहित्य दर्पण — ५०

(प्रथम, द्वितीय, तृतीय, सातवां, ८, ९, १० परिच्छेद के वादविवाद छोड़ कर )

अनुवाद, प्रत्यनुवाद, निबन्ध लेखन — ५०

द्वितीय पत्र [ १५० पूर्णाङ्क ]

गद्य, चरकसंहिता के अंश

साहित्यसुधासंग्रह द्वितीय भाग

नाटक, साहित्यसुधासंग्रह तृतीय भाग

शाकुन्तल। मृच्छकटिक। मुद्राराक्षस।

पद्य, दयानन्ददिग्विजय, मेधाव्रत

तृतीय पत्र [ १५० पूर्णाङ्क ]

संस्कृत साहित्य का इतिहास, वेद व्यास कृत

या

संस्कृत कवि चर्चा बलदेव उपाध्याय

दर्शन, दर्शनों के मुख्य मुख्य सिद्धान्तों का परिचय

षड्दर्शन समुच्चय

कवियों की समालोचना ( पं० बुद्धदेव भोजपुरी कृत)

चतुर्थ पत्र [ १०० पूर्णाङ्क ]

धर्मशिक्षा — ०१०

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri


# हिन्दी

## प्रथमा

प्रथम पत्र [१५० पूर्णाङ्क]

व्याकरण—नूतन हिन्दी व्याकरण, चेतराम ५०

अलङ्कार छन्द—अलङ्कार प्रवेशिका, रघुनन्दन शास्त्री ५०
सरस पिङ्गल।

नख-दर्पण में हिन्दी कविता, हजारीप्रसाद

हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास ५०
यदुनन्दन

द्वितीय पत्र [१५० पूर्णाङ्क]

नाटक, पद्य

प्राचीन पद्य—भारत भारती

नवीन पद्य—आधुनिक हिन्दी काव्य

नाटक—सत्य हरिश्चन्द्र, भारत दुर्दशा, जनमेजय का नाग-यज्ञ, मेवाड़पतन, द्विजेन्द्र

तृतीय पत्र [१५० पूर्णाङ्क]

गद्य, निबन्ध, मुहावरे आदि

गल्प—गल्पपारिजात, डा० सूर्यकान्त

गद्यकुसुमाकर, चन्द्रप्रकाश

उपन्यास—प्रेमाश्रम

निबन्ध—आदर्शनिबन्धमाला या निबन्धकुसुमावली ५०
लोकोक्तियां और मुहावरे।

चतुर्थ पत्र—धर्म शिक्षा [१०० पूर्णांक]

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## मध्यमा ५५० पूर्णाङ्क

**प्रथम पत्र [१५० पूर्णाङ्क]**

व्याकरण, कृष्णचन्द्र ५०

छन्द अलंकार

सहायक पुस्तकें—काव्य प्रदीप, रामबहोरी
छन्द रत्नावली, राजाराम
अलङ्कार मंजूषा, दीन
छन्द प्रभाकर, भानु ६०

संस्कृत भाषा का प्रारम्भिक ज्ञान—संस्कृत प्रवेशिका,
हितोपदेश ४०

**द्वितीय पत्र [१५० पूर्णाङ्क]**

नाटक, पद्य

नाटक—अजातशत्रु, प्रसाद। दुर्गादास, राय। रेवा, चन्द्रगुप्त। अशोक, लक्ष्मी नारायण। हिन्दी नाट्य कला, वेदव्यास।

पद्य—सूर-सूक्ति-सुधा, वियोगी हरि। कबीर, महात्मा कबीर। हरिहर निवास, तुलसी कवितावली १ से ८ सर्ग। मैथली० साकेत सर्ग १ से ६। गुँजन, पन्त।

**तृतीय पत्र [१५० पूर्णाङ्क]**

गद्य, निबन्ध

गद्य—प्रेमचन्द्र, प्रसाद, जैनेन्द्र, गोदान, कंकाल परख, संसार की सर्वश्रेष्ठ कहानियां, चन्द्रगुप्त

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri


निबन्ध—प्राचीन साहित्य, रवीन्द्र, रसज्ञ रञ्जन, म० प्र० द्वि०, बंकिम निबन्धावली, हिन्दी की गद्य शैली विकास, हिन्दी साहित्य की रूपरेखा, सूर्यकान्त निबन्ध लेख ५०

चतुर्थ पत्र—धर्म शिक्षा १००

## उत्तमा ५५० पूर्णाङ्क

प्रथम पत्र [१५० पूर्णाङ्क]

भाषा विज्ञान, डा० मङ्गलदेव या श्यामसुन्दरदास ३०

प्राकृत, पाली या किसी इतर प्रान्तीय भाषा का अध्ययन ३०

प्राकृत प्रकाश पाली पाठावली, हिन्दी भाषा का इतिहास, धीरेन्द्र वर्मा तथा भारतीय संस्कृति का इतिहास, डा० ईश्वरीप्रसाद, हिन्दी साहित्य का इतिहास, काव्य सर्वस्व, रामचन्द्र शुक्ल, परमानन्द शास्त्री

साहित्य समालोचना, रामकुमार

द्वितीय पत्र [१५० पूर्णाङ्क]

नाटक, पद्य, समालोचना

स्कन्दगुप्त, प्रसाद, शाहजहां, द्विजेन्द्र, हिन्दी में नाट्य साहित्य का विकास, चन्द्रगुप्त, प्रसाद, चन्द्रगुप्त, द्विजेन्द्र

प्राचीन पद्य—रामचरित मानस, संक्षिप्त पद्यावली नवनिधि, भगवद्दत्त

नवीन पद्य—यशोधरा, कामायनी, मेघनाथ वध, तरङ्गिणी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



तृतीय पत्र [१५० पूर्णाङ्क]

गद्य—प्रेमसागर, रंगभूमि, काया कल्प, प्रेमचन्द्र, रवीन्द्र, शरत, प्रसाद का अध्ययन. साहित्यालोचन

निबन्ध लेखन ५०

# इतिहास

**प्रथमा** ५५० पूर्णाङ्क

इस परीक्षा में:—

१. भारतवर्ष के समस्त इतिहास का साधारण ज्ञान। इतिहास का अध्ययन करते हुए भारतीय राजनीति, सभ्यता संस्कृति और समाज के क्रमिक विकास का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

२. संसार के प्राकृतिक और राजनीतिक भूगोल का साधारण ज्ञान। भारतवर्ष के भूगोल का विशेष ज्ञान।

३. नागरिक शास्त्र और नागरिक शिक्षा का साधारण ज्ञान।

प्रथम पत्रः— [ १५० पूर्णाङ्क ]

मुगलों के पतन तक भारतवर्ष का इतिहास १: इतिहास प्रवेश : श्री जयचन्द्र जी

सहायक पुस्तकें:—

१. शालोपयोगी भारतवर्ष, सरदेसाई।

२. भारतवर्ष का इतिहास, ईश्वरीप्रसाद।

३. भारत के निवासियों का संक्षिप्त इतिहास, ताराचन्द

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri


४. भारत भूमि और उसके निवासी, जयचन्द्र।

५. इतिहासचित्रावली, रामनारायण मिश्र।

६. भारतीय इतिहास का एटलस, ग्रीन।

नोटः—इतिहास के भौगोलिक आधार का ज्ञान आवश्यक है। इसके लिए अंतिम तीन सहायक ग्रन्थों से सहायता लेनी चाहिए और भारतीय इतिहास के भिन्न भिन्न कालों के मानचित्र बनाने का अभ्यास करना चाहिये।

द्वितीय पत्रः— [ १५० पूर्णाङ्क ]

मुगलों के पतन से वर्तमान काल तक का भारत का इतिहास और भारतवर्ष का भूगोल।

६० अङ्क : १ : इतिहासप्रवेश, जयचन्द्र।

६० अङ्क : २ : भारतवर्ष का भूगोल, रामनारायण मिश्र।

: ३ : भारत का आर्थिक भूगोल, द० श० दुबे और शं० स० सक्सेना।

सहायक ग्रन्थः—

१. शालोपयोगी भारतवर्ष, सरदेसाई।

२. भारतवर्ष का इतिहास, ईश्वरीप्रसाद।

३. भारत के निवासियों का संक्षिप्त इतिहास, ताराचन्द्र।

४. भारत भूमि और उसके निवासी, जयचन्द्र।

५. इतिहास-चित्रावली, रा० ना० मिश्र।

६. भारतीय इतिहास का एटलस, ग्रीन।

नोटः—इतिहास के भौगोलिक आधार का ज्ञान आवश्यक है। इसके लिए अंतिम तीन सहायक ग्रन्थों से सहायता लेनी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



चाहिए और भारतीय इतिहास के विभिन्न कालों के मानचित्र बनाने का अभ्यास करना चाहिये।

तृतीय पत्रः— [ १५० पूर्णाङ्क ]

संसार का प्राकृतिक और राजनीतिक भूगोल तथा नागरिक शास्त्र।

: क : : १ : भूलोक, मुंशीलाल अग्रवाल।

९० अङ्क

सहायक पुस्तकें—

१. भूतत्व, रामनारायण मिश्र।

२. भूगोल, सोहनलाल।

: ख :

६० अङ्क १. नागरिक शास्त्र, वेनीप्रसाद।

२. राजनीतिक भारत।

सहायक ग्रन्थ—

१. नागरिक शास्त्र, भ० दा० केला।

२. नागरिक शास्त्र की साधारण बातें, मांडे।

३. नागरिक शास्त्र के मूल सिद्धान्त, गोरखनाथ चौबे।

## मध्यमा ५५० पूर्णाङ्क

इस परीक्षा में—

१. यूरोप का आधुनिक इतिहास।

२. यूरोप का बाहिर विस्तार और एशिया में उसकी प्रतिक्रिया।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri


३. आधुनिक काल की विभिन्न विचार-धाराओं का अध्ययन।

४. राजनीतिक विज्ञान का साधारण ज्ञान।

५. अर्थशास्त्र का साधारण ज्ञान।

प्रथम पत्र [ १५० पूर्णाङ्क ]

धार्मिक सुधारणा से यूरोप का आधुनिक इतिहास

१. पश्चिमी यूरोप, छविनाथ पांडेय

२. रूस का इतिहास पृ० ४१ से भिक्षु बन्धु।

सहायक ग्रन्थ

१. यूरोप का आधुनिक इतिहास, पशुपाल वर्मा

२. यूरोप का इतिहास, भाई परमानन्द।

नोटः—राबर्टसन और बार्थोलोनिया कृत Historical Atlas of modern Europe के नवीनतम संस्करण या इसी प्रकार के किसी अन्य एटलस से सहायता ली जाय और मानचित्र बनाने का अभ्यास किया जाय।

द्वितीय पत्र [ १५० पूर्णाङ्क ]

यूरोप का बाहिर विस्तार, एशिया में उसकी प्रतिक्रिया और राजनीतिक विचार-धारायें। १५०

क—[ ७५ पूर्णाङ्क ]

१. साम्राज्यवाद, २य भाग, मुकुन्दीलाल श्रीवास्तव

२. एशिया की क्रान्ति, सत्यनारायण

३. वर्तमान एशिया, रामचन्द्र वर्मा

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



४. पूर्व की राष्ट्रीय जागृति, शं० स० सक्सेना

सहायक ग्रन्थ

१. चीन का स्वाधीनता युद्ध, कृष्णचन्द्र विद्यालंकार

२. मिश्र की स्वाधीनता का इतिहास, विश्वेश्वरनाथ रेऊ।

३. आधुनिक रूस, प्रभुदयाल महरोत्रा

४. गोरा चाम काले काम

नोटः—जापान, रूस, चीन, ईस्ट इंडीज, बर्मा, भारत, ईरान, अरब, तुर्की पर प्रकाशित होने वाले नवीन ग्रन्थों और सामयिक साहित्य से जानकारी रखनी चाहिए।

ख—[ ७५ पूर्णाङ्क ]

१. 'यूरोप के राजकीय आदर्शों का विकास' का अनुवाद।

२. राजनीतिक मूल सिद्धान्त, चन्डीप्रसाद

सहायक ग्रन्थ

१. साम्राज्यवाद प्रथम भाग, श्रीवास्तव

२. समाजवाद, सम्पूर्णानन्द।

३. गांधीवाद और समाजवाद, कालेलकर

४. फाशिज्म, रघुनाथसिंह

५. मेरा जीवन-संघर्ष, हिटलर, इंडियन प्रेस

६. अन्तर्राष्ट्रीय विधान, सम्पूर्णानन्द

७. कायाकल्प, बुद्धदेव विद्यालंकार

८. प्रतिनिधि-शासन, मिल का अनुवाद

तृतीय पत्र [ १५० पूर्णाङ्क ]

अर्थशास्त्र और राजनीति का साधारण ज्ञान १५०

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



क—[ ७५ पूर्णाङ्क ]

अर्थशास्त्र के प्रारम्भिक सिद्धान्त, प्रेमचन्द्र

सहायक

१. अर्थशास्त्र के ला, दुबे

२. विदेशी विनिमय, दुबे

ख—[ ७५ पूर्णाङ्क ]

१. राज्य विज्ञान, गोपाल तामस्कर

या

राजनीति-विज्ञान, विश्व भारती

२. संसार-शासन से इंगलैन्ड, फ्रांस, सं० रा० अमेरिका, इटली, रूस के शासन विधान। नागरी प्रचारिणी सभा।

सहायक

१. नागरिक शास्त्र के मूल सिद्धान्त, शो भो० न० चौबे

२. प्रतिनिथि शासन, मिल का अनुवाद

३. राजनीति शास्त्र का क, ख, ग, लस्का का अनुवाद

## उत्तमा ५५० पूर्णाङ्क

इस परीक्षा में

१. भारतवर्ष का समस्त इतिहास विस्तारपूर्वक और समालोचनात्मक

२. विश्व इतिहास का साधारण ज्ञान

प्रथम पत्र [ १५० पूर्णाङ्क ]

मुगलों से पूर्व तक का इतिहास

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



१. भारतीय इतिहास की रूपरेखा, २ भाग, जयचन्द्र
२. गुप्तकालीन भारत, २ भाग, वासुदेव उपाध्याय
३. पूर्व मध्य कालीन भारत, रघुवीरसिंह
४. प्राचीन भारत, गंगाप्रसाद मेहता
५. मध्य-कालीन संस्कृति, ओझा जी

सहायक

१. भारतवर्ष का इतिहास, रामदेव जी
२. मौर्य साम्राज्य का इतिहास, सत्यकेतु वि० अ०
३. बृहत्तर भारत, चन्द्रगुप्त वे० अ०
४. हर्षवर्धन, गौरीशंकर चटर्जी या हर्षवर्धन, राधाकुमुद मुकर्जी।
५. भारत के हिन्दू सम्राट, चन्द्रराज भंडारी।
६. हिन्दुस्तान की पुरानी सभ्यता, बेनीप्रसाद
७ हिन्दुओं का उत्थान और पतन, चि० वि० वैद्य
८. प्राचीन मुद्रा, राखालदास वंद्योपाध्याय
९. प्राचीन लिपिमाला, ओझा जी
१०. अशोक के शिला लेख, समुद्रगुप्त की प्रशस्ति
११. विदेशी यात्रियों के यात्रा-वृत्तान्त।

द्वितीय पत्र [१५० पूर्णाङ्क]

मुगलों के प्रारम्भ से वर्तमान काल तक

१. मध्ययुगीन भारत, परमात्माशरण
२. मध्ययुगीन संस्कृति, अब्दुल्ला यूसफअली

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri


३. मराठा इतिहास, हरि रामचन्द्र सरदेसाई का हिन्दी अनुवाद।
४. भारत में ब्रिटिश साम्राज्य, गंगाशङ्कर मिश्र
५. कांग्रेस का इतिहास, पट्टाभि सीतारमैया
६. भारतीय शासन, केला
७. भारत का आर्थिक शोषण, पट्टाभि सीतारमैया
८. सामयिक साहित्य का अध्ययन

सहायक

१. मुगल साम्राज्य का क्षय और उसके कारण, इन्द्र जी
२. अकबर की राज्यव्यवस्था, शेषमणि त्रिपाठी
३. शिवाजी, यदुनाथ सरकार
४. सिखों का इतिहास
५. भारत में अंग्रेजी राज्य, सुन्दरलाल
६. भारतीय राजनीति के ८० वर्ष, चिन्तामणि
७. भारत-शासन-पद्धति, राधाकृष्ण झा
८. ग्राम्य अर्थशास्त्र, दुबे सक्सेना
९. भारत का धार्मिक इतिहास
१०. मआसिरुलउमरा, ब्रजरत्नदास का अनुवाद
११. हुमायूंनामा, ब्रजरत्नदास का अनुवाद।

तृतीय पत्र [१५० पूर्णाङ्क]

विश्व इतिहास और आधुनिक अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति।

१. संसार का संक्षिप्त इतिहास, वेल्स का अनुवाद

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



२. विश्व इतिहास की झलक, नेहरू जी

३. आधुनिक इतिहास एटलस, रा० ना० मिश्र

४. सामयिक साहित्य का नियमित अध्ययन।

सहायक

१. पुरानी दुनिया, रामचन्द्र वर्मा

२. मानव जाति का संघर्ष और प्रगति, चन्द्रराज

३. वर्तमान युद्ध और उसके कारण, सत्यनारायण

४. राष्ट्र-सङ्घ और विश्व-शान्ति, यादवेन्द्र

५. यूरोप में जङ्ग की तैयारी

६. जापान ब्रिटेन की छाती पर

## वेद

### प्रथमा ५५० पूर्णाङ्क

पत्र १—वैदिक विनय, १म, २य खण्ड (गुरुकुल से प्रकाशित) १५०

पत्र २—(क) वैदिक विनय ३य खण्ड ,, ६०

(ख) त्याग की भावना ,, ४०

(ग) ईश, केन, कठ उपनिषदें ,, ५० १५०

पत्र ३—(क) स्वस्तिवाचन का अनुवाद [पं. बुद्धदेवजी] २५

(ख) शतपथ में एकपथ ,, २५

(ग) अथं मरुत्सूक्तम् ,, ५०

(घ) सोम ,, ५० १५०

पत्र ४—धर्म शिक्षा .... .... १००

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## मध्यमा

पत्र १—(क) वैदिक जीवन [प्रो० विश्वनाथजी कृत] ५०
(ख) सोम-सरोवर [गुरुकुल.] ४५
(ग) अथर्ववेद का ब्रह्मचर्यसूक्त तथा पृथिवी-सूक्त
ब्र० सू०—[श्री स्वा० श्रद्धानन्दजी के धर्मोपदेश से]
पृ० सू०—[वेदोपदेश स्वा० वेदानन्द कृत से]
५५ १००

पत्र २—(क) वैदिक पशुयज्ञमीमांसा
[प्रो० विश्वनाथ कृत] ५०
(ख) यजुर्वेद अध्याय ३२, ३६
[श्रीपाद दामोदर सातवलेकरजी अनूदित] ५०
(ग) प्रश्न, मुण्डक, माण्डूक्य उपनिषदें ५० १५०

पत्र ३—निरुक्त पूर्वार्द्ध, मूलमात्र [प्रो० चन्द्रमणि कृत भाष्य १५०

पत्र ४—धर्मशिक्षा .... .... १००

## उत्तमा

पत्र १—वेदामृत [प्रतिनिधि सभा पञ्जाब से प्रकाशित] १५०

पत्र २—(क) ब्राह्मण की गौ [गुरुकुल से प्रकाशित] ५०
(ख) अथर्ववेदीय मन्त्र विद्या „ ५०
(ग) स्वर्ग [पं० बुद्धदेवजी कृत] ५० १५०

पत्र ३—निरुक्त उत्तरार्ध, मूलमात्र
[प्रो० चन्द्रमणि कृत भाष्य] १००
वैदिक प्रक्रिया .... .... ५० १५०

पत्र ४—धर्मशिक्षा .... .... १००

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



# सब के लिए

## : चतुर्थ पत्र :

धर्म शिक्षा पत्र १०० अङ्क

प्रथमा १. पंच यज्ञ प्रकाश : श्री पं० बुद्धदेवजी विद्यालंकार ४०

२. संस्कारविधि विधि मात्र ३०

३. दयानन्द प्रकाश : श्री स्वा० सत्यानन्द जी ३०

मध्यमा १. सत्यार्थप्रकाश सम्पूर्ण ५०

२. कायाकल्प : सत्यार्थप्रकाश ४र्थ समुल्लास व्याख्या रूप में : श्री पं० बुद्धदेव जी वि० अ०

डी० ए० वी० कालिज अनुसन्धानविभाग द्वारा प्रकाशित प्रथम तीन समुल्लासों की व्याख्या।

३. ब्रह्मचर्य सन्देश ( पं० सत्यव्रत जी कृत— गु० कु० कां० २०

उत्तमा १. ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका : गोविन्दराम हासानन्द द्वारा प्रकाशित वेदतत्वप्रकाश ४०

२. धर्म का आदि स्रोत : पं० गंगाप्रसाद जी रिटायर्ड चीफ जज ३५

३. तीन देवता : पं० बुद्धदेव जी विद्यालंकार २५

---

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अर्जुन प्रेस श्रद्धानन्द बाज़ार देहली में मुद्रित

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

❀ ओ३म ❀

# पाठविधि

आयुर्वेद महाविद्यालय

66/986 p

हरद्वारीय-गुरुकुल-विश्वविद्यालय
॥ ब्रह्मचर्येण तपसा देवा मृत्युमपाघ्नत ॥
स्थापना १९५९ विक्रमाब्द

20022
2.1.2001

सम्वत् १९९८

मूल्य पांच आना

पुस्तकालय

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

# आयुर्वेद महाविद्यालय

## विषय सूची


| संख्या | विषय | श्रेणी | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|---|
| १ | रसायन | ११ | १ |
| २ | जीवन विज्ञान | ११ | ६ |
| ३ | शारीर शास्त्र | ११ | ९ |
| ४ | ,, | १२ | १६ |
| ५ | शरीर क्रिया विज्ञान | ११ | ११ |
| ६ | ,, | १२ | १७ |
| ७ | प्राकृतिक चिकित्सा | ११ | १४ |
| ८ | ,, | १२ | २७ |
| ९ | ,, | १३ | ४० |
| १० | ,, | १४ | ५२ |
| ११ | Materia Medica | १२ | २० |
| १२ | आयुर्वैदिक शारीर, तथा त्रिदोष | १२ | २६ |
| १३ | द्रव्यगुण शास्त्र | १३ | २८ |
| १४ | रस तन्त्र | १३ | ३३ |
| १५ | जीवाणु तथा शरीर विकृति विज्ञान | १३ | ३७ |
| १६ | रोग परीक्षा | १३ | ३९ |
| १७ | रोग विज्ञान | १३ | ४० |
| १८ | शल्य तन्त्र | १४ | ४२ |
| १९ | ,, | १५ | ६१ |


CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri




| संख्या | विषय | श्रेणी | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|---|
| २० | चरक संहिता | १४ | ४६ |
| २१ | पाश्चात्य चिकित्सा | १४ | ४७ |
| २२ | ,, | १५ | ६४ |
| २३ | Hygiene | १४ | ४८ |
| २४ | स्वस्थवृत्त तथा अगद् तन्त्र | १४ | ५१ |
| २५ | सुश्रुत | १५ | ६४ |
| २६ | प्रसूति, बाल, स्त्री रोग | १५ | ६६ |
| २७ | Midwifery and Gynaecology | १५ | ६८ |
| २८ | बाल तन्त्र | १५ | ६९ |
| २९ | Jurisprudence and Toxicology | १५ | ७ |
| ३० | वेद | ११, १२, १३, १४ | ७३ |
| ३१ | होम्योपैथी | | ७४ |


CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

# आयुर्वेद महाविद्यालय का संक्षिप्त परिचय

हम भारतीय अतीत के उन स्वर्गीय दिनों को नहीं भुला सकते जब भारतीय ज्ञान विज्ञान का लहलहाता पौधा भारतीय संस्कृति, भारतीय ज्ञान और भारतीय मान को समस्त संसार में व्याप्त कर रहा था। जिस ज्ञान वृक्ष की सुदूर-व्यापिनी शाखाएं थीं, जिसकी छत्रछाया में अनेकों भारतीय वा विदेशी युवक आ २ कर अपनी ज्ञान की पिपासा बुझाया करते थे लेकिन समय प्रवाह से, कुटिलकालवशात् असमय में, अन-जाने में विदेशी आक्रान्ताओं के आक्रमणों से हमारे ज्ञान भण्डार के अमूल्य रत्न या तो लूट लिये गए या अग्निसात् कर दिये गए-जिससे भारतीय ज्ञान का पूर्व मान जाता रहा।

आयुर्वेद जीवन का विज्ञान है, अतीत के सुनहले पृष्ठों में इसका भी बहुत ही सुन्दर इतिहास पढ़ने को मिलता है, जिसको पढ़कर आज के पाश्चात्य विद्वान दांतों तले अंगुली

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



दबाते हैं। वर्णनों से पता लगता है कि पिछले दिनों चिकित्सा व शल्यशास्त्र की दृष्टि से हमारा आयुर्वेद पूर्णतया सम्पन्न था। अन्य चिकित्सा--पद्धतियों के निर्माताओं एवं प्रवर्तकों ने भारतीय जीवन–विज्ञान से ही प्रकाश पाया था। आयुर्वेद का विज्ञान बहुत पुराना विज्ञान है, सृष्टि के प्रारम्भ में आर्त मानवता को दिया हुआ मंगलमय प्रभु का अमूल्य वरदान है; लेकिन दुर्भाग्य का विषय है कि अन्य ज्ञान विज्ञानों के मिटने के साथ भारतीय आयुर्वेद विज्ञान भी विदेशी आक्रमणों से तहस नहस होगया और स्वयं भारतीय जनता भी अपने विज्ञान की उस उत्कृष्टता एवं महत्ता को भूल गई।

पिछले दिनों भारतीय वैद्य समाज में मृत-प्राय आयुर्वेद के पुनरुद्धार एवं अभ्युदय के लिये एक आन्दोलन शुरू हुआ था। भारतीय संस्कृति का पुनरुद्धारक गुरुकुल कब इससे पीछे रह सकता था। आयुर्वेद के जीवित होते हुए भी हमारा देश चिकित्सा विषय में परमुखापेक्षी हो-यह बात किसी प्रकार भी वांछनीय नहीं थी–इन्हीं विचारों को सामने रख कर प्रातःस्मरणीय स्वर्गीय स्वामी श्रद्धानन्द जी महाराज ने गुरुकुल में २८ मई सन् १९२२ को "आयुर्वेद महाविद्यालय" की स्थापना की।

चरक में कहा है "नात्मार्थं नापि कामार्थमथ भूतदयां प्रति"—चिकित्सक को जनता का सेवक कहा गया

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



है। जब तक चिकित्सक में सेवा, एवं सहानुभूति के भाव न हों तब तक वह चिकित्सा कार्य में सफल नहीं हो सकता। गुरुकुल अपने ब्रह्मचारियों के सम्मुख ब्राह्मण का आदर्श रखना चाहता है इस संस्था में ब्रह्मचारियों के सम्मुख ऐसा आदर्श उपस्थित किया जाता है कि जिससे उनके हृदयों पर सेवा भाव के संस्कार अंकित हो जाएं।

सहानुभूति तथा सेवा भावों के पनपने के साथ शिक्षा के बारे में भी पूर्णता की अत्यन्त आवश्यकता है आजकल शिक्षा के बारे में बहुत लोगों के विचार अत्यन्त संकीर्ण हैं, कुछ व्यक्ति केवल पाश्चात्य चिकित्सा विज्ञान का प्रतिपादन करते हैं, कुछ केवल प्राचीन आयुर्वेद के अध्ययन के समर्थक हैं; लेकिन गुरुकुल में प्रारम्भ से ही वेद, दर्शन तथा उपनिषद् आदि के साथ २ प्राचीन आयुर्वेद का अध्ययन कराते हुए पाश्चात्य विषयों का भी तुलनात्मक अध्ययन कराया जाता रहा है। बाहिर के Medical co lege के कोर्स के अनुसार यहां भी Anatomy, Physiology, Surgery, Chemistry, Materia medica, Medicine, Pathology, Clinical methods आदि विषयों का बहुत ही सुन्दर अध्ययन कराया जाता है। इन विषयों के क्रियात्मक कार्य के लिए भी शुरु से सुन्दर व्यवस्था की गई है।

**संक्षेप में इसके उद्देश्य निम्न हैं:—**

(क) सुशिक्षित वैद्य (Qualified Vaidyas) उत्पन्न

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



करना।

(ख) आयुर्वैदिक चिकित्सा प्रणाली का प्रचार व पुनरुत्थान।

(ग) आतुरालय और चिकित्सालय खोल व खुलवा कर जनता की सेवा करना।

(घ) प्राचीन चिकित्सा पद्धति के साथ २ नवीन विज्ञान और एलोपैथी की तुलनात्मक शिक्षा देना।

(ङ) छात्रों में आर्यसंस्कृति, वैदिक धर्म और स्वदेश के प्रति प्रेम उत्पन्न करना।

सौभाग्य की बात है कि गुरुकुल अपने इन उद्देश्यों में पूर्णतया सफल रहा है। गुरुकुल के अनेकों वैद्यों ने बाहिर जाकर जनता की जो सेवा की है, इसके बारे में अनेक पत्र गुरुकुल में आते रहते हैं। अनेकों स्नातकों ने आयुर्वैदिक विषयों पर नवीन पुस्तकों की रचना करके भी अपनी योग्यता का अच्छा परिचय दिया है।

## आयुर्वेद महाविद्यालय की कुछ विशेषताएं:—

आयुर्वेद महाविद्यालय को स्थापित हुए उन्तीस वर्ष व्यतीत हो चुके हैं। इस काल में इस महाविद्यालय से १२७ स्नातक हो चुके हैं; जो अत्यन्त कुशल चिकित्सक वैद्य सिद्ध हुए हैं। महाविद्यालय का शिक्षक वर्ग अनुभवी, योग्य

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



तथा अपने २ विषयों में पूर्ण निपुण है। इस समय महाविद्यालय में तीन वैद्य, चार डाक्टर, एक रसायनोपाध्याय तथा एक प्राकृतिक चिकित्सा के उपाध्याय शिक्षा कार्य कर रहे हैं। महाविद्यालय को प्रथम श्रेणी का बनाने के लिए इसका शिक्षा काल ५ वर्ष का कर दिया गया है।

**फार्मेसी:—**

विद्यार्थियों को औषध निर्माण सिखाने के लिए गुरुकुल की विशाल फार्मेसी के साथ अलग प्रबन्ध किया गया है, जहां विद्यार्थी औषध निर्माण सीखते हैं। रस, भस्म, तैल, घृत आसवारिष्ट आदि सब प्रकार के औषध छात्र निजहस्त द्वारा बनाकर औषध निर्माण में दक्षता प्राप्त करते हैं।

**शल्यक्रिया भवन ( Operation Theatre )**

शल्यतंत्र की क्रियात्मक शिक्षा के लिए विशाल "शल्यक्रिया भवन" बना है। जिसमें आधुनिक ढंग के प्रायः सभी शस्त्रों का बृहद् संग्रह है। प्रायः सभी लघु और बृहद् शल्यकर्मों ( major & minor operations ) का अभ्यास कराया जाता है। समय २ पर बाहिर से भी योग्य डाक्टरों को बुलाकर operations करवाये जाते हैं।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



**शवच्छेदन गृह ( Dissection Hall )**

शरीर रचना विज्ञान का क्रियात्मक ज्ञान देने के लिए एक बहुत सुन्दर शवच्छेदन गृह बनवाया गया है, जिसमें वर्ष में ८, १० dead bodies आ जाते हैं और विद्यार्थी अपने प्रोफेसरों की अध्यक्षता में शवच्छेदन करते हैं। ११ वीं १२ वीं श्रेणी में विद्यार्थी इस कार्य में पूर्णता प्राप्त कर लेते हैं।

**Clinical laboratory:—**

रोगों का पूर्ण निश्चय करने के लिए एक सुव्यवस्थित laboratory का भी प्रबन्ध है। जिस में बहुत से सूक्ष्मवीक्षण यंत्र ( microscope ) तथा अन्य अनेक वैज्ञानिक उपकरण ( apparatus ) भी हैं। विद्यार्थी मूत्र परिक्षा, रक्त परीक्षा, निष्ठीवन परीक्षा, मल परीक्षा आदि में भी पूर्णता प्राप्त कर सकते हैं।

**Chemical laboratory:—**

चिकित्सा की दृष्टि से पदार्थों का विश्लेषण तथा उनके गुणों का क्रियात्मक अध्ययन कराने के लिए कालेज में बृहद रसायन प्रयोगशाला का निर्माण कराया गया है।

**प्रदर्शिनी:—**

विद्यार्थियों को सूखी वनस्पतियों के तथा शरीर की सम्पूर्ण रचनाओं का अध्ययन कराने के लिए एक बहुत

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



सुन्दर, विशाल एवं व्यवस्थित प्रदर्शिनी का प्रबंध है इसमें भिन्न २ दुर्लभ बूटियों का अच्छा संग्रह है।

**वनस्पति वाटिका**—

वनस्पतियों का ज्ञान कराने के लिए "वनस्पति वाटिका" ( Botanical garden ) है, जिसमें लगभग २५० दुर्लभ बूटियां संग्रहीत हैं, जिन्हें देखने के लिए दूर २ से लोग आते हैं।

**सरस्वती यात्रा:**—

विद्यार्थियों को वनस्पति का विशेष ज्ञान कराने के लिए एक मान्य प्रोफेसर की अध्यक्षता में उन्हें देहरादून में स्थित गवर्नमैन्ट आफ इण्डिया द्वारा संचालित ( Forest Research Institute ) में प्रतिवर्ष ले जाया जाता है इसके इलावा आबू आदि पर्वतों पर भी जड़ी बूटी आदि देखने के लिए पार्टियां जाती रहती हैं।

**औषधालय ( Out Door Hosp tal )**

विद्यार्थियों को रोग परीक्षा, चिकित्सा और शस्त्रकर्म का क्रियात्मक ज्ञान देने के लिए एक बृहद् Out Door Hospital है जिसमें आस पास के गांवों से प्रतिदिन पचासों बीमार आते हैं जिनका इलाज मुफ्त किया जाता है।

**आतुरालय ( Indoor Hospital )**

बाहिर के रोगियों के रहने के लिए बड़ा आतुरालय

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



है जिसमें करीब ६० रोगियों के रहने का प्रबंध है। रोगियों के लिए औषध, भोजन, शय्या, विद्युत प्रकाश, जल, वस्त्रादि की पूरी व्यवस्था है।

इसके साथ प्राकृतिक चिकित्सालय का पृथक प्रबंध है जिसमें अनेकों बीमार आते हैं और स्वास्थ्यलाभ करते हैं

## आयुर्वेद परिषत् --

विद्यार्थियों की वक्तृत्व शक्ति बढाने तथा वैद्यक विषयों पर विचार प्रगट करने तथा आयुर्वैदिक विषयों पर वाद विवाद करने के लिए छात्रों की ओर से "आयुर्वेद परिषत्" की स्थापना की गई है उसकी ओर से प्रसिद्ध २ वैद्यों एवं डाक्टरों को बुलाकर उनके व्याख्यान कराये जाते हैं इस वर्ष एक "अखिल भारतीय आयुर्वेद वाद विवाद प्रतियोगिता" का भी आयोजन किया गया है।

## पुस्तकालय एवं वाचनालयः--

विद्यार्थियों के ज्ञान को बढ़ाने के लिए कालेज में एक बृहद् पुस्तकालय है जिसमें आयुर्वेदिक वा एलोपैथिक विषयों पर १००० के करीब पुस्तकें विद्यमान हैं। बाहिर के अनेक पाक्षिक वा मासिक आयुर्वेद विषयक पत्र पत्रिकायें--विज्ञान, धनन्वतरि, आयुर्वेद संदेश, Journal of Ayurved, Antiseptic, Indian Medical Gazette आदि आते रहते हैं।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



इन सब के अतिरिक्त गुरुकुल का अपना स्टाफ है जिसम बहुत ही योग्य व्यक्ति कार्य करते हैं।

कुछ वर्ष पूर्व यू० पी० सरकार ने एक कमीशन बिठाया था जिसने यू० पी० के तमाम आयुर्वैदिक कालेजों का निरीक्षण करने के बाद "गुरुकुल आयुर्वेद महाविद्यालय" के सम्बंध में निम्न सम्मति दी थी:—

The Gurukula Medico-Ayurved College enjoys a good repuatation of being a first rate college. Its well qualified staff, its reformed method of teaching, its equipment, its collection of good books & its dynamic out look are estimable.

**प्रवेश नियम:—**

गुरुकुल की अधिकारी श्रेणी पास ब्रह्मचारियों के अतिरिक्त निम्न विद्यार्थी भी प्रविष्ट हो सकते हैं:—

I जो अविवाहित ( सगाई भी न हुई हो ) सदाचारी उपनीत हों तथा गुरुकुल के सब प्रकार के नियम पालने के लिए प्रस्तुत हैं।

II जिनकी आयु १५ वर्ष से कम और १६ वर्ष से अधिक न हो।

III जो--( क ) संस्कृत में भारत के "प्राज्ञ" या अन्य शिक्षणालयों की उसी दर्जे की परीक्षा पास हों या प्रवेश के

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



समय प्राज्ञ परीक्षा की साहित्य तथा व्याकरण की पुस्तकों की परीक्षा देकर उत्तीर्ण हों।

(ख) अंग्रेज़ी में भारत के किसी विश्वविद्यालय की मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण हों या प्रवेश के समय अंग्रेज़ी में गुरुकुल की अधिकारी या उस दर्जे की परीक्षा देकर उत्तीर्ण हों।

(ग) हिन्दी तथा विज्ञान में भी श्री आचार्य जी को संतोष दे सकें कि उन्हें इन विषयों का पर्याप्त ज्ञान है।

---

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ओ३म्

प्रथमवर्ष

# १. रसायनशास्त्र (Chemistry)

एक पत्र — ३ घण्टे ७६ अंक

विभाग (क) — १॥ घण्टा ३८ अंक

## (क) अनैन्द्रियिक रसायन

१. धातुओं की प्राप्ति की सामान्य विधियां, उनका शोधन तथा सामान्य गुण । General methods of the preparation of metals, their purification and general properties.

निम्न समासों की सामान्य निर्माण विधियां—General methods of the preparation of the following compounds:—Oxides, Hydroxides, Sulphates, Chlorides, Carbonates, Nitrates.

२. निम्न धातुओं के सामान्य गुण और उनके निर्दिष्ट समासों की निर्माण विधियां, गुण तथा सरल परीक्षाएं, प्रत्येक धातु की प्राप्ति तथा

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



निर्माण विधियां—General properties of the following metals and the preparation, properties, and simple tests of their undermentioned compounds. Occurence of metals in nature and their methods of preparation in brief—

i सोडियम—उदित, हरिद, गन्धित, कर्बनित, द्विकर्बनित, प्रस्फुरित। Sodium—Hydroxide, Chloride, Sulphate, Carbonate, Bicarbonate, Phosphate.

ii पोटाशियम—उदित, नत्रित, हरित, नैलिद, ब्रमिद, सायनिद, पर-मांगलित । Potassium—Hydroxide, Nitrate, Chlorate, Iodide, Bromide, Cyanide, Permanganate.

iii ताम्र-ओषिद, गन्धित । Copper-Oxides and Sulphates.

iv रजत—ओषिद, नत्रित । Silver—Oxide and Nitrate.

v स्वर्ण—ओषिद, हरिद । Gold—Oxide and Chloride.

vi पारद-ओषिद, हरिद । Mercury-Oxides and Chlorides

vii सीसक—ओषिद, नत्रित, सिरकित । Lead—Oxides, Nitrate, acetate.

viii वंग—ओषिद, हरिद । Tin—Oxide and Chlorides.

ix लोहा-हरिद, गन्धित । Iron-Chlorides and Sulphates.

x संखिया—ओषिद, गन्धिद । Arsenic—Oxides and Sulphides.

xi अञ्जन ( Antimony ).

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



xii विस्मुथ ( Bismuth ).
viii स्फट ( Aluminium ).
xiv यशद—ओषिद, हरिद, गन्धित । Zinc-Oxide, Chloride and Sulphate.

( ख ) १ भौतिकी रसायन ( Physical Chemistry ):—

सरल उदाहरणों सहित निम्न गुणों का अध्ययन—A study of the following properties with simple examples:- विलेयता ( Solubility ), मिश्रण ( Mixture ), पायस्य ( Emulsion ), छारण ( Filtration ), स्फटिकीकरण ( Crystallization ), तिर्यक्‌पतन ( Distillation ), ऊर्ध्वपतन ( Sublimation ).

निम्न का संक्षिप्त ज्ञान—A brief study of the following—व्यापन ( Diffusion ), अभिसरण ( Osmosis ), प्रवेश्यता (Permeability), पृष्ठ पर तनाव (Surface tension), मात्रिक क्रिया का नियम ( Law of Mass action ), कोलायडल घोल ( Colloidal Solution ), तरलों की क्रिया ( Reaction of fluids ) तथा एन्ज़ाइम और उनका कार्य ( Enzymes and their action ).

विभाग ( ख ) १॥ घण्टा ३८ अङ्क

## ऐन्द्रियिक रसायन ( Organic Chemistry )

१. ऐन्द्रियिक समासों के निम्न तत्वों की पहिचान तथा इनकी मात्रा का निर्धारण—कर्बन, उद्रजन, नत्रजन, हैलोजन, गंधक, प्रस्फुरक। Detection and estimation of Carbon, Hydrogen,

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



Nitrogen, Halogens, Sulphur and phosphorous in organic bodies.

२. निम्न सामान्य सिद्धान्तों का परिचय—ऐन्द्रियिक समास, ऐन्द्रियिक मूलक; सरल, मात्रिक एवं रचनात्मक सूत्र; तुल्यावयवता।

An elementary knowledge of the following: Organic radicles and Compounds, Empirical, molecular and constitutional formulae, Isomerism.

३. निम्न शोधन विधियों का सरल ज्ञान—धोना, शुष्क तिर्यक्पतन, आंशिक स्फटिकीकरण, किण्वीकरण, पूतीकरण, शून्य तिर्यक्पतन, वाष्पतिर्यक्पतन। A general, brief and elementary knowledge of the following methods of purification-Washing, Dry distillation, Fractional crystallization, fermentation, Putrifaction, Vacuum distillation and Steam distillation.

४ ऐन्द्रियिक समासों का वर्गीकरण तथा उनकी सामान्य रचना, मुख्य नमूने, तज्जन्य समास तथा उनके निम्न उदाहरणों की निसर्ग प्राप्ति, निर्माण विधियाँ, सामान्य गुण तथा परीक्षाओं का सरल परिचय।

Classification of organic Compounds and their Common Structure, Chief types, derivatives and an elementary knowledge of the occurence preparation, properties and simple tests of the following Compounds—

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



1 Hydrocarbons–Paraffines 2 Alcohols–Methyl, तथा Ethyl alcohol. 3 Ether–Sulphuric ether. 4 Aldehydes and Ketones ( formaldehyde, and acetone ). 5 Organic acid–acetic, Vinegar, esters, oils and fats. Soaps and saponification. 6 Carbohydrates–(A)Sugars, Glucose, Fructose, Gelatose, Cane Sugar, Lactose, Maltose. (B) Amylons–starch, cellulose, Glycogen. 7 Cyanogen compounds–Urea, uricacid, amino acid 8 Proteins–their properties and Hydrolysis 9 Alkaloids–Morphine, Quinine, strychnine.

पत्र [ग] ३८ अङ्क क्रियात्मक

८ अंक गृह कार्य ब्यौरे के नियत हैं।

१. विलेयता द्वारा मिश्रणों के अवयवों का पृथक्करण।

२. क्रिस्टलीकरण के द्वारा लवणों का शोधन।

३. पठित धातुओं मूलकों के Single लवणों की पहचान।

षाण्मासिक परीक्षा वर्णनात्मक २४ अङ्क

" क्रियात्मक १२ अङ्क

पाठ्य पुस्तक—१ प्रारम्भिक रसायन दूसरा भाग फूलदेवसहाय वर्मा कृत

२ हैलीबर्टन फिज़ियालोजी २० तथा २१वां अध्याय।

३ लफ एण्ड कैण्डी–ए मैनुअल आफ कैमिस्ट्री फोर मैडिकल स्टुडेण्ट्स।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



सूचना—आयुर्वेद महाविद्यालय के सभी विषयों में, जिनमें क्रियात्मक परीक्षा रखी गई है, [क] वर्णनात्मक तथा क्रियात्मक भागों में पृथक् २ प्रतिशत ४० अंक लेकर उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

[ख] तथा गृह नोट्स के ८ अंक क्रियात्मक में होंगे। इन कापियों का प्रस्तोता कार्यालय में आना आवश्यक होगा।

## २. जीवन विज्ञान ( Biology )

**एक पत्र** — ३ घण्टे ७६ अङ्क

**विभाग (क)** — १॥ घण्टा ३८ अङ्क

### वनस्पति शास्त्र ( Botany )

1. Distinction between living and non-living matter. The structure of plant cell. The distinctive properties of protoplasm. Distinction between animal and plants.

2. An elementary knowledge of the external structure of the various parts of the Angiosperm e.g. stem, root, leaf, Inflorescence, flower, ovule, fruit and seed. Modified forms of stem, root, leaf.

3 An elementary knowledge of the functions carried on by the living plant including root-absorption, transpiration, carbon assimilation, respiration, and growth A general survey of the

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



structure of the plant body as adapted to its function.

4. An elementary knowledge of the physiology of reproduction, the sexual and asexual modes of reproduction, pollination and fertilisation and the agencies by which these are secured.

5. Methods of propagat on in space by dispersal of fruits and seeds.

6. Outlines and principles of classification of Angiosperms in principal groups with a knowledge of the distinguishing characters of medicinal plants ( with special reference to those used in Ayurveda ) of the following families:—

Ranubculauceae, Papaveraceae, Cruciferae, Rutaceae, Leguminosae, Rubiaceae, Sciophulariacene, Labiatae, Compositae, Couphortraceae, Liliacene and Graminal.

PRACTICAL--Candidates should be able to describe the various parts of the plant body fully. They should acquire sufficient practice to identify ahe plants of the above families and place them in their proper position.

Lowsons—Text Book of **Botany**

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



विभाग ( ख ) १॥ घंटा ३८ अङ्क

## प्राणिविज्ञान ( Zoology )

1. Definition and scope of Zoology, living and nonliving nature of protoplasm, structure of cell, cell division, spermetogenesis and oogenesis, fertilization, characteristics of living creatures, struggle for existence, survival of the fittest, elemantry knowledge of the theory of evolution.

2. Frog—Habits, External anatomy, Elementary physiology of Alimentary, Respiratory, reproductive, vascular and nervous systems. Main features about the life history of frog.

3. Protozoa--Structure and life history of amoeba, entamoeba coli and Entamoeba Histolytica and malarial parasite—omitting details of the life history.

4. General classification of the animal kingdom with The characteristics of principal Phyla. Characteristics of mammalia.

Practical-Candidates will be required to dissect and describe the animals named in the syllabus.

Text Book—Bhatia or Vishwanath Zoology

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



क्रियात्मक परीक्षा ३८ अंक

८ अंक गृह कार्य ब्यौरे के लिए

षाण्मासिक वर्णनात्मक २४ अंक

,, क्रियात्मक १२ ,,

## ३ शारीर शास्त्र ( Anatomy )

दो पत्र प्रति ३ घंटे ७६ अंक

पत्र ( क ) ३ घंटे ७६ अङ्क

### शिर तथा ग्रीवा ( Head and Neck )

१ अस्थियां—संधियां, मुख्य पेशियां, धमनियां, शिराएं तथा नाड़ियों का सामान्य वर्णन, अर्थात् नाम तथा सरल वर्णन। कपाल अस्थियों की केवल विशेषताएं।

२ मुख—मुख कुहर का सामान्य ज्ञान। निम्न का संक्षिप्त वर्णन:—ओष्ठ, दन्त वेष्ट, कपोल, जिह्वा, माँस पेशियां, कठिन तथा कोमल तालु लाला ग्रन्थियां तथा शुण्डिकाएं।

३ ग्रैवेयक ( Thyroid gland )।

४ मस्तिष्क तथा सुषुम्ना की स्थूल रचना का सामान्य ज्ञान। Sympathetic chain का संक्षिप्त वर्णन। Brachial तथा Sacral Plexus की नाड़ियों का नाम तथा मार्ग।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



पत्र (ख) ३ घंटे ७६ अंक

१. ज्ञानेन्द्रियां (Organs of special senses)

नेत्र, श्रोत्र तथा नासिका की संक्षिप्त रचना—

२. वक्षस (Thorax)

i अस्थियां, संधियां, मुख्य २ पेशियां, धमनियां, शिरायें, नाड़ियों तथा रसायनी का सरल वर्णन।

ii हृदय (Heart) हृदय की स्थिति, आकार, हृत्कोष, हृत्प्रकोष्ट, कपाटियां, छिद्र।

iii श्वास संस्थान (Respiratory system)—स्वरयन्त्र, श्वास प्रणाली तथा फुफ्फुस का सामान्य ज्ञान।

पत्र (ग)

क्रियात्मक ७६ अंक

१६ अंक गृह कार्य व्योरे के लिए

शवच्छेदन (Dissection)

प्रतिवर्ष प्रत्येक ब्रह्मचारी को शवच्छेदन करने के लिए जो दो या तीन भाग दिये गये हों उन्हीं में क्रियात्मक परीक्षा देनी होगी। जिस विद्यार्थी ने वक्ष का शवच्छेदन (Dissection) किया हो उसे उसके अतिरिक्त दो और भागों का शवच्छेदन भी कर लेना होगा। जिस भाग को ब्रह्मचारी समाप्त करता जाय अपने उपाध्याय महोदय से उसका प्रमाण पत्र लेकर अध्यक्ष कार्यालय में भेज दे।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



षाण्मासिक परीक्षा वर्णनात्मक ४८ अङ्क
" " क्रियात्मक २४ अङ्क

पाठ्य ग्रन्थ—

१ मुस्तफ–असैन्शल्स ओफ एनेटोमी अथवा ग्रे अथवा मुकुन्द स्वरूप एनेटोमी।

२ कनिङ्घम—डाईसेक्टर्स अथवा मुस्तफी प्रेक्टिकल एनेटोमी।

स्वाध्याय ग्रन्थ—

प्रत्यक्ष शारीरम्–गणनाथ सेन

## ४. शरीर क्रिया विज्ञान ( Physiology )

दो पत्र प्रति ३ घंटे ७६ अंक

पाठ्य पुस्तक—

हैलिबर्टन फिज़ियोलोजी

पृष्ठ १ से ४८२ ( २९६–३१९ तथा ९६–१०६ छोड़कर )

पत्र ( क ) ३ घंटे ७६ अंक

पृष्ठ १ से २७६ ( ९६ से १०६ पृष्ठ छोड़ कर )

१ जान्तविक सेल्ल ( Animal cell )

२ मांस पेशियां ( Muscles )—रचना, रासायनिक गुण, भौतिक तथा संकोचन गुण, मरण संकोच।

३ रक्त संचार–( i ) हृदय, हृदय की पेशियां, हृत्कार्य चक्र, कपाटिकाओं की क्रिया, हृत् ध्वनि।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



( i ) रक्त संवहन ( Circulation of blood )—संवहन का समय, रक्त का दबाव, धमनी ( Pulse )।

४ लसीका तथा लसीका ग्रन्थियों की रचना तथा कार्य। लसीका प्रवाह।

५ प्लीहा ( Spleen ) इसकी रचना तथा कार्य।

६ श्वास प्रक्रिया ( Respiratory Processes )।

६ फुफ्फुस ( Lungs )–रचना, श्वास कर्म, नाड़ियों द्वारा नियन्त्रण। श्वास द्वारा रक्त तथा वायु में परिवर्तन। तन्तुओं में श्वास-वत् क्रिया।

पत्र ( ख ) ३ घंटे ७६ अंक

पृष्ठ ३२० से ४८२ तक

( १ ) रक्त ज्ञान ( Haematology )–रुधिराणुओं का सूक्ष्म ज्ञान। श्वेताणुओं की जातियां, रक्त का रासायनिक ज्ञान। स्कन्दीभवन।

( २ ) भोजन प्रक्रिया ( Food and digestive Processes ) खाद्य पदार्थों का श्रेणीकरण, भोजन के मौलिक पदार्थ। स्तन की सूक्ष्म रचना तथा दूध।

( ३ ) महास्रोतस के मुख्य २ अंगों की सूक्ष्म रचना तथा इनमें अन्न विभाग।

प्रोटीडज़ वसा तथा कर्बोदितों का धातु पाक

( ४ ) यकृत का सूक्ष्म ज्ञान तथा कार्य।

पत्र ( ग ) क्रियात्मक ( Practical ) ७६ अंक

१६ अङ्क ब्यौरे के लिए सुरक्षित हैं।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



[1] Microscope–its use.

[2] Miscroscopic study of different cells and musscle fibres.

[3] Preparing and staining blood films, recognition of red and white blood corpuscles, enumeration of red and white corpuscles, estimation of Hb, taking blood Pressure, taking pulse tracing, coagulation time.

[4] Use of Stethoscope.

[5] Histology of section of heart muscle, Artery, Vein, Lymph gland, Salivary gland, Spleen, Trachea, Lung, Mammary gland, Oesophagus, Intestines, stomach, pancreas, and liver.

[६] मेंडक के हृदय का कार्यावलोकन। रक्त का रंग, स्वाद, reaction, आपेक्षिक गुरुता।

श्वास गति तथा इस पर व्यायाम का प्रभाव। श्वास वायु Co 2 की Lime water द्वारा सिद्धि। फीते से Vital Capacity का माप।

दूध तथा starch का सूक्ष्म निरीक्षण। Lactometer का प्रयोग। अंडे के भाग।

Test tube में starch पर थूक तथा अण्डे की albumen पर शुद्ध तथा उबली Liq. pepticus का प्रभाव।

मेंडक की पित्त का रंग तथा Reaction.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



| | | |
|---|---|---|
| षाण्मासिक परीक्षा | वर्णनात्मक | ४८ अं |
| ,, ,, | क्रियात्मक | २४ |

पाठ्य पुस्तक

हैलिबर्टन–फिज़िओलोजी

स्वाध्याय ग्रन्थ—

कैब–कैमिकल फिज़िओलोजी

## ५ प्राकृतिक चिकित्सा

एक पत्र ३ घंटे ७६ अं

पत्र ( क ) १॥ घंटा ३८ अं

General Hydrotherapy

१. जल चिकित्सा के संबन्ध में जल, वायु, ताप तथा प्रकाश द्रव्यात्मक गुण ( Physics of water, air, heat and lig in relation to Hydrotherapy )

२. बाह्य तथा आभ्यन्तर जल प्रयोग के इन्द्रिय-व्यापारात्मक प्र ( Physiological effects of external and intern applications of water. )

३. जल चिकित्सा के साधारण सिद्धान्त तथा चिकित्सात्मक प्र ( The General Principles and therapeutic effec of Hydriatic applications )

पत्र ( ख ) १॥ घंटा ३८ अं

निम्न जल चिकित्सा क्रियाविधि ( Technique )

(क) धारा (Douche)–शीत Cold, तप्त ( hot), उष्ण (neutr

(ख) प्रपात ( Affusion )—पूर्ण ( full ) तथा स्थानिक ( local

(ग) स्नान ( Baths )—घर्षण ( Friction ), उदर ( hip ), कु

किहिन जननेन्द्रिय ( Kuhni's Sytz ), विपर्याय ( rev

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



lsive ), जस्टविहित स्वाभाविक ( Justs natural ), क्रमिक (graduated), स्वल्प धारा ( Shower ), सूची (Needle) शीकर ( Spray ), पूर्ण निमज्जन ( Full emersion )

(घ) वेष्टन (Packs)—मृत्तिका (mud), तप्त तथा शीतल (heating and Cooling ), निस्पन्द वस्त्र ( dripping sheet ) आर्द्रवस्त्र (wet sheet), उदर तप्त (abdominal heating)

(ङ) औषधि स्नान ( Medicated baths )—तुष ( Barn ) गंधक ( Sulphur ), इप्सम लवण ( Epsom ), निम्ब पत्र (Neem , नाहीन ( Nauhien ),

(च) अतिरक्त सञ्चार (Hyperaemia)—वेष्ठन (Compress), तप्त संसेक( Fomentation ), विषम पर्यस्त (Repulsive), संपर्यस्त ( alternate ).

(छ) आभ्यन्तर स्नान ( Internal bath )—जलपान ( Water drinking ), वस्ति (Enema), बृहदन्त्र प्रक्षालन ( Colon Irrigation )

(ज) वाष्प स्नान (Steambath), तुर्की स्नान (Turkish bath),

षाण्मासिक परीक्षा २४ अङ्क

पाठ्य पुस्तक—१. जल चिकित्सा महावीर प्रसाद द्विवेदी
२. प्राकृतिक चिकित्सा रामनारायण
३. प्रेक्टिकल नेचर क्योर-के लक्ष्मण शर्मा
४ Nature Cure Baths by Dr. Dilkash Pages I o 77 ।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



द्वितीय वर्ष

# १. शारीर शास्त्र ( Anatomy )

दो पत्र प्रति ३ घंटे ७६ अ

पत्र ( क ) ३ घंटे ७६ अ

( i ) ऊर्ध्व शाखाएं ( Upper Extremity )

( ii ) निम्न शाखाएं ( Lower Extremity )

अस्थियां, संधियां, मुख्य २ पेशियां, धमनियां, शिराएं तथा नाड़ियों का वर्णन । हाथ, पैर की अस्थियों तथा मुख्य पेशियों के नाम

पत्र ( ख ) ३ घंटे ७६ अ

उदर ( Abdomen )

मुख्य २ संधियों, पेशियों, धमनियों, शिराओं तथा नाड़ियों का वर्णन ।

( ii ) भोजन प्रणाली के मुख्य आशयों के आकार, स्थिति तथा आवश्यक सम्बन्ध । उदर आवरण ( Peritoneum ) तथा उदर कला ( mesenterey ) तथा यकृत का सरल ज्ञान ।

( iii ) प्लीहा और उपवृक्क का संक्षिप्त ज्ञान ।

( iv ) मूत्र संस्थान तथा जननेन्द्रियों के निम्न आशयों का सरल वर्णन— वृक्क, मूत्राशय, अंड कोष, शिश्न, बीजकोष, गर्भाशय ।

पत्र ( ग ) क्रियात्मक ७६ अ

गृह कार्य के ब्योरे के लिए १६ अङ्क

शवच्छेदन

प्रतिवर्ष प्रत्येक ब्रह्मचारी को शवच्छेदन करने के लिए जो दो या तीन भाग दिये गये हों उन्हीं में क्रियात्मक परीक्षा देनी होगी । जि

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



विद्यार्थी ने Thorax ( वक्षस् ) का शवच्छेदन किया हो उसे उसके अतिरिक्त दो और भागों का शवच्छेदन भी कर लेना होगा। जिस २ भाग को ब्रह्मचारी समाप्त करता जाय अपने उपाध्याय से उसका प्रमाण पत्र लेकर अध्यक्ष कार्यालय में भेज दे।

| | | |
|---|---|---|
| षाण्मासिक परीक्षा | वर्णनात्मक | ४८ अङ्क |
| " " | क्रियात्मक | २४ अङ्क |

पाठ्य ग्रन्थ—

१. मुस्तफी—प्रसेन्शल्स ऑफ अनेटोमी अथवा ग्रे अनेटोमी अथवा मुकुन्द स्वरूप कृत शारीर शास्त्र।

२. कनिङ्घम—डाइसेक्टर्स अथवा मुस्तफी प्रेक्टिकल अनेटोमी

स्वाध्याय ग्रन्थ—

प्रत्यक्ष शारीरम्—गणनाथ सेन।

## २. शरीर क्रियाविज्ञान (Physiology)

दो पत्र — ३ घण्टे ७६ अङ्क

पत्र ( क ) — ३ घंटे ७६ अङ्क

हैलिबर्टन—फिज़िओलोजी पृष्ठ ६६—१०६ तथा ४८२—६२९

१. वात नाड़ियां—

रचना, ध्वंस तथा पुनरुज्जीवन, नाड़ी की संज्ञा, गति तथा दिशा का सरल ज्ञान।

२ मूत्र निर्माण प्रक्रिया—

वृक्क—सूक्ष्म रचना तथा क्रिया। मूत्राशय से मूत्र त्याग कर्म। त्वचा की रचना।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



३. वात संस्थान —

मस्तिष्क के मुख्य २ अङ्गों, सुषुम्ना तथा सिम्पैथेटिक नाड़ी मंडल की रचना तथा कार्य का सरल ज्ञान।

पत्र ( ख ) ३ घण्टे ७६ अङ्क

पृष्ठ ६३०–८०४

१. ज्ञानेन्द्रियां [ Sense-organs ]

स्पर्शनेन्द्रिय, रसनेन्द्रियां, घ्राणेन्द्रियां, श्रवणेन्द्रियों की संक्षिप्त रचना तथा कार्य।

नेत्र—नेत्र पटलों की सूक्ष्म रचना तथा कार्य, दृष्टि ( Sight ), दर्शन संज्ञा का पथ तथा केन्द्र, समीप तथा दूर दर्शन; प्रतिच्छाया के साधारण दोष ( Common errors of refraction )।

२. वाक् तथा स्वरयन्त्र [ Larynx ]

स्वरयन्त्र की रचना तथा कार्य।

३. जनन संस्थान [ Reproductive organs ]

पुरुष तथा स्त्री के अंगों की रचना तथा कार्य।

४. निस्रोतस ग्रन्थियां [ Ductless Glands ]

ग्रैवेयक, उपग्रैवेयक, बालग्रैवेयक, अधिवृक्क, और पोषणक ( Pituitary ) ग्रन्थियों की रचना तथा कार्य।

५. शरीर की वृद्धि, अस्थि उनकी रचना, उत्पत्ति, रासायनिक गुण तथा Cartilage.

पत्र ( ग ) क्रियात्मक ७६ अङ्क

१६अङ्क गृह कार्य ब्यौरे के।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



[1] Urine—Quantity, colour, transparency, reaction, odour, sp. gravity, qualitative examination of phosphates, uric acid, urea, portein, blood, sugar, bile. Qualitative examination of urea, protein, sugar. Urinary deposits-phosphates, urates, oxalates.

[2] Histology of sections of nerve, spinal cord, Kidney, taste buds, retina, thyroid gland, Testicle, ovary, cartilages, bone and microscopic examination of sperm, egg.

[3] Use of Otoscope, Perimeter.

[4] Eliciting superficial and tendon reflexes.

[5] Cold and blind spots. Threshold for 2 points for factile discrimination. Use of Thermometre. Comparison of sensitiveness to bitter, sweet and salt substances on various parts of the tongue, simple experiments about accomodation and blind spots; simple tests for long and short sight.

सूचना—११ श्रेणी क्रियात्मक शरीर क्रिया विज्ञान की परीक्षा पूर्ववत् होती रहे। परन्तु १२ वीं श्रेणी में सम्पूर्ण क्रियात्मक शरीर

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



क्रिया विज्ञान की परीक्षा हुआ करे ( ११वीं तथा १२वीं की क्रियात्मक परीक्षा १२वीं में हो ) । १२वीं श्रेणी में ११वीं के पाठ्य विषय में से ८ अङ्कों तक के प्रश्न पूछे जा सकते हैं ।

| | | |
|---|---|---|
| षाण्मासिक परीक्षा | वर्णनात्मक | ४८ अङ्क |
| " " | क्रियात्मक | २४ अङ्क |

पाठ्य-ग्रन्थ—हैलीबर्टन फिज़ियालोजी ।

## ३. Materia Medica

| | |
|---|---|
| एक पत्र | ३ घण्टे ७६ अङ्क |
| पत्र (क) | १॥ घण्टा ३८ अङ्क |

### General and Vegetable Drugs

1. Drugs acting on the skin:—Olive oil, Teel oil, Cottonseed oil, Almond oil, Linseed oil, Glycerine, Glycyrrhiza, Accacia, Tragacanth, Starch, maraffiin, Collodion.

2. Alternatives:—Guaiacum, Colchicum, Cinchophen.

3. Nutrients:—Canesugar, Glucose.

4. Antiseptics & disinfectants:—Coaltar, Hydnocarpus oil, Chaulmoagra oil, Chrysarobin.

5. Volatile oils:—Terpentine, Myrrha,

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



Eucalyptus, Cajuputi, Mustard, Capsicum, Asafetida, Valerian, Carryophyllum, Cardamom, Dill, Cinnamou, Peppermint, Zingiber, Camphor, Menthol, Thymol.

6. Antipyretics & Antiperiodics:—*Quinine*, Cinchona, Totaquinine, Benzoin.

7. Drugs acting on the uterus:—Ergot.

8. Drugs acting on the Kidneys:—Caffeine, Sodium Benzoate, Diuretin, Urea, Sandal wood oil.

9. Anthelmintics:—Santonin, Filixmass, Pelletierine Tannate, Oil òf chenopodium.

10. Astrengents:—Tannic acid, Catechew.

11. Drugs acting on the Digestive system:—Vegetable bitters, Papain, Malt, Charcoal, Cassia, Castor oil, Aloes, Rhubarb, Sena Cascara, Jalap, Croton oil, Colocynth, Podophyllum.

12. Drugs acting on the Respiratory system:—Ipecacuanha, Emetin, Lobelia, Guiacol, Creosote.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri


13. Drugs acting on cardiovascular system:- Digitalis, Strophanthus, Aconite, Ephedrine.

14. Drugs, acting on the nervous systm:- Alcohol, Opium, Morphine, Codeine, Cannabis Indica, Nux vomica, Strychnine, Belladona, Atropine, Homatropine, Hyoscyamus Cocaine, Novocaine.

15. Acids:—Acetic, Citric, Tartaric, Lactic

16. Incompatibility:—Physical, Chemical Physiological, Explosive and poison combinations.

17. Posology:—Antagonism, Synergism.

18. Administration of drugs:— Various channels for the administration of drugs.

19. Pharmacy and dispensing:—General directions, method of preparing waters, Infusions, Decoctions, Emulsions, Mixtures, Pills, Plasters, Ointments.

20. Non-official preparations:-Baths, Enemas, Fomentations, Gargles, Draughts, Insufflations.

21. Official preparation;—Definitions, Composition, Doses such as Acida, diluta, Aquae,

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



Effervascents, Emplastra, Extracts, Glycerina, Infusions, Injections, Liniments, Lotions, Mixtures, pills, powders, Spirits, Suppositories, Syrups, Tinctures, Ointments.

22. Weight and measures:—Indian, Imperial and metric and their relations.

23. Official Pharmaceutical processes:—Calcination, Crystallisation, Dialysis, Elutriation, Expression, Melting, Granulation, Levigation, Lixiviation, Maceration, Percolation, Sealing, Sifting, Standardisation, Sublimation.

24. Drugs.:—

Source, Habitat, Collection, Composition such as alkaloids, Glucosides, Tannins, Balsams, Oils, Volatile oils, Gums, Resins etc. Impurities.

25. Definitions. Pharmacy, Pharmacology, Pharmacopia, Toxicology, Therapeutics empirical and rational, Chemotherapy.

विभाग ( ख ) १॥ घण्टा ३८ अङ्क

Organotherapy WITH Organic drugs and Metals ( Inorganic drugs ), with Radiation Therapy:—Actions & uses of X-ray and Radium.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



1. Vaccines and Serums:—Definition Immunity, Principles of their use, methods of administration, Important serums and Vaccines Diphtheria, Tetanus and Dysentry serum Vaccine lymph T. A. B. Vaccine, Tuberculin Protein therapy.

2. Organic drugs related to organoth erapy:—Renalin, Pepsin, Pancreatin, Ox-bile Pituitary, Adiostol, Cod-liver oil, Thyroid, Liver extract. Desiccated stomach, Parathyroid, Canth aridin, Honey, Protein therapy, Gelatin, Milk sugar, Yeast, Ovary Vaccines, Sera, Urea.

3. Antiseptics and Disinfectants. Hydrog en peroxide, Potassium permanganate, Trini trophenol, Solol, Acriflavin, Formaldyhide Boric acid, Borax, Sulphur, Icthyol, Phenol.

4. Antiperiodics and Antipyretics. Phena cetin, Sodium Salicyla'e, Sodium Benzoate Phenazone, Acetanilide, Plasmoquine, Atebrin Aspirin.

5. Anthelmentics.:—Carbon tetrachloride

6. Drugs acting on the Kidneys. Water Hexamine,:—

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



7. Drugs acting on the Digestive System:—Hydrocyanic acid.

8. Drugs acting on Respiratory System.:—Oxygen, Carbon dioxide.

9. Drugs acting on Cardiovascular system.:—Amyl nitrite, Sodium nitrite.

10. Drugs acting on nervous system.:—Ether, Chloroform, Ethyl chloride, Chloral Hydrate, Medinal, Luminal, Physostigmine salicylate.

11. Acids.:—Hydrochloric, Nitric, Sulphuric.

12. Action of drugs, Identification, Doses, pharmacological actions of the following drugs—

Alkalies & Alkaline earths:— Potassium Bicarbonate, Sodium Bicar- bonate, Potassium Acetate, Potassium Citrate, Sodium Citrate, Potassium Chlorate, Potassium Nitrate, Ammonia, Ammonium Carbonate, Ammonium Chloride, Calcium Hydroxide, Cal-

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



cium chloride, Calcium Lactate, Calcium Phosphate, Magnesium Carbonate, Magnesium Sulphate, Saline Purgatives.

13. Heavy Metals:—Mercury, Iron, Lead, Silver, Zinc, Copper, Gold and their salts. Alumen, Bismuth, Arsenic and its trivalent compounds. Potassium antimony tartrate, Sodium antimony tartrate, Urea stibamine, Neostibosan, Bromides, Iodides, Iodine, Iodoform

| | | |
|---|---|---|
| पत्र (ग) | क्रियात्मक | ३८ अंक |

८ अङ्क गृह कार्य ब्योरे के

| | | |
|---|---|---|
| षाण्मासिक | वर्णनात्मक | २४ अंक |
| ” | क्रियात्मक | १२ ” |

पाठ्य पुस्तक–घोष–मैटीरिया मैडिका

## ४. आयुर्वैदिक शारीर, शारीर क्रियाविज्ञान तथा त्रिदोष

| | |
|---|---|
| एक पत्र | ३ घण्टे ७६ अंक |
| पत्र (क) | १॥ घण्टा ३८ अंक |

शरीर रचना तथा क्रिया

सुश्रुत शारीर स्थान—१० वां अध्याय छोड़ कर

| | |
|---|---|
| पत्र (ख) | १॥ घण्टा ३८ अंक |

त्रिदोष विमर्श—धर्मदत्त

| | |
|---|---|
| षाण्मासिक परीक्षा | २४ अङ्क |

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## ५ प्राकृतिक चिकित्सा

एक पत्र — ३ घंटे ७६ अङ्क

पत्र ( क ) — १॥ घंटा ३८ अङ्क

मर्दन व संवाहन कला तथा दैहिक समुन्नति ( Massotherapy and Physical culture ) पर व्याख्यान

लेखन ( Stroking ), घर्षण (friction or rubbing), अवपीडन (Kneeding), चुटकी भरना (pinching or rolling), प्रताडन (tapping or percussion), हस्त क्रिया (manipulation), संचि संचालन (shaking and fulling), प्राणायाम (Rhythmic Breathing), योगासन ( yoga Asanas).

पत्र ( ख ) — १॥ घंटा ३८ अङ्क

आहार चिकित्सा तथा उपवास चिकित्सा ( Dieto therapy and fasting cure )

पोषक आहार की रसायन और रचना ( chemistry and Physiology of nutrition), आहार द्रव्यों की रचना ( Composition of food products ), भोज्यौज चिकित्सा ( Vitamin therapy), आहार संयोजन ( food combination ), रोगी का आहार ( Diet for sick ), उपवास ( fasting ), दुग्ध चिकित्सा ( Milk cure ), शराथविहित चिकित्सा ( Scrotch cure ).

१. उपवास चिकित्सा—रामचन्द्र ।

२. Food De-medicine-L. N. Ratra.

३. Practical Nature Cure—K. Lakshman Sharma.

षाण्मासिक परीक्षा — २४ अंक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## तृतीय वर्ष

# १. द्रव्यगुण शास्त्र

एक पत्र ३ घंटे ७६ अङ्क

पत्र ( क ) १॥ घंटा ३८ अङ्क

१. औषध निर्माण सम्बन्धी परिभाषायें तथा विधियें: –

स्वरस, कल्क, कषाय, फाण्ट, शीतकषाय, घृत, तैल, आसव, अरिष्ट, मद्यासव, चूर्ण, शुक्त, रसक्रिया, अवलेह, गुटिका, पानक, अर्क, घनरसक्रिया, क्षार निर्माण, पुटपाक ।

२. (क) औषध प्रयोग सम्बन्धी परिभाषायें तथा विधियें:—

धूम्रपान, गण्डूष तथा कवल, नस्य, वस्ति, रक्त-सेचन, जलौका पात, स्वेद, शीत परिषेक, उपनाह, प्रस्तर, स्नेहन, स्नान, वमन, विरेचन, निरूहण, अनुवासन, शिरावेध, उत्तर वस्ति, शिरोवस्ति ।

( ख ) पञ्च कर्म शोधन–विस्तार से पढ़ाया जाये ।

३. रस, वीर्य, विपाक, प्रभाव तथा २० गुण, इनका परिचय ।

४. परिमाण-ज्ञान–कालिङ्ग, मागध तथा आधुनिक मान ।

५. दीपन, पाचन, ग्राही, अनुलोमन, भेदन, स्तम्भन, स्रंसन, विरेचन, शमन, वाजीकरण, रसायन, सूक्ष्म, व्यवायी, छेदन, लेखन, प्रमाथि, वल्य–द्रव्यों की परिभाषाएं ।

i आमाशय प्रभावक औषधियां—दीपक, पाचक, वामक, वमनहर औषधियां ।

ii आन्त्रप्रभावक औषधियां—साधारण विरेचक ( अनुलोमक ) तीव्र-विरेचक, आन्त्रक्षोभक तथा उदर कृमिहर औषधियां—

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



iii यकृतप्लीहा प्रभावक ओषधियां।

iv श्वास संस्थान प्रभावक ओषधियां—

उत्तेजक धूम ( क्षोभक, विरेचक, शामक या उद्वर्तहर धूम )।

v नासाप्रभावक ओषधियां:-नासा उत्तेजक, शामक तथा विरेचक, नस्य

vi श्वास तथा फुफ्फुस प्रभावक ओषधियां—श्वास उत्तेजक व शामक ( कफ सारक, कफ शामक ) ओषधियां।

vii त्वक् संस्थान प्रभावक ओषधियां—स्वेदक, स्वेदहर, त्वच्य, केश्य तथा रोमनाशक ओषधियां।

viii मूत्र संस्थान प्रभावक ओषधियां—मूत्रल, मूत्रग्राही, ओषधियां।

ix लाला ग्रन्थि प्रभावक ओषधियां—लाला स्रावक, लाला रोधक तथा तृषाहर ओषधियां।

x दन्तप्रभावक ओषधियां—दन्तशूलहर, दन्तकीटहर।

xi श्रोत्रप्रभावक ओषधियां—शूलहर, पूयहर तथा बाधिर्यहर ओषधियां।

xii उत्पादक अंग प्रभावक ओषधियां—वाजीकरण, पुंस्त्वहर, भ्रूणहर, आर्तव प्रवर्तक, स्तन्य प्रवर्तक और स्तन्य हर ओषधियां।

xiii रक्त वर्धक ओषधियां—रक्त वर्धक तथा रञ्जकद्रव्य।

पत्र (ख) १॥ घण्टा ३८ अंक

निम्नलिखित ओषधियों के भिन्न भिन्न नाम( Synonyms ), भेद, वानस्पतिक वर्णन और भौतिक गुण, रासायनिक विश्लेषण, गुण तथा प्रभाव, मात्रा योग तथा उपयोग।

१. नाड़ी मण्डल प्रभावक ओषधियां—१. विष मुष्टी २. धत्तूर ३. ब्राह्मी ४. शङ्खपुष्पी।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



२. रक्त संस्थान की प्रभावक ओषधियां—

क. हृत् उत्तेजक—१. अर्जुन २. करवीर।

ख. हृत्मान्द्यकर—१. वत्सनाभ।

३. श्वास संस्थान की प्रभावक ओषधियां—

क कफ निस्सारक—१. वासा २. कर्कट शृङ्गि ३. शठी ४. व
५. कुष्ट ६. पुष्कर मूल ७. भारङ्गी ८. कट्फल ९. तालीस

ग. श्वासशामक—१. मधुयष्टी।

४. महास्रोतस् की प्रभावक ओषधियां—

क. वामक—१. राजिका, २. मदनफल, ३. देवदाली।

ख. विरेचक।

i. अनुलोमकः—१. बिल्व २. वृक्षाम्ल ३. आरग्वध ४. ए
५. स्वर्णमुखी ६. रेवन्दचीनी ७. कुमारी ८. अञ्जीर ९. त्रिफ
१०. मधु।

ii. तीव्र विरेचकः—१. दन्ती २. स्नुही।

iii. पित्त विरेचकः—१. इन्द्रवारुणी २. त्रिवृत्त।

ग. उदर कृमिहर।

i. गण्डूपद कृमिहरः—१. पलाशबीज।

ii. यव कृमिहरः—१ कम्पिल्ल २ बीज मीठा कद्दू ३ वि

iii ग्रहणी कृमिहरः— १ अजमोदा २ यवानी।

(घ) पाचक ओषधियां—

i. तिक्त पाचकः—१ किरात तिक्ता २ अतिविषा ३ नागर

ii. दीपकः—१ शुण्ठी २ मरिच ३ पिप्पली ४ चित्र मूल ५ जीर
६ धान्यक ७ यवानी ८ अजमोदा ९ शतपुष्पा १० रक्तमरिच ११ मिश्रेया

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



१२ हिंगु १३ एला १४ त्वक् १५ लवङ्ग १६ गुलाब १७ जम्बीर १८ जातीफल १९ आकार करभ २० कर्पूर २१ पलाण्डु २२ लशुन २३ तमाल पत्र २४ नागकेसर २५ तारपीन।

ङ. ग्राही

१. मायाफल २. हरीतकी ३. खदिर ४. असन. ५. बबूल त्वक ६. धातकी ७. लाक्षा ८. कुटज ९. इन्द्रयव १०. लोध्र ११. क्रमुक १२. मोचरस।

च. स्नेहन तथा क्षोभहर

१. बादामरोगन २ अलसी ३. तिल ४. इसब गोल ५. मधुयष्टी ६. निर्यास बबूल ७. वसा।

५. वृक्क प्रभावक ओषधियां

क. मूत्रलः—१. गोक्षुर २. पुनर्नवा ३ पञ्चतृण मूल ४. अपामार्ग ५. हपुषा।

ख. मूत्र कृमिहरः—१. कबाबचीनी २. चन्दन ३ खस

६. गर्भाशय प्रभावक ओषधियां—

१. कार्पासी २. अशोक

७. ज्वरहर तथा विषम ज्वरहर ओषधियां—

१. कटुकी २. रसाञ्जन ३. निम्ब ४. वत्सनाभ ५. कलिहारी ६. करञ्ज ७. तुलसी।

८. बल्य तथा पोषक ओषधियां

क. बल्यः—१. बला २. मूसली ३ शतावरी ४. अश्वगन्धा ५. विदारी ६. अष्टवर्ग ७. कोकिलाक्ष ८. मञ्जिष्ठा ९. चोपचीनी १०. वंसलोचन ११. दशमूल १२. द्राक्षा १३. शालमलीमूल १४. कपिकच्छु १५. सारिवा।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



ख. मेध्य श्रोषधियां:—१. ज्योतिष्मती २. ब्राह्मी।

ग. सामान्य उत्तेजक:— १. केसर २. कस्तूरी ३. जावित्री

६. त्वच्य श्रोषधियां—

१. स्वर्णक्षीरा २. हरिद्रा ३. मण्डूकपर्णी ४. वाकुची ५. चक्रमर्द ६ मूलक ७. शाल ८. गुडूची।

१० वात शूलहर श्रोषधियां—

१. गुग्गुलु २. देवदारू ३. भल्लातक ४. सरल ५. तगर ६. जटामांसी

११. दाहहर श्रोषधियां—

१. उशीर २. मुस्ता ३. पर्पट ४. दूर्वा ५. पञ्चक्षीरी ६. दुरालभा ७. नेत्रवाला।

१२. शोथहर श्रोषधियां--

१. ताम्बूल २. शिग्रु ३. गुञ्जा ४. रोहीतक

पत्र ( ग ) क्रियात्मक ५८ अंक

८ अंक गृह कार्य के लिए सुरक्षित हैं।

१. श्रोषधियों की पहिचान—

२. श्रौषध निर्माण—भिन्न २ प्रकार के निम्नलिखित श्रेणियों के कम से कम दो योग बनाने होंगे—

उपाध्याय महानुभाव श्रौषधालय की श्रावश्यकता के श्रनुसार नीचे की शीर्षकों वाली श्रेणियों में से प्रत्येक श्रेणी के कम से कम दो दो प्रयोग हर एक विद्यार्थी से बनवावें। श्रर्थात् प्रत्येक ब्रह्मचारी, वर्ष भर में कम से कम १५ श्रौषध तैयार करे, तथा श्रपने क्रियात्मक नोट्स तथा नमूने परीक्षा ( प्रश्नोत्तर कार्यालय ) में उपस्थित करे।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



कषाय, फाण्ट, पुटपाक, शीत कषाय, चूर्ण, वटी, अवलेह, मोदक, तैल निस्सारण, अरिष्ट, आसव, पानक, जलीय रसक्रिया, मद्य रस क्रिया, अर्क, प्रलेप, गुदवर्तिका, वर्ति, पाक प्रक्रिया।

सूचना—समय और साधनों के अनुसार उपाध्याय महोदय इससे अतिरिक्त भी करवा सकते हैं।

३. तोल और माप—

१. तुला के भेद तथा उपयोग। माप के भेद तथा उपयोग।

४ उपकरण—

१. खल्व. २. स्थाली, क्वाथ तथा फाण्ट पात्र ३. आसव यन्त्र ४. तिर्यक पातन ५. स्वेदन यन्त्र ६. कच्छप यन्त्र ७. अर्क यन्त्र ८. छुड़ी छुरी इत्यादि।

| | | |
|---|---|---|
| षाण्मासिक परीक्षा | वर्णनात्मक | २४ अंक |
| " " | क्रियात्मक | १२ अंक |

पाठ्य पुस्तक

१. परिभाषा प्रदीप २. भावप्रकाश निघण्टु।

## २ रस तन्त्र

एक पत्र — ३ घण्टे ७६ अङ्क

पत्र [ क ] — १॥ घण्टा ३८ अङ्क

निम्नलिखित रसों के भिन्न २ नाम, स्वरूप, भेद, निर्माण विधि, शोधन, भस्मी करण, प्रयोग, मात्रा, गुण, प्रभाव, योग तथा उपयोग—

[ क ] भारी धातुवें—

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



रस या पारद—उपर्युक्त बातों के अतिरिक्त, अष्ट संस्कार, जारण तथा मूर्छन, यह भी कराये जांय। प्रयोग (Preparation) रस सिन्दूर, रस कर्पूर, सुधानिधि, रस पर्पटी, चन्द्रोदय, रस भस्म, हिंगुल।

लोह—लोह भस्म, लोहासव, लोहपर्पटी, लोह चूर्ण, मण्डूर, स्वर्णमाक्षिक

नाग—नाग भस्म, मृदार श्रृङ्ग, सिन्दूर।

रजत—रजत भस्म।

यशद—यशद भस्म, खर्पर।

ताम्र—ताम्रभस्म, तुत्थ सत्व पातन।

वंग—बङ्ग भस्म, स्वर्ण बङ्ग।

स्फटिकी—( Alum )

स्वर्ण—स्वर्ण भस्म, गोल्ड क्लोराईड, मकरध्वज।

( ख ) क्षारीय धातु—

यवक्षार, सर्जक्षार, लवण, नवसार, मुक्ता, प्रवाल, शंख, शुक्ति वराट।

( ग ) अन्य धातु—

गौरी पाषाण—संखिया, हरताल भस्म तथा सत्व पातन, मनःशिला रस माणिक्य, गोदन्ती हरताल। अभ्रक भस्म तथा सत्वपातन।

अञ्जन— अञ्जन, नीलाञ्जन तथा सौवीराञ्जन।

( घ ) मिश्रित धातु—१. पित्तल भस्म, २. कांस्य भस्म, ३. शिलाजीत

( ङ ) खनिज रस—अकीक, समुद्रफेन, वैदूर्य इत्यादि।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



पत्र ( ख )

१।। घण्टा ३८ अङ्क

परिभाषाएं—

[ i ] रस तन्त्र की निम्न मुख्य २ परिभाषाएं—कज्जली, रस पंक, रस पिष्टी, हिंगुलाकृष्ट रस, शोधन, भावना, द्रावक गण, मित्र-पञ्चक, धातु सत्व-पातन, पर्पटी, आवाप, प्रतिवाप, निर्वाप, अभिषेक, निर्वापण, स्वांग-शीत, बहिः शीत, मरण, जारण, मृत वा निरुत्थ लोह, वारित, रेखा पूर्ण।

[ ii ] पाक सम्बन्धी परिभाषाएं—मूषा, कोष्ठी तथा पुट।

यन्त्र—दोला, वाष्प-स्वेदन, जलस्वेदन, बालुका स्वेदन, ऊर्ध्वपातन, अधः पातन, तिर्यक् पातन, नाड़िका, अर्क, पाताल, पुट, भस्म, कच्छप, बालुका, लवण तथा भूधर यन्त्र।

अधातु

गन्धक–गन्धक-शोधन, ऐन्द्रियिक द्रव्य।

## क्रियात्मक रसतन्त्र

पत्र [ ग ]

३८ अङ्क

८ अंक गृह कार्य के लिए सुरक्षित।

नोट—प्रयोगों में डाली जाने वाली ओषधियों के नामों तथा परिणामों को निम्न ग्रन्थों में देखना चाहिये।

भैषज्य रत्नावली; शारङ्गधर; योग रत्नाकर।

[ क ] ओषधियों की पहचान।

[ ख ] निम्न उपकरणों की पहचान तथा उनका उपयोग—

१. मूषा तथा इसके मुख्य २ भेद। २. कोष्ठी तथा इसके भेद।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



३. सम्पुट तथा भेद। ४. यन्त्र–दोला, ऊर्ध्व पातन, अधः पातन, तिर्यक् पातन, भस्म, कच्छप, भूधर, वालुका, लवण, स्वेदन, डमरू, नाड़िका तथा पाताल यन्त्र। ५. खल्व तथा इसके भेद। ६. उलूखल। ७. स्थाली।

[ ग ] औषध निर्माण—निम्नलिखित औषधियों के हर एक विद्यार्थी को कम से कम दो योग बनाने होंगे और दो २ प्रक्रिया करनी होंगी। (अर्थात् कुल १५–१५ औषध प्रत्येक विद्यार्थी को बनाना आवश्यक होगा) उपाध्याय महोदय चिकित्सा की आवश्यकता के अनुसार प्रयोग तयार कराया करें।

१. कज्जली, २. शोधन, ३. सत्वपातन, ४. मारण, ५. जारण, ६. रस, ७. पर्पटी, ८. आसव, ९. पानक, १०. घोल, ११. प्रस्तर १२. लेप, १३. वटी, १४. चूर्ण, १५. प्रलेप, १६. तैल घोल, १७. घृत।

औषध वितरण—

१. औषधालय, मेज़, तुला, तोल और माप तथा चिटों संबंधी नियम २. प्रयोग पत्र लेखन विधि। ३. प्रयोग निर्माण। ४. पैकट बनाना तथा लेबल लगाना। ५. रजिस्टर में चढ़ाना।

| | | |
|---|---|---|
| षाण्मासिक परीक्षा | वर्णनात्मक | २४ अङ्क |
| ,, ,, | क्रियात्मक | १२ अङ्क |

पाठ्य पुस्तकें—१. रस तरंगिणी पं० सदानन्द शास्त्री कृत।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



स्वाध्याय ग्रन्थ—

१. रसेन्द्रसार संग्रह २. रस रत्न समुच्चय, ३. रस रत्नाकर, ४. रस मञ्जरी। ५. रस हृदय तन्त्र। ६. रसेन्द्र चिन्तामणि।

७. Hindu Chemistry-P. C. Ray.

नोट—[क] समय और साधनों के अनुसार उपाध्याय महोदय इसके अतिरिक्त भी करवा सकते हैं।

[ख] मकरध्वज, स्वर्णवङ्ग और त्रिवंग बनाना सबको आवश्यक होगा।

# ३. जीवाणु विज्ञान तथा शरीर विकृति विज्ञान

## ( Bacteriology & Pathology )

एक पत्र — ३ घण्टे ७६ अंक

पत्र (क) — १॥ घण्टा ३८ अंक

### १. जीवाणुशास्त्र ( Bacteriology )

जीवाणु (Bacteria) तथा पराश्रयी (Parasites)। जीवाणुओं का सामान्य स्वभाव, श्रेणी करण, रचना और उनके विषों का ज्ञान Bacteriophage.

रोग प्रतिशक्ति तथा रोग संक्रमण—(Immunity and Infection)

निम्न जीवाणुओं का संक्षिप्त वर्णन तथा उनसे उत्पन्न आवश्यक विकारों का स्थूल ज्ञान—

i. Cocci—Staphylo, Strepto, pneumo, meningococcus.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



ii. Bacilli-Diphtheria, Typhoid, Dysentery, Plague, Tetanus, Tuberculosis, Leprosy, B. Coli.

iii. Spirilla, Cholera.

iv. Spirochaeta, Syphilis, Relapsing Fever.

v. Fungi का सामान्य ज्ञान।

Parasites-1. Protozoa, Entamoeba histolytica' Entamoeba Coli, Malaria Parasites, Trypanosome.

2. Verms—Cistoda, Taenia Solium, T. Saginata, T. Ectinacoccus.

Ascaris Lumbricoides.

( Thread worms )—Oxicurris vermicularis, Trichina spiralis, Ankylostoma duodenalis, Filaria medinensis, Guinae worms.

पत्र (ख)

१॥ घण्टा ३८ अङ्क

## २. शरीर विकृति विज्ञान [ Pathology ]

१ रक्त और लसीका के संवहन सम्बन्धी रोग।
२ शोथ ( Inflammation ) तथा व्रण रोहन ( Repair )
३ क्षीणता तथा अतिवृद्धि ( Atrophies and Hypertrophies ), Degeneration.
४ अर्बुद ( Tumours )

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



पत्र (ग) क्रियात्मक ३८ अंक

८ अङ्क गृह कार्य ब्योरे के

मुख्य २ जीवाणुओं विशेषतः क्षय और ज्वर के जीवाणुओं (Tuberculosis and Malarial germs) के फलक (Film) बनाना तथा उनका रञ्जन [Staining], [Pathological Specimens] का स्थूल तथा सूक्ष्म परीक्षण। मल, मूत्र, थूक और रक्त परीक्षा।

| | | |
|---|---|---|
| पाण्मासिक परीक्षा | वर्णनात्मक | २४ अंक |
| " " | क्रियात्मक | १२ अंक |

पाठ्य पुस्तक—

Bannerjee-Pathology

## ४. रोग परीक्षा [Clinical Methods]

एक पत्र ३ घण्टे ७६ अंक

पत्र (क) १॥ घण्टा ३८ अंक

1. Case taking. 2. General appearance. 3. Alimentary system. 4. Circulatory system.

पत्र (ख) १॥ घण्टा ३८ अंक

1. Respiratory system. 2. Skin. 3. Nervous system. 4. Eye, ear, nose, throat. 5. Locomotor system.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



पाठ्य पुस्तक—

Clinical Methods by Hutchinson.

षाण्मासिक परीक्षा २४ अङ्क

## ५. रोग विज्ञान

एक पत्र ३ घण्टे ७६ अंक

पत्र (क) १॥ घण्टा ३८ अंक

माधव निदान—शल्य, स्त्री, बाल तथा विष निदान को छोड़ कर।

पत्र (ख) १॥ घण्टा ३८ अंक

चरक इन्द्रिय स्थान

षाण्मासिक परीक्षा २४ अंक

## ६. प्राकृतिक चिकित्सा

एक पत्र ३ घण्टे ७६ अंक

पत्र (क) १॥ घण्टा ३८ अंक

प्रकाश तथा सूर्यरश्मि चिकित्सा ( Light therapy ) पर भाषण।

प्रकाश की द्रव्यात्मक रचना ( The physics of light ), प्रकाश का इन्द्रियव्यापारात्मक तथा चिकित्सात्मक प्रभाव ( The Physiological effects and therapeutics of light )

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



क्रियाविधि (Technique)—सूर्यरश्मि चिकित्सा [ Heliotherapy or Sun-treatment ], रक्ताधः रश्मि चिकित्सा [ Infra-red treatment ], नीललोहितोत्तर रश्मि चिकित्सा [ Ultraviolet treatment ].

पत्र (ख) १॥ घण्टा ३८ अंक

## विद्युत् चिकित्सा ( Electro-therapy )

Definition and basic principles.

क्रिया विधि—स्थास्नु [Static], गैलविनी सिद्धान्त [Galvanism], फैरेडिक सिद्धान्त [ Faradism ], वक्रचक्र [ Sinusoidal ], उच्च प्रत्यावर्तन तरङ्ग [ High frequency currents ], ताप प्रसृति [ Diathermy ], लघुतरङ्गावलि [ Short waves ], डा० श्राराथ का चतुर्कोष्टक स्नान (The four cell bath of Dr. Shrotch), विद्युत् धारा (Douche), विद्युत् स्नान (Electric Bath)

संवेपनात्मक [ Viberatory massage ], ध्रुवगतत्व चिकित्सा [ Ionic Treatment ] ?

## षाण्मासिक परीक्षा २४ अङ्क

पाठ्य पुस्तक—१. Nature Cure Baths—Dr. Dilkash, Page ७८ से अन्त तक

२. विद्युत् उपचार—डा० नेहरू

३. भाषण

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## चतुर्थ वर्ष

# १. शल्यतन्त्र [surgery]

निम्नलिखित रोगों का निदान [ कारण, लक्षण, सम्प्राप्ति, परीक्षा, साध्यासाध्य ] तथा चिकित्सा –

दो पत्र — ३ घण्टे ७६ अङ्क

पत्र ( क ) — ३ घंटे ७६ अङ्क

[१] सामान्य शल्य रोग ( General Surgery )—

१. स्थानिक रोग ( Local Diseases )—शोथ ( Inflammation ), पाक ( Suppuration ), विद्रधि ( Abscess ), अधस्त्वक् शोथ ( Cellulitis ), गति व्रण ( Sinus ), नाड़ी व्रण ( Fistula ), व्रण ( Ulcers ), पूति व्रण ( Gangrene ), सद्यो व्रण ( Wounds ), दाह ( Burns ), मुख्य मुख्य निरुपद्रव तथा घातक अर्बुद ( Important innocent and malignant Cancers & Sarcoma ).

२. व्यापक रोग ( General diseases )—पूय संचार ( Pyaemia ), क्षय व्रण ( Surgical Tuberculosis ).

३. अङ्ग वैषम्य ( Deformities )—पृष्ठ वंशीय वक्रतायें ( Spinal curvatures ), सहज ओष्ठद्वारी ( Herelip ), जानुवैषम्य ( Knock knee ), पादवैषम्य ( Club foot and flat foot )

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



४. नेत्र—Sty, Blepharitis, Trichiasis, Dacryocystis, Conjunctivitis, Pterygium, Corneal ulcer, Foreign bodies in the cornea, Iritis, Panophthalmitis, Glaucoma, Cataract, optic atrophy, Errors of refraction and presobyopia.

पत्र (ख) ३ घण्टे ७६ अङ्क

( १ ) सस्थानिक शल्यतन्त्र ( Systemic surgery )

१. त्वग्रोग ( Skin diseases )—चर्मांकुर ( Corn ), मषक ( wart ), पिड़का ( Boils ), स्वेदग्रन्थि वृद्धि (Sebaceous Cysts ), कुनख ( Onychia ), रोडेन्ट व्रण (Rodent ulcer )

(२) रक्त संस्थान के रोग—सिरार्बुद ( Aneurism ) शिरा ग्रन्थियां ( Varix ), शिराशोथ ( Phlebitis ), रक्तस्राव (Hæmorrhage ).

(३) लसीका स्थान के रोग—(Diseases of Lymphs) लसीका प्रणाली शोथ ( Lymphangitis ), लसीका ग्रन्थि शोथ (Lymphadenitis ), श्लीपद ( Elephantiasis )

(४) मांस सस्थान तथा नाड़ियों के रोग—( Diseases of muscles & nerves )—मांसदारी तथा कण्डरादारी ( Rupture of muscles and tendons), कण्डरावरण शोथ ( Tenosynovitis ), कण्डरावरण ग्रन्थियां ( Ganglion )

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



(५) अस्थिसंस्थान के रोग ( Diseases of Bones )-अस्थिक्षत ( Contusion ), अस्थिभंग ( Fractures ) तथा निम्नलिखित मुख्य मुख्य अस्थिभंगों का सामान्य ज्ञान—अधो हन्वस्थि (Lower maxilla ), पर्शुका ( Ribs ), अक्षक ( Clavicle ), प्रगण्ड (Humerus ), बाह्वस्थियां ( Radius & ulna ), उर्वस्थि (Femur), जंघास्थियां (Tibia and fibula), जान्वस्थि (Patella), अस्थिधराशोथ (Periostitis), अस्थिशोथ (Osteitis), निर्जीवास्थि (Necrosis ), मज्जाशोथ ( Osteomyelitis ).

६. सन्धियां ( Joints )—सन्धिक्षत ( Contusions ), सन्धिविवर्त ( Sprain ), सन्धिभ्रंश या सन्धि भङ्ग (Dislocation) तथा निम्नलिखित सन्धिभंग-हनुसन्धि (Jaw ), अंस (Shoulders), कूर्पर ( Elbow ), मणिबन्ध ( wrist ), अंगुष्ट (Thumb), वंक्षण सन्धि (Hip), जानु (Knee ). गुल्फ ( Ankle ), सन्धि मध्यशोथ ( Synovitis ), सन्धिशोथ (Arthritis), सन्धि जाड्य ( Ankylosis ), सन्धि शल्य (Loose bodies in the joints ), सन्धिक्षय (Tubercular joints as an example, hipjoint ) का सामान्य ज्ञान तथा वंक्षण सन्धि का क्षय रोग।

पत्र ( ग )

७६ अङ्क

क्रियात्मक शल्यतन्त्र ( Practical Surgery )

१. सम्मोहन तथा कृत्रिम श्वास संचार का ज्ञान।

२. पूर्व कर्म ( Antiseptic and aseptic methods, Sterilization of dressings, instruments and ligatures.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



३. नेत्र परीक्षा—Eye testing.

४. पश्चात् कर्म—व्रण शोधन, व्रण बन्धन तथा फलक बन्धन Stitching, collodion dressing, strapping, cauterisation of wounds and granulation tissue, spraying tanic acid.

५. प्रश्नोत्तर ( Case taking ).

i. Examination of eye, ear, nose, throat, mouth, teeth, rectum and anus.

ii. Examination of tumours, swelling ulcers.

iii. Preparing ointments, lotions, emplaster, Plaster of Paris, bandage and jackets. Injections and infusions.

v. Controlling haemorrhage by drugs, compression, tourniquet, plugging cavities and ligaturing arteries ( general only )

vi. Venesection. Passing catheters, irrigation of urethra, washing and aspirating bladder, prostatic massage, circumcision. Tapping hydrocele. Introducing rectal tubes and bougies, reducing hernia, paracentesis abdominis, measurment for and applying truss. Removing a skin cyst, tumours, ganglion.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



Incising boils, carbuncles, cellulitis, abscess in general and special ( mammary, axillary, bubo, whitlow and peritonsillar ). Setting fractures and reducing dislocations. Removing foreign bodies from eye, ear and nose.

Washing eyes, ears, nose. Everting and touching eyelids. Cutting tongue frenule. Tooth extraction and cleaning.

Amputation of Interphalangeal and metacarpophalangeal joints.

| | | |
|---|---|---|
| षाण्मासिक परीक्षा | | ४८ अङ्क |
| " " | क्रियात्मक | २४ अङ्क |

पाठ्य ग्रन्थ—Surgery-Mitra

स्वाध्याय ग्रन्थ—Rose and Carless surgery अथवा मुकुन्द स्वरूप संक्षिप्त शल्य क्रिया विज्ञान ।

सूचना—१० रोगों के इतिहास लिखने आवश्यक होंगे । इन गृह कार्य की कापियों के १६ अंक होंगे । इनका प्रस्तोता कार्यालय में आना आवश्यक होगा ।

## २. चरक संहिता

| | |
|---|---|
| एक पत्र | ३ घण्टे ७६ अंक |
| पत्र (क) चरक सूत्र स्थान | ३॥ घण्टा ३८ अङ्क |

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



| | |
|---|---|
| पत्र (ख) चरक विमान स्थान | १॥ घण्टा ३८ अङ्क |
| क्रियात्मक | ३८ अङ्क |

[ ८ अंक गृह कार्य के नियत हैं ]

| | |
|---|---|
| षाण्मासिक वर्णनात्मक | २४ अङ्क |
| „ क्रियात्मक | १२ अङ्क |

## ३. पाश्चात्य चिकित्सा [ Western Medicine ]

| | |
|---|---|
| एक पत्र | ३ घण्टे ७६ अङ्क |
| पत्र (क) | १॥ घण्टा ३८ अङ्क |

1. Infectious Diseases—Typhoid, Amoebic, and bacillary dysentry, Plague, Diptheria, Tetanus, Malaria, Kala azar.

2. Diseases of Digestive system—Gastritis, Gastric & duodenal ulcers, Cancer of the stomach, Sprue, Intestinal obstruction, Intestinal colic, Haemaetemesis, Ascites.

3. Liver-Jaundice, Hepatitis, Hepatic abscess, Cirrhosis of the liver, Gall stones and biliary Colic.

| | |
|---|---|
| पत्र (ख) | १॥ घण्टा ३८ अङ्क |

1. Diseases of circulatory system:—Endocarditis, Pericarditis, Valvular diseases, Palpitation. Tachy-cardia, Brady-cardia, Auricular flutter and

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



fibrillation, Cardiac dilatation and Hypertrophy, Angina Pectoris, Hypertension.

2. Haemopoitic system—Anaemias, Hodgkin's disease, Enlargement of spleen, Leukaemia, Haemophilia.

3. Deficiency diseases—Vitamines, Scurvy, Richets, Osteo malaria Beri-beri.

क्रियात्मक ३८ अङ्क

८ अङ्क गृह कार्य के लिए.

षाण् मासिक वर्णनात्मक २४ अङ्क

,, क्रियात्मक १२ अङ्क

पाठ्यपुस्तक—जैक एण्ड व्हीलर हैण्डबुक ओफ मैडीसिन

## ४. Hygiene

एक पत्र ३ घण्टे ७६ अङ्क

पत्र (क) १॥ घण्टा ३८ अङ्क

1. Water—uses—sources—properties—impurities—diseases due to impurities—purification.

2. Air—composition—impurities—impurities due to combustion—diseases due to impurities—effect of air vitiated by respiration.

3. Ventilation—internal and external amount of air required for healthy, sick, animal and for combustion—system of ventilation—natural puri-

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



fication of air—determination of the amount of cubic space—determination of the efficiency of ventilation in an inhabited room.

4. Industrial hygiene and occupational diseases-offensive trades-effects of offensive trades on health.

5. Soil—features influencing climate and health—varieties of soil—diseases arising from soil.

6. Houses— construction—site for houses, cowsheds and stables.

7. Hospitals and sanitoriums—general idea about hygienic conditions and requirements.

8. School hygiene—general idea about school hygiene.

9. Climatology and Meteorology-classification-climate in relation to health-effects of temperature-atmospheric pressure—rain fall-humidity.

पत्र [ख]　　　　१॥ घण्टा ३८ अङ्क

1. Food—classification—quantity required—relative value of foods-cooking diseases, caused by faulty dieting-vitamines-standard diet—food according to age and physical and mental work.

2. Animal food— meat—eggs—fish—milk-preparations of milk.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



3. Vegetable foods = cereals— pulses— roots and tubers—green vegetables—fruits and nuts—sugars.

4. Beverages and condiments—intoxicating drugs like tobacco, bhang, opium.

5. Disposal of sewage-scavenging-conservancy system-collection and disposal of night soils-trenching grounds-incineration of night soil-water carriage system-house drainage-sewers.

6. Disposal of sewage—cesspool system-disposal into sea or river-chemical treatment-general principles of biological treatment.

7. Disposal of dead—burning and burial.

8. Personal hygiene.

9. Infection-bacteria-modes of infection-insects ( mosquitos, sand-flies, flees, bed-bugs etc. ) as media.

10. Restraint of infection-notification-insolation-quarantine-inoculation-disinfection.

11. Infectious diseases—malaria-kalaazar-yellow fever-elephantiasis-plague-cholera-dysen-

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



tery-typhoid-tuberculosis-relapsing fever-leprosy-rabies-small pox-chicken-pox-measles-whooping cough-influenza-venereal diseases.

षाण्मासिक परीक्षा २४ अंक

पाठ्य पुस्तक—Ghosh Hygiene अथवा मुकुन्द स्वरूप स्वास्थ्य विज्ञान

## ५. स्वस्थवृत्त तथा अगद तंत्र

एक पत्र ३ घण्टे ७६ अंक

पत्र (क) १॥ घंटा ३८ अंक

### स्वस्थवृत्तम्

स्वास्थ्यलक्षणम्, निन्दितानिन्दितपुरुषाः

शरीरोपस्तम्भाः

आहारः, आहारविधिनिषेधाः; पथ्यापथ्यविषयः

निद्रानियमाः,

ब्रह्मचर्यम्, वीर्यरक्षणोपायः, व्यवायनियमाः,

ऋतुमतीनियमाः, विवाहवयः इत्यादि ।

दिनचर्या, ऋतुचर्या, वेगविधारणे दोषाः सद्वृत्तम् ।

पानीयजलविचारः, जलदूषणहेतवः, तत्प्रतिषेधः जलशोधनविधिश्च ।

हिताहितद्रव्याणि, विषदुष्टमार्गोदकादिज्ञानम्,

मलमूत्रसंकरादीनां दूरीकरणविधयः,

वासस्थानविचारः, वायुसञ्चारप्रयोजनानि,

जनपदोद्ध्वंसकारणानि, संक्रामकरोगाः, संक्रमणप्रकारः,

संक्रमणप्रतिषेधोपायाश्च, देशविचारः, प्रकृतिविचारः,

मादकद्रव्योपयोगदोषाश्च ।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



पत्र (ख) १॥ घंटा ३८ अंक

## अगदतन्त्रम्

ज्ञेयांशा:—त्रिविधविषविज्ञानम् । सविज्ञाना सर्पदष्टचिकित्सा, अलर्कविष-चिकित्सा च । वृश्चिकादिदष्टचिकित्सा । अहिफेनभङ्गागञ्जाधुत्तूर-वत्सनाभविषमुष्टि फेनाश्म ताल मनःशिलादि प्रसिद्ध विष जुष्टानां सविज्ञानं चिकित्सा अन्नपान रक्षा च ।

षाण्मासिक परीक्षा २४ अंक

## ६. प्राकृतिक चिकित्सा

एक पत्र २ घण्टे ७६ अंक

पत्र (क) १॥ घण्टा ३८ अंक

मुखाकृति निदान तथा प्राकृतिक चिकित्सा का तत्त्वज्ञान और अभ्यास ( Philosophy and practice of Naturopathy ).

पत्र ( ख ) १॥ घण्टा ३८ अंक

## रोग-चिकित्सा ( Therapeutics )

रक्त तथा रक्त वाहिनियाँ:—( Blood & Blood-vessels )

१ विलोहितता (Anaemia), २ धमनी-वितति (Aneurysm), ३ सन्यास ( Apoplexy ), ४ धमनी-प्राचीरिका-काठिन्य ( Arterioclerosis ), ५ रक्त-विषाक्ति ( Blood-poisoning ), ६ त्वक्-प्रदाह ( त्वक् शोथ ) ( Chilblains ), ७ उच्च रक्त प्रतोद ( High

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



blood pressure), ८ निम्न रक्त प्रतोद (Low blood pressure), ९ रक्त श्वेताणुवृद्धि (Leukemia), १० घातक विलोहितता (Pernicious anaemia), ११ नासारक्तस्राव (Epistaxis), १२ शिरा प्रदाह (Phlebitis), १३ हीनरक्तसंचार (Poor circulation), १४ रेनों व्याधि (हस्त-पाद-वैकल्य) (Raynaud's disease), १५ रक्त संहति (Thrombosis), १६ शोथ युक्त शिरा (Varicose veins).

## कर्ण, नासिका, मुख तथा कंठ (Ear, Nose, Mouth and Throat).

१ अधःगलशुण्डिकाप्रदाह (Adenoids), २ प्रतिश्याय (Catarrh), ३ प्रतिश्याय जन्य बधिरता (Catarrhal deafness), ४ शीत प्रकोप (Colds), ५ बधिरता (Deafness), ६ दन्तक्षीणता (Dental decay), ७ गलान्तः प्रदाह (Diphtheria), ८ वर्धित उपजिह्विका (Enlarged tonsils), ९ दन्तमांस पिडिका (Gum boils), १० बुस ज्वर (Hay fever), ११ शिरो गुंजन (Head noises), १२ श्वित्र (Leucoplacia), १३ कर्णमूल शोथ (Mastoiditis), १४ कर्णघूर्णि (Meniere's disease), १५ मध्य कर्णरोग (Middle-ear disease) १६ गलशोथ (Pharyngitis), १७ नासांकुर (Polypi in nose), १८ दन्तपूयमेह (Pyorrhoea), १९ उग्र उपजिह्विका शोथ (Quinsy), २० नासाकला शोथ (Rhinitis), २१ कर्णखात शोथ (Sinusitis), २२ जिह्वा शोथ (Sore or inflamed tongue) २३ पीड़ित कण्ठ (Sore-

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



throat ), २४ उपजिह्विका शोथ ( Tonsillitis ), २५ गलान्तः प्रदाही श्वासरोध ( Vincent's angina ).

## ज्वर ( Fevers )

१ विस्फोटिका, लघुमसूरिका ( Chicken-pox ), २ गलान्तः प्रदाह ज्वर ( Diphtheria ), ३ आन्त्रज्वर ( Entric fever ) ४ श्लेष्म ज्वर ( Influenza ), ५ विषम ज्वर ( ऋतु ज्वर ) ( Malaria ), ६ रोमान्तिका ( Measles ), ७ मस्तिष्क कला शोथ (Meningitis), ८ फुप्फुस प्रदाह ( Pneumonia ), ६ सन्धिक ज्वर (Rheumatic fever ), १० रक्त ज्वर (उदर्धः) ( Scarlet fever ), ११ मसूरिका (शीतला) ( Smallpox ), १२ सावधिक अन्त्र ज्वर ( Typhoid fever ), १३ सप्रलापान्त्र ज्वर ( Typhus fever ), १४ पीत ज्वर ( Yellow fever ), १५ विशूचिका ( Cholera ).

## ग्रन्थि संस्थान ( The Glandular System )

१ एडीसन का रोग [पित्तलाभत्वग्रोग] (Addison's disease), २ मूषक-महामारी ( Bubonic plague ), ३ लाला-ग्रन्थि-रोग ( Diseases of the Salivary glands ), ४ स्वेद ग्रन्थि रोग ( Diseases of the sweat glands ), ५ गल-ग्रन्थि-वृद्धि ( Enlarged glands of the neck ), ६ सनेत्र गोलकाति-निःसरण गलगण्ड (Exophthalmic goitre), ७ गलगण्ड [गलग्रह] ( Goitre ), ८ हडकिन का रोग (लसिका-ग्रन्थि-वर्धमानातिवृद्धि सहित विलोहितता (Hodgkin's disease), ६ चुल्लिका विकृति शरीर शोथ ( Myxoedema ), १० पौरुष ग्रन्थि रोग ( Diseases of

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



the prostate gland ), ११ प्लीहा रोग ( The spleen and its diseases ).

## हृदय, फुस्फुस, क्लोमकंडिका तथा स्वर-यन्त्र ( The heart, lungs, Bronchial Tubes and Larynx )

१ हृत्तोद ( हृदय शूल ) ( Angina pectoris ), २ श्वास (Asthma), ३ क्लोमकंडिका-प्रतिश्याय (Bronchial catarrh), ४ क्लोमकंडिका-प्रदाह ( Bronchitis ), ५ कास ( Cough ), ६ हृदय वितति (Dilatation of the heart), ७ हृदयान्तः कला प्रदाह ( Endocarditis ), ८ हृदय वृद्धि ( Enlargement of the heart ), ९ तन्तुस्फीति (Emphysema), १० उरस्यास्तरान्तः पूय (Empyema), ११ हृत्तोदाभास (False angina pectoris), १२ वसाल हृदय ( Fatty heart ), १३ हृदय रोग ( Heart-disease), १४ हृदयाति वृद्धि (Hypertrophy of the heart), १५ स्वर यन्त्र प्रदाह ( Laryngitis ), १६ हृदय पेशीतन्तु प्रदाह ( Myocarditis ), १७ हृदयावरण प्रदाह ( Pericarditis ), १८ उरस्तोय ( Pleurisy ), १९ फुस्फुस प्रदाह ( Pneumonia ), २० फुस्फुस क्षय ( Pulmonary tuberculosis ), २१ हृदय क्रियाति वेग ( Tachycardia ), २२ हृदय कपाटिका रोग ( Valvular disease of the heart ).

## सन्धि तथा सन्धिवात रोग ( The joints and Rheumatic Affections )

१ पाद कूर्च-सन्धि रोग [ गुल्फ सन्धि रोग ] ( Ankle-joint disease ), २ अंस रोग ( Disease of the Shoulder ).

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



३ कूर्पर सन्धि [ कफोणि सन्धि ] ( Elbow ), ४ मणिबन्ध स (Wrist joints ), ५ श्वेत तन्तु श्वयथुः ( Fibrositis ६ अंगुष्ठ सन्धि वात रोग ( Gout ), ७ नितम्ब सन्धि रोग ( Hi joint disease ), ८ जान्वस्थिकलापुट शोथ ( Housemaid knee ), ९ जानु सन्धि रोग ( Knee-joint disease १० मेरुदण्ड वक्रता ( Curvature of the spine ), ११ क शूल ( Lumbago ), १२ पेशीगत सन्धिवात ( Muscular rh umatism ), १३ कशेरुकाप्रदाह ( Pott's Disease ), सन्धिवात ( Rheumatism ), १५ सन्धि वातसम सन्धि वे ( Rheumatoid arthritis ), १६ स्नैहिककला शोथ ( Syno vitis ),

### यकृत, पित्ताशय, वृक्क, मूत्राशय तथा अग्न्याशय ( The Liver, Gall bladder Kidneys, Bladder and Pancreas )

१ यकृत-विद्रधि ( Abscess on the liver ). २. पित्ताधि ( Biliousness ), ३ वृक्कशोथ ( Bright's disease ) ४ य कर्कटार्बुद ( Cancer of the liver ), ५ यकृत-वृद्धि ( Cir hosis of the liver ), ६ वृक्कसंघात ( Congestion of th Kidney's ), ७ मूत्राशयशोथ ( Cystitis ), ८ उदक ( Diabetes insipidus ), ९ शर्करा मधु मेह ( Diabete mellitus ), १० जलोदर ( Dropsy ), ११ पित्ताश्मरी ( Ga stones ), १२ रक्त मेह ( Haematuria ), १३ मूत्राशय शो ( Inflammation of the gall-bladder ), १४ पित्ताशय शो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



[ Inflammation of the gall-bladder ], १५ कामला [ Jaundice ], १६ वृक्क च्युति [ Movable or displaced Kidney ] १७ तीव्र वृक्क शोथ [ Nephritis ], १८ वृक्कालिन्द शोथ [ Pyelitis ], १६ मन्द-प्रवृद्ध-विकृत यकृत [ Sluggish, enlarged and torpid liver ], २० वृक्काश्मरी [ Stone in the Kidney or bladder ], २१ क्षय-युक्त वृक्क [ Tubercular-Kidney ].

पुं स्त्री प्रजनन संस्थान ( The male and female sex organs )

१ नष्टार्त्तव [Amenorrhoea], २ प्रसूति रोग [Child birth-disorders ], ३ गर्भाशयच्युति [ Displaced or dropped womb ], ४ कष्टार्त्तव [ Dysmenorrhoea ], ५ अत्यार्त्तव [ Excessive menstruation ], ६ पूयमेह [ Gonorrhoea ], ७ गर्भाशय तथा स्तनों की वृद्धि [ Growth in the womb and breast ], ८ अण्डकोश वृद्धि [ Hydrocele ], ९ नपुंसकता [ Impotence ], १० श्वेत प्रदर [ Leucorrhoea ], ११ प्रजनन-शक्तिनाश [ Loss of sexual power ], १२ अत्यार्त्तव [ Menorrhagia ], १३ उर्वस्थिशिराशोथ [ Milk leg ], १४ स्वप्नदोष [ Nocturnal emmissions ] १५ कष्टार्त्तव [ Painful menstruation ], १६ प्रसूति ज्वर [ Puerperal fever ], १७ अल्पार्त्तव [ Scanty menstruation ], १८ हस्त मैथुन [ Self-abuse ], १९ फिरंग रोग [ Syphilis ], २० वृषणबन्धनी शिरा शोथ [ Varicocele ], २१ मैथुनज रोग [ Venereal disease ].

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



आमाशय तथा अन्त्र ( Stomach and Intestines )

१ अम्लामाशय [ Acid stomach ], २ उपान्त्रवृद्धि [ Appendicitis ], ३ कर्कटार्बुद [ Cancer ], ४ विशूचिका [Cholera], ५ उदर शूल [ Colic ], ६ बृहदन्त्र शोथ [ Colitis ], ७ मलबन्ध, बद्ध कोष्ट [ Constipation ], ८ अतिसार [ Diarrhoea] ९ आमाशय वितति [ Dilatation of the stomach ], १० आमाशयच्युति [ Dropped stomach ], ११ ग्रहणी व्रण [ Duodenal ulcer ], १२ प्रवाहिका [ Dysentery ], १३ अजीर्ण [ Dyspepsia ], १४ आन्त्रिक ज्वर [ Enteric fever ], १५ गुदभंग, गुददारी [ Fissure of anus ], १६ भगन्दर [ Fistula], १७ उदराध्मान [ Flatulence ], १८ आमाशयिक प्रतिश्याय [ Gastric catarrh ], १९ आमाशयिक व्रण [ Gastric ulcer ], २० आमाशय प्रदाह [ Gastritis ], २१ अन्न प्रणाली दाह [ Heartburn ], २२ अम्लतातिरेक [ Hyperacidity ], २३ अपचन [ Indigestion ], २४ आंत्रप्रतिश्याय [ Intestinal catarrh ], २५ क्षुधानाश [ Loss of appetite ], २६ अर्श [ Piles ], २७ रोगाणुपूति विष [ Ptomaine poisoning ] २८ सावधिक आन्त्र ज्वर [ Typhoid ].

त्वचा, शिरः सम्पुट-शिखर ( The skin and scalp )

१ विद्रधि [ Abscesses ], २ वसा ग्रन्थि प्रदाह ( मुहासे ) [ Acne ], ३ केश ह्रास [ Alopecia ], ४ खल्वाटता [ Baldness ], ५ अर्बुद [ Boils ], ६ अन्तस्त्वग् बहुछिद्र दुष्टार्बुद (प्रमेह पिड़का) [ Carbuncles ], ७ शिरःकिलास [ Dandruff ], ८ त्वक् शोथ [ Dermatitis ], ९ उदर्द [ Eczema ],

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



१० उग्र अन्तस्त्वक् तन्तु शोथ [ Erysipelas ], ११ त्वगुर्ध्वतल रक्तता [ Erythema ], १२ मत्स्यत्वग्रोग [ Ichthyosis ], १३ त्वक् विड्कामय शोथ [ Impetigo ], १४ जीर्ण क्षय त्वग्रोग [Lupus]. १५ स्वल्प सामयिक सकुंडत्वक् विड्का ( पित्ती उछलना ) [ Nettle-rash ], १६ दद्रु: (दाद) [Ringworm], १७ वसा ग्रन्थिस्रावातिरेक (अरुंषिका) [ Seborrhoea ]. १८ त्वङ्नाडी शोथ [ Shingles ], १६ रोमकूप शोथ [ Sycosis ].

## वात संस्थान ( Nervous System )

१ साधारण परिचय [ General introduction ], २ गृध्रसी [ Sciatica ], ३ अर्दित [ Bell's palsy ], ४ वात शूल या नाड़ी शूल [ Neuralgia ], ५ वर्धमान पेशीक्षय [ Progressive muscular atrophy ], ६ अर्धावभेद [ Migraine ], ७ वातिकदौर्बल्य, विक्षिप्तता [ Neurasthenia ], ८ अपस्मार [ Epilepsy ], ६ उन्निद्रता [ Insomnia ], १० खञ्जवात [ Locomtor ataxia ], ११ नाड़ी काठिन्य [ Multiple scerosis ], १२ वातिक दौर्बल्य [ Nervous debility ], १३ नाड़ी शोथ [ Neuritis ], १४ हकलाना [ Stammering and stuttering ], १५ अनैच्छिकपेशी विक्षेप [ Writer's chorea or St. Vitus' dance ], १६ पक्षाघात [Paralysis], 17 पाद पक्षाघात [ Paraplagia ],

## बाल रोग ( Diseases of children )

१ अजीर्ण [ Indigestion ], २ उदर शूल [ Colic ], ३ बृहदन्त्र शोथ [ Colitis ], ४ मलबन्ध, बद्धकोष्ठ [Constipation],

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



५ अतिसार [ Diarrhoea ], ६ प्रवाहिका [ Dysentery ], ७ वमन [ Vomiting ], ८ कृमि [ Worms ], ६ कास [Bronchitis ], १० प्रतिश्याय [ Colds ], ११ कृच्छ्र श्वसन [ Croup ], १२ वर्धित उपजिह्विका तथा गल शुण्डिका [Enlarged tonsils and adenoids ], १३ हृद्रोग [ Heart disease ], १४ कर्णमूलिक ज्वर [ Mumps ], १५ उरस्तोय [ Pleurisy ], १६ फुस्फुस प्रदाह [ Pneumonia ], १७ कुक्कुर खांसी [ Whooping-cough ], १८ विस्फोटिका, लघुमसूरिका [Chicken pox], १९ गलान्तः प्रदाह [ Diphtheria ], २० रोमान्तिका [ Measles ], २१ मस्तिष्कावरणशोथ [ Meningitis ], २२ सन्धिवात ज्वर [ Rheumatic fever ], २३ रक्त ज्वर [ Scarlet fever ], २४ अस्थि शोथ [ Rickets ], २५ बाल यकृत वृद्धि [ Infantile liver ], २६ उदर्द [ Eczema ], २७ दद्रु [ Ringworm ], २८ अङ्ग विक्षेप [ Convulsions ], २९ बालपक्षाघात [Infantile paralysis], ३० अनैच्छिक पेशी विक्षेप (कम्प) [ St. Vitus dance ], ३१ कृमि [Worms], ३२ शय्या-मूत्रण [Bed-wetting], ३३ दन्तोद्भेदः ( teething )

**पाठ्य पुस्तक—**१. मुखाकृति निदान, पं० जनार्दन

२. Philosophy and Practice of Naturopathy by Lindlhar

३. Therapeutics पर भाषण

**षाण्मासिक परीक्षा** — २४ अंक

टि०—उपर्युक्त रोगों के संस्कृत नामकरण का उत्तरदायित्व प्राकृतिक स्वास्थ्य शास्त्रोपाध्याय श्री पं० भवानी प्रसाद जी पर है।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## पञ्चम वर्ष

## १. शल्य तन्त्र ( Surgery )

निम्नलिखित रोगों का निदान ( कारण, लक्षण, सम्प्राप्ति, परीक्षा, साध्यासाध्य ) तथा चिकित्सा—

दो पत्र प्रति ३ घण्टे ७६ अंक

पत्र (क) ३ घण्टे ७६ अंक

### प्रादेशिक शल्य तन्त्र ( Regional Surgery )

१. शिर—( Head )—शिर क्षत ( Scalp wounds ), रक्तार्बुद ( Haematoma ) कपालास्थिभंग ( Fructures of skull ) मस्तिष्ककम्प ( Cerebral concussion ), Cerebral compression, मस्तिष्क क्षोभ ( Cerebral irritation ).

२. पृष्ठ वंश ( Spine )—कशेरुका भङ्ग ( Fractures ), सन्धि भंग ( Dislocation ), कशेरु घुणास्थि ( Spinal caries )

३. मुख तथा ग्रीवा (Face & Neck)—साधारण अभिघात तथा रोग ( Cysts of the neck, cut throat, goitre ).

४. कण्ठ तथा वक्षस् ( Larynx & Chest )—कण्ठ नाली छेद ( Tracheotomy ), कण्ठ शल्य ( Foreign bodies in the air passages ) बहिर्वक्षस् तथा अन्तर्वक्षस् क्षत ( Wounds of parieties and thoracic viscera ), उरः पूय ( Empyaema ).

५. स्तन ( Breast )—स्तन ग्रन्थि वृद्धि ( Galactocele ) स्तन ग्रन्थि शोथ ( Mastitis ) स्तनविद्रधि ( Abscess ), स्तनार्बुद ( Tumours ).

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



६. मुख ( Mouth )—दन्त मांस शोथ या दन्त पुप्पुट (Gingivitis ), दन्तविद्रधि (Dental abscess), ओष्ठ दारी (Cracked lip), ओष्ठ कैन्सर (Lipepiltelioma) हन्वस्थि का निर्जीवव्रण (Necrosis of the jaw), ऊर्ध्व हन्वर्बुद ( Osteosarcoma of the upper jaw ) जिह्वा शोथ ( Glossitis ) जिह्वाघातक अर्बुद ( Tongue cancer ), शुण्डिका विद्रधि ( Peritonsillar abscess & quinsy ), तालुच्छिद्र ( Perforation of the palate ), अन्न वाहिनी संकोच ( Oesophagial Stricture ).

७. नासिका ( Nose )—नासांकुर ( Nasal polypi.), नासाफलक भ्रन्श ( Deflected septum ), शुक्तिकास्थि वृद्धि ( Enlargement of the turbinates ).

८. कर्ण ( Ear )—कर्ण गूथ ( Wax in the ear ), कर्णशल्य ( Foreign bodies in the ear ), बहिः कर्ण शोथ ( Ottitis external ), पटह्दारी ( Rupture of the tympanic membrane ), मध्यकर्ण शोथ ( Ottitis media ), कर्णपश्चिम विद्रधि ( Mastoid abscess ), कर्ण बाधिर्य ( Deafness ).

पत्र ( ख ) ३ घण्टा ७६ अंक

१. कोष्ठ ( Abdomen )—बहिः कोष्ठ क्षत ( Contusions of parieties ).

i यकृत ( Liver )—यकृत विद्रधि ( Abscess ), घातक अर्बुद ( Cancer ), पित्ताश्मरी ( Gallstone ).

ii आमाशय ( Stomach )—अधोमहाप्राचीर विद्रधि ( Subphrenic abscess ).

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



iii अन्त्र (Intestine)—बद्धोदर (Obstruction), अन्त्र परिशिष्टशोथ तथा विद्रधि (Appendicitis), अन्त्रवृद्धि (Hernia).

iv गुदा तथा गुद द्वार (Rectum & anus)—व्रण (Ulcer), गुदांकुर (Polypi), घातक व्रण (Cancer), गुदबन्ध (Stricture), गुदभ्रंश (Prolapse), अर्श (Piles), गुदविद्रधि (Rectal abscess), भगन्दर (Anal fistula), गुददारी (Fissures).

v वृक्क तथा मूत्राशय (Kidneys & Bladder)—वृक्क पाक (Pyonephrosis), वृक्क वृद्धि (Hydronephrosis), वृक्क भ्रंश (Floating kidney), बस्तिशोथ या बस्तिकुण्डल (Cystitis), मूत्राश्मरी (Cystiostone), मूत्रग्रन्थि (Cystic tumour), अष्ठीला वृद्धि (Prostatic enlargement). मूत्र रोध या मूत्र जठर (Retention of urine).

vi शिश्न तथा अण्डकोष (Penis & Scrotum)—शिश्न मुण्ड शोथ (Balanitis), मूत्रकृच्छ्र (Stricture), अण्डशोथ (Orchitis), उपाण्ड शोथ (Epididymitis), अण्डार्बुद (Testicular tumours), अण्डकोश वृद्धि (Hydrocele).

पत्र (ग) क्रियात्मक ७६ अङ्क

क्रियात्मक शल्यतन्त्र (Practical Surgery)

चतुर्दश श्रेणी के समान

१. मुख्य २ शस्त्रों का ज्ञान, २. प्रधान कर्म ।

| | | |
|---|---|---|
| षाण्मासिक परीक्षा | वर्णनात्मक | ४८ अङ्क |
| ,, ,, | क्रियात्मक | २४ अङ्क |

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



पाठ्य पुस्तक—I. Mitra's-Surgery II. Gwynne william's Minor Surgery. III. मुकुन्दस्वरूप वर्मा शल्यक्रिया विज्ञान

सहायक पुस्तक

(iii) Rose and Carless Surgery.
(iv) Logan Turner Ear-nose and throat.
(v) May and Worth Eye-Diseases.
(vi) Cathcart Minor surgery.

## २. सुश्रुत संहिता

एक पत्र — ३ घण्टे ७६ अंक

पत्र (क) — १॥ घण्टा ३८ अंक

सुश्रुत सूत्र स्थान

पत्र (ख) — १॥ घण्टा ३८ अंक

सुश्रुत चिकित्सा स्थान के शल्य संबंधी अध्याय तथा उत्तर तत्र के प्रथम २४ शालाक्य संबंधी अध्याय

क्रियात्मक चिकित्सा — ३८ अंक

षाण्मासिक तथा वर्णनात्मक परीक्षा — २४ अङ्क

,, ,, क्रियात्मक — १२ अङ्क

## १. पाश्चात्य चिकित्सा (Western Medicine

एक पत्र — ३ घण्टे ७६ अंक

पत्र (क) — १॥ घण्टा ३८ अंक

1. Infectious diseases.—Pneumonia, Meningitis, Cholera, Tuberculosis, Leprosy, Influenza,

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



Whooping cough, Small pox, Measles, Chicken pox, Rheumatism, Dengue, Hydrophobia.

2. Diseases of respiratory system—Bronchitis, Bronchiectasis, Asthma, Haemoptysis, Broncho-pneumonia, Pleurisy, Empyema, Pneumo thorax, Emphesema.

3. Diseases due to Metazoa–Taeniasis, Filariasis, Ascariasis, Ancylostomiasis.

पत्र ( ख ) १॥ घण्टा ३८ अंक

1. Diseases of the Urinary system—Nephritis, Uraemia, Renal calculi, Renal colic, Albuminurea, Haematuria.

2. Diseases of the Nervous system-Meningitis, Epilepsy, Chorea, Migraine, Neurasthenia, Tetany, Cerebral Haemorhage, Embolism, Thrombosis, Hemiplegia, Paraplegia, Sciatica, Trigeminal Neuralgia, Coma.

3. Diseases of metabolism—Acidaemia, Alkalaemia, Diabetes mellitis, Gout.

4. Diseases of Endocrine glands—Addisons disease, Myxoedema, Cretinism, Goitre, Acromegaly, Diabetes insipidus.

**पाठ्य पुस्तक**—जैक एण्ड व्हीलर हैण्ड बुक ओफ मैडीसन ।

क्रियात्मक परीक्षा ३८ अंक

[ ८ अंक चार्ट के लिए ]

पाण्मासिक परीक्षा २४ अंक

" क्रियात्मक १२ अंक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



# ४. प्रसूति स्त्री बाल रोग

एक पत्र — ३ घण्टे ७६ अंक

पत्र ( क ) — १॥ घण्टा ३८ अंक

## प्रसूतिशास्त्रं

ज्ञेयांशाः—

(१) प्रसूतिशारीरम्, रजोदर्शनम्, ऋतुकालः, गर्भाधानविधिश्च ।

(२) गर्भस्वरूपम्, गर्भावक्रान्तिः, गर्भाभिवृद्धिः गर्भस्य प्रातिमासिको विकासक्रमः, अङ्गानां पूर्वाभिनिर्वृत्तौ मतमतान्तराणि च ।

(३) गर्भिणीचर्या, पुंसवनविधिः, दौहृदञ्च ।

(४) गर्भिणीशरीरगतं परिवर्त्तनम् गर्भलक्षणानि गर्भविनिश्चयस्य लिङ्गविनिर्णयसहितः ।

(५) प्रसवः, प्रसवकालः, प्रसवहेतुः, आसन्नप्रसवाया लक्षणानि, प्रसवस्य अवस्थात्रयम्, प्रसवप्रबन्धश्च ।

(६) सूतिकाकालः, सूतिकापरिचर्या, नवजातसङ्गोपनञ्च ।

(७) गर्भावस्थाव्यापदः—गर्भविच्युतिः, लीनगर्भः गर्भशोषः, उपविष्टक नागोदरी, छर्दिविबन्धार्शः शोफज्वरातीसार पाण्डुप्रभृतयो-रुजश्च सप्रतिकाराः । अन्तर्मृतशिशोर्लक्षणानि तच्चिकित्सा च ।

(८) प्रसवव्यापदः—गर्भसङ्गः, मूढगर्भः, कालातीतस्थायीगर्भः अचिरजातः, अनेकगर्भः, अपराया अपतनम्, योनिभ्रंशादिकम्, तेषाञ्चिकित्सा विषयः । वियोन्याकृतयो गर्भाश्च ।

(९) प्रसूतिकाव्यापदः—सूतिकाज्वर—मक्कल—स्तनरोगप्रभृतयः सचिकित्सिताः ।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



(१०) प्रसूतिशल्यकर्माणि—जीवद्गर्भनिर्हरणम्, मृतगर्भनिर्हरणम्, मृतमातृकगर्भनिर्हरणञ्च हतगर्भं शल्याया उपचारविधिसहितम्।

पत्र ( ख ) १।। घण्टा ३८ अंक

## स्त्रीरोगविज्ञानम्

(१) तत्र आर्तवविकारेषु—रजःक्षय—रजोवृद्धि—दुष्टार्त्तवा—असृग्दर—प्रदर—विशेषाः सोपक्रमाः।

(२) वस्तिविकारेषु—सोमरोगः सचिकित्सितः।

(३) गर्भाशययोनिरोगेषु—विंशतिर्योनिव्यापदः, योनिकन्दः योन्यर्शः, वन्ध्यात्वम्, रक्तगुल्मश्च चिकित्साविधि सहिताः।

(४) विशिष्टरोगेषु—योषापस्मार—फिरंगोपदंशप्रभृतयः समधिकाराः।

## कौमारभृत्यम्।

क्रमांशाः—प्रसवोत्तरं शिशोः पालनविधिः, धात्रीपरीक्षा, स्तन्यपरीक्षा, स्तन्यशोधनवर्धनोपायाः, स्तन्याभावे शिशोः पथ्यविधिः। शिशूनां रोगास्तत्प्रतीकारश्च।

चरक शारीर ३, ४, ८ अध्याय।

सुश्रुत शारीर २, ३, १० अध्याय।

योगरत्नाकर—स्त्री रोग बाल रोग प्रकरण।

षाण्मासिक परीक्षा २४ अङ्क

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



# ५. नवीन प्रसूतितन्त्र तथा स्त्री रोग
## ( Midwifery & Gynaecology )

एक पत्र ३ घण्टे ७६ अङ्क

पत्र ( क ) १॥ घण्टा ३८ अङ्क

### Normal Midwifery

१. श्रोणि गुहा के भिन्न व्यास ( Diameters ), भाग ( Planes ), तथा अक्ष ( Axis ).

२. गर्भावस्था—गर्भ लक्षण, गर्भावस्था की परीक्षा, गर्भिणी परिचर्या ( Management ).

३. साधारण प्रसूति (Normal Labour) का वर्णन, लक्षण, प्रक्रिया तथा परिचर्या ।

४. साधारण प्रसूति काल ( Normal puerperium )—प्रसूति काल का वर्णन तथा परिचर्या ।

### Abnormal Midwifery

१. गर्भावस्था के रोग ( Disorders of pregnancy )—वमन, अल्ब्यूमन मेह, रक्त स्राव, गर्भपात, बहिर्गर्भस्थिति तथा गर्भाशय रोग ।

२. कष्ट प्रसूति ( Malpresentation )

३. विषम प्रसूति—( Antepartum Haemorrhage ), अमरावरोध ( Placenta praevia ), नाल भ्रंश, प्रसवोत्तर रक्त स्राव, अनागत अमरा ( Retained placenta ).

४. असाधारण प्रसूति काल—कृमि संक्रमण, विष संचार, जीवाणु संचार, प्रसूतिकालिक उन्माद ।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



पत्र (ख) १॥ घण्टा ३८ अंक

स्त्री रोग [ Gynaecology )

शल्यतन्त्र सम्बन्धा रोग [ Surgical Gynaecology ]

१ आर्तव तथा तत्सम्बन्धी रोग—नष्टार्तव, कष्टार्तव, अत्यार्तव, रक्तप्रदर, श्वेतप्रदर।

२ भग—भग शोथ, भग कण्डु।

३ योनि—योनिशोथ, योनिस्तम्भ।

४ गर्भाशय—मुख बन्ध, गर्भाशय भ्रंश, गर्भाशय शोथ, अर्बुद,

५ बीज स्रोतस—बीज स्रोतस् शोथ, बीज कोप शोथ, बीज कोप ग्रन्थियां।

६.श्रोणि—Pelvic peritonitis, Cellulitis

षाण्मासिक परीक्षा २४ अंक

पाठ्य पुस्तकें—

१ डा० रामदयाल—प्रसूतितन्त्र

२ Hermans Hand book of Gynaecology.

## ६. बाल तन्त्र

एक पत्र ३ घण्टे ७६ अंक

पत्र (क) १॥ घण्टा ३८ अंक

शिशुपालन ( Management of Children )

१. प्रसव के पश्चात् शिशु का प्रारम्भिक उपचार, २. वृद्धि, ३. भोजन स्तन्य परीक्षा, स्तन्य शोधन, स्तन्य वर्धन, स्तन्य के अभाव में शिशु पथ्य विधि, Vitamins तथा avitaminosis, जलन्यूनता के परिणाम, ४. दन्तोत्पत्ति तथा तत्सम्बन्धी परिचर्या, ५. शिशु स्वास्थ्यरक्षा के सामान्य

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



नियम, ६. बाल परीक्षा, ७. बालमनोविज्ञान—Neoropathic child, mental deficiencies, disturbed sleep, night terror, stammering ८. नवजात बालक की निम्न अवस्थाओं का उपचार—asphyxia, anaemia, mastitis, haemorhages, ophthalmia neonatorum. ९. बालकों की चिकित्सा की सामान्य विधियां।

पत्र ( ख ) २॥ घंटा ३८ अङ्क

बाल रोग ( Diseases of Children )

1. ज्वर—Smallpox, Measles, Typhoid, Malaria, Mumps, Rheumatic.

2. Gesto-Intestinal—Stomatitis, Tonsilitis, Constipation, Vomiting, Diarrhoea, Intestinal worms, Jaundice, Colic, Flatulence, Infantile liver.

3. Respiratory—Bronchitis, Pneumonia, Gyspram, Whooping cough.

4. Nervous—Convulsions, Infantile Paralysis, Chorea.

5. General—Congenital Syphilis, Coeliac Disease, Marasmus.

पाठ्य पुस्तक—Brich's management of children in India.

षाण्मासिक परीक्षा २४ अङ्क

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## ७. Jurisprudence & Toxicology

एक पत्र — ३ घण्टे ७५ अङ्क

पत्र (क) — १॥ घण्टा ३८ अङ्क

### Jurisprudence.

I. Definition, police, inquest, difficulties in detection of crimes, subpoena, oath medical evidence, medical certificates, Dying Declaration. Rules of giving evidence, Professional secrets.

II. Personal Identification, Definition, Age, Race, Sex, Colour etc. etc.

III. Postmortem Examination.

IV. Examination of Blood and seminal stains

V. Death in its medicolegal Aspect. Modes of death, Singns of death, Postmortem changes of the body.

VI. Death from Asphyxia, Hanging, Strangulation, Difference between hanging and strangulation, sffocation, drowning.

VII Death from starvation, cold and heat.

VIII. Death from burn and scalds, Lightning and Electricity.

IX. Injuries and wounds and their medicolegal aspects.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



X. Impotency and sterility.

XI. Virginity, Pregnancy and Delivery.

XII. Legitimacy.

XIII. Rape and unnatural offences.

XIV. Miscarriage and Foeticide.

XV. Infanticide.

XVI. Insanity and its medicolegal aspects.

XVII. Law in relation to a medical man.

पत्र ( ख ) १॥ घण्टा ३८ अङ्क

## Toxicology.

I. Definition, law relating to poisons, sale of poisons, errors in dosage of poisons in prescriptions. Classification of poisons, modes of administering poisons, channels of elimination, causes modifying the actions of poisons. Diagnosis of poisoning, Duties of medical men in cases of suspected poisoning, Treatment in a case of poisoning.

II. Corrosive poisons—Nitric acid, Hydrochloric acid, Sulphuric acid, Oxalic acid, Carbolic acid, Ammonia, Caustic potash, Caustic soda.

III. Irritant poisons—Phosphorus, Arsenic, Mercury, Lead (Nag), Antimony (Nilanjan), Copper, Zinc (Yashad).

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



.V. Irritant poisons (Vegetable), Erand (Castor seeds), Jamalgota ( Coroton seeds ), Indrayan (Colocynth), Ergot, Gumchi, Chitrak.

V. Irritant poisons ( Animal )—Canthrides, Snake-Venum.

VI. Mechanical poisons—powdered glass.

VII. Neurotic poisons—Opium, Alchohol, Chloroform, Chloral Hydrate, Petroleum, Dhatura, Belladonna, Cocaine, Bhang, Kuchla, Tobacco, Digitalis, Oleander, Aconite Hydrocyanic Acid, Carbon-dioxide, Carbon monoxide.

पाठ्य पुस्तक—Dass—Jurisprudence and Toxicology.

पाण्मासिक परीक्षा २४ अङ्क

## वेद

### प्रथम वर्ष

एक पत्र ३ घंटे ७६ अङ्क

१ ऋग्वेद ३०० मन्त्र

२ प्रश्न तथा माण्डूक्य उपनिषद

पाण्मासिक परीक्षा २४ अंक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## द्वितीय वर्ष

एक पत्र ३ घण्टे ७६ अंक

१ ऋग्वेद ३०० मन्त्र

२ छान्दोग्य तथा बृहदारण्यक उपनिषद् [ कठिन स्थल छोड़कर ]

षाण्मासिक परीक्षा २४ अंक

## तृतीय वर्ष

एक पत्र ३ घण्टे ६५ अङ्क

अथर्ववेद १ से १० काण्ड ६०० मन्त्र

षाण्मासिक परीक्षा ३० अङ्क

## चतुर्थ वर्ष

एक पत्र ३ घण्टे ६५ अङ्क

अथर्ववेद ११ से २० काण्ड ६०० मन्त्र

षाण्मासिक परीक्षा ३० अङ्क

# परिशिष्ट

## होम्योपैथी विषय की प्रस्तावित पाठविधि

१. Clinical methods विषय को ३य वर्ष से हटाकर ४र्थ वर्ष में कर दिया जाए।

२. ३य वर्ष में ६ अन्तर प्रति सप्ताह दिये जाएं। [ जो विद्यार्थी पाश्चात्य चिकित्सा के विकल्प में होम्योपैथी लें ]।

३. ४र्थ तथा ५म वर्षों में होम्योपैथी विषय को Western Medicine ( पाश्चात्य चिकित्सा ) के साथ विकल्प में कर दिया जाए।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



४. जो रोग आयुर्वेद में नहीं आए तथा पाश्चात्य चिकित्सा में आए हैं उन पर होम्योपैथी पढ़ने वाले विद्यार्थियों को व्याख्यान दे दिये जाएं जिसके लिए ४र्थ अथवा ५म वर्ष में प्रति सप्ताह २ अन्तर दिये जावें। शेष ४ अन्तर प्रति सप्ताह होम्योपैथी को दिये जाएं।

५. पाठविधि निम्न प्रकार हो—

3rd Year. Class

एक पत्र ३ घण्टे ७६ अङ्क

6 Periods per week

पत्र (क) १॥ घंटा ३८ अङ्क

Homoeopathic Philosophy.

Text Books. 1. Organon of Medicine by Dr. Hahnemann ( first Half ).

2. Lectures on Homoeopathic Philosophy by J.T. Kent (first half)

पत्र (ख) १॥ घंटा ३८ अङ्क

Materia Medica.

Text Books. 1. Lectures on Homoeopathic Materia Medica by Kent (first half).

2. Clinical Materia Medica by E.A. Farrington (first half).

पाण्मासिक परीक्षा २४ अङ्क

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## Fourth Year Class.

6 Periods per week एक पत्र ३ घंटे ७६ अङ्क

पत्र (क) १॥ घंटा ३८ अंक

### Homoeopathic Philosophy.

Text Books. 1. Organon of Medicine. ( Second half ).

2. Kent lectures on Homoeopathic Philosophy ( Second half ).

पत्र (ख) १॥ घंटा ३८ अंक

### Materia Medica.

Text Books. 1. Lectures on Homoeopathic Materia Medica by Kent ( Second half ).

2. Clinical Materia Medica Farrington ( Second half ).

( Practical in place of Western Medicine 38 Marks)

Help Book Pocket Manual of Homoeopathic Materia Medica and Repertory by W. Boericke ).

पाण्मासिक परीक्षा वर्णनात्मक २४ अङ्क

" " क्रियात्मक १२ अंक

List of Books suggested for self study in 3rd and 4th year classes.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



1. Lesser writings by J. T. Kent ( in the book Kents—New Remedies ).
2. The Chronic Diseases and their Peculiar Nature by Dr. S. Hahnemann.
3. Leaders in Homoeopathic Therapeutics by E. B. Nash.
4. Key notes of Leading Remedies by H. C. Allen.
5. Cowperthwaite-Materia medica.

Fifth year Class.

4 Periods per week    एक पत्र    ३ घंटे ७६ अंक

पत्र (क)    १॥ घंटा ३८ अंक

Therapeutics.

Text Book Practical Homoeopathic Therapeutics by W. A. Dewey.

पत्र (ख)    १॥ घंटा ३८ अंक

Obstetrics and Diseases of Children by H. N. Guernsey.

PRACTICAL IN PLACE OF WESTERN MEDICINE.

Book suggested Pocket Manual of Homoeopathic Materia Medica and Repertory by William Boericke M. D.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



Books suggested for self study:—

1. The Therapeutics of Fever by Dr. Allen.
2. Essentials of the Diseases of the Eye by A. B. Norton.
3. Leaders in Typhoid by Dr. E.B. Nash.

| | |
|---|---|
| षाण्मासिक परीक्षा | ३८ अंक |
| ,, क्रियात्मक | १२ अङ्क |

---

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मुद्रक—गुरुकुल यन्त्रालय गुरुकुल कांगड़ी ।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

❀ ओ३म् ❀

# पाठ-विधि

## मध्य विभाग

सम्वत् १९९८

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

# गुरुकुल विद्यालय (मध्य विभाग)
## की पाठविधि

### षष्ठ श्रेणी

व्याकरण—आख्यातिक ( गुरुकुल मुद्रित में से चुने हुवे धातु )
१ पत्र ७५ अङ्क

सं० साहित्य—(क) १. पंचतन्त्र २ भाग
२. नीतिशतक } क पत्र ६५ अंक
(ख) अनुवाद, कथा, लेखन, शीघ्र लेखन | ख पत्र ६५ अंक
(ग) मौखिक | ग पत्र २० अंक

गणित— (क) अंकगणित—अनुपात, समानुपात, दशमलव भिन्नें (आवर्त दशमलव छोड़कर) वर्गमूल आयतों तथा चार भित्तियों के क्षेत्रफल } क पत्र ७५ अंक

(ख) जिह्वाग्र गणित—१. तोलों का मोल रुपयों में देकर माशों रत्तियों का मोल जानना ।
२. २०० तक अंकों का वर्ग और इन्हीं में से किन्हीं दो अंकों के वर्गों का अन्तर
३. उत्पादकों द्वारा राशियों के वर्ग-मूल, महत्तम समापर्तक तथा लघुतम समापवर्त्य निकालना
४. भिन्नों का सरल करना
५. अनुपात समानुपात के सरल प्रश्न
(ग) ज्यामिति (तेजरामकृत) १म भाग

| ख पत्र २५ अंक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



पदार्थ विद्या—भौतिकी—विज्ञान प्रवेशिका १म भाग

आंगलभाषा—(क) Nelson Reader 1 सम्पूर्ण क पत्र ६५ अंक

(ख) 1. Practical English-Grammar Part I by L. Ramlal

2. अनुवाद—Modern English Translation Composition & Grammar Book I (Gupta Brothers & Co. Khurja U. P)

3. सुलेख-Official Copybook No:3

ख पत्र ६५ अंक

(ग) मौखिक ग पत्र १० अंक

धर्मशिक्षा—१. शान्ति प्रकरण मन्त्रार्थ १ पत्र ५० अंक

२. सन्ध्योपासना पं० सातवलेकर जी कृत विस्तार से

आर्यभाषा—१. भारत भारती

२. सुलेख

३. प्रस्ताव १ पत्र ५० अंक

साधारण ज्ञान—क. भारतवर्ष का इतिहास १म भाग

डा० ईश्वरीप्रसाद कृत अथवा क पत्र २५ अङ्क

भारतवर्ष का इतिहास पं० सत्यकेतु जी कृत

ख भूगोल—एशिया महाद्वीप ख पत्र २५ अङ्क

ग. आलेख्य-(a) Free hand drawing

(b) Geometrical drawing—Dividing straight lines, Erection of perpendiculars etc. Inscribed and excribed figures etc. Decoration of spaces etc.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



(c) Colour work (in pastel only) colour charts. Mass drawing in pencil of common objects—same in pastel.

(d) Designs— Principles of design. Stencil. Lettering.

ग पत्र २५ अङ्क

## ७म श्रेणी

व्याकरण—क. काशिका १म, २य अध्याय (सूत्रार्थ, उदाहरण सिद्धि सहित, स्वर वैदिक सूत्र छोडकर) क पत्र ५० अंक

ख. काशिका—३य ४र्थ अध्याय के १म पाद के ७८ सूत्रों तक सूत्रार्थ उदाहरण सिद्धि सहित ख पत्र ६५ अंक

सं० साहित्य—क. संस्कृत साहित्य बिन्दु प्रथम भाग में से

(i) रघुवंश प्रथम द्वितीय सर्ग

वर्षावर्णनम् पृष्ठ ११
हेमन्त वर्णनम् पृष्ठ १६
बुद्ध वैराग्यम् पृष्ठ १४६

(ii) वेणीसंहार—१म, ३य अङ्क क पत्र ६५अंक

ख. अनुवाद कथा लेखन आदि ख पत्र ६५ अंक

ग. मौखिक ग पत्र २० अंक

पदार्थ विद्या—भौतिकी-विज्ञान प्रवेशिका २य भाग

गणित—क. अंकगणित से—सरल ब्याज की आवृत्ति, चक्रवृद्धि ब्याज, कार्य सम्बन्धी प्रश्न, व्यवहार गणित, साझा, समय, चाल दूरी के प्रश्न, मध्यता } क पत्र ६५ अंक

ख. रेखागणित—सरल रेखागणित तेजराम कृत १म तथा द्वितीय भाग ख पत्र ६०अंक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



ग. जिह्वाग्र गणित—सामान्य गुर, भिन्न तथा दशमलव के प्रश्न सरल व्यवहार के प्रश्न, ज्यामिति के सरल प्रश्न ( जो ख पत्र के पाठ्य पुस्तक में पढ़े हों ) ग पत्र २५ अंक

आंगलभाषा—क. Nelson Reader II सम्पूर्ण क पत्र ६५ अंक

ख. 1. Practical English Grammar Part II by L. RamLal

2. अनुवाद—Modern English Translation Composition & Grammar book II ( Gupta Brothers & Co. Khurja )

3. सुलेख Official Copy book No. 4, 5

ख पत्र ६५ अंक

ग, मौखिक ग पत्र २० अंक

धर्मशिक्षा—१. यम नियमों में निबन्ध

२. ब्रह्मचर्य पं० सातवलेकर जी कृत केवल मन्त्रार्थ

३. हवन मन्त्रार्थ १ पत्र ५० अंक

आर्यभाषा—१. चरित्र संगठन २. रामायण सुन्दर काण्ड

३. भाषा भास्कर ( पूर्वार्ध )

४. शीघ्र लेख, सुलेख, प्रस्ताव १ पत्र ५० अङ्क

साधारण ज्ञान—क. इतिहास—भारतवर्ष का इतिहास डा० ईश्वरीप्रसाद कृत २य भाग

अथवा, भारतवर्ष का इतिहास पं० सत्यकेतु जी कृत मुस्लिम काल क पत्र ५० अङ्क

ख. भूगोल—आस्ट्रेलिया, अफ्रीका, दक्षिणी अमरीका ख पत्र २५ अङ्क

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



ग. आलेख्य—(a) Free hand drawing (b) Colour work ( Brush also in pastels )—Colour charts. Brush strokes. Object drawing in brush. Light and shades. Geometrical pattern. (c) Design-Principles of Radiation etc. Oval and circle contrasts. Natural and conventional figures. Borders Lettering. ग पत्र २५ अंक

## ८म श्रेणी

व्याकरण— काशिका उत्तरार्ध ( सूत्रार्थ, उदाहरण सिद्धि सहित )

क. ५म, ६ष्ठ अध्याय पांचवें अध्याय में तद्धित प्रक्रिया छोड़कर क पत्र ५० अंक

ख. ७म, ८म अध्याय वैदिक प्रक्रिया छोड़कर और स्वर प्रक्रिया छोड़कर, ख पत्र ५० अंक

सं० साहित्य—

क. १—शिवराज विजय (पूर्वार्ध)

२—संस्कृत साहित्य बिन्दु प्रथम भाग में से

(i) अभिज्ञान शाकुन्तलम्

(ii) रघुवंश के ३य-४र्थ-५म सर्ग

क पत्र ६५ अंक

ख. अनुवाद, प्रस्त व, (संख्या में ३०) ख पत्र ६५ अंक

ग. मौखिक ग पत्र २० अंक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



गणित—क. १. अङ्क गणित–हानि लाभ, तत्काल धन, मिति-काटा, समानुपाती भागों में विभाग मिश्र-गणित
२. बीजगणित–नवीन स्कूल बीजगणित आनन्द स्वरूप सिन्हा कृत उदाहरण माला ३६ तक } क पत्र ७५ अं

ख. रेखागणित—सरल रेखागणित ३य भाग तेजराम कृत — ख पत्र ७५ अङ्क

पदार्थ विद्या—१. चुम्बक तथा विद्युत
२. रसायन, अधातुओं का भाग ( लिखित पाठ-विधि के अनुसार ) — १ पत्र ७५ अङ्क

आंगलभाषा—क. Nelson Reader III सम्पूर्ण — क पत्र ६५ अङ्क

ख. 1. Practical English grammar Part III by L. Ram Lal
2. अनुवाद—Modern English Translation, Composition & Grammar Book III (Gupta Brothers Khurja)
3. Letter writing
4. सुलेख–Official Copy book No. 6, 7 — ख पत्र ६५ अ

ग. मौखिक — ग पत्र २० अङ्क

धर्म शिक्षा—१. सत्यार्थ प्रकाश पहले ५ समुल्लास — १ पत्र ५० अङ्क

आर्य भाषा—१. मुद्राराक्षस ( हिन्दी ) २. रामायण किष्किन्धा काण्ड
३. भाषा भास्कर ( उत्तरार्ध )
४. शीघ्र लेख, सुलेख, प्रस्ताव — १ पत्र ५० अङ्क

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



साधारण ज्ञान— १. इतिहास–भारतवर्ष का इतिहास डा० ईश्वरीप्रसाद कृत ३य भाग — क पत्र ५० अङ्क

२. भूगोल–योरुप, उत्तरीय अमरीका — ख पत्र २५ अङ्क

३. आलेख्य (a) Free-hand Drawing. Leaves and house-hold things etc.

(b) (Colour work Brush also in pastel)-objects in brush. Colour harmonies and Contrast and such elementary lessons.

(c) Design–Lettering. Stencil decoration. Designs of wood work models.

ग पत्र २५ अंक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

❀ ओ३म् ❀

# पाठविधि

वेद तथा साधारण महाविद्यालय

66
146

20022
2.1.2001

सम्वत् १९९५

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

# पाठविधि

वेद तथा गुरुकुल महाविद्यालय

सम्वत् १९९५

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

# वेद तथा गुरुकुल महाविद्यालय

## विषय सूची


| संख्या | विषय | श्रेणी | पृष्ठ संख्य |
|---|---|---|---|
| १ | वेद | ११ | १ |
| २ | " | १२ | २ |
| ३ | " | १३ | ३ |
| ४ | " | १४ | ४ |
| ५ | दर्शन | ११ | ४० |
| ६ | " | १२ | ५० |
| ७ | " | १३ | ५ |
| ८ | " | १४ | ६ |
| ९ | संस्कृत | ११ | ६ |
| १० | " | १२ | = |
| ११ | " | १३ | ८ |
| १२ | " | १४ | ९ |
| १३ | व्याकरण | ११ | १० |
| १४ | " | १२ | १० |
| १५ | " | १३ | ११ |
| १६ | " | १४ | ११ |
| १७ | आंगल भाषा | ११ | ११ |
| १८ | " | १२ | १२ |
| १९ | " | १३ | १३ |
| २० | " | १४ | १५ |


CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



| सं० | विषय | श्रेणी | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|---|
| २१ | इतिहास | ११ | १६ |
| २२ | ” | १२ | १६ |
| २३ | ” | १३ | १७ |
| २४ | ” | १४ | १७ |
| २५ | पाश्चात्य दर्शन | ११ | १९ |
| २६ | ” | १२ | १९ |
| २७ | ” | १३ | २० |
| २८ | ” | १४ | २० |
| २९ | अर्थशास्त्र | ११ | २१ |
| ३० | ” | १२ | २२ |
| ३१ | ” | १३ | २४ |
| ३२ | ” | १४ | २५ |
| ३३ | रसायन | ११ | २७ |
| ३४ | ” | १२ | २९ |
| ३५ | ” | १३ | ३० |
| ३६ | ” | १४ | ३१ |
| ३७ | आर्य सिद्धान्त | ११ | ३३ |
| ३८ | ” | १२ | ३३ |
| ३९ | ” | १३ | ३४ |
| ४० | ” | १४ | ३५ |
| ४१ | आर्य भाषा | ११ | ३५ |
| ४२ | ” | १२ | ३६ |
| ४३ | ” | १३ | ३८ |
| ४४ | ” | १४ | ३९ |


CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

❀ ओ३म् ❀

# भूमिका

## वेद महाविद्यालय

१. वेदों के प्रचारक तथा तद्विषयक सुलेखक विद्वान् उत्पन्न करने के लिये इस महाविद्यालय की स्थापना की गई है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये पाठ्यक्रम इस प्रकार बनाया गया है।

(क) गुरुकुल महाविद्यालय में जो वैदिक साहित्य का भाग रक्खा गया है उसके अतिरिक्त वैदिक प्रक्रिया, प्रातिशाख्य, भाषाविज्ञान, ज्योतिष आदि इसमें और रक्खे गये हैं।

दोनों महाविद्यालयों में वैशेषिक, न्याय, सांख्य, योग, वेदान्त आदि दर्शनों के परिज्ञान करवाने के अतिरिक्त कुसुमाञ्जलि भी पढ़ाई जाती है तथा निम्न सात दर्शनों का साधारण

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



ज्ञान भी करवाया जाता है:—चार्वाक, बौद्ध, अर्हत, पूर्णप्रज्ञ, पाशुपत, शैव, प्रत्यभिज्ञा।

(ख) दोनों महाविद्यालयों में तीसरा विषय संस्कृत साहित्य रक्खा गया है। संस्कृत भाषा में व्याख्यान देने की शक्ति को विकसित करने के लिये विशेष ध्यान दिया जाता है। इस विषय के साथ दूसरा विकल्प विषय व्याकरण है। (इस विषय का विकल्प केवल वेद महाविद्यालय में ही है।) इन दोनों विषयों में से विद्यार्थी को कोई सा एक विषय लेना होता है। व्याकरण विषय में महाभाष्य रखा गया है।

(ग) इस महाविद्यालय में भी अंग्रेजी साहित्य पृथक् विषय रखा गया है।

(घ) इस महाविद्यालय में विशेष रूप से आर्यसिद्धान्त पढ़ाया जाता है। इससे विद्यार्थियों को संसार के भिन्न २ धर्मों के विषय में तुलनात्मक ज्ञान हो जाता है। साथ ही ईश्वरवाद के समर्थन तथा अनीश्वरवाद के खण्डन सम्बन्धी पुस्तकें और धार्मिक अनुभवों की भिन्नता संबन्धी साहित्य भी पढ़ाया जाता है।

(ङ) उपर्युक्त विषयों के अतिरिक्त निम्नलिखित ४ विकल्प विषय हैं, जिन में से कोई सा एक विषय, विद्यार्थी चुन सकते हैं।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



( १ ) इतिहास ( २ ) पाश्चात्यदर्शन ( ३ ) अर्थशास्त्र ( ४ ) रसायन ।

इस प्रकार प्रत्येक विद्यार्थी को ६ विषय पढ़ने आवश्यक हैं । ( १ ) वैदिक साहित्य ( २ ) दर्शन ( ३ ) संस्कृत साहित्य या व्याकरण ( ४ ) आर्यसिद्धान्त ( ५ ) आंगलभाषा ( ६ ) इतिहास, पाश्चात्यदर्शन, अर्थशास्त्र और रसायन, में से कोई सा एक ।

२. शिक्षा के प्रबन्ध की दृष्टि से संस्कृत साहित्य, आंगल-भाषा, रसायन, पाश्चात्यदर्शन, अर्थशास्त्र और इतिहास ये छः विषय साधारण महाविद्यालय के अन्तर्गत हैं अतः इनके शिक्षण का उत्तरदायित्व साधारण महाविद्यालय के अध्यक्ष पर है ।

## गुरुकुल महाविद्यालय

१. इस महाविद्यालय में वैदिक साहित्य ( १ ) दर्शन (२) संस्कृत ( ३ ) आर्यभाषा साहित्य ( ४ ) और आंग्ल साहित्य ( ५ ) ये पांच विषय सबको पढ़ने आवश्यक हैं । इनके अति-रिक्त चार विकल्प विषय हैं, जिनमें से कोई एक विषय विद्यार्थी चुन सकते हैं; ( १ ) इतिहास ( २ ) पाश्चात्यदर्शन ( ३ ) अर्थ-शास्त्र ( ४ ) रसायन ।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



२. शिक्षा के प्रबन्ध की दृष्टि से वैदिक साहित्य और दर्शन, ये दो विषय वेद महाविद्यालय के अन्तर्गत समझे जाते हैं। इनके शिक्षण का उत्तरदायित्व वेद महाविद्यालय के अध्यक्ष पर है।

३. वेद तथा गुरुकुल महाविद्यालय में बाकी सब विषय एक जैसे हैं अन्तर केवल इतना है—

१. वेद महाविद्यालय में वेद (ग) पत्र अधिक है जो गुरुकुल महाविद्यालय में नहीं है।

२. वेद महाविद्यालय में संस्कृत साहित्य के साथ व्याकरण का विकल्प है जो गुरुकुल महाविद्यालय में नहीं है।

३. वेद महाविद्यालय में आर्यसिद्धान्त विषय पढ़ाया जाता है गुरुकुल महाविद्यालय में उसके बदले में आर्यभाषा विषय पढ़ाया जाता है।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

* ओ३म् *

# वेद तथा गुरुकुल महाविद्यालय की

# पाठविधि

## १ वेद तथा वेदांग.

### * प्रथम वर्ष *

पत्र ( क ) — ३ घण्टे ७६ अङ्क

निरुक्त ( पूर्वार्ध )

पत्र ( ख ) — ३ घण्टे ७६ अङ्क

१. ऋग्वेद, ३०० मंत्र

२. प्रश्न तथा माण्डूक्य उपनिषद्

नोट—महाविद्यालय में निम्नलिखित सभी उपनिषदें पढ़ाई जावेंगी परन्तु परीक्षा केवल प्रश्न, माण्डूक्य, वृहदारण्यक और छान्दोग्य में ही होगी—ईश, केन, कठ, प्रश्न, मुण्डक, माण्डूक्य, ऐतरेय, तैतिरीय श्वेताश्वतर, वृहदारण्यक और छान्दोग्य।

पत्र ( ग ) — २ घण्टे ३८ अङ्क

वैदिक व्याकरण तथा स्वर प्रक्रिया,

i. वैदिक प्रकरण — २७ अङ्क

ii. स्वर प्रक्रिया का साधारण स्वर प्रकरण — ७ अङ्क

iii. शेप स्वर प्रकरण — ४ अङ्क

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



पाण्मासिक परीक्षा ( क+ख ) ४८ अङ्क
" " ( ग ) १२ अङ्क

## * द्वितीय वर्ष *

पत्र ( क ) ३ घण्टे ७६ अङ्क
१- निरुक्त ( उत्तरार्ध )

पत्र ( ख ) ३ घण्टे ७६ अङ्क
१, ऋग्वेद—३०० मन्त्र
२. छान्दोग्य, तथा बृहदारण्यक उपनिषद्

पत्र ( ग ) २ घण्टे ३८ अङ्क
ऋक्प्रातिशाख्य के शिक्षा तथा छन्द प्रकरण निम्न स्थल
१. प्रथम पटल—२२ श्लोक तक
२. अष्टम पटल-२१ से ३० श्लोक तक
३. १३ " —सम्पूर्ण
४. १४ " "
५. १६ " "
६. १७ " "
७. १८ " "

पाण्मासिक परीक्षा ( क+ख ) ४८ अङ्क
" " ( ग ) १२ अङ्क

---

टिप्पणी—१. निरुक्त पढ़ाते हुवे स्पष्ट करने के लिये मन्त्र पूरे पढ़ाये जायेंगे किन्तु परीक्षा में प्रतीक रूप से ही पूछा जायगा।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## * तृतीय वर्ष *

पत्र ( क ) ३ घंटे ५७ अङ्क

१. ऋग्वेदादि भाष्यभूमिका— २९ अङ्क

२. सामवेद, १०० मन्त्र— २८ अङ्क

पत्र ( ख ) ३ घंटे ९५ अङ्क

यजुर्वेद १ से १६ अध्याय तक

या

अथर्व वेद १ से १० काण्ड तक ( ६०० मंत्र )

पत्र ( ग ) २ घंटे ३८ अङ्क

भाषाविज्ञान—डा० मंगलदेव कृत

षाण्मासिक परीक्षा ( क + ख ) ४८ अङ्क

,, ,, ( ग ) १२ अङ्क

---

२. छान्दोग्योपनिषद् के प्रथम दो तथा अन्तिम प्रपाठक और कठिन प्रकरण, एवं वृहदारण्यक के कठिन प्रकरण छोड़ दिये जायेंगे।

३. प्रातिशाख्य का केवल विषय ही पूछा जायगा, और विषय समझाने के लिये परीक्षार्थी प्रातिशाख्य के सूत्र लिखें अथवा पाणिनी के दोनों एक से प्रामाणिक समझे जायेंगे।

टिप्पणि—१. वेद पढ़ाते हुए उपाध्याय महोदय वेद मन्त्र का विस्तृत अर्थ लिखते रहेंगे और परीक्षक महोदय उसी कापी के आधार पर अर्थों की परीक्षा लिया करेंगे।

२. वेद महाविद्यालय में वेद के ( ग ) पत्र में ३३% अङ्कों से उत्तीर्ण होना होगा और ( क ) तथा ( ख ) पत्रों के योग में ४० % अङ्क लेने

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## ❀ चतुर्थ वर्ष ❀

पत्र ( क ) ३ घंटे ५७ अङ्क

१. अथर्ववेद ६०० मन्त्र

( या )

१. यजुर्वेद के ३०० मन्त्र—३७ अङ्क

२. वैदिक साहित्य का इतिहास—२० अंक

पत्र ( ख ) ३ घण्टे ६५ अंक

१. यजुर्वेद १७ वें अध्याय से ४० वें अध्याय तक।

( या )

अथर्ववेद, ११ से २० काण्ड तक, ( ६०० मंत्र )

पत्र ( ग ) २ घंटे ३८ अंक

ज्योतिर्विनोद—संपूर्णानन्द

पाण्मासिक परीक्षा ( क + ख ) ४८ अंक

„ „ ( ग ) १२ अंक

---

आवश्यक होंगे। परन्तु वेद ( ग ) में अनुत्तीर्ण होने की अवस्था में केवल इसी पत्र में पुनः परीक्षा होगी

३. वेद का ( ग ) पत्र साधारण महाविद्यालय में नहीं पढ़ाया जाता। यह केवल वेदमहाविद्यालय का ही पाठ्य विषय है !

## २. उपांग ( दर्शनशास्त्र )

### ❀ प्रथम वर्ष ❀

एक पत्र ३ घंटे ७६ अंक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



विभाग ( क ) १॥ घंटा ३८ अंक

१. प्रशस्त पाद भाष्य सम्पूर्ण

२. न्याय दर्शन ( वात्स्यायन भाष्य ) प्रथम अध्याय

विभाग ( ख ) १॥ घंटा ३८ अंक

१. सांख्य तत्व कौमुदी

षाण्मासिक परीक्षा २४ अंक

## ❀ द्वितीय वर्ष ❀

एक पत्र ३ घंटे ७६ अंक

विभाग ( क ) १॥ घंटा ३८ अंक

न्याय दर्शन वात्स्यायन भाष्य, २य तथा ३य अध्याय

विभाग ( ख ) १॥ घंटा ३८ अंक

न्याय दर्शन वात्स्यायन भाष्य, ४र्थ तथा ५म अध्याय

षाण्मासिक परीक्षा २४ अंक

## ❀ तृतीय वर्ष ❀

एक पत्र ३ घंटे ७६ अंक

विभाग ( क ) १॥ घंटा ३८ अंक

१. योगदर्शन व्यास भाष्प ( विभूति पाद छोड़ कर )

२. सर्वदर्शन सग्रह से निम्न सात दर्शनः—

( १ ) चार्वाक ( २ ) बौद्ध ( ३ ) अर्हत ( ४ ) पूर्णप्रज्ञ

( ५ ) पाशुपत ( ६ ) शैव ( ७ ) प्रत्यभिज्ञा ।

विभाग ( ख ) १॥ घंटा ३८ अंक

कुसुमाञ्जलि हरिदास कृत टीका सहित

षाण्मासिक परीक्षा २४ अंक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



### ❀ चतुर्थ वर्ष ❀

एक पत्र — ३ घंटे ७६ अंक

विभाग ( क ) — १॥ घंटा ३८ अंक

१. वेदान्त दर्शन शांकरभाष्य — चतुःसूत्री

२. ,, ,, रामानुज भाष्य–चतुःसूत्री

विभाग ( ख ) — १॥ घंटा ३८ अंक

वेदान्त दर्शन शाङ्करभाष्य–स्मृति तर्कपाद ( अद्वैत स्थलों में द्वैत दृष्टि से समाधान सहित )

पाण्मासिक परीक्षा — २४ अंक

## ३ संस्कृत साहित्य

### * प्रथम वर्ष *

पत्र ( क ) — ३ घण्टे ३८ अंक

१. रघुवंश, ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९, १० और १५ तथा १६ सर्ग।

श्रृङ्गार संबंन्धी निम्न स्थल छोड़कर—

३य सर्ग—श्लोक ३,८
४र्थ " – " ४५, ५१, ५२
५म " — " ६४, ६७
६ष्ट सर्ग—११ से १९ तक २७, ५०, ८४
७म "—९,२२,२३,५१,५३,६३
८म "—७,१४,४१,४२,४९ से ६९ तक, ७१, ७२,९२
९म "—२८ से ४७ तक ५८, ६८
१६ "—४०, ४५,४८, ५०, ५२, ५६ से १०० तक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



२. किरातार्जुनीय १ से ३ तथा ११ से १५ सर्ग।

३. निम्नलिखित ५० छन्द ( छन्दों के अंक ८ से अधिक नहीं होंगे )

१. विद्युन्माला २. समानिका ३. प्रमाणिका ४. मत्ता ५. इन्द्रवज्रा ६. उपेन्द्रवज्रा ७. उपजाति ८. दोधक ९. शालिनी १०. रथोद्धता ११. स्वागता १२. चन्द्रवर्त्म १३. वंशस्थ १४. इन्द्रवंश १५. तोटक १६. द्रुतविलम्बित १७. कुसुमविचित्रा १८. जलोद्धत गति १९. मौक्तिक-दाम २०. भुजंगप्रयात २१. स्रग्विणी २२. मणिमाला २३. प्रमिताक्षरा २४. पंचचामर २५. प्रहर्षिणी २६. रुचिरा २७. मत्तमयूर २८. मंजु-भाषिणी २९. प्रहरण कलिका ३०. वसन्त तिलका ३१. मणि गुणनिकर ३२. मालिनी ३३. शिखरिणी ३४. पृथ्वी ३५. हरिणी ३६. मन्दाक्रान्ता ३७. स्रग्धरा ३८. चण्डवृष्टिप्रपातदण्डक ३९. द्रुतमध्वा ४०. हरिणप्लुता ४१. पुष्पिताग्रा ४२. उद्गता ४३. दोहा ४४. रोला ४५. कुण्डलिया ४६. सोरठा-सौराष्ट्रा ४७. आर्या ४८. औपच्छन्दसिक ४९. अनुष्टुप ५०. पादाकुलक

पत्र ( ख ) ३ घण्टे ३८ अंक

१. साहित्य दर्पण–१, २, ३ परिच्छेद—१९ अंक

२. निबन्ध–लेख—१९ अंक

पत्र ( ग ) व्याख्यान २५ अंक

पत्र ( घ ) गृह निबन्ध २५ अंक

षाण्मासिक परीक्षा २४ अंक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## ❀ द्वितीय वर्ष ❀

पत्र ( क ) ३ घण्टे ३८ अंक

१. साहित्य सुधासंग्रह ३य बिन्दु–२३ अंक

उत्तर रामचरित, भर्तृहरि निर्वेद, प्रबोध चन्द्रोद, संधिच्छेद

२. प्राकृत प्रकाश १५ अंक

पत्र ( ख ) ३ घण्टे ३८ अंक

१. साहित्य दर्पण–४, ५ परिच्छेद, १६ अंक

२. निबन्ध तथा लेख १६ अंक

पत्र ( ग ) संस्कृत व्याख्यान २५ अंक

पत्र ( घ ) गृह निबन्ध २५ अंक

षाण्मासिक परीक्षा २० अंक

## ❀ तृतीय वर्ष ❀

पत्र ( क ) ३ घण्टे ३८ अंक

चम्पू भारत ३,४,५,७ स्तवक (निम्नलिखित शृङ्गार संबन्धी स्थलछोड़ कर)

३य स्तवक–श्लोक २२ से २६ तक, ४०, ४३, श्लोक से अगले गद्य की पहिली ३ पंक्तियाँ, ५२, ६४–६८ तक, ७३, ७४, ७५, ६३ श्लोक से लेकर १०१ तक, अगले गद्य की प्रारम्भ की पाँच पंक्तियाँ, ११५ ।

४र्थ स्तवक–श्लोक ५६

७म स्तवक–श्लोक ४

२. कौटिलीय अर्थशास्त्र

i. प्रथम अधिकरण प्रकरण १,२,३,४,११,१२,१६,१७,१८

ii. २य अधिकरण प्रकरण–२०,२२,२३,२४,२७,२८,२९

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



पत्र ( ख ) ३ घण्टे ३८ अंक

१. साहित्य दर्पण–७,८,६ परिच्छेद २० अंक

२. पाली प्रबोध—८ अंक

३. निबन्ध–लेख १० अंक

पत्र ( ग ) संस्कृत व्याख्यान २५ अंक

पत्र ( घ ) गृह निबन्ध १० २५ अंक

पाण्मासिक परीक्षा २४ अंक

## * चतुर्थ वर्ष *

पत्र ( क ) ३ घण्टे ३८ अङ्क

१. शिशुपाल वध—प्रथम दो सर्ग

२. हर्षचरित—४र्थ तथा सप्तम उच्छ्वास

३. कौटिलीय अर्थशास्त्र—२य अधिकरण प्रकरण ३३ से ५६ तक

पत्र ( ख ) ३ घण्टे ३८ अंक

१. साहित्य दर्पण १०म परिच्छेद २० अङ्क

२. संस्कृत साहित्य के इतिहास पर व्याख्यान ८ अङ्क

३. निबन्ध तथा लेख १० अंक

सूचना—संस्कृत साहित्य के इतिहास के व्याख्यानों का आधार कीथ कृत हिस्ट्री आफ क्लासिकल संस्कृत लिट्रेचर होगा।

पत्र ( ग ) संस्कृत व्याख्यान २५ अंक

पत्र ( घ ) गृह निबन्ध १० २५ अंक

पाण्मासिक परीक्षा २४ अंक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



टिप्पणी—१. वर्ष में १० निबन्ध लिखने होंगे जिनमें से प्रत्येक फुल्सकेप साइज़ के ढ़ाई पृष्ठ का होगा।

२. व्याख्यान का विषय साधारणतया धार्मिक या दार्शनिक होगा; इस के विषय की सूचना परीक्षा से ७ दिन पूर्व विद्यार्थियों को दे दी जावेगी।

वेद महाविद्यालय में संस्कृत के साथ व्याकरण विषय का विकल्प होगा।

## व्याकरण

### प्रथम वर्ष

एक पत्र — ३ घण्टे ११४ अंक

पत्र ( क ) — समय १॥ घण्टा ५७ अंक

महाभाष्य नवाह्निक—१ से ४ आह्निक समाप्त

पत्र ( ख ) — समय १॥ घण्टा ५७ अंक

महाभाष्य नवाह्निक–५ से ६ आह्निक समाप्त

पाण्मासिक परीक्षा — ३६ अंक

### २य वर्ष

एक पत्र — ३ घण्टे ११४ अंक

पत्र ( क ) — १॥ घण्टा ५७ अंक

महाभाष्य–प्रथम अध्याय के २य पाद से प्रथम अध्याय की समाप्ति पर्यन्त

पत्र ( ख ) — १॥ घण्टा ५७ अंक

महाभाष्य २य अध्याय पूर्वार्ध

पाण्मासिक परीक्षा– — ३६ अंक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## तृतीय वर्ष

| | | |
|---|---|---|
| एक पत्र | | ३ घण्टे ११४ अंक |
| पत्र ( क ) | | १॥ घण्टा ५७ अंक |
| | महाभाष्य २य अध्याय उत्तरार्ध | |
| पत्र ( ख ) | | १॥ घण्टा ५७ अंक |
| | महाभाष्य २य अध्याय पूर्वार्ध | |
| पाण्मासिक परीक्षा– | | ३६ अंक |

## चतुर्थ वर्ष

| | | |
|---|---|---|
| एक पत्र | | ३ घण्टे ११४ अंक |
| पत्र ( क ) | | १॥ घण्टा ५७ अंक |
| | महाभाष्य— अंगाधिकार पूर्वार्ध | |
| पत्र ( ख ) | | १॥ घण्टा ५७ अंक |
| | महाभाष्य—अंगाधिकार उत्तरार्ध | |
| पाण्मासिक परीक्षा | | ३६ अंक |

# 4. English

## 1 st year

*Paper A* — *3 hours marks 38*

Prose—

1. Lord Avebury—The Use of Life ( any Ten chapters )
2. Kingsley-Heroes.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



'Poetry'

3. Bridges of Song-( any fifty pages ) Poems nos. 1, 2, 3, 4, 5, 6. 7, 8, 9, 12, 15, 16, 18, 22

*Paper B* *3 hours marks 38*

1. Nesfield-Oral Exercises in English Composition
2. Essay and Translation must carry 19 marks
3. A question of five marks to be set from the book recommended for self study:–
   Stories from European History by Lucy Dale.
4. Paraphrase of passages from prose and poetry course books.

*Paper C* *Marks 20*

*Viva voce Examination*

*Paper D* 16 Essays to be written throughout the year. *marks 30*

House examination *marks 24*

## 2nd year

*Paper A* *3 hours marks 38*

Prose

1. Rawlinson-A book of English Prose ( any nine essays to be selected every year)
2. Scott-Ivanhoe ( Macmillan abridged Edition )

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



Poetry

3. Bridges of Song ( Selections any fifty pages )

Poems nos—25, 30, 35, 37, 40, 42, 46, 49, 50, 51, 52, 55, 57, 58, 59, 61, 65, 67, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76.

*Paper B* *3 hours marks* 38

1. Nesfield—Junior Course of English Composition
2. Essay and Translation must carry 19 maks
3. A question of five marks to be set from the book recommended for self study.
4. Paraphrase of passages from prose and poetry Course Books.

*Paper C* *Marks 20*

*Viva Voce Examination*

*Paper D* *marks* 30

16 essays to be written throughout the year.

House examination mrks 24

## 3rd year

*Paper A* 3 *hours marks* 38

Prose

1. Macaulay–Johnson and Goldsmith.
2. Carlyle–Heroes and Hero Worship (one lecture)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



3. One Act Plays of To-day IV series ( any five plays )

Poetry

4. Selections from Golden Treasury (any 50 pages)

*Paper B* 3 *hours marks* 38

1. Rowe and Webb—Hints on the Study of English

Chap. II Synonyms, homonyms, antonyms, doublets, confused words

Chap. III—Articles, Verbs.

Chap. IV and X

2. Essay and translation must carry 19 marks.
3. A question of five marks to be set from the book recommended for self study.
4. Paraphrase of passages from prose and poetry course books.

*Paper C* *Marks* 20

*Viva Voce Examinati n*

Paper D marks 30

16 Essays to be written throughout the year

House examination marks 24

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



# 4 th year

*Paper A* — *3 hours marks* 38

Prose

1 Froude Short Studies on Great Subjects 2nd volume ( Every man's library series. any three lectures )

2. Modern Essays–Trevos Booth ( any nine essays )

3. Dickens a Tale of Two Citis ( abridged )

Poetry

4. Palgrave Golden Treasu y ( any fifty pages )

*Paper B* — *3 hours marks* 38

1. Rowe and Webb–Hints on the Study of English Chapters VI, VII, VIII
2. Paraphrase of passages from the prose and poetry course books.
3. Essay and translation must carry 19 marks
4. A question of five marks to be set from the book recommended for self study.
5. Paraphrase of passages from prose and poetry course books.

*Paper C* — *marks 20*

*Viva Voce Examination*

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



*Paper D* *marks* 30

16 Essays to be written throughout the year.

House examination *marks* 24

Reference Book for essay writing 'Simple Essays by Macmillan B. A.

## ५. ऐच्छिक विषय

### इतिहास, पाश्चात्य-दर्शन, अर्थशास्त्र या रसायन

### इतिहास

*** प्रथम वर्ष ***

प्रश्न पत्र ( क ) ३ घण्टे ५७ अं

युरोप का आधुनिक इतिहास ( फ्रांस की राज्यक्रान्ति से )

१. रोबिन्सन–श्रौट लाईन्स श्रौफ युरोपियन हिस्ट्री २य वाल्यूम

प्रश्न पत्र ( ख ) ३ घण्टे ५७ अं

अर्थशास्त्र का प्रारम्भिक ज्ञान

१. क्ले–इकोनोमिक्स फोर जैनरल रीडर

षाण्मासिक परीक्षा ३६ अं

*** द्वितीय वर्ष ***

पत्र ( क ) ३ घण्टे ५७ अं

भारतवर्ष का प्राचीन इतिहास

१. वी.ए. स्मिथ—अर्ली हिस्ट्री श्रौफ इण्डिया

२. आर.सी. मोजूमदार–एन्शियेन्ट इण्डियन हिस्ट्री एण्ड सिविलीज़ेशन

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



पत्र ( ख ) ३ घण्टे ५७ अङ्क

भारतवर्ष का मध्यकालीन इतिहास

१. लेनपूल—मैडीवल इण्डिया

२. रानाडे—मराठों का उत्कर्ष

३. किनकेड एण्ड पारसनीज़—हिस्ट्री ऑफ दि मराठा—पीपल्स २य वाल्यूम।

षाण्मासिक परीक्षा ३६ अंक

## ❋ तृतीय वर्ष ❋

पत्र ( क ) ३ घंटे ५७ अङ्क

भारतवर्ष का आधुनिक इतिहास तथा ब्रिटिश साम्राज्य के विस्तार का इतिहास।

१. रोबिन्सन—डैवलपमैण्ट ऑफ ब्रिटिश एम्पायर

२. रोबर्ट्स—ब्रिटिश इण्डिया।

३. बी.डी. बासु—रूईन आफ़ इण्डियन ट्रेड ऐण्ड इण्डस्ट्रीज़।

पत्र ( ख ) ३ घंटे ५७ अङ्क

राजनीतिशास्त्र

१. गारनर—पोलिटिकल सायन्स एण्ड गवर्नमैण्ट

षाण्मासिक परीक्षा ३६ अंक

## ❋ चतुर्थ वर्ष ❋

पत्र ( क ) ३ घंटे ५७ अंक

प्राचीन भारतीय इतिहास के विशेष विषयों का अध्ययन

१. इण्डो युरोपियन लोगों का आदिम निवास स्थान

२. प्रागैतिहासिक काल के अवशेष—मोहन जो दारो-हरप्पा।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



३. भारतीय तिथि क्रम

४. प्राचीन भारतीय राजनीतिः--

( क ) गणराज्यों का इतिहास और शासन।

( ख ) राजतन्त्र राज्यों का शासन।

( ग ) भारतीयों के राजनीतिक सिद्धान्त।

५. मैगस्थनीज़ और कौटिलीय अर्थशास्त्र के आधार पर मौर्यकालीन भारत की सभ्यता।

६. भारतीय सभ्यता का विदेशों में विस्तार

७. भारत के उपनिवेश।

८. भारत के प्राचीन विश्वविद्यालय।

सहायक पुस्तकें—

१. नारायण शास्त्री–दि एज ओफ शंकर ( एपैण्डिक्स )

२. रामदेव–भारतवर्ष का इतिहास ३य खण्ड १म भाग

३. जायसवाल–हिन्दु पालिटी।

४. आर.सी. मोजुमदार–कोरपोरेट लाइफ इन एन्शियन्ट इण्डिया अध्याय १ तथा ५.

५. बी.के. सरकार–पोलिटिकल थ्युरीज़ एण्ड इन्स्टिट्यूशन्स ओफ एन्शियेन्ट हिंन्दूज़–पार्ट २य

६. सत्यकेतु विद्यालंकार—मौर्यसाम्राज्य का इतिहास अध्याय ७—१३

७. रामदेव–भारतवर्ष का इतिहास–२य खण्ड चतुर्थ भाग

८. समाद्दार—दि ग्लोरीज़ ओफ मगध अन्तिम दो अध्याय।

पत्र ( ख ) ३ घण्टे ५७ अङ्क

संसार का सामान्य इतिहास और विवेचन

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



१. एच.जी. वेल्स—औटलाईन्स ओफ हिस्ट्री ११ अध्याय से।

२. सैलिग्मैन—इकोनोमिक इन्टरप्रैटेशन औफ हिस्ट्री

३. बी के. सरकार—सायन्स ओफ हिस्ट्री एण्ड होप ओफ मैन काईण्ड

षाण्मासिक परीक्षा — ३६ अंक

## पाश्चात्य दर्शन

### * प्रथम वर्ष *

पत्र ( क ) — ३ घण्टे ५७ अङ्क

तर्क शास्त्र

ऐलिमैन्ट्स ओफ मोडर्न लोजिक—एच.एस. मेलोन

पत्र ( ख ) — ३ घण्टे ५७ अंक

मनोविज्ञान शास्त्र

मैनुअल ओफ साइकोलोजी—वुडवर्थ

षाण्मासिक परीक्षा — ३६ अंक

### * द्वितीय वर्ष *

पत्र ( क ) — ३ घण्टे ५७ अंक

आचार शास्त्र

मैनुअल ओफ़ ऐथिक्स–मैकेन्ज़ो

पत्र ( ख ) — ३ घण्टे ५७ अंक

मनोविज्ञान शास्त्र तथा अध्यात्मशास्त्र

१. दि क्राउड—जी. लि. बौन

२. मिस्ट्री ओफ डैथ ( बिफोर–डैथ ) फ्लेमेरियन

षाण्मासिक परीक्षा— — ३६ अंक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## ❀ तृतीय वर्ष ❀

पत्र ( क ) ३ घण्टे ५७ अं

समाज शास्त्र तथा अध्यात्मशास्त्र

१. स्टडी ओफ सोश्योलोजी—हर्बर्ट स्पेन्सर

२. पुनर्जन्म मीमांसा—नन्दलाल

पत्र ( ख ) ३ घण्टे ५७ अं

पाश्चात्य दर्शन शास्त्र का इतिहास।

१. हिस्ट्री ओफ फ़िलासफ़ी—रोजर्स

पाण्मासिक परीक्षा ३३ अं

## * चतुर्थ वर्ष *

पत्र ( क ) ३ घण्टे ५७

अध्यात्म शास्त्र

प्लूरलिस्टिक यूनिवर्स—जेम्स

पत्र ( ख ) ३ घंटे ५७

ईश्वरवाद और प्लेटो

१. थीइज़्म—बोर्डन पी बौन

२. रिपब्लिक—प्लेटो

पाण्मासिक परीक्षा ३६

## गान्धी भारतीय अर्थशास्त्र

इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को सिद्धान्तों के ज्ञान से पूर्व वि का क्रियात्मक ज्ञान कराना है। इसके पश्चात् भारतीय अर्थशास्त्र सिद्धान्तों का ज्ञान और तदनन्तर भिन्न २ देशों के अर्थशास्त्र तुलनात्मक दृष्टि से अध्ययन कराना है—

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## ❋ प्रथम वर्ष ❋

उपाध्याय महोदय विद्यार्थियों को पास के ग्राम या ग्रामों में ले जाकर उनको अन्वेषण करने में सहायता देंगे। विद्यार्थियों से आशा की जाती है कि वे श्रेणी-कार्य के तौर पर प्रतिदिन ग्राम में जाया करेंगे। अन्वेषण के लिए निम्न विषय हैं—

१. ग्राम का भूगोल
२. ग्राम की जनसंख्या—इस में उनके पेशे तथा अन्य आबादी सम्बन्धी समस्याओं का वर्णन।
३. पारिवारिक बजट
४. निवास, सफाई और स्वास्थ्य की दशा
५. विवाह और अन्य सामाजिक रीतिरिवाज और कार्य
६. सम्मिलित परिवार पद्धति और तत्सम्बन्धी आर्थिक ज्ञान।
७. पंचायत तथा ग्राम की अन्य रीति से स्थानीय शासन प्रणाली
८. भूमि का स्वामित्व, भूमिकर तथा भूमि का लगान इत्यादि
९. पशुओं की समस्या
१०. शिक्षा की सुविधायें और शिक्षित वर्ग की संख्या।
११. कताई, बुनाई और अन्य गृह व्यवसायों का विस्तार से अध्ययन करना [ यदि सम्भव हो तो इनका क्रियात्मक अनुभव भी प्राप्त करना ]
१२. ग्राम का लेन-देन का विवरण, हिसाब रखने की विधि, सहोद्योग बैङ्क।
१३. ग्राम का व्यापारिक जीवन
१४. ग्राम का नगर से पारस्परिक संबन्ध

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



१५. नगर और ग्रामनिवासियों के आर्थिक विनिमय का तुलनात्मक दृष्टि से अध्ययन [ विद्यार्थियों को फैक्टरी देखने और स्थानीय तथा अन्यत्र काम करने वाले श्रम-जीवियों के जीवन का अध्ययन करने के लिए, प्रबन्ध किया जायगा ]

**पाठ्य पुस्तकें:—**

१. रस्किन—अनटु दिस लास्ट

२. महात्मा गान्धी—सर्वोदय

३. एलीमैण्ट्स औफ़ स्टेटिस्टिक्स—बौले [ आवश्यक प्रकरण ]

४. कुछ पुस्तकें और क्रियात्मक कार्य—

i हिसाब रखने पर [ पाश्चात्य प्रकार ]

ii ग्रामों में प्रचलित हिसाब रखने के प्रकार पर

व्याख्यानों का आधार निम्न पुस्तकें होंगी—

## सहायक पुस्तकें—

१. डा० मान—लाइफ़ एन्ड लेवर इन ए डैक्कन विलेज

२. डार्लिङ्ग—दि पंजाब पैज़ेन्ट

३. आर. के. मुकर्जी—i फ़ाउन्डेशन्स ओफ इण्डियन इकोनोमिक्स

ii ग्राउन्ड वर्क ओफ़ इकोनोमिक्स

४. बी. पौवेल—इण्डियन विलेज कौम्यूनिटी

५. बी. रसल—प्रोस्पैक्ट्स ओफ़ इन्डस्ट्रियल सिविलिज़ेशन

## ❀ द्वितीय वर्ष ❀

निम्न पाठविधि तब तक के लिए है जब तक कि भारतीय अर्थशास्त्र के सिद्धान्तों का विकास और रचना पूरी न हो जावे। भारतीय अवस्थाओं पर पाश्चात्य अर्थशास्त्र के सिद्धान्त कहां तक लागू हैं यह

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



दिखाने के लिये विद्यार्थियों को अपने प्रथम वर्ष के अन्वेषणों को यथावसर अधिक ज्ञान प्राप्ति से परिवर्धित करना चाहिए।

सारी पाठविधि में इस सिद्धान्त का अनुसरण किया जायगा कि सिद्धान्त परिचय से पूर्व उसी विषय का क्रियात्मक ज्ञान आवश्यक है।

पत्र ( क ) ३ घण्टे ४७ अंक

१. प्रिन्सिपल्स् ओफ इकोनोमिक्स—सेलिगमैन १ से ३५१ पृष्ठ तक

२. रूरल इकोनोमिक्स ओफ इण्डिया—आर.के. मुकर्जी

पत्र ( ख ) ३ घण्टे ४७ अंक

१. प्रिन्सिपल्स ओफ इकोनोमिक्स—सेलिगमैन पृष्ठ ३५२ से अन्त तक

२. इन्ट्रोडक्शन टु को ओपरेशन—स्ट्रिकलैण्ड

## सहायक पुस्तकें—

१. एग्रीकल्चरल प्रोग्रेस इन इण्डिया—कीटिंग,

२. स्टडंज़ इन यूरोपियन को-आपरेशन—डार्लिङ्ग

३. लेबर इन इण्डियन इण्डस्ट्रीज़—ब्रौटन

४. फैक्टरी लेजिस्लेशन इन इण्डिया—आर के. दास

**षाण्मासिक परीक्षा** ३६ अङ्क

---

नोट—विद्यार्थी किसी ऐसे गृहव्यवसाय का भी, जिस का प्रबन्ध अधिकारी कर सकेंगे, क्रियात्मक ज्ञान प्राप्त करेंगे।

सूचना—प्रथम वर्ष के अर्थशास्त्र के विद्यार्थी साधारण विश्वविद्यालय परीक्षा से मुक्त रहेंगे उनको सारे वर्ष के श्रेणी कार्य और गृहकार्य के अनुसार अङ्क दिये जायेंगे।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## ❀ तृतीय वर्ष ❀

पत्र ( क ) भारतीय अर्थशास्त्र ३ घण्टे ५७ अङ्क

१. एस. सी. राय—लैण्डरेविन्यू एडमिनिस्ट्रेशन इन इण्डिया

२. जाथर एण्ड वेरी—इण्डियन इकोनोमिक्स-निम्नलिखित ३ अध्याय—

१. फ़िज़िकल एनवायरनमैण्ट्स एण्ड नेचुरल रिसोरसज़ ।

२. ट्रान्सपोर्ट ३. ट्रेड

३. आर. के दास—फैक्ट्री लेजिस्लेशन इन इण्डिया ( सहायतार्थ वर्किङ्ग मैन कम्पेन्सेशन एक्ट का अध्ययन )

४. इण्डियन फ़िस्कल कमीशन रिपोर्ट

५. रामनिवासपोद्दार—भारत में रेलपथ

६. हाथ की कताई बुनाई ( अखिलभारतीय चरखा संघ का पारितोषक निबन्ध )

पत्र ( ख ) राजनैतिक सिद्धान्त ३ घंटे ५७ अङ्क

### [ आधुनिक शासन व्यवस्थाओं सहित ]

१. गार्नर—इन्ट्रोडक्शन टुपोलिटिकल सायन्स

२. फ़ोर्ड—रिप्रेज़ेन्टेटिव गवर्नमेन्ट ( ओरिजिन प्रकरण छोड़कर )

पाण्मासिक परीक्षा ३६ अङ्क

---

नोट—अहमदाबाद या किसी अन्य मिलव्यवसाय के केन्द्र में श्रम सम्बन्धी समस्याओं के अध्ययन के लिए विद्यार्थियों के ले जाने का प्रबन्ध किया जायगा तथा ग्रामों और नगरों के कुछ बाज़ारों का अवलोकन कर आवश्यक रिपोर्ट विद्यार्थियों से तैय्यार कराने का भी प्रबन्ध किया जाएगा ।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## * चतुर्थ वर्ष *

पत्र ( क ) भारतीय राजनीति ३ घण्टे ५० अङ्क

पाठ्य पुस्तकें —

1. आर. के झा—भारतीय शासन पद्धति ।
2. बी. के. सरकार— पोलिटिकल थ्युरीज़ एण्ड इन्स्टिट्यूशन्स ओफ़ एन्शिएन्ट हिन्दूज़
3. मौन्टफ़ोर्ड स्कीम ( हिन्दी )
4. प्रोविन्शियल विलेज सेल्फ गवर्नमेण्ट एक्ट

स्वयं पठनार्थ --

1. आर. के मुकर्जी—डिमोक्रेसीज़ ओफ़ दि ईस्ट ( २, ३ भाग )

पत्र ( ख ) ३ घण्टे ५० अङ्क

भारतीय मुद्रा पद्धति, बैंक पद्धति और आय व्यय,

पाठ्य पुस्तकें—

1. कीनस—करेन्सी एण्ड फाइनैन्स

---

नोट—ऐसा प्रबन्ध किया जायगा कि जिस से विद्यार्थी कुछ बैङ्कों ( जब कि उन में काम चल रहा हो में जाकर उनका अनुशीलन कर सकें और उनके कार्यों तथा कार्य प्रणालियों को साक्षात् रूप में समझने का यत्न करें । उन्हें इस बात का भी अवसर दिया जायगा कि जब किसी गांव में कोई पञ्चायत लग रही हो तो वे उसे देख सकें । इसके अतिरिक्त उनको प्रान्तीय धारा सभा तथा ज़िला बोर्डों के अधिवेशनों के अनुशीलन का मौका भी दिया जायगा ।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



२. रायल कमीशन ऑन इण्डियन करेन्सी एण्ड एक्सचेञ्ज ( १६२६) की रिपोर्ट ।

३. राव-प्रज़न्ट डे बैंकिङ्ग इन इण्डिया ।

४. के. टी. शाह—सिक्सटी यीअर्स ऑफ इण्डियन फाइनेन्स

**स्वयं पठनार्थः—**

१. जेवन्स—मनी क्रैडिट एण्ड एक्सचेञ्ज
२. शिरास—दि साइन्स ऑफ पब्लिक फाइनेन्स
३. अम्बेडकर—ईवोल्यूशन ऑफ प्रोविन्शल फाइनेन्स
४. दि इण्डियन टैक्सेशन इन्क्वायरी कमेटी की रिपोर्ट

## निबन्ध—२० अङ्क

विद्यार्थियों को समीपस्थ ग्रामों में स्वतः विहित सामाजिक तथा आर्थिक अन्वेषणों के आधार पर निबन्ध लिखना होगा । निर्वाचित क्षेत्रों में विद्यार्थियों को अपनी रुचि के अनुकूल किसी एक विषय पर खोज करनी होगी । स्नातक परीक्षा से कम से कम तीन मास पूर्व यह निबन्ध दे देना होगा । निबन्ध के लिये विद्यार्थी निम्न विषयों में से किसी एक को चुन सकता है—

१. ग्राम की सामाजिक तथा आर्थिक जांच
†२ किसी एक गृह व्यवसाय या ग्राम व्यवसाय की विस्तृत जांच
३. चरखे की आर्थिक उपयोगिता

नोट—Punjab Board of Economic Enquiry से प्रकाशित प्रश्नावलि के अनुसार अन्वेषण किया जाय ।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



४. कृषि तथा व्यवसाय सबन्धी श्रम समस्या का अध्ययन
५. निर्धनों और फिरङ्गियों की अवस्थाओं का अध्ययन
६. स्थानीय आय व्यय ७. पशुओं की आर्थिक उपयोगिता ८. नहरें तथा जलीय मार्ग ९. कृषि संबन्धी व्यय और ऋण

पाण्मासिक परीक्षा ३० अङ्क

## रसायन

### ❀ प्रथम वर्ष ❀

पत्र ( क ) ३ घंटे ३८ अङ्क

**भौतिक रसायन—** तत्व और समास, अणु और मात्रा, आण्विक भार, मात्रिक भार, समर्थक भार, बलांश, आपेक्षिक ताप और वाष्पीय घनता, और उनके परस्पर सम्बन्ध। ठोसों, द्रवों और गैसों के सामान्य गुण। बौयल, चार्लस और ग्राहम के नियम। एवोगैड्रो का सिद्धान्त। मात्राओं की गति सम्बन्धी अवस्था का सिद्धान्त और इस से गैस सम्बन्धी अन्य नियमों की सिद्धि। घोल, गैसों और घोलों में विघटन। रासायनिक समतोलन। समर्थक भारों का रासायनिक गुण, आयनिक समासों के रासायनिक गुण। आण्विक भार, मात्रिक भार और समर्थक भार निकालने की विधिएं। विद्युद्विश्लेषण, औस्मोटिक दबाव।

पत्र ( ख ) ३ घंटे ३८ अङ्क

**वर्णनात्मक रसायन—** निम्नलिखित की निर्माण विधिएं तथा गुण:— उद्रजन ; ओषजन ; ओज़ोन ; जल ; उद्रजन परोषित ; हैलोजन्स ( प्लव, हरिन, ब्रम, और नैल ) इनके अम्ल और ओषाम्ल, हरित, परहरित, नैलित, पर नैलित आदि।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



नत्रजन, नत्रजन के ओषित, न $उ_२$, $न_२$ $उ_४$, $न_३$ उ, आदि नत्रजन और उद्‌जन के समास । प्रकृति में नत्रजन का चक्र; नत्रजन का स्थिरीकरण ;,वायुमण्डल, हीलियन समूह । नत्रजन के ओषाम्ल। प्रस्फुरक और इसकी प्राप्ति, उद्‌जन और ओषजन के साथ इसके समास; प्रस्फुरक के ओषाम्ल । गन्धक, उसकी प्राप्ति और शोधन, उसके उद्‌जन और ओषजन के साथ समास ; गन्धक के उदाम्ल और ओषाम्ल; गन्धक के फेज़ । कर्बन ; कर्बन की बहुरूपता ; कर्बन के ओषित । मार्श गैस ; ऐसिटिलीन, इथाइलीन, मद्यसार, ईथर्स, अम्ल , उद्‌कर्बनित इत्यादि ।

## क्रियात्मक रसायन

पत्र ( ग ) ३८ अंक

i गुणात्मक विश्लेषण—दो भस्मों और दो अम्लों के मिश्रणों का पूर्ण गुणात्मक विश्लेषण ; अम्लों में, उ ह, उ न $ओ_३$, $उ_२$ ग $ओ_४$, उ ब्र, उ नै, उ क न, उ न $ओ_२$, $उ_२$ ग $ओ_३$, उ टं $ओ_३$ सिरकाम्ल, कर्बनिकाम्ल, उ प्ल, $उ_२$ ग और $उ_३$ प्र $ओ_४$ होंगे ।

( ii ) अम्लों के साथ धातुओं, भस्मों, ओषितों और कर्बनितों की क्रिया और द्विधाविघटन से उत्पन्न लवणों की निर्माण विधि ।

षाण्मासिक परीक्षा लिखित— २४ अंक

" " क्रियात्मक— १२ अंक

---

सूचना—व्याख्यानों का आधार प्रधानतः मैलर की इन्ट्रोडक्शन टु इनोर्गैनिक कैमिस्ट्री पर होगा ।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## * द्वितीय वर्ष *

पत्र ( क ) ३ घण्टे ३८ अङ्क

**भौतिक रसायन—** ज्वलन, ज्वाला, विद्युत् रसायन, ताप रसायन, सान्द्रत्व का नियम स्फटिक विज्ञान, रासायनिक दृष्टि से रेडियम की ओजस्विता, रेडियो एकटिविटी। सहायीकरण ( catalysis )। पीरियाडिक क्लासिफिकेशन ओफ ऐलिमेण्ट्स । स्पैक्ट्रोस्कोपी। भौतिक रसायन सम्बन्धी सरल प्रश्न।

**वर्णनात्मक रसायन—**निम्न लिखित धातुओं का निःसारण और शोधन, उनके ओषित, उद्रिद्, उद्रित, नत्रिद्, नत्राइत, नत्रित, हैलिद, गंधिद्, गन्धित गंधाइत, कर्बनित और प्रस्फुरित आदि आवश्यक समासः—क्षारीय धातुवें, क्षारित उपधातु, ताम्र, रजत, स्वर्ण, ग्लूसिनम, मैग्नीशियम, जस्त, कादमियम, पारद, स्फट, अन्य उपधातु टिन, सीसक, संखिया, अञ्जन, विस्मथ, क्रोमियम समूह, रेडियम, मांगल, लोह, कोवल्ट, निकल, प्लाटिनम धातुवें।

सूचनाः—व्याख्यानों का आधार प्रधानतः मैलर की इन्ट्रोडक्शन टु इनार्गैनिक कैमिस्ट्री पर होगा। न्यूथ से धातुओं के निस्सारण पर व्याख्यान दिये जायेंगे।

पत्र ( ख ) ३ घंटे ३८ अङ्क

**ऐन्द्रियिक रसायन—** पैराफ़ीन और उसके हैलिद मद्यसार, ईथर लवण, ईथर, ऐलिडहाइड और कीटोन, चर्विकाम्ल, अम्लहरिद, एमिद, एमीन, गंधक समास और सायनोजन, आदि समासों की उत्पत्ति, निर्माण विधि और उनका विशेष और सामान्य सूत्र।

जे. वी कोहन की ऐन्द्रियिक रसायन के आदि के २३० पृष्ठ

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



पत्र ( ग ) **क्रियात्मक रसायन** ३८ अंक

१. गुणात्मक विश्लेषण ।२. निम्नलिखित का [उनके सरल समासों में] भार सम्बन्धी विश्लेषण–लोह, ताम्र उद्हरिकाम्ल, गंधकाम्ल, निकल, स्फट,खट और मांगल । ३. आयतनात्मक विश्लेषण का साधारण कार्य। ४. हरित, लोहस्-अमोनियम गंधित, परमैन्गनित, और निरुद हरिद बनाना । ५. ( क ) निरञ्जन चूर्ण ( Bleaching Powder ) की परीक्षा–प्राप्य ( Available ) हरिन की मात्रा जानना ।

( ख ) जल परीक्षा––कठोरता ( स्थायी और अस्थायी ) हरिद् के रूप में उपस्थित हरिन तथा नत्राइन की मात्रा मालूम करना ।

षाण्मासिक परीक्षा लिखित २४ अंक

" " क्रियात्मिक १२ अंक

## * तृतीय वर्ष *

पत्र ( क ) ३ घंटे ३८ अंक

**ऐन्द्रियिक रसायन**— ऐन्द्रियिक धात्वीय समास, मद्यसारीय समूह के प्रस्फुरक, संखिया और सिलिकन के साथ समास । ओलिफीन और एसिटिलीन । द्विबंधनात्मक सिद्धान्त । कर्बोदित, यूरिया, यूरिकाम्ल, उदोषाम्ल, बहुदित मद्यसार, द्विभास्मिक अम्ल, जैसे— औगजैलिकाम्ल मैलोनिकाम्ल, सक्सिनिकाम्ल, तार्तरिकाम्ल, फ्युमेरिक और मेलेयिकाम्ल सित्रिकाम्ल । पारदर्शनी ओजस्विता, टोटोमरिज्म डेज्मोट्रोपिज़्म ।

सुगन्धित श्रेणी के उत्कर्बन उनके हैलोजन, नत्रजन, एमिना और गन्धनिक समास । एलिडहाइड, किटोन, क्विनेन, फिनोल, द्वयुदित और त्र्युदित फिनोल, द्विनत्र समास, नत्रीय वर्ण सुगन्धित श्रेणी के मद्यसार और अम्ल ।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



सूचना—जे. वी. कोंहन की ऐन्द्रियिक रसायन, २३० पृष्ठ से आगे

पत्र ( ख ) ३ घंटे ३८ अङ्क

कूटना, पीसना, छारण, ऊर्ध्व पातन, त्रियक पातन, कुचलना और जारण आदि क्रियाओं की व्यापारिक विधियों का साधारण ज्ञान, साबुन की व्यापारिक निर्माण विधि।

पत्र ( ग ) **क्रियात्मक रसायन—** ३८ अङ्क

"क" निम्न की निर्माण विधिएं:—

[ १ ] पोटाशियम इथाइल गन्धित [ २ ] इथाइलीन [ ३ ] इथाइलीन द्विब्रमिद [ ४ ] ईथर [ ५ ] इथेन [ ६ ] ईथाइल सिरकित [ ७ ] ईथाइल ब्रमिद [ ८ ] ऐसिटैलिड हाइड [ ९ ] क्लोरोफार्म [ १० ] एसिटेमाइड [ ११ ] मिथाइल अमीन [ १२ ] ओक्ज़ालिकाम्ल [ १३ ] नत्रोबेन्जीन [ १४ ] एनिलीन [ १५ ] द्विनत्रोबेन्ज़ीन [ १६ ] फिनोल [ १७ ] बेनजोइकाम्ल।

"ख" साबुन को व्यापारिक निर्माण विधि से रस क्रिया भवन में क्रियात्मक तौर पर निर्माण करना।

"ग" कच्ची धातुओं वा सामान का पूर्ण विश्लेषण।

षाण्मासिक परीक्षा लिखित— २४ अंक

" " क्रियात्मक १२ अंक

## चतुर्थ वर्ष

पत्र ( क ) ३ घण्टे ३४ अंक

निम्न की व्यापारिक निर्माण विधि तथा उनके सहोत्पन्न पदार्थों का पूर्ण ज्ञान—

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



[ १ ] मीनाकारी, इसके लिए आवश्यक पदार्थ; करने की व्यापारिक विधि ( विशेषतया साईनबोर्ड अनैमलिंग ) [ २ ] बीजों के तेल और उनके समास [ ३ ] खांड [ ४ ] रंगों का वर्गीकरण, प्रयोग—सूती, ऊनी तथा रेशमी कपड़ों तथा सूत का रंगना और इनका रंग उड़ाना [ ५ ] दूध के पदार्थ ( Condensed milk, milk powder, butter, cheese, और caseine )

पत्र ( ख ) ३ घण्टे ३४ अङ्क

पत्र ( क ) में निर्दिष्ट इन्डस्ट्रीज़ में से किसी एक का विस्तृत ज्ञान ।

पत्र ( ग ) २२ अंक

क्रियात्मक ज्ञान—( १ ) विस्तृत ज्ञान से पठित इन्डस्ट्री की व्यापारिक विधि का रसशाला में क्रियात्मक ज्ञान और यान्त्रिक निर्माण ।

( २ ) इसी इन्डस्ट्री के विशेष गुण वा क्रिया के विस्तृत क्रियात्मक ज्ञान पर निबन्ध ३० अङ्क

पाण्मासिक परीक्षा लिखित २२ अङ्क

पाण्मासिक परीक्षा क्रियात्मक ८ अङ्क

---

सूचना—व्याख्यान प्रधानतः थार्प की व्यापारिक रसायन और मार्टिन की ऐन्द्रियक व्यापारिक रसायन पर निर्भर होंगे और विशेष ज्ञान के लिये विशेष पुस्तकें होंगी ।

टिप्पणी — तृतीय तथा चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों को सत्रान्तावकाश की छुट्टियों में रसायन सम्बन्धी विशुद्ध ज्ञान के लिए आर्थिक-अवस्थानुसार बाहर के कारखाने दिखाने का प्रबन्ध किया जायेगा ।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



# ६. आर्यसिद्धान्त

## * प्रथम वर्ष *

पत्र ( क ) — ३ घण्टे ७६ अङ्क

पारसी मत

१. एस्सेज़ ऑन लैंग्वेज, राइटिङ्गस ऐण्ड रिलिजन ऑफ दि पार्सीज़- मार्टिन हौग

२. फ़ौण्टेन हैड ऑफ़ रिलिजन्स—गङ्गाप्रसाद एम. ए.

पत्र ( ख ) — ३ घण्टे ७६ अंक

थीइज़्म

१. थीइज़्म—फ़्लिण्ट ४ से ८ अध्याय तक तथा ६म अध्याय का केवल सार

पाक्षमासिक परीक्षा — ४८ अंक

## ❀ द्वितीय वर्ष ❀

पत्र ( क ) — ३ घण्टे ७६ अंक

बुधिज़्म, टौइज़्म और ईसाई धर्म का विषय ज्ञान ( समालोचना रहित )

१. लाइफ़ ऑफ़ बुद्ध—रौक हिल

२. सुत्त निपात

३. टैक्ट्स ऑफ टौइज़्म ( लुइज़े की पुस्तक टौ टेह किंग )

४. ओल्ड टैस्टामैण्ट पैण्टा ट्यूक तथा न्यू टैस्टा मैण्ट प्रथम चार गास्पल्स का ( विषय ज्ञान समालोचना रहित )

---

सूचना—यह केवल वेद महाविद्यालय का विषय है। गुरुकुल महाविद्यालय में इसके स्थान में आर्यभाषा विषय रखा गया है।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



पत्र ( ख ) ३ घण्टे ७६ अंक

एथिट थीइज़्म

१. एथिट थीइस्टिक थ्योरीज़—फ्लिएट

अध्याय १, ४, ५ वें का प्रथम भाग, ६ केवल २य भाग, ७ तथा १० वां अध्याय केवल १म भाग

## ❀ तृतीय वर्ष ❀

पत्र ( क ) ३ घण्टे ७६ अंक

ईसाईमत की समालोचना और मिश्र के धर्म

१. क्रीड ऑफ क्रिश्चियनडम—ग्रैग

२. इजिप्शियन रिलिजन—बज

३. कान्फ्लिक्ट बिट्वीन रिलिजन ऐण्ड सायन्स—ड्रेपर

पत्र ( ख ) ३ घण्टे ७६ अंक

धार्मिक अनुभवों की भिन्नता

१. वैराइटीज़ ऑफ रिलिजियस एक्सपीरियेन्स—जेम्स

१ से २५८ पृष्ठ तक

षाण्मासिक परीक्षा— ४८ अंक

---

सूचना—आर्यसिद्धान्त के ( ख ) पत्र के Theism आदि ग्रन्थों पर विषय की दृष्टि से व्याख्यान दे दिये जावेंगे। इस पत्र के प्रश्नों का उत्तर आर्यभाषा में ही देना होगा।

सूचना—आर्यसिद्धान्त ( ख ) पत्र के प्रश्न पत्र में यह ध्यान रखा जावेगा कि विद्यार्थियों से इस विषय के सामान्य ज्ञान की आशा की जाती है। पुस्तक के अन्तर्गत सूक्ष्म दार्शनिक तथा वैज्ञानिक समस्यायें जिनका विषय के सामान्य प्रतिपादन से विशेष सम्बन्ध नहीं, विद्यार्थियों को नही पढाई जाएंगी।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## * चतुर्थ वर्ष *

पत्र ( क ) ३ घण्टे ७६ अंक

इस्लाम, पुनर्जन्म और आर्यसमाज के इतिहास पर व्याख्यान

१. नोट्स औन मुहम्मडनिज़्म—ह्यूगस
२. सिलैक्शन्स फ्रोम दि कुरान
३. री इन्कार्नेशन—वाकर
४. आर्यसमाज के इतिहास पर व्याख्यान

पत्र ( ख ) ३ घण्टे ७६ अङ्क

धार्मिक अनुभवों की भिन्नता

१. वैराइटीज़ औफ़ रिलिजियस एक्सपीरियेन्स—जेम्स
२५६ पृष्ठ से अन्त तक

षाण्मासिक परीक्षा ४८ अङ्क

# आर्यभाषा

## * प्रथम वर्ष *

प्रथम पत्र ( क ) ३ घण्टे ५० अङ्क

प्राचीन पद्य १. सुदामा चरित–नरोतम
२. रामचरितमानस–बालकाण्ड

नवीन पद्य ३. पथिक–रामनरेश
४. वीर सतसई–वियोगी हरि

गद्य ५. भाषा और साहित्य–श्यामसुन्दर
६. साहित्य–टैगोर

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



७. प्राचीन साहित्य–टैगोर

८. लोकोक्तियाँ और मुहावरे—बहादुरचन्द

९. नागरी अंक और अक्षर—गौरीशंकर हीराचन्द ओझा

पत्र ( ख ) ३ घंटे ५० अङ्क

i स्वयं पठनार्थ—१० अङ्क

१. जयद्रथ वध—मैथिलीशरण गुप्त

२. बंकिम निबंधावली

३. जनमेजय का नागयज्ञ—'प्रसाद'

ii. अपठित—१० अङ्क

iii. छन्द प्रभाकर—१०० छन्द मुख्य—१० अंक

१. तोमर २. नित्त ३. उल्लाला ४. सखी ५. विजात ५. हाकलि ७. मधुमालती ८. सुलक्षण ९. मनमोहन १०. चौपई ११. गोपाल १२. पद्धरि १३. अरिल्ल १४. पज्झटिका १५. डिल्ला १६. शक्ति १७. पीयूषवर्ष १८. सुमेरु १९. सगुण २०. शास्त्र २१. हंसगीत २२. संत २३. रास २४. राधिका २५. कुण्डल २६. उपमान २७. हरि २८. अवतार २९. सुजान ३०. रोला ३१. दिगपाल ३२. रूपमाला ३३. मुक्तामणि ३४. सुगीतिका ३५. नाग ३६. विष्णुपद ३७. कामरूप ३८. झूलना ३९. गीतिका ४०. गीता ४१. सरसी ४२. शुभगीता ४३. शुद्धगीता ४४. हरिगीतिका ४५. सार ४६. विधाता ४७. चवपैया ४८. तोटक ४९. ककुभ ५०. रुचिरा (मात्रिक) ५१. शोकहर ५२. कर्ण ५३. वीर ५४. त्रिभंगी ५५. दुर्मिल ५६. मत्त सवैया ५७. करखा ५८. झूलना (दण्डक) ५९. हरिप्रिया ६०. बरवै ६१. अति बरवै ६२. दोहा ६३. सोरठा ६४. दोही ६५. हरिपद ६६. रुचिरा ( मात्रिक ) ६७. अमृतध्वनि ६८. कुण्डलिया ६९. छप्पय ७०. क्रीड़ा ७१. हारी ७२. यशोदा ७३. विमोहा ७४. तिलका ७५. सूर

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



७६. ईश ७७. नाराचिका ७८. चित्रपदा ७९. रलका ८०. वर्ष ८१. भुजंगी ८२. अनुकूला ८३. गिरिधारी ८४. माया ८५. विलासी ८६. राग ८७. तारक ८८. मंगल ८९. कुंज ९०. मंजारी ९१. मणिमाला ९२. मदिरा-सवैया ९३. मत्तगयन्द ९४. चकोर ९५. दुर्मिल ९६. सुन्दरी ९७. लवंग-लता ९८. मनहरण ९९. चौपाई

iv. निबन्ध तथा लेख—२० अंक

गृह निबन्ध–६ — २० अङ्क

षाण्मासिक परीक्षा ३० अंक

## द्वितीय वर्ष

पत्र ( क ) ३ घण्टे ५० अंक

प्राचीन पद्य १. कवितावली तुलसी—लंका काण्ड तक

२. संक्षिप्त पद्मावत—१, ६, ७ काण्ड ( श्यामसुन्दर )

नवीन पद्य ३. मेघनाद वध—प्रथम तीन सर्ग छोड़ कर

४. प्रिय प्रवास—१० सर्ग तक ( ४ तथा ६ छोड़ कर )

नाटक ५. राजारानी—रवीन्द्र नाथ

६. स्कन्द गुप्त—जयशंकर प्रसाद

७. शाहजहाँ–द्विजेन्द्र लाल

गद्य ८. विचार दर्शन–कान्ती प्रसन्न घोष

९. साहित्य समीक्षा–कालीदास कपूर

१०. हिन्दी में नाट्य साहित्य का विकास–विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

११. आलोचनादर्श–रमाशंकर शुक्ल रसाल

पत्र ( ख ) ३ घण्टे ५० अङ्क

१. स्वयं पठनार्थ १५ अंक –

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



१. जीवन साहित्य–कालेलकर
२. समाज–टैगोर
३. अन्तर्नाद––वियोगी हरि
४. भारत दुर्दशा–हरिश्चन्द्र
५. सत्य हरिश्चन्द्र–,,

२. अपठित–१५ अंक

३. निबन्ध तथा प्रस्ताव २० अंक

गृह निबंध ६–– २० अंक

षाण्मासिक परीक्षा ३० अंक

## तृतीय वर्ष

पत्र ( क ) ३ घण्टे ५० अङ्क

प्राचीन पद्य १. सूर सूक्ति सुधा–वियोगी हरि
२. भूषण ग्रन्थावली ( हि० सा० स० ) ३१४ पृष्ठ ( अलंकारों के उदाहरणों को कण्ठ करना आवश्यक नहीं होगा )

नवीन पद्य ३. यशोधरा–मैथिली शरण

गद्य ४. साहित्यालोचन–श्यामसुन्दर
५. विश्वसाहित्य–पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी
६. काव्यमीमांसा
७. साधना—रायकृष्णदास
८. भाषाविज्ञान—मंगलदेव

पत्र ( ख ) ३ घण्टे ५० अंक

१. स्वयं पठनार्थ—१० अंक

१. कबीर वचनावली–अयोध्यासिंह उपाध्याय

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



२. हिन्दी नवरत्न ( सूर, तुलसी, भूषण, चन्द, हरिश्चन्द्र. उदाहरण छोड़ कर )

२. अपठित–१० अंक

३. अलंकार मंजूषा–भगवानदीन—१० अंक

४. निबन्ध लेख—२० अंक

गृह निबंध ६—— २० अंक

षाण्मासिक परीक्षा ३० अंक

## चतुर्थ वर्ष

पत्र ( क ) ३ घण्टे ५० अंक

प्राचीन पद्य १. रामचरितमानस—उत्तर काण्ड

२. सूर पञ्चरत्न–भगवानदीन—बालकृष्ण

नवीन पद्य ३. गीताञ्जलि–अनुवादक काशीनाथ

४. साकेत—मैथिलीशरण १म तथा ९म सर्ग छोड़ कर

नाटक ५. चन्द्रगुप्त—द्विजेन्द्रलाल

६. चन्द्रगुप्त—जयशंकर प्रसाद

७. जयाजयन्त–नान्हालाल दलपतराय

गद्य ८. हिन्दी साहित्य का इतिहास—रामचन्द्र शुक्ल

९. हिन्दी साहित्य विमर्श—पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

१०. काव्य में रहस्य वाद–रामचन्द्र शुक्ल

पत्र ( ख ) ३ घण्टे ५० अंक

१. स्वयं पठनार्थ— १५ अंक

१. तुलसीदास—रामचन्द्र शुक्ल

२. बोल चाल—अयोध्यासिंह

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



३. कबीर का रहस्यवाद—रामकुमार
४. सुकवि संकीर्तन—महावीर प्रसाद
५. भारतीय इतिहास पर हिन्दी का प्रभाव—
शुकदेव विहारी मिश्र

२. अपठित--१५ अंक

३. निबन्ध लेख २० अंक

गृह निबंध ६ -- २० अंक

षाण्मासिक परीक्षा ३० अंक

## दर्शन विषय मे प्रस्तावित संशोधन

११ श्रेणी पत्र भाग (क) में न्याय दर्शन प्रथम अध्याय के स्थान पर तर्कभाषा।

### १२ श्रेणी

विभाग (क) १॥ घण्टा ३८ अंक

न्यायदर्शन वात्स्यायन भाष्य १–२ अध्याय

विभाग (ख) १॥ घण्टा ३८ अंक

न्यायदर्शन वात्स्यायन भाष्य–३य तथा ५म अध्याय
और ४र्थ अध्याय केवल सूत्रार्थ

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मुद्रक—गुरुकुल यन्त्रालय गुरुकुल कागड़ी।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

❀ ओ३म् ❀

# पाठविधि

आयुर्वेद महाविद्यालय

पुस्तकालय गुरुकुल कांगड़ी

66/186

हरद्वारीय-गुरुकुल-विश्वविद्यालय

20022
2.9.2001

सम्वत् १९९५

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

१
२
३
४
५
६
७
८
९
१०
११
१२
१३
१४

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

# विषय सूची


| | विषय | श्रेणी | पृष्ठ |
|---|---|---|---|
| १ | रसायन | ११ | १ |
| २ | द्रव्यगुण | ११ | ४ |
| ३ | त्रिदोष | ११ | ८ |
| ४ | शारीरशास्त्र | ११ | १० |
| ५ | " | १२ | १५ |
| ६ | शरीर क्रियाविज्ञान | ११ | १२ |
| ७ | " | १२ | १६ |
| ८ | रसतन्त्र | १२ | १९ |
| ९ | निदान | १२ | २२ |
| १० | मैटीरिया मैडिका | १२ | २३ |
| ११ | शल्यतंत्र | १३ | २४ |
| १२ | " | १४ | ३६ |
| १३ | काय चिकित्सा | १३ | २७ |
| १४ | " | १४ | ३८ |


CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri




| | | | |
|---|---|---|---|
| १५ | जीवाणु विज्ञान तथा शरीर विकृति विज्ञान | १३ | ३० |
| १६ | अगद् तंत्र | १३ | ३२ |
| १७ | रोग परीक्षा | १३ | ३३ |
| १८ | प्राचीन आयुर्वेद | १३ | ३४ |
| १९ | ” | १४ | ४४ |
| २० | स्वस्थवृत्त | १३ | ३४ |
| २१ | बालतन्त्र | १४ | ४१ |
| २२ | नवीन प्रसूतितन्त्र तथा स्त्री रोग | १४ | ४२ |
| २३ | प्राचीन बाल + प्रसूति-तंत्र तथा स्त्री रोग | १४ | ४४ |
| २४ | वेद | ११,१२,१३,१४ | ४५ |


CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

# आयुर्वेद महाविद्यालय

की

# पाठविधि

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

❀ ओ३म् ❀

# परिचय

## Intoroduction

आज से हज़ारों वर्ष पूर्व जब पाश्चात्य संस्कृति अभी भविष्य के गर्भ में ही थी उस समय भारत की सभ्यता संसार के उच्च शिखर पर पहुंची हुई थी। भारत के उस अतीत गौरवमय युग के अनेक अमूल्य रत्न आज लुप्तप्राय हो जाने पर भी उस युग की हल्की सी याद दिलाते हैं।

अनेक कारणों से इसकी अवनति होने पर भी इसके पुनरुद्धार अभ्युदय एवं उन्नति की आवश्यकता है। इसके जीवित होते हुए भी हमारा देश चिकित्सा विषय में परमुखापेक्षी हो, यह किसी प्रकार भी वांछनीय नहीं है।

इन्हीं विचारों को ही सामने रख कर प्रातःस्मरणीय स्वर्गीय श्री स्वामी श्रद्धानन्द जी महाराज ने गुरुकुल में २८ मई सन् १९२२ में 'आयुर्वेद महाविद्यालय' की स्थापना की थी।

वेदों में चिकित्सक को ब्राह्मण कहा गया है। गुरुकुल अपने ब्रह्मचारियों के सम्मुख वही ब्राह्मण का आदर्श रखना

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



चाहता है, और उसका सर्वोत्तम उपाय यही है कि इस संस्था में ही ब्रह्मचारियों के सम्मुख ऐसा आदर्श उपस्थित किया जाय जिससे उनके हृदयों पर सेवाभाव के संस्कार अंकित हो जाएं।

'शिक्षा' तथा 'सेवा' दोनों विचारों को दृष्टि में रखकर गुरुकुल में वेद, दर्शन, उपनिषद् आदि के साथ साथ 'आयुर्वेद' की भी उच्च शिक्षा का प्रबन्ध किया गया है जिसमें सुश्रुत तथा चरक आदि के अनुसार प्राचीन आयुर्वेद की शिक्षा दी जाती है। ब्रह्मचारी अपनी शिक्षा को अपूर्ण न समझें उनका ज्ञान पूर्वीय आयुर्वेद तथा पाश्चात्य चिकित्सा के सम्मिश्रण से सर्वतोमुखी हो, इस उद्देश्य से गुरुकुल में जहां आयुर्वेद की उच्च से उच्च शिक्षा दी जाती है वहां ऐलोपैथी का भी पूरा अध्ययन कराया जाता है। इसके लिए Anatomy, Physiology, Surgery, Chemistry, Pharmacology, Medicine Therapeutics. Pathology, Clin. Medicine. etc. इन विषयों का तुलनात्मक अध्ययन कराया जाता है। ब्रह्मचारियों को शवक्रिया ( Dissection ) का भी ज्ञान कराया जाता है और उन्हें अनुभवी डाक्टरों के निरीक्षण में बड़े २ आपरेशन भी दिखाये जाते हैं।

चार वर्ष के अध्ययन के बाद स्नातक बनते समय विद्यार्थियों को 'आयुर्वेदालङ्कार' की उपाधि दी जाती है।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



# कालेज की विशेषताएं

## ( Equipments of the College )

१. विद्यार्थियों को शास्त्रीय विधि से आयुर्वैदिक औषधियां बनाने की क्रियात्मक शिक्षा देने के लिए कालेज की अपनी फार्मेसी है।

२. शल्यतन्त्र की क्रियात्मक शिक्षा के लिए विशाल 'शल्य क्रिया भवन' है। जिसमें आधुनिक ढंग के प्रायः सभी शस्त्रों का वृहद् संग्रह है। प्रायः सभी लघु और बृहद् शल्यकर्म ( Major & Minor Operations ) का अभ्यास कराया जाता है। शवच्छेदन के लिए शवच्छेदनगृह भी है।

३. रोग विनिश्चयात्मक खोज ( Clinical Research) के लिए ( Clinical Laboratory ) है जिसमें सूक्ष्मवीक्षण यन्त्र (Microscops ) तथा अन्य अनेक वैज्ञानिक उपकरण ( Apparatus ) भी हैं।

४. कालेज में बृहद् रसायन प्रयोगशाला ( Chemical Laboratory ) भी है जिसमें चिकित्सा की दृष्टि से पदार्थों का विश्लेषण तथा उनके गुणों का क्रियात्मक अध्ययन भी कराया जाता है।

५. शारीरशास्त्र के अध्ययन के लिए उत्तम संग्रहालय है जिसमें मनुष्य के भिन्न २ अंग असली व मट्टी के बने

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



दोनों रूपों में, मनुष्य की सब अस्थिएं, अस्थिपिञ्जर आदि पर्याप्त रूप में संगृहीत हैं।

६. वनस्पतियों के ज्ञान के लिए 'वनस्पति वाटिका' (Botanical Garden) है जिसमें लगभग २०० दुर्लभ बूटियां संग्रहीत हैं। इनके अतिरिक्त विद्यार्थियों को देहरादून में स्थित गवर्नमैण्ट आव इण्डिया द्वारा संचालित (Forest-Research Institute) में भी वनस्पति संबंधी खोज से परिचय कराने के लिए प्रतिवर्ष ले जाया जाता है।

७. विद्यार्थियों को चिकित्सा का अभ्यास कराने के लिए अन्त: तथा बाह्य चिकित्सालय (Indoor & Outdoor Hospital) भी है जिसे 'श्रद्धानन्द सेवाश्रम' (Shradhanand Mission Hospital) के नाम से पुकारा जाता है। जिसके शल्यात्मक तथा चिकित्सात्मक (Surgical & Medical) दो विभाग हैं।

८. आयुर्वेद के असाधारण ज्ञान के लिए पूर्वीय तथा पाश्चात्य चिकित्सा की भिन्न २ पुस्तकों के वृहद् संग्रह के रूप में विशाल पुस्तकालय भी है।

कुछ वर्ष पूर्व यू. पी. सरकार ने एक कमीशन बिठाया था जिसने यू. पी. के तमाम आयुर्वेदिक कालेजों का निरीक्षण करने के बाद 'गुरुकुल आयुर्वेद महाविद्यालय' के सम्बन्ध में निम्न सम्मति दी थी—

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



"The Gurukula Medico-Ayurved College, enjoys a good reputation of being a first rate College. Its well qualified staff, its reformed methods of teaching, its equipment, its collection of good books and its dynamic out look are estimable"

अर्थात् "गुरुकुलीय आयुर्वेद महाविद्यालय प्रथम श्रेणी के आयुर्वेद महाविद्यालय के रूप में सुविख्यात है इसका सुशिक्षित और सुयोग्य उपाध्याय वर्ग, सुविकसित अध्यापन-विधि, समुचित साधन-सम्पन्नता तथा उत्तम पाठविधि एवं अन्य दृष्टियों से पूर्णता इसकी अपनी ही विशेषताएं हैं।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

❀ ओ३म् ❀

प्रथमवर्ष

# १. रसायनशास्त्र (Chemistry)

एक पत्र ३ घण्टे ३८ अंक

(क) अनैन्द्रियिक रसायन

१. धातुओं की प्राप्ति की सामान्य विधियां उन का शोधन तथा सामान्य गुण । निम्न की सामान्य निर्माण विधियां:— Oxides, Hydroxides, Sulphates, Chlorides, Carbonates, Nitrates.

२. निम्न धातुओं के सामान्य गुण और निर्दिष्ट समासों की निर्माण विधियां, गुण तथा सरल परीक्षाएं, प्रत्येक धातु की प्राप्ति तथा संक्षिप्त निर्माण विधियां—

i. सोडियम-उदित, हरिद, गन्धित, कर्बनित, विकर्बनित, प्रस्फुरित। ii. पोटाशियम— ओषिद, नत्रित, हरित, नैलिद, ब्रमिद, सायनिद, परमाङ्गलित। iii. ताम्र,— ओषिद, गन्धित, iv. रजत— ओषिद, नत्रित, v. स्वर्ण— ओषिद, हरिद। vi. पारद—ओषिद, हरिद्। vii. सीसक—अम्लजित, नत्रिद, सिरकित। viii. बङ्ग—ओषिद, हरिद। ix. लोहा—हरिद, गन्धित। x. संखिया—ओषिद, गन्धित। xi. बरनाग। xii. बिस्मथ। xiii. अलमुनियम। xiv. यशद्—ओषिद, हरिद, गन्धित,

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



( ख ) भौतिकी रसायन—

१. सरल उदाहरणों सहित निम्न गुणों का अध्ययन- Solubility, mixture, Emulsion, Filtration, crystalization, Distillation, Sublimation.

२. निम्न का संक्षिप्त ज्ञान--Diffusion, esmosis, permeability, surface tension, Law of mass action, Colloidal solution, reaction of fluids तथा Enzymes और उनका कार्य।

( ग ) ऐन्द्रियिक रसायन--

१. निम्न समासों के तत्वों की पहचान तथा इनकी मात्रा का निर्धारण कार्बन, हाईड्रोजन, नाइट्रोजन, हैलोजन, गन्धक, फोस्फोरस।

२. निम्न सामान्य सिद्धान्तों का परिचय— Organic Compounds, organic radicles, Empirical, Molecular, conditional formula, Isomerism.

३. निम्न शोधन विधियों का सरल ज्ञान— धोना, Dry-Distillation, Frictional distillation, Fractianal crystallisation, Fermentation, putrifaction, Vaccum Distillatien, steam distillation.

४. ऐन्द्रियिक समासों का वर्गीकरण तथा उनकी सामान्य रचना। मुख्य Types, Derivatives तथा उनके निम्न उदाहरणों की निसर्ग में प्राप्ति, निर्माण विधियां, सामान्य गुण तथा परीक्षाओं का सरल परिचयः—

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



1. Hydrocarbons–Paraffines. 2. Alcohols–Methyl, तथा Ethyl alcohol. 3. Ethers–Sulphuric ether ( Ethylalcohol ) 4. Aldehydes and Ketones ( formaldehyde-acetons ) 5. Organic acids— acetic, Vinegar, esters, oils and fats. Soaps and soponification.

6. Carbohyderates:—
   a. Sugars–Glucose, Fructose, Gelatose, Cane Sugar, Lactose, Maltose.
   b. Amylose–starch, cellulose, Glycogen.

7. Cyanagen compounds–Urea, uricacid, asniud acides,

8. Protenis–गुण तथा उनका Hydrolysis.

9. Alkaloids–Morphiue, Quinine, Strychmie

पत्र ( ग ) ३८ अङ्क क्रियात्मक

१. विलेयता द्वारा मिश्रणों के अवयवों का पृथक्करण।

२. क्रिस्टलीकरण के द्वारा लवणों का शोधन।

३. पठित धातुओं मूलकों के Single लवणों की पहचान।

| | | |
|---|---|---|
| पाण्मासिक परीक्षा | वर्णनात्मक | १२ अंक |
| | क्रियात्मक | १२ अंक |

पाठ्य पुस्तक—१. प्रारम्भिक रसायन दूसरा भाग फूलदेवसहाय वर्मा कृत
२. हैलीबर्टन फिज़ियालोजी २० तथा २१ वां अध्याय

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



सूचना–आयुर्वेद महाविद्यालय के सभी विषयों में, जिनकी क्रियात्मक परीक्षा रखी गई है, (क) वर्णनात्मक तथा क्रियात्मक भागों में पृथक् २ ४० प्रतिशत अंक लेकर उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

(ख) तथा गृह नोट्स के ८ अंक क्रियात्मक में होंगे। इन कापियों का प्रस्तोता कार्यालय में आना आवश्यक होगा।

## २. द्रव्यगुण शास्त्र

एक पत्र — ३ घण्टे ७६ अंक

पत्र (क) — १॥ घण्टा ३८ अङ्क

१. औषधि निर्माण सम्बन्धी परिभाषायें तथा विधियें:— स्वरस, कल्क, कषाय, फान्ट, शीतकषाय, घृत, तैल, आसव, अरिष्ट, मद्यासव, चूर्ण, शुक्त, रसक्रिया, अवलेह, गुटिका, पानक, अर्क, घनरसक्रिया क्षार निर्माण, पुटपाक।

२. (क) औषध प्रयोग सम्बन्धी परिभाषायें तथा विधियें— धूम्रपान, गण्डूष तथा कवल, नस्य, वस्ति, रक्त-सेचन, जलौका पात, स्वेद, शीत परिषेक, उपनाह, प्रस्तर, स्नेहन, स्नान, वमन, विरेचन, निरूहण, अनुवासन, शिराबेध, ऊत्तर वस्ति, शिरोवस्ति।

(ख) पञ्च कर्म शोधन–विस्तार से पढ़ाया जाये।

३. रस, वीर्य, विपाक, प्रभाव तथा २० गुण, इनका परिचय।

४. परिमाण-ज्ञान– कालिङ्ग मागध तथा आधुनिक मान।

५. दीपन, पाचन, ग्राही, अनुलोमन, भेदन, स्तम्भन, स्रंसन, विरेचन, शमन, वाजीकरण, रसायन, सूक्ष्म, व्यवायी, छेदन, लेखन, प्रमाथि, वश्य–द्रव्यों की परिभाषाएं।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



i आमाशय प्रभावक औषधियां—दीपक, पाचक, वामक, वमनहर औषधियां

ii आन्त्रप्रभावक औषधियां—साधारण विरेचक ( अनुलोमक ) तीव्रविरेचक, आन्त्रक्षोभक तथा उदर कृमिहर औषधियां--

iii यकृतप्लीहा प्रभावक औषधियां

iv श्वास संस्थान प्रभावक औषधियां--
उत्तेजक धूम ( क्षोभक, विरेचक, शामक या उद्वर्तहर धूम )

v नासाप्रभावक औषधियां:-नासा उत्तेजक, शामक तथा विरेचक नस्य

vi श्वास तथा फुफ्फुस प्रभावक औषधियां-श्वास उत्तेजक व शामक ( कफ सारक, कफ शामक ) औषधियां

vii त्वक् संस्थान प्रभावक औषधियां—स्वेदक, स्वेदहर, त्वच्च, केश्य तथा रोमनाशक औषधियां।

viii मूत्रसंस्थान प्रभावक औषधियां—मूत्रल, मूत्रग्राही औषधियां।

ix लाला ग्रन्थिप्रभावक औषधियां-लाला स्रावक, लालारोधक तथा तृषाहर औषधियां।

x दन्तप्रभावक औषधियां—दन्तशूलहर, दन्तकीटहर।

xi श्रोत्रप्रभावक औषधियां— शूलहर, पूयहर तथा बाधिर्यहर। औषधियां।

xii उत्पादक अंग प्रभावक औषधियां-वाजीकरण, पुंस्त्वहर, भ्रूणहर, आर्तव प्रवर्तक, स्तन्य प्रवर्तक और स्तन्य हर औषधियां।

xiii रक्त वर्धक औषधियां—रक्त वर्धक तथा रक्त रञ्जकद्रव्य।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



पत्र ( ख ) ११। घण्टा ३८ अंक

निम्नलिखित औषधियों के भिन्न भिन्न नाम ( Synonyms ), भेद, वानस्पतिक वर्णन और भौतिक गुण, रासायनिक विश्लेषण, गुण तथा प्रभाव, मात्रा, योग तथा उपयोग।

१. नाडी मण्डल प्रभावक औषधियां—१. विष मुष्टी २. धत्तूर ३. ब्राह्मी ४. शङ्ख पुष्पी।

२. रक्त संस्थान की प्रभावक औषधियां--

क. हृत् उत्तेजक--१. अर्जुन २. करवीर

ख. हृन्मान्द्यकर--१. वत्सनाभ

३. श्वास संस्थान की प्रभावक औषधियां--

क. कफ़ निस्सारक--१. वासा २. कर्कट शृङ्गि ३. शठी ४. वचा ५. कुष्ट ६. पुष्कर मूल ७. भारङ्गी ८. कट्फल ९. तालीस पत्र

ग. श्वासशामक--१. मधुयष्टी।

४. महास्रोतस् की प्रभावक औषधियां—

क. वामक--१. राजिका, २. मदनफल, ३. देवदाली

ख. विरेचक

i. अनुलोमकः—१. बिल्व २. द्राक्षा ३. आरग्वध ४. एरण्ड ५. स्वर्णमुखी ६. रेवन्दचीनी ७. कुमारी ८. अञ्जीर ९. त्रिफला १०. मधु।

ii. तीव्र विरेचकः—१. दन्ती २. स्नुही

iii. पित्त विरेचकः—१. इन्द्रवारुणी २. त्रिवृत्त

ग. उदर कृमिहर

i. गण्डूपद कृमिहरः—१. पलाशबीज

ii. अन्न कृमिहरः—१ कम्पिल्ल २ बीज मीठा कद्दू ३ विडङ्ग

iii ग्रहणी कृमिहरः— १ अजमोदा २ यवानी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



घ. पाचक औषधियां—

i तिक्त पाचकः—१ किरात तिक्ता २ अतिविषा ३ नारङ्ग त्वक्

ii दीपकः—१ शुण्ठी २ मरिच ३ पिप्पली ४ चित्र मूल ५ जीरक ६ धान्यक ७ यवानी ८ अजमोदा ९ शतपुष्पा १० रक्तमरिच ११ मिश्रेया। १२. हिंगु १३. एला १४. त्वक् १५. लवङ्ग १६. गुलाब १७. जम्बीर १८. जातीफल १९. आकार करभ २०. कर्पूर २१. पलाण्डु २२. लशुन २३. तमाल पत्र २४. नागकेसर २५. तारपीन।

ङ. ग्राही

१. मायाफल २. हरीतकी ३. खदिर ४. असन ५. बबूल त्वक ६. धातकी ७. लाक्षा ८. कुटज ९. इन्द्रयव १०. लोध्र ११. क्रमुक १२. मोचरस।

च. स्नेहन तथा क्षोभहर

१. बादामरोगन २. अलसी ३. तिल ४. इसब गोल ५. मधुयष्टी ६. निर्यास बबूल ७. वसा।

५. वृक्क प्रभावक औषधियां

क. मूत्रलः—१. गोक्षुर २. पुनर्नवा ३. पञ्चतृण मूल ४. अपामार्ग ५. हपुषा

ख. मूत्र कृमिहरः—१. कबाबचीनी २. चन्दन ३. खस

६. गर्भाशय पर प्रभावक औषधियां—

१. कार्पासी २. अशोक

७. ज्वरहर तथा विषम ज्वरहर औषधियां—

१. कटुकी २. रसाञ्जन ३. निम्ब ४. वत्सनाभ ५. कलिहारी ६. करञ्ज ७. तुलसी।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## ८. बल्य तथा पोषक औषधियां

क. बल्यः—१. बला २. मूसली ३. शतावरी ४. अश्वगन्धा ५. विदारी ६. अष्टवर्ग ७. कोकिलाक्ष ८. मञ्जिष्ठा ९. चोपचीनी १०. वंशलोचन ११. दशमूल १२. द्राक्षा १३. शाल्मलीमूल १४. कपिकच्छु १५. सारिवा।

ख. मेध्य औषधियां:—१. ज्योतिष्मती २. ब्राह्मी।

ग. सामान्य उत्तेजकः—१. केसर २. कस्तूरी ३. जावित्री

## ९. त्वच्य औषधियां—

१. स्वर्णक्षीरी २. हरिद्रा ३. मण्डूकपर्णी ४. वाकुची ५. चक्रमर्द ६. मूलक ७. शाल ८. गुडूची।

## १०. वात शूलहर औषधियां—

१. गुग्गुलु २. देवदारू ३. भल्लातक ४. सरल ५. तगर ६. जटामांसी

## ११. दाहहर औषधियां—

१. उशीर २. मुस्ता ३. पर्पट ४. दूर्वा ५. पञ्चक्षीरी ६. दुरालभा ७. नेत्रबला।

## १२. शोथहर औषधियां—

१. ताम्बूल २. शिग्रु ३. गुञ्जा ४. रोहीतक

पत्र ( ग ) क्रियात्मक ३८ अङ्क

### १. औषधियों की पहिचान—

**२. औषधि निर्माण**—भिन्न २ प्रकार के निम्नलिखित श्रेणियों के कम से कम दो योग बनाने होंगे—

उपाध्याय महानुभाव औषधालय की आवश्यकता के अनुसार नीचे की शीर्षकों वाली श्रेणियों में से प्रत्येक श्रेणी के कम से कम दो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



दो प्रयोग हर एक विद्यार्थी से बनवायें। अर्थात् प्रत्येक ब्रह्मचारी, वर्ष भर में कम से कम २५ औषधियां तयार करें, तथा अपने क्रियात्मक नोट्स तथा नमूने परीक्षा ( प्रस्तोता कार्यालय ) में उपस्थित करें।

कषाय, फाण्ट, पुटपाक, शीत कषाय, चूर्ण, वटी, अवलेह, मोदक, तैल निस्सारण, अरिष्ट, आसव, पानक, जलीय रसक्रिया, मद्य रस क्रिया, अर्क, प्रलेप, गुदवर्तिका, वर्ति, पाक प्रक्रिया।

सूचना—समय और साधनों के अनुसार उपाध्याय महोदय इससे अतिरिक्त भी करवा सकते हैं।

**३. तोल और माप—**

१. तुला के भेद तथा उपयोग। २. माप के भेद तथा उपयोग।

**४. उपकरण—**

१. खल्व २. स्थाली, क्वाथ तथा फाण्ट पात्र ३. आसव यन्त्र ४. तिर्यक पातन ५. स्वेदन यन्त्र ६. कच्छप यन्त्र ७. अर्क यन्त्र ८. छुड़ी छुरी इत्यादि।

| | | |
|---|---|---|
| षाण्मासिक परीक्षा | वर्णनात्मक | २४ अङ्क |
| " " | क्रियात्मक | १२ अङ्क |

**पाठ्य पुस्तक—**

१. परिभाषा प्रदीप
२. भावप्रकाश निघण्टु

## ३. त्रिदोष

| | |
|---|---|
| एक पत्र | ३ घण्टे ७६ अङ्क |
| पत्र ( क ) | १॥ घण्टा ३८ अंक |

**पाठ्य पुस्तक—**

त्रिदोष विमर्श—पं० धर्मदत्त कृत—विमर्श भाग

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



पत्र ( ख ) १॥ घण्टा ३८ अङ्क

त्रिदोष विमर्श-संग्रह भाग

षाण्मासिक परीक्षा २४ अंक

## ४. शारीर शास्त्र (Anatomy)

एक पत्र ३ घण्टे ७६ अङ्क

पत्र ( क ) १॥ घण्टा ३८ अंक

### शिर तथा ग्रीवा ( Head and Neck )

१ **अस्थियां**—संधियां, मुख्य पेशियां, धमनियां, शिराएं तथा नाड़ियों का सामान्य वर्णन। अर्थात् नाम तथा सरल वर्णन। कपाल अस्थियों की केवल विशेषताएं।

२. मुख—मुख कुहर का सामान्य ज्ञान। निम्न का संक्षिप्त वर्णन—ओष्ठ, दन्त वेष्ट, कपोल, जिह्वा, मांस पेशियां, कठिन तथा कोमल तालु; लाला ग्रन्थियां तथा शुण्डिकाएं।

३ ग्रैवेयक ( Thyroid gland )

४. **मस्तिष्क तथा सुषुम्ना की स्थूल रचना का सामान्य ज्ञान।** Sympathetic chain का संक्षिप्त वर्णन। Brachial तथा Sacral plexus की नाड़ियों का नाम तथा मार्ग।

पत्र ( ख ) १॥ घण्टा ३८ अंक

१. **ज्ञानेन्द्रियां** ( Organs oe Syecial Senses )

नेत्र, श्रोत्र तथा नासिका की संक्षिप्त रचना।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## २. वक्षस ( Thorax )

i अस्थियां, संधियां, मुख्य २ पेशियां, धमनियां, शिरायें नाड़ियों तथा रसायनी का सरल वर्णन ।

ii हृदय (Heart) हृदय की स्थिति, आकार, हृतकोष, हृत्प्रकोष्ठ, कपाटियां, छिद्र ।

iii **श्वास संस्थान** ( Respiratory system )—स्वरयन्त्र, श्वास प्रणाली तथा फुफ्फुस का सामान्य ज्ञान ।

| | | |
|---|---|---|
| पत्र ( ग ) | क्रियात्मक | ३८ अङ्क |

## शवच्छेदन (Dissection)

प्रतिवर्ष प्रत्येक ब्रह्मचारी को शवच्छेद करने के लिए जो दो या तीन भाग दिये गये हों उन्हीं में क्रियात्मक परीक्षा देनी होगी। जिस विद्यार्थी ने Thorax ( वक्षस् ) का शवच्छेद किया हो उसे उसके अतिरिक्त दो और भागों का शवच्छेद भी कर लेना होगा। जिस जिस भाग को ब्रह्मचारी समाप्त करता जाए अपने उपाध्याय महोदय से उसका प्रमाणपत्र लेकर अध्यक्ष कार्यालय में भेज दे।

| | | |
|---|---|---|
| षाण्मासिक परीक्षा | वर्णनात्मक | २४ अङ्क |
| ,, ,, | क्रियात्मक | १२ अंक |

**पाठ्य ग्रन्थ—**

१ मुस्तफी—असेन्शलस ओफ एनेटोमी

२ कनिङ्घम—डाईसेक्टर्स अथवा मुस्तफी प्रेक्टिकल एनोटोमी ।

**स्वाध्याय ग्रन्थ—**

प्रत्यक्ष शारीरम्—गणनाथसेन

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



# ५. शरीर क्रियां विज्ञान ( Physiology )

एक पत्र ३ घण्टे ७६ अङ्क

पाठ्य पुस्तक—

हैलिबर्टन फिजियोलोजी

पृष्ठ १ से ४८२ ( २७६–३१९ तथा ६६—१०६ )

पत्र ( क ) १॥ घण्टा ३८ अङ्क

पृष्ठ १ से २७६ ( ६६ से १०६ पृष्ठ छोड़कर )

१ जान्तविक सेल ( Animal cell )

२ मांस पेशियां ( Muscles )—रचना, रासायनिक गुण, भौतिक तथा संकोचन गुण, मरण संकोच।

३ रक्त संचार–(i) हृदय, हृदय की पेशियां, हृत्कार्य चक्र, कपाटिकाओं की क्रिया, हृत् ध्वनि।

( ii ) रक्त संवहन ( Circulation of blood )—संवहन का समय, रक्त का दबाव, धमनी ( Pulse )

४. लसीका तथा लसीका ग्रन्थियों की रचना तथा कार्य। लसीका प्रवाह।

५ प्लीहा (Spleen) इसकी रचना तथा कार्य।

६ श्वास प्रक्रिया ( Respiratory Processes )

फुफ्फुस ( Lungs )—रचना, श्वास कर्म, नाड़ियों द्वारा नियन्त्रण। श्वास द्वारा रक्त तथा वायु में परिवर्तन। तन्तुओं में श्वासवत् क्रिया।

पत्र ( ख ) १॥ घण्टा ३८ अंक

पृष्ठ ३२० से ४८२ तक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



( १ ) रक्त ज्ञान ( Haematology )—रुधिराणुओं का सूक्ष्म ज्ञान। श्वेताणुओं की जातियां, रक्त का रासायनिक ज्ञान। स्कन्दीभवन।

( २ ) भोजन प्रक्रिया ( Food and digestive processes ) खाद्य पदार्थों का श्रेणीकरण, भोजन के मौलिक पदार्थ। स्तन की सूक्ष्म रचना तथा दूध।

( ३ ) महास्रोतस के मुख्य २ अंगों की सूक्ष्म रचना तथा इनमें अन्न विभाग।

प्रोटीडज वसा तथा कार्बोदितों का धातु पाक।

४ यकृत का सूक्ष्म ज्ञान तथा कार्य।

पत्र ( ग ) क्रियात्मक ( Practical ) ५० अङ्क

( 1 ) Micrcscope–its use.

( 2 ) Miscroscopic study of different cells and musscle fibres.

( 3 ) Preparing and staining blood films, recognition of red and white blood corpuscles, enumeration of red and white blood corpuscles, estimation of Hb, taking blood pressure, taking pulse tracing, coagulation time.

( 4 ) Use of Stethoscope.

( 5 ) Histology of section of heart muscle, Artery Vein, Lymph gland, Salivary gland,

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



Spleen, Trachea, Lung, Mammary gland, Oesophagus. Intestines, stomach, pancreas, and liver.

(६) मेंढक के हृदय का कार्यावलोकन। रक्त का रंग, स्वाद, reaction आपेक्षिक गुरुता।

श्वास गति तथा इस पर व्यायाम का प्रभाव। श्वास वायु में $CO_2$ की Lime water द्वारा सिद्धि। फीते से Vital Capacity का माप।

दूध तथा starch का सूक्ष्म निरीक्षण। Lactometer का प्रयोग। अण्डे के भाग।

Test tube में starch पर थूक तथा अण्डे की albumen पर शुद्ध तथा उबली Liq. pepticus का प्रभाव।

मेंडक की पित्त का रंग तथा Reaction।

पाण्मासिक परीक्षा २४ अङ्क

" " क्रियात्मक १२ अङ्क

**पाठ्य पुस्तक**

हैलिबर्टन–फिज़िओलोजी

**स्वाध्याय ग्रन्थ—**

कैव–कैमिकल फिज़िओलोजी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## द्वितीय वर्ष

# १. शारीर शास्त्र (Anatomy)

एक पत्र — ३ घण्टे ७६ अङ्क

पत्र ( क ) — १॥ घण्टा ३८ अङ्क

(i) ऊर्ध्व शाखाएं ( Upper Extremity )

( ii ) निम्न शाखाएं ( Lower Extremity )

अस्थियां, संधियां, मुख्य २ पेशियां, धमनियां, शिराएं तथा नाड़ियों का वर्णन। हाथ, पैर की अस्थियों तथा मुख्य पेशियों के नाम

पत्र ( ख ) — १॥ घण्टा ३८ अङ्क

## उदर ( Abdomen )

मुख्य २ संधियों, पेशिय, धमनियों, शिराओं तथा नाड़ियों का वर्णन।

ii भोजन प्रणाली के मुख्य आशयों के आकार, स्थिति तथा आवश्यक संबन्ध। उदर आवरण ( peritoneum ) तथा उदर कला ( mesenterey ) तथा यकृत का सरल ज्ञान।

iii प्लीहा और उपवृक्क का संक्षिप्त ज्ञान।

iv मूत्र संस्थान तथा जननेन्द्रियों के निम्न आशयों का सरल वर्णन—वृक्क, मूत्राशय, अण्डकोष, अण्ड, शिश्न, बीजकोष, गर्भाशय।

पत्र ( ग ) — क्रियात्मक — ३८ अङ्क

## शवच्छेदन

प्रतिवर्ष प्रत्येक ब्रह्मचारी को शवच्छेद करने के लिए जो दो या तीन भाग दिये गये हों उन्हीं में क्रियात्मक परीक्षा देनी होगी। जिस विद्यार्थी ने Thorax ( वक्षस ) का शवच्छेदन किया हो उसे उसके अतिरिक्त दो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



और भागों का शवच्छेद भी कर लेना होगा। जिस जिस भाग को ब्रह्मचारी समाप्त करता जाए अपने उपाध्याय से उसका प्रमाण पत्र लेकर अध्यक्ष कार्यालय में भेज दे।

षाण्मासिक परीक्षा २४ अङ्क

,, ,, क्रियात्मक १२ अङ्क

पाठ्य ग्रन्थ–

१. मुस्तफी–असेन्शल्स ओफ अनेटोमी।

२. कनिङ्घम्स्–डाइसेक्टर्स अथवा मुस्तफी प्रेक्टिकल अनोटोमी

स्वाध्याय ग्रन्थ—

१. प्रत्यक्ष शारीरम्–गणनाथसेन।

## २. शरीर क्रियाविज्ञान ( Physiology)

एक पत्र ३ घण्टे ७६ अङ्क

पत्र ( क ) १॥ घण्टा ३८ अङ्क

हैलिबर्टन–फिज़िओलोजी पृष्ट ६६–१०६ तथा ४८२–६२६

**१. वात नाड़ियां—**

रचना, ध्वंस तथा पुनरुज्जीवन, नाड़ी की संज्ञा, गति तथा दिशा का सरल ज्ञान।

**२. मूत्र निर्माण प्रक्रिया—**

वृक्क–सूक्ष्म रचना तथा क्रिया। मूत्राशय से मूत्र त्याग कर्म। त्वचा की रचना।

**३. वात संस्थान—**

मस्तिष्क के मुख्य २ अङ्गों, सुषुम्ना तथा सिम्पैथेटिक नाड़ी मण्डल की रचना तथा कार्य का सरल ज्ञान।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



पत्र [ ख ] १॥ घण्टा ३८ अङ्क

पृष्ठ ६३०-८०४

१. ज्ञानेन्द्रियां ( Sense-organs )

स्पर्शनेन्द्रिय, रसनेन्द्रियां, घ्राणेन्द्रियां, श्रवणेन्द्रियों की संक्षिप्त रचना तथा कार्य।

नेत्र--नेत्र पटलों की सूक्ष्म रचना तथा कार्य, दृष्टि ( Sight ) दर्शन संज्ञा का पथ तथा केन्द्र, समीप तथा दूर दर्शन, प्रतिच्छाया के साधारण दोष ( Common errors of refraction)।

२. वाक् तथा स्वरयन्त्र ( Larynx )—

स्वर यन्त्र की रचना तथा कार्य।

३. जनन संस्थान ( Reproductive organs )--

पुरुष तथा स्त्री के अङ्गों की रचना तथा कार्य।

४. निस्रोतस ग्रन्थियां ( Ductless Glands )--

ग्रैवेयक, उपग्रैवेयक, बालग्रैवेयक, अधिवृक्क और पोषणक ( Pituitary ) ग्रन्थियों की रचना तथा कार्य।

५. शरीर की वृद्धि, अस्थि उनकी रचना, उत्पत्ति, रासायनिक गुण तथा Cartilage.

पत्र [ ग ] क्रियात्मक ३८ अङ्क

## Practical

[ 1 ] Urine—quantity, colour, transparency, reaction, odour, sp. gravity, qualitative examination of Phosphates, Uric acid, urea, portein,

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



blood, sugar, bile. Qualitative examination of urea, protein, sugar. Urinary deposits-phosphates, urates, oxalates,

[2] Histology of sections of nerve, spinal cord, kidney, taste buds, retina, thyroid gland, Testicle, ovary, cartilages, bone and microscopic examination of sperm, egg.

[3] Use of Otoscope, Perimeter.

[4] Eliciting superficial and tendon reflexes.

[5] Cold and blind spots. Threshold for 2 points for factile discrimination. Use of Thermometre. Comparison of sensitiveness to bitter, sweet and salt substances on various parts of the tongue; simple experiments about accomodation and blind spots; simple tests for long and short sight.

सूचना– ११ श्रेणी क्रियात्मक शरीर क्रियाविज्ञान की परीक्षा पूर्ववत् होती रहे। परन्तु १२ वीं श्रेणी में सम्पूर्ण क्रियात्मक शरीरक्रियाविज्ञान की परीक्षा हुआ करे ( ११ वीं तथा १२ वीं की क्रियात्मक परीक्षा १२ वीं में हो )। १२ वीं श्रेणी में ११ वीं के पाठ्य विषय में से ८ अङ्कों तक के प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

| | | |
|---|---|---|
| षाण्मासिक परीक्षा | वर्णनात्मक | २४ अङ्क |
| ,, | क्रियात्मक | १२ अङ्क |

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



पाठ्य ग्रन्थः—

हैलिबर्टन फिज़िओलोजी

स्वाध्याय ग्रन्थः— १. कैब-कैमिकल फिज़िओलोजी

## ३. रस तन्त्र

एक पत्र ३ घण्टे ७६ अङ्क

पत्र ( क ) १॥ घण्टा ३८ अङ्क

निम्नलिखित रसों के भिन्न २ नाम, स्वरूप, भेद, निर्माण विधि, शोधन, भस्मी करण, प्रयोग, मात्रा, गुण, प्रभाव, योग तथा उपयोग--

[ क ] भारी धातुवें--

रस या पारद—उपर्युक्त बातों के अतिरिक्त, अष्ट संस्कार, जारण तथा मूर्छन, यह भी कराये जांय। प्रयोग ( Preparation )—रस सिन्दूर, रस कर्पूर, सुधानिधि, रस पर्पटी, चन्द्रोदय, रस भस्म हिंगुल ।

लोह—लोह भस्म, लोहासव, लोह पर्पटी, लोह चूर्ण, मण्डूर, स्वर्ण माक्षिक

नाग—नाग भस्म, मृदार श्रृङ्ग, सिन्दूर ।

रजत--रजत भस्म ।

यशद—यशद भस्म खर्पर ।

ताम्र—ताम्र भस्म, तुत्थ सत्व पातन ।

वंग—बङ्ग भस्म, स्वर्ण बङ्ग ।

स्फटिकी ( Alum )

स्वर्ण—स्वर्ण भस्म, गोल्ड क्लोराईड, मकरध्वज ।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



( ख ) क्षारीय धातु--

यवक्षार, सर्जक्षार, लवण, नवसार, मुक्ता, प्रवाल, शंख, शुक्ति वराट।

( ग ) अन्य धातु—

गौरी पाषाण—संखिया, हरताल भस्म तथा सत्व पातन, मनः शिला, रस माणिक्य, गोदन्ती हरताल। अभ्रकभस्म तथा सत्वपातन।

अञ्जन–अञ्जन नीलाञ्जन, तथा सौवीराञ्जन।

( घ ) मिश्रित धातु–१. पित्तल भस्म, २. कांस्य भस्म, ३. शिलाजीत।

( ङ ) खनिज रस--अकीक, समुद्र फेन, वैदूर्य इत्यादि।

१॥ घण्टा ३८ अङ्क

पत्र ( ख )

परिभाषाएं—

[ i ] रसतन्त्र की निम्न मुख्य २ परिभाषाएं–कज्जली, रस पङ्क, रस पिष्टी, हिंगुलाकृष्ट रस, शोधन, भावना, द्रावक गण, मित्र-पञ्चक, धातु सत्व-पातन, पर्पटी, आवाप, प्रतिवाप, निर्वाप, अभिषेक, निर्वापण, स्वांग-शीत, बहिः शीत, मरण, जारण, मृत या निरुत्थ लोह, वारित, रेखा पूर्ण।

[ ii ] पाक सम्बन्धी परिभाषाएं–मूषा, कोष्ठी तथा पुट।
यन्त्र—दोला, वाष्प-स्वेदन, जलस्वेदन, बालुका स्वेदन, ऊर्ध्व पातन, अधः पातन, तिर्यक् पातन, नाड़िका, अर्क, पाताल, पुट, भस्म, कच्छप, वालुका, लवण तथा भूधर यन्त्र।

अधातु

गन्धक–गन्धक-शोधन, ऐन्द्रियिक द्रव्य।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



पत्र [ ग ] ३८ अंक

## क्रियात्मक रसतन्त्र

नोट—प्रयोगों में डाली जाने वाली औषधियों के नामों तथा परिणामों को निम्न सांकेतिक ग्रन्थों में देखना चाहिये।

भै०-भैषज्य रत्नावली; शा०-शारङ्गधर; योगरत्नाकर।

[ क ] औषधियों की पहचान।

[ ख ] निम्न उपकरणों की पहचान तथा उनका उपयोग—

१. मूषा तथा इसके मुख्य २ भेद। २. कोष्ठी तथा इसके भेद।
३. सम्पुट तथा भेद। ४. यन्त्र-दोला, ऊर्ध्व पातन, अधः पातन, तिर्यक् पातन, भस्म, कच्छप, भूधर, वालुका, लवण, स्वेदन, डमरू, नाड़िका तथा पाताल यन्त्र।

५. खल्व तथा इसके भेद। ६. उलूखल। ७. स्थाली।

[ ग ] औषधि निर्माण—निम्नलिखित औषधियों के हर एक विद्यार्थी को कम से कम दो योग बनाने होंगे और दो २ प्रक्रिया करनी होंगी। ( अर्थात् कुल २५–२५ औषधियां प्रत्येक विद्यार्थी को बनाना आवश्यक होगा ) उपाध्याय महोदय चिकित्सा की आवश्यकता के अनुसार प्रयोग तयार कराया करें।

१. कज्जली, २. शोधन, ३. सत्वपातन, ४. मारण, ५. जारण ६. रस, ७. पर्पटी, ८. आसव, ९. पाचक, १०. घोल, ११. प्रस्तर १२. लेप, १३. वटी, १४. चूर्ण, १५. प्रलेप, १६. तैल घोल, १७. घृत।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



**औषध वितरण—**

१. औषधालय, मेज़, तुला, तोल और माप तथा चिटों संबन्धी नियम । २. प्रयोग पत्र लेखन विधि । ३. प्रयोग निर्माण। ४. पैकट बनाना तथा लेवल लगाना । ५. रजिस्टर में चढ़ाना।

| | | |
|---|---|---|
| षाण्मासिक परीक्षा | वर्णनात्मक | २४ अङ्क |
| ” ” | क्रियात्मक | १२ अङ्क |

**पाठ्य पुस्तकें—**

१. रसतरंगिणी पं० सदानन्द शास्त्री कृत ।

**स्वाध्याय ग्रन्थ—**

१. रसेन्द्रसार संग्रह २. रस रत्न समुच्चय, ३. रस रत्नाकर ४. रस मञ्जरी । ५. रस हृदय तन्त्र । ६. रसेन्द्र चिन्तामणि। ७. Hindu Chemistry–P.C. Ray.

नोट–[ क ] समय और साधनों के अनुसार उपाध्याय महोदय इसके अतिरिक्त भी करवा सकते हैं ।

[ ख ] मकरध्वज, स्वर्णबङ्ग और त्रिवंग बनाना सब को आवश्यक होगा ।

## ४. निदान

पत्र एक — ३ घंटे ३८ अंक

**पाठ्य ग्रन्थ—**

माधव निदान संपूर्ण ( शल्य स्त्री, बाल, विष निदान छोड़ कर )

विभाग [ क ] — १॥ घंटा ३८ अंक

एञ्च निदान से हृद् रोग निदान तक ।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



विभाग [ ख ] १॥ घंटा ३८ अंक

१. सूत्र कृच्छ्र निदान से अन्त तक।

२. संक्षिप्त रोग परीक्षा—योगरत्नाकर के आधार पर।

शल्य, स्त्री, बाल, विष निदानों को छोड़ दिया जावे।

पत्र [ ग ] १॥ घण्टा २५ अंक

१० व्याख्यान शारीर शास्त्र पर, सुश्रुत संहिता के आधार पर।

षाण्मासिक परीक्षा २४ अंक

## ५. मैटीरिया मैडिका ( Materia Medica )

एक पत्र ३ घंटे ७६ अंक

पत्र [ क ] १॥ घण्टा ३८ अंक

1. General ( Mat. med. proper, pharmaceutical processes, administration of drugs )
2. Vegetable drugs.
3. Organic drugs and organotherapy

पत्र [ ख ] १॥ घण्टा ३८ अंक

1. Metals 2. Naturo therapy
   a. Hydrotherapy b. Hyperaemic treatment and massage c. [illegible]ht therapy d. Electrotherapy.

पाठ्य पुस्तक—Ghosh Materia Medica

षाण्मासिक परीक्षा २४ अंक

नोट—केवल प्रसिद्ध २ औषधियों का वर्णन तथा प्राकृतिक चिकित्सा के आवश्यक साधनों का संक्षिप्त वर्णन।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## तृतीय वर्ष

# १. शल्य तन्त्र ( Surgery )

निम्नलिखित रोगों का निदान ( कारण, लक्षण, संप्राप्ति, परीक्षा, साध्यासाध्य ) तथा चिकित्सा—

एक पत्र — ३ घण्टे ७६ अंक

पत्र [ क ] — १॥ घण्टा ३८ अंक

### १. सामान्य शल्य रोग ( General Surgery )—

१. स्थानिक रोग-शोथ, पाक, विद्रधि, अधस्त्वक् शोथ, गति व्रण, नाड़ी व्रण, व्रण, पूति व्रण, सद्यो व्रण, दाह, मुख्य मुख्य निरुपद्रव तथा घातक अर्बुद।

२. व्यापक रोग-पूय संचार क्षय व्रण, ।

३. अङ्ग वैषम्य-पृष्ठ वंशीय वक्रतायें; सहज ओष्ठदारी, जानु वैषम्य, पादवैषम्य ।

### २. नेत्र—Sty, Blepharitis, Trichiasis, Dacryocystis Conjunctivitis, Pterygium, Corneal ulcer, Foreign bodies in the cornea, Iritis, Panophthalmitis, Glaucoma, Cataract, optic atrophy, Errors of refraction and presobyopia.

पत्र [ ख ] — १॥ घण्टा ३८ अंक

### १. संस्थानिक शल्य तन्त्र—

१. त्वग्रोग—चर्मांकुर, मषक, पिड़का, स्वेद ग्रन्थि वृद्धि, कुनख, रोटेण्ड व्रण ।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



२. रक्त संस्थान के रोग–सिरार्बुद, शिराशोथ, रक्तस्राव।

३. लसीका स्थान के रोग—लसीका प्रणाली शोथ, लसीका ग्रन्थि शोथ, श्लीपद।

४. मांस संस्थान तथा नाड़ियों के रोग— मांसदारी, कण्डरावरण शोथ कण्डरावरण ग्रन्थियां,

५. अस्थिसंस्थान के रोग—अस्थिक्षत, अस्थिभङ्ग तथा निम्नलिखित मुख्य २ अस्थि अंगों का सामान्य ज्ञान—अधो हन्वस्थि, पर्शुका, अक्षक, प्रगण्ड, बाह्वस्थियां, उर्वस्थि, जंघावस्थियां, जान्वस्थि, अस्थिधराशोथ, अस्थिशोथ, निर्जीवास्थि, मज्जाशोथ।

६. सन्धियां— सन्धि क्षत, सन्धिविवर्त, सन्धि भ्रंश तथा निम्नलिखित सन्धि भङ्ग, हनु सन्धि, अंस कूर्पर, मणिबन्ध, अंगुष्ठ, वंक्षण सन्धि, जानु, गुल्फ, सन्धि मध्य शोथ, सन्धिशोथ, सन्धि शल्य सन्धिक्षुब्ध का सामान्य ज्ञान तथा वंक्षण सन्धि का क्षय रोग।

पत्र [ ग ] ७५ अंक

क्रियात्मक शल्य तन्त्र ( Practical Surgery )

१. सम्मोहन तथा कृत्रिम श्वास सञ्चार का ज्ञान।

२. पूर्व कर्म ( Antiseptic and aseptic methods, Sterilization of dressings instruments and ligatures.

३. नेत्र परीक्षा–Eye testing.

४. पश्चात् कर्म– व्रण शोधन, व्रण बन्धन तथा फलक बन्धन

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



Stitching, collodiadressing, strephing,conterisation of wounds and grammtetion time spraying tamincacid.

५. प्रश्नोत्तर ( Case taking ) ।

6. Examination of eye, ear, nose, throat, mouth, teeth, rectum and anus.

ii. Examination of tumours, swelling and ulcers

iii. Preparing ointments, lotions, emplaster, Plaster of Paris bandage and jackets. Injections and infusions.

v. Controlling haemorrlage by drugs, compression tourniquet, plugging cavities and ligaturing arteries ( general only )

vi. Venesection. Passing catheters, irrigation of uretha, washing and aspirating bladder, prostatic massage, circumcision. Tapping hydrocele. Introducing rectal tubes and bougies, reducing hernia, paracentesis abdominis, measurment for and applying truss Removing a skin cyst, tumours, ganglion

Incising boils, carbuncles, cellulitis, abscess in general and special ( mammary axillary, bubo, whitlow and peritonsillar)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



Setting fractures and reducing dislocations Removing foreign bodies from eye, ear and nose.

Washing eyes, ears, nose Everting and touching eyelids. Cutting tongue frenule Tooth extraction and cleaning.

Amputation af Interphalangeal and meta-carpophalangeal joints.

| | | |
|---|---|---|
| षाण्मासिक परीक्षा | | २४ अंक |
| ,, ,, | क्रियात्मक | १२ अंक |

पाठ्य ग्रन्थ— Surgery-Mitra

स्वाध्याय ग्रन्थ-- Rose and Carless surgery

सूचना—१० रोगों के इतिहास लिखने आवश्यक होंगे। इन गृह कार्य की कापियों के ८ अंक होंगे। इन का प्रस्तोता कार्यालय में आना आवश्यक होगा।

## २. काय चिकित्सा ( Medicine )

निम्नलिखित रोगों का निदान ( कारण, लक्षण, सम्प्राप्ति परीक्षा साध्यासाध्य ) तथा चिकित्सा।

| | |
|---|---|
| एक पत्र | ३ घण्टे ७६ अङ्क |
| पत्र ( क ) | १॥ घण्टा ३८अंक |

१. ज्वर (Fevers)

१. ज्वर २. विषम ज्वर ३ कालाज्वर ४ प्रत्यावर्ति ज्वर ५ दण्डक ज्वर ६ सन्धिक ज्वर ७ मस्तिष्कावरण ज्वर ८ अलर्क विषज्वर ६ कर्णग्रन्थि

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



ज्वर १० श्लेष्मज्वर Influenza ११ आन्त्रज्वर Enteric fever १२ महामारी ज्वर १३ मसूरिका १४ विस्फोटिका १५ रोमान्तिका १६ पूयज्वर Septicaemia १७ विसर्पज्वर १८ माल्टा ज्वर।

२. त्वग्रोग

१ शीतपित्त (Urticaria) २ मण्डल (Psoriasis) ३ सिध्म ४ पिडिका Boils ५ मत्स्य कुष्ठ ६ दद्रु ७ पामा (Eczema) ८ कच्छू (Scabies) ९ विस्फोट (Herpes) १० कण्डू ११ महाकुष्ठ १२ काकणकुष्ठ (Nodular Leprosy) १३ श्वित्र १४ यूकालिक्षा Pediculosis १५ अरूंषिका (Seborrhoea) १६ लोम नाश

पत्र (ख) १॥ घण्टा ३८ अंक

१. वातरोग तथा मानसिक रोग (Nervous Diseases)

१ पक्षाघात २ सन्यास ३ मस्तिष्क अर्बुद ४ मस्तिष्क विद्रधि ५ मस्तिष्क आवरण शोथ ६ उन्मत्त पक्षाघात ७ कम्प ८ आक्षेप रोग ९ अपस्मार १० योषापस्मार ११ वातिक नैर्बल्य (Neurasthenia) १२ नाड़ी शूल या वात्तिक शूल १३ अर्धावभेद (Migraine) १४ सूर्यावर्त १५ स्तम्भ रोग (Tetanus) १६ मन्या स्तम्भ १७ Encephalitis Lethargica. १८ Paralysis Agitans. १९, सुषुम्ना शोथ तथा उसके मुख्य २ भेद २० उरुस्तम्भ २१ वातिक मांस शोथ Progressive mascular atrophy. सौषुम्न फिरंग रोग या खञ्जता अथवा सुषुम्ना पश्चिम शोथ (tabes dorsalis) २२ वात संस्थानिक व्यापी क्षीणता (Disseminated sclerosis) २३ सुषुम्ना पार्श्व क्षीणता।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



**मस्तिष्क नाड़ियों के रोग**—२५ नेत्राघात २६ नेत्रनाड़ी शोथ २७ पञ्चम नाड़ी शूल या ऊर्ध्व हनुशूल २८ अर्दित २९ जिह्वा स्तम्भ ३० मूक रोग।

**सुषुम्ना नाड़ियों के रोग**—३१ नाड़ी शोथ ३२ गृध्रसी ३३ विश्वाची

**२. निःस्रोतस् ग्रन्थियों के रोग**—

**ग्रैवेयक ग्रन्थि** (Thyroid gland)—१ गल गण्ड २ बहिर्नेत्र गलगण्ड ३ त्वग्वृद्धि ४ वामन शरीर

**अधोग्रैवेयक** (Parathyroid gland)—५ स्तम्भ रोग ६ अधिवृक्क ७ एडिसन का रोग ८ पोषणक ग्रन्थि ९ अस्थिवृद्धि।

**३. मांस पेशियों तथा अस्थियों के रोग**—

१ सन्धिशोथ २ मांस शूल ३ मांस वृद्धि।

पत्र ( ग ) क्रियात्मक ३८ अंक

१. क्रियात्मक कायचिकित्सा

२. रोग परीक्षा—काय चिकित्सा में पाठ्य रोगों की परीक्षा तथा भेदक परीक्षा।

३. रोगी परिचर्या ( Nursing )—उत्तम परिचारक के लक्षण आतुरालय की स्वच्छता। मलमूत्र। रोगी के वस्त्र। शय्या आस्तरण तथा उनका बदलना। मल पात्र। मूत्र पात्र। शय्या पर रोगी को विश्राम देने के साधन। जल शय्या, वायु शय्या। रोगी को भोजन दिलवाने की विधि रोग की गति का ज्ञान उसका दैनिक लेखन ( Filling up the chart ) तथा चिकित्सक को उसकी सूचना देना।

४. नाड़ी विज्ञान।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



सूचना—२० रोगों के इतिहास लिखने आवश्यक होंगे। इन गृह कार्य की कापियों के ८ अंक होंगे। इनका प्रस्तोता कार्यालय में आना आवश्यक होगा।

| | | |
|---|---|---|
| षाण्मासिक परीक्षा | वर्णनात्मक | २४ अंक |
| ,, ,, | क्रियात्मक | १२ अंक |

पाठ्य पुस्तक—

१. जैक–हैण्ड बुक ऑफ मैडिसन

२. चरक चिकित्सास्थान

## ३. जीवाणु विज्ञान तथा शरीर विकृति विज्ञान

## ( Bacteriology & Patholagy )

| | |
|---|---|
| एक पत्र | ३ घण्टे ७६ अंक |
| पत्र ( क ) | १॥ घण्टा ३८ अंक |

### १. जीवाणुशास्त्र ( Bacteriology )

जीवाणु तथा पराश्रयी। जीवाणुओं का सामान्य स्वभाव श्रेणीकरण, रचना और उनके विषों का ज्ञान Bacteriophage.

**रोग प्रतिशक्ति तथा रोग संक्रमण–**

निम्न जीवाणुओं का संक्षिप्त वर्णन तथा उनसे उत्पन्न आवश्यक विकारों का सरल ज्ञान—

i.Cocci—Staphylo, Strepto, pneumo, meningo-coccus.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



2. Bacilli–Diphtheria, Typhoid, Dysentery, Plague, Tetanus, Tuberculosis, Leprosy, B.Coli

3. Spirilla, Cholera,

4. Spirochaeta, Syphilis, Relapsing Fever

5. fungi का सामान्य ज्ञान।

Parasites--i Protozoa, Entamoeba histolytica Entamoeba Coli, Malaria Parasites, Trypanosome

ii. Vermes--Cistoda, Taenia Solium, T. Saginata, T. Ectinacoccus.

Ascaris Lumbricoides.

( Thread worms )--Oxicurris vermicularis, Trichina spiralis, Ankylostoma duodenalis, Filaria medinensis, Guinae worms.

पत्र ( ख                                                     १॥ घण्टा ३८ अंक

२. शरीर विकृति विज्ञान ( Pathology )

१. रक्त और लसीका के संवहन सम्बन्धी रोग

२. शोथ ( Inflammation ) तथा व्रण रोहन ( Repair )

३. क्षीणता तथा अतिवृद्धि ( Atrophies and Hypertrophies ), Degeneration.

४. अर्बुद ( Tumours )

पत्र ( ग )                    क्रियात्मक                    ३८ अङ्क

मुख्य २ जीवाणुओं विशेषतः क्षय और ज्वर के जीवाणुओं (Tuberculosis & Malarial germs ) के फलक ( Film )

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri


बनाना तथा उनका रञ्जन ( Staining ), ( Pathological Specimens ) का स्थूल तथा सूक्ष्म परीक्षण। मल, मूत्र, थूक और रक्त परीक्षा।

| | | |
|---|---|---|
| षाण्मासिक परीक्षा | वर्णनात्मक | २४ अंक |
| ,, ,, | क्रियात्मक | १२ अंक |

**पाठ्य पुस्तक—**

Bannerjee-Pathology

## ४. अगद तन्त्र ( Toxicology )

एक पत्र — १॥ घण्टा ३८ अङ्क

१. विषों का श्रेणीकरण। विविध विष विज्ञान। विषों के सामान्य दश गुण। विषों के सामान्य लक्षण तथा चिकित्सा। विषयुक्त अङ्ग का परीक्षार्थ सुरक्षण तथा प्रेषण। विषान्वेषण।

२. निम्नलिखित विशेष विषों के लक्षण, परीक्षा तथा चिकित्सा—

**( क ) धात्वीय विषें**—गौरी पाषाण, हरताल तथा मनःशिला, रस कर्पूर, पारद, हिंगुल, ताम्र, तुत्थ; सीसक, मृद्दार श्रृङ्ग, सिन्दूर, रसाञ्जन।

**( ख ) अधातु विषें**—अम्ल, दाहक, क्षार, कार्बोलिकाम्ल, औक्ज़ेलिकाम्ल, मद्यसार, क्लोरोफार्म, क्लोरल हाइड्रेट, फ़ास्फ़ोरस, कार्बन मोनोक्साइड-डायोक्साइड, केरोसीन आयल।

**( ग ) वानस्पतिक विषें**—धत्तूर, बैलाडोना, भांग, पारसीकयवानी, कर्पूर, कारस्कर, करवीर, वत्सनाभ, अहिफेन।

**( च ) जान्तव विषें**—सर्प विष, मूषक विष, वृश्चिक विष तथा अन्य कीट पतङ्ग विष। भोजन विष।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



षाण्मासिक परीक्षा १२ अंक

**पाठ्य ग्रन्थ—**

१. विष विज्ञान–धर्मानन्द

२. Toxicology–Dass

## ५. रोग परीक्षा ( Clinical Methods )

एक पत्र ३ घण्टे ७६ अङ्क

पत्र ( क ) १॥ घण्टा ३८ अंक

1, Case taking.
2. General appearance.
3. Alimentary system.
4. Circulatory system.

पत्र ( ख ) १॥ घण्टा ३८ अंक

1. Respiratory system.
2. Skin.
3. Nervous system.
4. Eye, ear, nose, throat.
5. Locomotor system.

**पाठ्य पुस्तक—**

Clinical Methods by Hutchinson.

षाण्मासिक परीक्षा २४ अंक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## ६. प्राचीन आयुर्वेद

एक पत्र — ३ घण्टे ७६ अंक

पत्र ( क ) — १॥ घंटा ३८ अंक

चरक सूत्रस्थान—अध्याय ५ से अन्त तक

पत्र ( ख ) — १॥ घण्टा ३८ अंक

चरक विमान स्थान—संपूर्ण

पाण्मासिक परीक्षा — २४ अङ्क

## ७. स्वस्थवृत्त ( Hygiene )

एक पत्र — ३ घंटे ७६ अङ्क

पत्र ( क ) — १॥ घंटा ३८ अंक

### वैयक्तिक स्वस्थ वृत्त ( Personal Hygiene )

**दिनचर्या**—निद्रा, शौच, स्नान, व्यायाम, भ्रमण, चलना, बैठना, प्राणायाम, वस्त्र, भोजन, कार्य, विश्राम तथा खेल कूद ।

**ऋतुचर्या**—वसन्त, ग्रीष्म, वर्षा, शरद्, हेमन्त, शिशिर के अनुसार दिनचर्य्या में परिवर्तन ।

**मानसिक स्वास्थ्य**—चिन्ता, भय, क्रोध और लोभ आदि से उत्पन्न होने वाली मानसिक निर्बलता; शान्ति, प्रसन्नता, Serenity, एकाग्रता, आत्म विश्वास, आत्मसम्मान, आत्म संयम और दृढ़ इच्छा शक्ति से उत्पन्न मानसिक स्वस्थता ।

**ब्रह्मचर्य** ( Celibacy & Racial Hygiene )—वीर्य रक्षा तथा उस के लाभ । उत्तम सन्तानोत्पत्ति तथा सन्तति में माता पिता के रोगों, और शारीरिक मानसिक तथा आचार सम्बन्धी गुणों ( Traits ) का संक्रमण ।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## शारीरिक विष तथा उनकी स्वस्थवृत्त के अनुसार चिकित्सा

i **आन्तरिक विष**— वेगसंधारण [ मल मूत्रावरोध जन्य विष ] दन्त जन्य विष, विषमाशन जन्य विष, बासी तथा डब्बों का भोजन।

ii **आगन्तुक विष**—मादक द्रव्य, यथा—तम्बाकू, अफीम, भंग, कोकेन, चाय, काफ़ी, मदिरा आदि।

iii **संक्रामक विष**— प्रतिश्याय, क्षयरोग, विशूचिका, आन्त्र ज्वर प्रवाहिका, विषम ज्वर, प्लेग, मसूरिका। मक्खिका, तथा अन्य कीट पतङ्गों की रोग फैलाने में सहायता। पराश्रित जीवाणु तथा कृमिहर प्रक्रिया।

पत्र ( ख ) १॥ घंटा ३८ अंक

### सामाजिक स्वस्थवृत्त ( Public Hygiene )

**वायु**—उपपादक पदार्थ, अशुद्धियां, वातायन, वायु परीक्षा, जनसम्मर्द में उत्पन्न होने वाली व्याधियां।

**जल**—उत्पत्तिस्थान, संग्रह, लाभ, शोधन, जलजन्य-रोग।

**ऋतु तथा प्रदेश**—देश के आनूप, जाङ्गल आदि भेद, वास्तु योग्य देश तथा गृह निर्माण, वर्षा, वर्षा–माप, भूगर्भस्थजल, जल बहिष्कार ( Drainage ),

**मलहरण विज्ञान**— ग्राम तथा नगर के अनुकूल उपाय, मलिन तड़ाग, शौचालय, मल बहिष्कार के उपाय, खेत और श्मशान की सफ़ाई।

**भोजन**—श्रेणी करण तथा भेद, जीवनोपयोगी भोजन, दूध तथा गोशाला

षाण्मासिक परीक्षा २४ अंक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



पाठ्य ग्रन्थ—

१ Ghosh-Hygiene

२ वाग्भट—अष्टांग हृदय, सूत्रस्थान, २ से ८ अ० तक।

स्वाध्याय ग्रन्थः—

१ चरक सूत्रस्थान, अ० ५, ६।

२ सुश्रुत सूत्रस्थान, अ० ६, २०, ४२

३ " उत्तरस्थान, अ० ६४

४ " चिकित्सास्थान, अ० २४

## चतुर्थ वर्ष

### १. शल्य तन्त्र ( Surgery )

निम्नलिखित रोगों का निदान ( कारण, लक्षण, सम्प्राप्ति, परीक्षा, साध्यासाध्य ) तथा चिकित्सा—

एक पत्र ३ घण्टे ७६ अङ्क

पत्र ( क ) १॥ घण्टा ३८ अङ्क

प्रादेशिक शल्य तन्त्र ( Regional Surgery )

१. शिर—( Head ) शिर क्षत, रक्तार्बुद, कपालास्थिभंग, मस्तिष्कमम्प मस्तिष्क क्षोभ।

२. पृष्ठ वंश—कशेरुका भङ्ग, सन्धि भङ्ग, कशेरु घुणास्थि।

३. मुख तथा ग्रीवा—साधारण अभिघात।

४. कंठ तथा वक्षस्—कण्ठ नाली छेद, ( Tracheotomy ), कण्ठ शल्य, बहिर्वक्षस तथा अन्तर्वक्षस् क्षत, उरः पय।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



५. **स्तन**--स्तन ग्रन्थि वृद्धि, स्तन ग्रन्थि शोथ, स्तनविद्रधि, स्तनार्बुद।

६. **मुख**—दन्त मांस शोथ, दन्तविद्रधि, ओष्ठदारी, ओष्ठ कैन्सर, हन्वस्थि का निर्जीवव्रण, हनु कुहर शोथ, ऊर्ध्व हन्वर्बुद, जिह्वाशोथ, जिह्वाघातक, अर्बुद, शुण्डिका विद्रधि, तालुछिद्र, अन्न वाहिनी संकोच ।

७. **नासिका**--नासांकुर, नासाफलक भ्रंश, शुक्तिकास्थि वृद्धि ।

८. **कर्ण**--कर्ण गूथ, कर्ण शल्य, बहिः कर्ण शोथ, पटहदारी, मध्यकर्ण शोथ, कर्णपश्चिम विद्रधि, कर्ण।

पत्र ( ख ) १॥ घंटा ३८ अंक

१. **कोष्ठ**—बहि कोष्ठ क्षत :

( i ) यकृत विद्रधि, घातक, अर्बुद, पित्ताश्मरी।

( ii ) ( Subphrenic abscess )

(iii) अन्त्र बद्धोदर, अन्त्र, परिशिष्ट शोथ तथा विद्रधि, अन्त्र वृद्धि ।

(iv) गुदा तथा गुद-द्वार-व्रण, गुदांकुर, घातक व्रण, गुदबन्ध, गुद भ्रंश, अर्श, गुदविद्रधि, भगन्दर, गुददारी ।

( v ) वृक्क तथा मूत्राशय-वृक्क पाक, वृक्क वृद्धि, वृक्क भ्रंश, वस्ति-शोथ या वस्तिकुण्डल, मूत्राश्मरी, मूत्रग्रन्थि, अष्ठीला वृद्धि, मूत्र रोध या मूत्र जठर ।

(vi) शिश्न तथा अण्डकोष-शिश्न मुण्ड शोथ, मूत्रकृच्छ्र, अण्डशोथ, उपाण्ड शोथ, अण्डार्बुद, अण्डकोश वृद्धि ।

पत्र ( ग ) क्रियात्मक ३८ अङ्क

क्रियात्मक शल्यतन्त्र ( Practical Surgery )

तेरहवीं श्रेणी के समान

१. मुख्य २ शस्त्रों का ज्ञान, २. प्रधान कर्म ।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



| | | |
|---|---|---|
| षाण्मासिक परीक्षा | वर्णनात्मक | २४ अङ्क |
| " " | क्रियात्मक | १२ अङ्क |

पाठ्य पुस्तक--I. Mitra's-Surgery II. Gwynne william's. Minor Surgery
(iii) Rose and Carless Surgery
(iv) Logan Turner-Ear-nose and throat
( v ) May and Worth Eye Diseases
( vi ) Cathcart-Minor surgery

## २. कायचिकित्सा ( Medicine )

निम्न लिखित रोगों का निदान ( कारण, लक्षण, सम्प्राप्ति, परीक्षा

| | |
|---|---|
| एक पत्र | ३ घंटे ७६ अंक |
| पत्र ( क ) | १॥ घंटा ३८ अंक |

१. महास्रोतस् के रोग--

१. मुखपाक, २. अम्लपित्त, ३. अजीर्ण ४. मन्दाग्नि तथा आमाशय-शैथिल्य ५. आमाशय व्रण, ६. आमाशयिक घातक व्रण, ७. अतिसार, ८. मलबन्ध, ९. प्रवाहिका, १०. विशूचिका ११. ग्रहणीरोग १२. आन्त्रपरिशिष्टशोथ वा आन्त्र गुल्म, १३. बृहदन्त्र शोथ, १४. क्षयजन्य अतिसार, १५. उदरशूल १६. अर्शस् ।

आन्त्र कृमि–

१७. व्रत्र कृमि १८. गण्डूपद कृमि, १९. गुद कृमि, २०. अंकुर कृमि, २१. Filaria.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



२. विषमाशनजन्य रोग--

१. मदात्यय २. प्रलेपक ३. सञ्चारी श्वयथु ४. स्कर्वी ५. गठिया।

३. यकृत के रोग--

१. कामला २. यकृत् शोथ ३. यकृत् वृद्धि तथा अन्य भेद ४. पित्ताश्मरी तथा पित्ताशयशूल।

४. उदर कोष--

१ उदरावरण शोथ या उदर शोथ Peritonitis २ क्षयजन्य उदरावरण शोथ ३ जलोदर या उदर कोष वृद्धि।

५. प्लीहा--१ प्लीहा वृद्धि।

६. मूत्र रोग--

१ वृक्क शोथ २ वृक्क शूल तथा वृक्काश्मरी ४ मूत्र विष सञ्चार

कफ मेह--

५ उदक मेह ६ इक्षु मेह ७ सुरा मेह ८ सान्द्र मेह ९ पिष्ट मेह १० शुक्र मेह ११ सिकता मेह

पित्त मेह--

१२ क्षारमेह १३ नीलमेह १४ कालमेह १५ हारिद्रमेह १६ माञ्जिष्ठमेह १७ रक्तमेह

वात मेह--

१८ वसामेह १९ मज्जामेह २० हस्तीमेह २१ मधुमेह।

पत्र ( ख ) ३॥ घण्टा ३८ अङ्क

१. श्वास संस्थान--

१ गलशोथ २ शुण्डी शोथ ३ प्रतिश्याय ४ कण्ठ शोथ ५ क्षय जन्य

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



कण्ठ शोथ ६ पार्श्वशूल ७ पार्श्ववात ८ कास ९ श्वास प्रणाली शैथिल्य १० श्वास रोग ११ फुफ्फुस प्रसार १२ श्वास ज्वर १३ फुफ्फुसीय श्वयथु १४ फुफ्फुसीय सङ्कोच १५ फुफ्फुसीय विद्रधि १६ फुफ्फुसीय शीत व्रण १७ राजयक्ष्मा ( T. B. )

२. जनन सम्बन्धी रोग--

१ फिरङ्ग रोग २ उपदंश ३ पूयमेह ४ क्लैब्य ।

३. हृदय रोग—

१ हृदयावरण शोथ २ हृदय शोथ १ हृदयान्तः शोथ ४ वामछिद्रावरोध ५ वामछिद्रपुनरावर्तन ६ महाधमनी पुनरावर्तन ७ महाधमनी छिद्रावरोध ८ हृदय अतिवृद्धि ९ हृदयायाम १० हृदयशूल ११ धमनी काठिन्य १२ महाधमनी के रक्तगुल्म १३ हृदयमांस के रोग १४ हृदय वैषम्य तथा नाड़ी वैषम्य ।

रक्त रोग--

१५ पाण्डु १६ हलीमक १७ घातक पाण्डु १८ रक्त पित्त १९ नासा रक्त स्राव २० रक्त वमन २१ रक्तनिष्ठीवन २२ रक्तातिसार २३ पैतृक रक्त स्राव ।

पत्र ( ग ) क्रियात्मक ३८ अङ्क

१३ वीं श्रेणी के समान

| | | |
|---|---|---|
| षाण्मासिक परीक्षा | वर्णनात्मक | २४ अंक |
| ” ” | क्रियात्मक | १२ अंक |

पाठ्य पुस्तकें—

१ जैक--हैण्डबुक ऑफ मैडिसन, २ चरक चिकित्सास्थान ।
३. Clinical Medicine by Savill.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



# ३. बाल तन्त्र

एक पत्र ३ घण्टे ७६ अंक

पत्र ( क ) १॥ घण्टा ३८ अङ्क

शिशुपालन ( Management of Children )

१. प्रसव के पश्चात् शिशु का प्रारम्भिक उपचार, २. वृद्धि ३. भोजन—स्तन्य परीक्षा, स्तन्य शोधन, स्तन्य वर्धन, स्तन्य के अभाव में शिशु पथ्य विधि, Vitamins तथा avitaminosis जलन्यूनता के परिणाम, ४. दन्तोत्पत्ति तथा तत्सम्बन्धी परिचर्या, ५. शिशु स्वास्थ्यरक्षा के सामान्य नियम ६. बालपरीक्षा, ७. बालमनोविज्ञान ( neoropathic child, mental deficiencies, disturbed sleep, night terror, stammering ८. नवजात बालक की निम्न अवस्थाओं का उपचार—asphyxia, anaemia, mastitis, haemorhages, ophthalmia neonatoum. ९. बालकों की चिकित्सा की सामान्य विधियां।

पत्र ( ख ) १॥ घण्टा ३८ अङ्क

बाल रोग ( Diseases of Children )

१. ज्वर, मसूरिका, रोमान्तिका, विषम ज्वर, दण्डक ज्वर, आन्त्र ज्वर, साप्ताहिक ज्वर, कर्णाग्रग्रन्थि ज्वर, सन्धिक ज्वर, आरक्त ज्वर।

२. महास्रोतस के रोग—मुखस्फोट, मुख पाक, शुण्डिका शोथ, मलबन्ध, अतिसार, गुदभ्रंश, विशूचिका, प्रवाहिका, कृमि, वमन, कामला, उदरशूल, आध्मान, Coeliac Infantile disease Liver.,

३. कण्ठ शोथ, कास, श्वास ज्वर, श्वास कृच्छ्र, काली खांसी।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



४. श्वयथु, मूत्र स्राव, ५. पामा, उष्णपित्त, दद्रु, पिड़का, कण्डू,
६. मस्तिष्क रोग–आक्षेप, हनुस्तम्भ, बाल सुलभ–पक्षघात, कम्परोग,
७. Conjunctivitis, Corneal ulcer, कर्णशोथ, कर्णगूथ, कर्ण-स्राव, कर्ण, नेत्र और नासा के शल्य,
८. i Congenital syphlis, ii Marasmus.

सूचना—जो रोग विशेषतया बालकों में पाए जाते हैं उनका विस्तार पूर्वक अध्ययन हो तथा जो रोग बालकों के अतिरिक्त अन्यों में भी पाए जाते हैं उनमें बालकों सम्बन्धी विशेषताओं का ही विस्तृत ज्ञान दिया जावे

षाण्मासिक परीक्षा — २४ अंक

**पाठ्य ग्रन्थ—**

१. बर्चंस मैनेजमेन्ट आफ चिल्डरेन इन इण्डिया
२. बाल मनोविज्ञान पर व्याख्यान

## ४. नवीन प्रसूतितन्त्र तथा स्त्रीरोग
## ( Midwifery & Gynaecology )

एक पत्र — ३ घण्टे ७६ अंक

पत्र ( क ) — १॥ घंटा ३८ अंक

### Normal Midwifery

१. श्रोणि गुहा के भिन्न व्यास भाग तथा अक्ष।

२. गर्भावस्था—गर्भ लक्षण, गर्भावस्था की परीक्षा, गर्भिणी परिचर्या।

३. साधारण प्रसूति का वर्णन, लक्षण, प्रक्रिया तथा परिचर्या।

४. साधारण प्रसूति काल—प्रसूति काल का वर्णन तथा परिचर्या।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



Abnormal Midwifery

१. गर्भावस्था के रोग—वमन, अल्व्यूमन मेह, रक्तस्राव, गर्भपात, बहिर्गर्भस्थित तथा गर्भाक्षेप रोग।

२. कष्ट प्रसूति ( Malpresentation )

३. विषम प्रसूति—( Antepartum Haemorrhage ), Placenta proevia नाल भ्रंश, प्रसवोत्तर, रक्त स्राव, अनागत अमरा।

४. असाधारण प्रसूति काल—कृमि संक्रमण, विष संचार, जीवाणु संचार, प्रसूतिकालिक उन्माद।

पत्र (ख) १॥ घण्टा ३८ अंक

स्त्रीरोग ( Gynaecology )

शल्यतन्त्र सम्बन्धी रोग ( Surgical Gynaecology )

१. आर्तव तथा तत्सम्बन्धी रोग—नष्टार्तव, कष्टार्तव, अत्यार्तव, रक्तप्रदर, श्वेतप्रदर।

२. भग—भग शोथ, भग कण्डु।

३. योनि—योनिशोथ, योनिस्तम्भ।

४. गर्भाशय—मुख बन्ध, गर्भाशय भ्रंश, गर्भाशय शोथ, अर्बुद।

५. बीज स्रोतस—बीज स्रोतस् शोथ, बीज कोष शोथ, बीज कोष ग्रन्थियां।

६. श्रोणि—pelvic peritonitis, Cellulitis

पाण्मासिक परीक्षा २४ अंक

**पाठ्य पुस्तकें—**

१. डा० रामदयाल-प्रसूतितन्त्र

२. Hermans Hand book of Gynaecology.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## ५. प्राचीन आयुर्वेद

एक पत्र ३ घंटे ७६ अंक

पत्र ( क ) १॥ घण्टा ३८ अंक

सुश्रुत सूत्रस्थान १, ५, ७ से १३, १७ से १६, २२, २३, २५, २६, २७ अध्याय

पत्र ( ख ) १॥ घण्टा ३८ अंक

सुश्रुत चिकित्सास्थान—संपूर्ण

पाण्मासिक परीक्षा २४ अंक

## ६. प्राचीन बाल व प्रसूतितन्त्र तथा स्त्रीरोग

एक पत्र ३ घण्टे ७६ अङ्क

पत्र ( क ) १॥ घण्टा ३८ अङ्क

### बालतन्त्र, प्रसूतितन्त्र

पारिभाषिक क्षीरदोष, तालुकण्टक, वात शोथ, उत्फुल्लिका, स्कन्दापस्मार, दुग्धवमन, गर्भिणीवमन, गर्भाक्षेपक, गर्भिणी नियम, गर्भपात, गर्भस्राव, अपरावरोध, मक्कलशूल, प्रसवोत्तर, रक्तस्राव, प्रसूतिज्वर ।

पत्र ( ख ) १॥ घण्टा ३८ अंक

### स्त्रीरोग

श्वेत प्रदर, रक्तप्रदर, सोमरोग, वातिक योनिदोष, पैत्तिक योनिदोष, श्लेष्मिक योनिदोष, रजःकष्ट ।

**पाठ्य पुस्तक—**

योगरत्नाकर स्त्री तथा बाल रोग प्रकरण

षाण्मासिक परीक्षा २४ अङ्क

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



# वेद

## प्रथमवर्ष

एक पत्र — ३ घण्टे ७६ अंक

१. ऋग्वेद ३०० मन्त्र

२. प्रश्न तथा माण्डूक्य उपनिषद

षाण्मासिक परीक्षा — २४ अंक

## द्वितीय वर्ष

एक पत्र — ३ घण्टे ७६ अङ्क

१. ऋग्वेद ३०० मन्त्र

२. छान्दोग्य तथा वृहदारण्यक उपनिषद् ( कठिन स्थल छोड़कर )

षाण्मासिक परीक्षा — २४ अंक

## तृतीय वर्ष

एक पत्र — ३ घण्टे ६५ अङ्क

अथर्ववेद १ से १० काण्ड ६०० मन्त्र

षाण्मासिक परीक्षा — ३० अंक

## चतुर्थ वर्ष

एक पत्र — ३ घण्टे ६५ अंक

अथर्ववेद ११ से २० काण्ड ६०० मन्त्र

षाण्मासिक परीक्षा — ३० अङ्क

---

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मुद्रक—गुरुकुल यन्त्रालय गुरुकुल कांगड़ी ।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

❀ ओ३म् ❀

# पाठविधि

९म तथा १०म श्रेणी

सम्वत् १९९५

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

# विद्यालय पाठविधि

## विषय सूची



| सं० | विषय | श्रेणी | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|---|
| भूमिका | | | |
| १ | व्याकरण | ६ | २ |
| २ | ,, | १० | ८ |
| ३ | संस्कृत | ६ | २ |
| ४ | ,, | १० | ६ |
| ५ | आंग्लभाषा | ६ | ३ |
| ६ | ,, | १० | १० |
| ७ | गणीत | ६ | ४ |
| ८ | ,, | १० | १० |
| ९ | इतिहास | ६ | ७ |
| १० | ,, | १० | १२ |
| ११ | पदार्थ विद्या | ६ | ७, १४ |
| १२ | | १० | ११,१४ |
| १३ | आर्य भाषा | ६ | ८ |
| १४ | ,, | १० | १२ |
| १५ | धर्म शिक्षा | ८ | ८ |
| १६ | ,, | १० | १२ |



CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

# ९म तथा १०म श्रेणी

## की

# पाठविधि

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

# नवम श्रेणी

## १. वेदांग व्याकरण

पत्र ( क ) ३ घण्टे १०० अङ्क

१. अष्टाध्यायी १ से ४ अध्याय काशिका के अनुसार पढ़ाई जावे ।

२ नामिक निचली श्रेणियों की पाठविधि बनने पर पढ़ाया जायगा ।

सूचना– १. फक्किकाएं, कारिकाएं बिलकुल छोड़ दी जावें ।

२. वार्तिक केवल आवश्यक ही पढ़ाए जावें ।

३. सूत्रों के गणों में से साधारण दृष्टि से विद्यार्थियों को गुजारा जावेगा परन्तु इनकी परीक्षा नहीं होगी ।

४. स्वर तथा वैदिक प्रकरण नहीं पढ़ाया जावेगा ।

५. तद्धित प्रकरण छोड़ दिया जावे ।

पत्र ( ख ) ३ घण्टे १०० अङ्क

इसी वर्ष के पढ़े व्याकरण के साहित्योपयोगी क्रियात्मक ज्ञान की योग्यता के सम्बन्ध का होगा जिस में शुद्धि–अशुद्धि, विग्रह, प्रकृति, प्रत्यय, विश्लेषादि सम्बन्धी प्रश्न पूछे जायेंगे । सूत्रांश नहीं पूछा जायगा ।

## २. संस्कृत साहित्य

पत्र ( क ) ३ घण्टे १०० अङ्क

१. मुद्राराक्षस ( सम्पूर्ण )

२. साहित्य-सुधासंग्रह २य बिन्दु निम्नलिखित स्थल--

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



(i) दूतवाक्यम्—२२ पृष्ठ

(ii) वसन्त सेना—६ पृष्ठ

(iii) कादंबरी--१२० पृष्ठ तक ( ६० पृष्ठ )

कुल ८८ पृष्ठ

पत्र ( ख ) ३ घण्टे ७५ अङ्क

अनुवाद, प्रत्यनुवाद, प्रस्ताव, व्याख्या, वाक्य रचना आदि

पत्र ( ग ) मौखिक ( संभाषण, पठन, कण्ठस्थ श्लोकादि ) २५ अङ्क

४. प्रत्येक विद्यार्थी को १४ प्रस्ताव तथा २६ अनुवाद वर्ष भर में लिखने आवश्यक होंगे। प्रस्ताव साधारण कापी के २॥. २॥ पृष्ठ का होना चाहिए। अनुवाद साधारण कापी के एक एक पृष्ठ का होना चाहिए।

## ३. आंगल भाषा

पत्र ( क ) ३ घण्टे ६० अङ्क

1. Simple Chapters on English Life by Wyatt
निम्नलिखित स्थलः— ( selections)

( i ) English customs. ( ii ) Christian-day. ( iii ) An English Village. ( iv ) The Sea Coast of England. ( v ) The Game of Foot-ball. ( vi ) The Modern Steam Ship. ( vii ) The Holidays on an English Farm. ( viii ) London. ( ix ) Coal. ( x ) Invitation. (xi) Ship. ( xii ) Aden and Port-said.

2. Tales From Far and Near-Diwanchand Sharma
( omitting the Lion's Share )

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



3. Parkinson's Selections of English Verse.

Pages 9-32

पत्र ( ख ) ३ घण्टे ६५ अङ्क

High School English Grammar—Wren

१८१ पृष्ठ तक Adverb Finished.

वाक्य रचना, अनुवाद, प्रत्यनुवाद, पत्र लेखन।

पत्र ( ग ) मौखिक संभाषण २५ अङ्क

टिप्पणी—पत्र ( ख ) में उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा।

## ४. गणित या व्यापार

पत्र ( क ) ३ घण्टे ७५ अंक

१. अंक गणित—तेजराम कृत ३५ अंक निम्नलिखित नियम—

१. अङ्कन और संकेत। २. प्रारम्भिक चार नियम। ३. खण्ड और रूढ़ संख्याएं। ४. महत्तम समापवर्तक तथा लघुत्तम समापवर्त्य। ५. भिन्नें। ६. दशमलव भिन्नें ( आवर्त तथा अनावर्त )। ७. अनुपात समानुपात। ८. औसत। ९. प्रतिशतक।

२. एल्जेब्रा मेड ईज़ी—के. पी. बसु ४० अंक

From Exercise 1 to 68 inclusive:—

(Definitions and Explanations of Signs. Positive and Negative quantities. Addition. Subtraction and Removal of Brackets. Multiplication. Formulae and their application. Division. Factors, H.C.F. and L. C. M. fractions.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



Simple equations. Problems leading to simple equations. )

प्रश्न पत्र ( ख ) ३ घण्टे ७५ अङ्क

१. अङ्कगणित तेजराम कृत १५ अङ्क

१. सरल व्याज। २. समानुपाती भागों में विभाग। ३. वर्गमूल।
४. व्यवहार गणित ( सरल व मिश्र )

२. डिमान्स्ट्रेटिव ज्यौमेट्री—जी. एन. चैटर्जी ६० अङ्क

1. Theorems—Props. 1 to 29
2. Problems—Props. 51 to 62

गणित के साथ व्यापारिक विषय (कॉमर्स ) का विकल्प होगा, जिसमें निम्न विषयों का समावेश होगा :—

सूचना—९म तथा १०म दोनों श्रेणियों में दो दो पत्र हुआ करेंगे।

## १. Book keeping ( बहीखाता )

बहीखाता, रोकड़ बही, नकल बही, खाताबही का लिखना, रोज़नामचा तैयार करना, खाता खताना, कच्चा और पक्का आंकड़ तैय्यार करना, बीजक बनाना और उसका जमा खर्च, बैङ्क का हिसाब रखना, बैङ्क, हुण्डी आदि का जमा ख़र्च करना, रोकड़ बही में बैंक का हिसाब रखना, खानेदार बहिएँ रखना, अँग्रेज़ी तथा देशी बहीखाता पद्धति का परिचय, साझा व कम्पनी के मामूली हिसाब, व्यय फैलाना, आढ़तियों का हिसाब तैयार करना।

पाठ्य पुस्तक—हिन्दी बहीखाता—कस्तूरमल बांठिया।
सहायक पुस्तक नामा लेखा और मुनीबी—कस्तूरमल बांठिया।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



2. Business Method.

Office routine, Drafting simple business and official letters, Preparations of telegrams and cablegrams, including a knowledge of simple codes, Docketing, filing, copying and despatch of letters, Ordinary postal registration, and insurance forms, Post office saving bank account, Telephone. Simple duplicating and other labour saving appliances, Meaning of ordinary commercial terms and abbreviations, Preparation of simple commercial documents such as–indents, invoices, bills of exchange, promissory notes, statement of accounts; Nature and use of bills of landing and railway receipts, Simple banking transactions involving the nature and use of cheque deposit slips and pass-books.

Books recommended

1. Method and Correspondence, by Arthur Fieldhouse.
2. Commercial Practice, Part I by Govil and Gupta ( Bros Cawnpore ).

3. Typewriting

[ i ] Typing a letter with carbon copies.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



[ ii ] Typing a simple tabular statement,

[ iii ] Typing from a rough and unarranged draft in manuscript containing common abbrevia. tions. A knowledge of mechanism of a type-writing machine is expected of all candidates in Typewriting.

1. Pitman's or Remington's Typewriting.
2. "Touch Typewriting", published by Frank Bros and Co. Chandani Chowk Delhi.

4. Commercial Arithmetic

## ५. पदार्थ विद्या

पत्र ( क ) ३ घण्टे ७५ अंक

Class book of Science Part 1

1. Mechanics 2. Heat तथा ( 3 ) Light ( सम्पूर्ण )

क्रियात्मक २५ अंक

## ६. इतिहास

पत्र ( क ) ३ घण्टे ७५ अंक

१० हिन्दुस्तान के निवासियों का संक्षिप्त इतिहास—डा० ताराचन्द्र सन् १५२६ ई० तक ( मुगलकाल से पूर्व तक )

पत्र ( ख ) ३ घण्टे ७५ अंक

( i ) भारतीय अर्थशास्त्र दोनों भाग—केला ३५ अंक

( ii ) भूगोल–एशिया तथा योरुप—रायसाहब सोहनलाल ४० अंक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



# ७. आर्यभाषा

पत्र ( क ) ३ घण्टे ६० अंक

१. रामचरितमानस ( अयोध्याकाण्ड पूर्वार्द्ध )

२. आधुनिक पद्यावली—कपूर

३. वेद का राष्ट्रगान—शारदामन्दिर

४. सप्तसरोज—प्रेमचन्द्र

४. हिन्दी व्याकरण – कृष्णचन्द्र ( पूर्वार्द्ध १४२ पृष्ठ तक )

६. सरल पिंगल या पिंगल [illegible]

७. आदर्श निबन्धमाला

पत्र ( ख ) २ घण्टे ४० अंक

वाक्यरचना, प्रस्ताव तथा पत्र व्यवहार

नोट—कम से कम १० निबन्ध कापी के चार चार पृष्ठों के साल भर में लिखने आवश्यक होंगे ।

# ८. धर्मशिक्षा

( i ) दोनों श्रेणिओं में धर्मशिक्षा का ३ घण्टे और १०० अंकों का एक ही प्रश्न पत्र हुआ करेगा ।

( ii ) सत्यार्थ प्रकाश के प्रथम पांच समुल्लास अष्टम श्रेणी में पढ़ाए जावें ।

एक पत्र ३ घण्टे १०० अंक

सत्यार्थप्रकाश—६ से १० समुल्लास

गीता—१ से ६ अध्याय तक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



# दशम श्रेणी

## १. वेदांग ( व्याकरण )

पत्र ( क ) ३ घण्टे १०० अंक

१. काशिका ( उत्तरार्द्ध )

२. आख्यातिक निचली श्रेणियों की पाठविधि बनने पर पढ़ाई जावे।

पत्र ( [illegible] ३ घण्टे १०० अंक

[illegible]

[illegible] सिद्ध

[illegible]

[illegible] श्रेणि के स[illegible]।

## २. संस्कृत साहित्य

पत्र ( क ) ३ घण्टे १००अंक

१. साहित्य सुधा संग्रह २य बिन्दु निम्नलिखित स्थल—

( i ) वासवदत्ता—१० पृष्ठ

(ii ) हर्षचरितम्—१० ”

(iii) कादम्बरी—शेष ६४ पृष्ठ [redacted] ३ पृष्ठ

२. चम्पूरामायण—प्रथम तीन खण्ड

पत्र ( ख ) ३ घण्टे ७५ अंक

अनुवाद, प्रत्यनुवाद, प्रस्ताव, व्याख्यान तथा वाक्य रचना आदि।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



पत्र ( ग ) २५ अंक

मौखिक-संभाषण, पठन, कण्ठस्थ श्लोकादि ।

सूचना—गृह निबन्ध नवम के समान ।

## ३. आंगलभाषा

पत्र ( क ) ३ घण्टे ६० अङ्क

1. Winners of Freedom, by F. Martin (Omitting William Tell, William Silent, William III)

2. Parkinson's Selections–Pages 32–56

पत्र ( ख ) ३ घण्टे ७५ अंक

Wren--High School English Grammar

१८२ पृष्ठ से अन्त तक ।

वाक्यरचना, अनुवाद, प्रत्यनुवाद, प्रस्ताव तथा पत्र लेखन ।

पत्र ( ग ) २५ अंक

मौखिक-सम्भाषण आदि

पत्र ( ग ) के लिए सहायक पुस्तक English Dialogues, by F. Martin रखी जावे ।

सूचना—( ख ) पत्र में उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा ।

## ४. गणित या व्यापार

प्रश्न पत्र ( क ) ३ घण्टे ७५ अङ्क

१. अङ्कगणित—तेजराम कृत ३५ अङ्क

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



निम्नलिखित नियम—

१. हानि लाभ। २. स्टाक तथा हिस्से। ३. क्षेत्रफल। ४. कैलेण्डर। ५. कार्य सम्बन्धी प्रश्न। ६. समय तथा दूरी सम्बन्धी प्रश्न। ७. दौड़ खेल। ८. मिश्रगणित।

२. एल्जेब्रा मेड ईज़ी के. पी. वासु — ४० अंक

From Exercises 62 to 98. :Omitting exercise no. 92 ( Cube root ) and simple graphs of the equations of first degree. Appendix exercises 106 to 112.

पत्र ( ख ) — ३ घण्टे ७५ अंक

१. अंकगणित—तेजरामकृत — १५ अंक

१. चक्रवृद्धि ब्याज। २. तत्कालधन मितिकाटा। ३. व्यावहारिक बट्टा।

२. डिमोन्स्ट्रेटिव ज्यौमेट्री—जी. एन. चटर्जी — ६० अंक

I. Theorems—Prop. 30 to 50 — ३० अंक

II. Problems—Prop. 63 to 81 — ३० अंक

गणित के साथ व्यापार का विकल्प होगा। पाठविधि दोनों श्रेणियों की नवम के पाठ में छपी है।

## ५. पदार्थविद्या

पदार्थविद्या—

पत्र ( क ) — ३ घण्टे ७५ अंक

Class book of Science Part I — २० अंक

1. Electricity ( frictional and current )

2. Magnetism.

Class Book of Science Part II (संपूर्ण)—५५ अंक

क्रियात्मक — २५ अङ्क

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



## ६. इतिहास

पत्र ( क ) ३ घण्टे ७५ अङ्क

हिन्दुस्तान के निवासियों का संक्षिप्त इतिहास—डा० ताराचन्द तथा आंग्लकाल)

पत्र ( ख ) ३ घण्टे ७५ अंक

१. भारतीय शासन—भगवानदास केला २५ अंक

२. भूगोल—ला० सोहनलाल

I. प्राकृतिक भूगोल— ३० अंक

II. शेष महाद्वीप (एशिया तथा युरोप को छोड़ कर) २० "

## ७. धर्मशिक्षा

पत्र ( क ) ३ घण्टे १०० अंक

१. सत्यार्थप्रकाश—११ से १४ समुल्लास
( १३, १४ समुल्लासों में से अधिक से अधिक १५ अंकों के प्रश्न पूछे जा सकेंगे )

२. गीता—१० से १८ अध्याय

## ८. आर्यभाषा

पत्र ( क ) ३ घण्टे ६० अंक

१. रामचरितमानस ( अयोध्याकाण्ड उत्तरार्द्ध )

२. तक्षशिला—उदयशंकर भट्ट

३. अशोक नाटक—चन्द्रगुप्त विद्यालंकार

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



४. गद्यमालादर्श--जीवन शंकर याज्ञिक

५. हिन्दी व्याकरण--कृष्णचन्द्र( उत्तरार्द्ध १४३ पृष्ठ से अन्त तक)

६. अलंकार प्रबोध—रामरत्न अथवा अलंकार चन्द्रिका

पत्र ( ख ) २ घण्टे ४० अंक

वाक्य रचना, प्रस्ताव तथा पत्र व्यवहार।

सूचना—कम से कम १० निबन्ध कारी के ४, ४ पृष्ठों के लिखने आवश्यक होंगे।

१. ( क ) व्याकरण तथा संस्कृत साहित्य को एक विषय समझा जावेगा। इन में पृथक् २ उत्तीर्ण होना आवश्यक न होगा। परन्तु इन में से प्रत्येक में कम से कम २०% अंक लेना आवश्यक होगा।

( ख ) यदि कोई विद्यार्थी व्याकरण तथा संस्कृत के योग में अनुत्तीर्ण हो परन्तु किसी एक विषय में ३३% अंक लेकर उत्तीर्ण हो; तो उसकी उसी विषय में दोबारा परीक्षा होगी जिसमें कि वह अनुतीर्ण है। दोबारा परीक्षा में उसे कम से कम इतने अंक लेने आवश्यक होंगे जितने अंकों से वह दोनों विषयों के योग में उत्तीर्ण हो सके किन्तु यह अंक २०% से कम न होंगे।

२. नवम दशम दोनों श्रेणियों की परीक्षा शिक्षा पटल लेगा और नवम में पढ़े पाठ की परीक्षा दशम में न होगी।

३. यदि कोई विद्यार्थी आंगलभाषा के ( ख ) पत्र में अनुत्तीर्ण हो जावे परन्तु योग में उत्तीर्ण हो तो उसकी दोबारा परीक्षा केवल ( ख ) पत्र में ही होगी।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



# विज्ञान की विस्तृत पाठविधि

## ९म श्रेणी

**भौतिकी—**

परीक्षणात्मक भागों और दैनिक जीवन में आने वाले आधारभूत सिद्धान्तों के प्रयोग पर अधिक बल दिया जाना चाहिए। देश, काल और प्रकृति। निरीक्षण की विधियां। परीक्षणोल्लेखन। माप। अङ्गरेज़ी और फरांसीसी ( Metric ) विधियों से लम्बाई, क्षेत्रफल, आयतन, द्रव्य-मान ( Mass ) और घनता का साधारण माप। कमानीदार और साधारण तुला का प्रयोग। पदार्थ की तीन अवस्था और उनके विशेष गुण। ब्रामा प्रेस; द्रवों का दबाव; आर्शीमीडस ( Archimedes ) का सिद्धान्त। ठोस और द्रवों की आपेक्षिक घनता तथा उनका ( Hydrostatic Balance द्वारा निश्चित करना; तैरने वाले पिण्ड, हाइड्रो मीटर। वैलून। वायवीय दबाव। साधारण भारमापक, जल पम्प, और वक्रा व पनचोर।

वेग ( Velocity ) के विषय में साधारण ज्ञान, गत्यन्तर। Graphic Representation जड़ता के विषय में प्रारम्भिक ज्ञान, गतिशक्ति, शक्ति। गति (Motion) सम्बन्धी तीन नियम। द्रव्यमान और भार। गुरुताकर्षण के नियम। गुरुता केन्द्र। दो शक्तियों की समतुलितावस्था, एक पिण्ड की तीन प्रकार की समतुलितावस्थाएं।

Moment of a force, लीवर ( lever ) का सिद्धान्त; साधारण पुली ( Pulley )।

ताप का उद्गम और उसके प्रभाव; ताप और ताप परिमाण। पारदीय तापमापक; अधिकतम न्यूनतम तापमापक;

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



ताप की इकाई, आपेक्षिक ताप, तापधारणा, जलीय तथा वाष्पीय विलीन ताप। मिश्रण द्वारा ठोस पदार्थ के आपेक्षिक ताप और जलीय विलीन ताप का मापना।

अवस्था परिवर्तन। पिघलाव। द्रावण बिन्दु का जानना। जमाने वाले मेल। वाष्पी भवन और खौलाव। खौलाव बिन्दु का जानना। दबाव के साथ खौलाव बिन्दु का परिवर्तन दिखाने वाले परीक्षण। वायवीय आर्द्रता जल वाष्प का घनीकरण। ओस बिन्दु। बादल, वर्षा, बर्फ़।

ताप का वाहन, सुवाहक और दुर्वाहक, परिवाहन; वेन्टिलेशन, व्यावहारिक वायुवें। ताप का प्रसरण। ताप की किरणों के सप्रसारक, सुविलायक और सुप्रतिक्षेपक। ओस निर्माण के लिये उचित अवस्थायें।

प्रकाश के स्रोत; प्रकाश सीधी रेखाओं में चलता है, बिन्दु प्रतिमाएं (Pin-hole Images) छायायें, ग्रहण।

प्रकाश का प्रतिक्षेप; प्रकाश के प्रतिक्षेप के नियम; साधारण दर्पण से प्रतिक्षेप द्वारा बनी हुई वस्तु की प्रतिमा।

प्रकाश का विचलन; प्रकाश के विचलन के नियम के साधारण प्रयोग द्वारा गिलास में पड़े हुए पानी की विचलन सूचि (Index) का परीक्षणात्मक निश्चय। परशुक में से विचलन। परशुक से किरणों का विश्लेषण। पिण्डों के रङ्ग।

उन्नतोदर ताल; उन्नतोदर ताल द्वारा बनी हुई वास्तविक प्रतिमाएं; उन्नतोदर ताल की फोकल-लैङ्थ का परीक्षणात्मक ज्ञान। गुरुकारी काच (Magnifying glass) की दृष्टि से उन्नतोदर ताल का प्रयोग। फोटोग्राफी का कैमरा, मैजिक लैन्टर्न, ज्योतिष सम्बन्धी दूरवीक्षण और अणुवीक्षण यन्त्र के सिद्धान्त।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



क्रियात्मक—साधारण लंबाइयों, क्षेत्रों और आयतनों को मापने में गज, फुट और इञ्च; मीटर, सेन्टीमीटर और मिलीमीटर का ज्ञान; साधारण तुला पर ग्राम डैसीग्राम सेन्टीग्रामों से तोलना; ठोसों की घनता निकालने के लिये आर्शीमीडस के सिद्धान्त का सामान्य प्रयोग । साधारण भारमापक ( Vernier के बिना ) का पढ़ना; शतांश या फार्नहाईट थर्मामीटर का पढ़ना । उन्नतोदर ताल द्वारा प्रतिमाएं बनाना, [ बुनने की सूई को चुंबकित करना; अलक्तरोभाल को अलक्तरस्ताविष्ट करना; लीडन जार को अलक्तरस्ताविष्ट करना; आर्स्टेड का परीक्षण । ]

## १०म श्रेणी

पिण्डों को अलक्तरस्ताविष्ट करना । धन तथा ऋण विद्युत । सुवर्णपत्रीय अलक्तरोभाल । वाहक और अवाहक ( Insulators ), रगड़ तथा वाहन से अलक्तरोभाल को प्रभावित करना । आलक्तरिक उपपादन द्वारा अलक्तरोभाल को प्रभावित करना । आलक्तरिक स्थाली ।

साधारण वोल्टिक घट; स्थानीय क्रिया और ध्रुवी भवन ( Local action and Polorization ); बुन्सन घट का वर्णन, डेनियल घट, लेकलैन्स ( Leclanche ) घट; दो या दो से ज्यादा घटों की वैद्युतिक धारा से ताप तथा प्रकाश की उत्पत्ति । औरस्टेड का परीक्षण, गलवनोमीटर का सिद्धान्त । आलक्तरिक चुम्बक । विद्युत घन्टी । विद्युद्विश्लेषण और Electroplating.

चुम्बक के गुण, चुम्बक बनाना; नाविक दिग्भाल-यन्त्र ।

**रसायन—**

भौतिक और रासायनिक परिवर्तन । तत्व, समास और मिश्रण, धातु और अधातु । रासायनिक संश्लेषण और विश्लेषण ।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



घोल, नितारण, छारण, वाष्पीभवन, तिर्यक पातन। परिपूर्ण घोल। स्फटिक, स्फटिकीकरण, ऊर्ध्वपातन। वायु की बनावट। अम्लजन। नत्रजन। वायु की मलिनताएं। वायु में द्रवीभूत होने वाले ( Deliquescent पदार्थ )। वायु एक मिश्रण है।

रासायनिक स्नेह, अम्लजन का निर्माण, इसके गुण तथा उपयोग। उपचय, अपचय ज्वलन। मोमबत्ती की ज्वाला के भाग।

उद्रजन, उद्रजन का निर्माण और उस के गुण।

पानी, पानी के गुण और विद्युद्विश्लेषण द्वारा रचना। वर्षा, झरने, खनिज तथा समुद्रीय जल; कठोर और कोमल जल। कठोर जल को कोमल करना।

ऐन्द्रियिक और अनैन्द्रियिक समास। कर्बन के एलोट्रोफिक रूप। कोयला, श्वसन। बत्ती का जलना। कओ२ पर पौदों की क्रिया।

कर्बन द्वयोपित, कर्बन द्वयोपित का निर्माण, गुण और उपयोग। चूने का पत्थर। चूना और बुझा हुवा चूना। खटिक के कर्बनित और गन्धित रूप।

उद्रहरिकाम्ल गैस—इस का निर्माण तथा गुण। हरिद, गन्धक। इस के भेद, खुली हवा और बन्द बर्तन में इस पर ताप का प्रभाव। गन्धक का द्वयम्लजिद् और उसके गुण। गन्धकाम्ल, इस के गुण और धातुवों पर क्रिया। गन्धित; लाल और पीला प्रस्फुरक। दियासलाई।

नत्रिकाम्ल—इस का निर्माण गुण तथा उपयोग। नत्रित। उद्रहरिकाम्ल, गन्धकाम्ल, तथा नत्रिकाम्ल की पहचान। अमोनिया और उस के गुण।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



कच्ची धातुएं और धातुएं। धातु संकर या मिलावट ( Alloys ) और पारद सेप। सोडियम, पोटाशियम के मुख्य लक्षण।

**निम्न धातुवों के गुण—**

ताम्र, पारद, रजत, जस्त सीसा, बंग, लोह और एलुमीनियम।

**क्रियात्मक—**

घुलनशील तथा अघुलनशील ठोस पदार्थ। नितारण। छारण। तिर्यक् पातन। अम्लों में पदार्थों की घुलनशीलता। बत्ती का जलना, और ज्वाला के भाग। अम्लजन के मिश्रणों से अम्लजन का पृथक् करना और इसके भौतिक तथा रासायनिक गुणों का ज्ञान। हलके गन्धकाम्ल पर जस्ते की क्रिया द्वारा उद्जन का निर्माण और इसके भौतिक तथा रासायनिक गुणों का ज्ञान। कर्बनिकाम्ल गैस ( कर्बन द्वयम्लजिद ) का निर्माण और उसके भौतिक तथा रासायनिक गुणों का ज्ञान। जलाना और सांस लेना। अम्ल, लवण, क्षार में भेद करना। तीन मुख्य अम्लों के पहचानने की विधियां।

**निर्दिष्ट पुस्तकें—**

Lessons in Science, Gregory and Simmons, Indian Edition ( Macmillan ) अथवा

A Class Book of Science ( Vol. I Physics, and Vol. II Chemistry ), स० प्रेमसिंह, एम.एस सी. तथा ला० रामभेजामल, एम. एस सी.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri



टिप्पणि — क्रियात्मक विज्ञान के लिए निम्नलिखित पुस्तकों में से कोई एक भी काम में ला सकते हैं—

1. Practical Physics and Chemistry and Laboratory notebooks–रायसाहब प्रो० रुचिराम साहनी
2. A Manual of Practical Science—
   ला० गिरधारीलाल B.Sc.
3. Practical Physics and Chemistry–
   रामभेजामल सेठ, M.Sc तथा राजा धनराजसिंह, B.A.B.T.
4. A Book on Practical Science For M.S.L.C. Candidates–ला० मुकन्दलाल भाटिया, M.Sc.

66 / 986

गुरुकुल प्रेस गुरुकुल कांगड़ी में छपा

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मुद्रक—गुरुकुल यन्त्रालय गुरुकुल कांगड़ी।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

PAYMENT PROCESSED
vide Bill No 924 Dated 20-10-97
ANIS BOOK BINDER

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar